THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 326 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ शु.4 2080 मंगलवार, 13 फरवरी-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

पीएम मोदी ने एक लाख अपॉइंटमेंट लेटर बांटे

कहा- पहले नियुक्ति में देरी कर रिश्वत का खेल होता था, हमने प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को रोजगार मेले के तहत 1 लाख से ज्यादा लोगों को अपॉइंटमेंट लेटर बांटे। 2024 लोकसभा चुनाव से पहले केंद्र सरकार का यह 12वां और आखिरी रोजगार मेला है। पीएम ने दिल्ली में कर्मयोगी भवन की भी आधारशिला रखी। यह परिसर मिशन कर्मयोगी के बीच सहयोग और तालमेल को बढ़ावा देगा।

कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करते हुए पीएम मोदी बोले, आज हर युवा जानता है कि अगर वह कड़ी मेहनत करे तो वह अपने लिए जगह बना सकता है। 2014 से हम युवाओं को विकास में भागीदार बनाने का प्रयास कर रहे हैं। हमने पिछली सरकार की तुलना में 1.5 प्रतिशत अधिक नौकरियां दी हैं।

मोदी ने कहा, पहले नौकरी के लिए विज्ञापन जारी होने से लेकर नियुक्ति पत्र देने तक बहुत लंबा समय लग जाता था। इस देरी का फायदा उठाकर उस दौरान रिश्वत का खेल भी जमकर होता था। हमने भारत सरकार में भर्ती की प्रक्रिया को अब पूरी तरह पारदर्शी बना दिया है।

देश में स्टार्टअप्स की संख्या 1.25 लाख के आसपास :

आज भारत, दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। देश में स्टार्टअप्स की संख्या अब 1.25 लाख के आसपास पहुंच रही है। इनमें बड़ी संख्या में स्टार्टअप टीयर 2 और टीयर 3 शहरों में हैं। इन स्टार्टअप्स से युवाओं के लिए लाखों रोजगार

बन रहे हैं। इस बार के बजट में स्टार्टअप को मिलने वाली टैक्स छूट को आगे बढ़ाने का भी ऐलान किया गया है।

बेहतर कनेक्टिविटी का असर देश के विकास पर पड़ता है :

आज इस रोजगार मेले के द्वारा भारतीय रेलवे में भी नियुक्तियां हो रही हैं। भारतीय रेलवे आज एक बहुत बड़े ट्रांसफॉर्मेशन के दौर से गुजर रहा है।

इस दशक के अंत तक भारतीय रेलवे का पूरी तरह कायाकल्प होने जा रहा है। देश में जब कनेक्टिविटी का विस्तार होता है, तो उसका प्रभाव एक साथ कई चीजों पर पड़ता है।

कनेक्टिविटी बेहतर होने से नए बाजार बनने लगते हैं, पर्यटन स्थलों का विकास होता है। कनेक्टिविटी बेहतर होने से नए बिजनेस तैयार होते हैं और इससे रोजगार के लाखों अवसर बनते हैं। यानी कनेक्टिविटी अच्छी होने का सीधा प्रभाव देश के विकास पर पड़ता है।

कर्मयोगी भारत पोर्टल पर 800 से ज्यादा कोर्स उपलब्ध:

पीएम ने कहा, आज दिल्ली में एक इंटीग्रेटेड ट्रेनिंग कॉम्प्लेक्स का भी शिलान्यास हुआ है। मुझे विश्वास है कि नए ट्रेनिंग कॉम्प्लेक्स से कैपेसिटी बिल्डिंग की हमारी पहल को और मजबूती मिलेगी।

सरकार ने 'कर्मयोगी भारत पोर्टल' भी लॉन्च किया है। इस पोर्टल पर विभिन्न विषयों से जुड़े 800 से ज्यादा कोर्स उपलब्ध हैं। अब तक इस पोर्टल से 30 लाख से ज्यादा यूजर जुड़ चुके हैं।

इन विभागों में होंगी नियुक्तियां

जिन 1 लाख युवाओं को जॉब लेटर बांटे जा रहे हैं, उनकी केंद्र सरकार के विभागों और राज्य सरकारों/केंद्र शासित प्रदेशों में भर्तियां हो रही हैं। इनमें राजस्व विभाग, गृह मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग, रक्षा मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, जनजातीय मामलों के मंत्रालय और रेलवे मंत्रालय शामिल है।

अक्टूबर 2022 से शुरू हुआ था रोजगार मेला :

22 अक्टूबर 2022 को प्रधानमंत्री ने रोजगार मेले का पहला फेज शुरू किया था। तब पीएम ने कहा था, हमारा लक्ष्य देश के युवाओं को 2023 के अंत तक 10 लाख सरकारी नौकरियां देना था। नवंबर 2023 तक आयोजित 11 रोजगार मेलों में करीब 7 लाख से ज्यादा युवाओं को जॉइनिंग लेटर दिए गए थे।

> आज दिल्ली में एक इंटीग्रेटेड ट्रेनिंग कॉम्प्लेक्स का भी शिलान्यास हुआ है। मुझे विश्वास है कि नए ट्रेनिंग कॉम्प्लेक्स से कैपेसिटी बिल्डिंग की हमारी पहल को और मजबूती मिलेगी। सरकार ने 'कर्मयोगी भारत पोर्टल' भी लॉन्च किया है।

चौधरी जयंत ने एनडीए में शामिल होने का किया एलान

पश्चिमी यूपी में बदलेंगे चुनावी समीकरण

मेरठ, 12 फरवरी (एजेंसियां)। रालोद प्रमुख जयंत चौधरी ने आखिरकार सोमवार को एनडीए में शामिल होने का एलान कर दिया है। अब चौधरी जयंत के एनडीए में जाने से वेस्ट यूपी में चुनावी समीकरण भी पूरी तरह बदल जाएंगे। हालांकि, जयंत का एनडीए में शामिल होना कई दिनों से तय माना रहा था लेकिन, आधिकारिक पुष्टि का इंतजार था।

रालोद प्रमुख चौधरी जयंत सिंह के एनडीए में शामिल होने से पश्चिमी यूपी के चुनावी समीकरण भी अब बदल जाएंगे। अब आगामी लोकसभा चुनाव में जाट वोट बैंक भी भाजपा की तरफ आता दिखाई देगा। अब इसके दो बड़े कारण हो गए हैं। पहले भाजपा सरकार ने किसानों के मसीहा पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देने की घोषणा कर दी और अब रालोद प्रमुख चौधरी जयंत सिंह ने भी एनडीए में शामिल होने का एलान आधिकारिक तौर पर कर दिया है।

केंद्र सरकार ने दो दिन पहले ही पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह और पीवी नरसिम्हा राव को सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' देने का एलान किया था।

नीतीश सरकार ने विश्वास मत हासिल किया

आरजेडी के तीन विधायकों ने की क्रॉस वोटिंग

पटना, 12 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार में नीतीश कुमार सरकार ने विश्वास मत हासिल कर लिया है। नीतीश सरकार के पक्ष में 129 वोट पड़े, आरजेडी के तीन विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की। वहीं कांग्रेस, लेफ्ट और आरजेडी के सदस्यों ने सदन से वॉकआउट किया।

बिहार में सत्ता खो चुके राष्ट्रीय जनता दल (राजद) को सोमवार को उस समय झटका लगा जब उसके तीन सदस्य बिहार विधानसभा में सत्ता पक्ष के विधायकों के पास जाकर बैठ गए। राजद नेता तेजस्वी यादव ने विधानसभा अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान से पहले पार्टी विधायकों चेतन आनंद, नीलम देवी और प्रह्लाद यादव के सत्तारूढ़ राजग के सदस्यों के बीच बैठने पर आपत्ति जताते हुए व्यवस्था का प्रश्न उठाया। हालांकि, आसन पर मौजूद उपाध्यक्ष महेश्वर हजारी ने व्यवस्था के प्रश्न पर कोई फैसला नहीं दिया।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य विधानसभा के समक्ष पेश किया गया विश्वासमत प्रस्ताव जीत लिया और विपक्ष के बहिर्गमन के बीच उनके नेतृत्व वाली राजग सरकार के पक्ष में 129 वोट पड़े।

सीएम नीतीश कुमार ने कहा, अब हम अपनी पुरानी जगह आ गए हैं। अब चिंता मत कीजिए, अबकी बार सब दिन के लिए आए हैं। हम किसी का नुकसान नहीं करेंगे, आप सबके हित के लिए काम करेंगे। आप जिस कम्यूनिटी की बात करते हैं उनके लिए भी काम करते हैं करते रहेंगे।

एनडीए के फ्लोर टेस्ट पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा, जब ये लोग (कांग्रेस और आरजेडी) साथ थे तो हमने बाकि सब लोगों को एकजुट करने के लिए यहां पर बैठक भी की। मैंने इतने दिन मेहनत की और मैं सबको एकजुट कर रहा था लेकिन कुछ हुआ? कांग्रेस पार्टी को डर लग रहा था, हम बार-बार कह रहे थे कि बाकि पार्टियों को एकजुट कीजिए। हमें बाद में पता चला कि इनके (तेजस्वी यादव) पिता भी उनके (कांग्रेस) साथ हैं तब मुझे पता चला कि कुछ होने वाला नहीं है और फिर मैं अपनी पुरानी जगह (एनडीए) पर आ गया जहां मैं बहुत पहले था।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को आरोप लगाया कि बिहार में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के शासन के दौरान पार्टी भ्रष्ट आचरण में लिप्त थी और राजग के नेतृत्व वाली नई राज्य सरकार इसकी जांच कराएगी।

कुमार ने राज्य विधानसभा में अपनी पार्टी जनता दल (यूनाइटेड) द्वारा लाए गए विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए यह भी दावा किया कि राजद के कार्यकाल के दौरान बिहार में कई सांप्रदायिक दंगे हुए। उन्होंने कहा, राजद शासनकाल में कोई कानून-व्यवस्था नहीं थी। 2005 से पहले राजद अपने शासनकाल के दौरान भ्रष्ट आचरण में लिप्त था, मैं इसकी जांच कराऊंगा।

>14

पूर्व सीएम अशोक चह्वाण ने कांग्रेस छोड़ी

13 नेताओं के साथ भाजपा जॉइन कर सकते हैं, फडणवीस बोले- आगे-आगे देखिए होता है क्या

मुंबई, 12 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चह्वाण ने सोमवार को कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने विधायक पद भी छोड़ दिया है। अशोक चह्वाण ने विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर को इस्तीफा सौंपा। इससे पहले मिलिंद देवड़ा ने 14 जनवरी तो बाबा सिद्दीकी ने 8 फरवरी को कांग्रेस छोड़ दी थी। अशोक चह्वाण के इस्तीफे के बाद महाराष्ट्र के एक अन्य कांग्रेस नेता अमरनाथ राजुकर ने भी इस्तीफा दे दिया।

सूत्रों के मुताबिक अशोक चह्वाण 13 बड़े नेताओं के साथ भाजपा जॉइन कर सकते हैं। इसके साथ ही महाराष्ट्र में सियासी हलचल तेज हो गई है। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस, भाजपा नेता आशीष शेलार भाजपा दफ्तर पहुंचे। इस बीच

महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले दिल्ली रवाना हो गए।

अशोक चह्वाण बोले, मेरी किसी से कोई शिकायत नहीं :

अशोक चह्वाण ने कहा, मैंने अभी कोई पार्टी जॉइन नहीं की है। कल शाम से मैंने खुद को पार्टी से अलग कर लिया था। मेरी कांग्रेस के किसी विधायक से बात नहीं हुई है। किसी भी पार्टी से मैंने कोई भी डिस्कशन नहीं किया है। पार्टी छोड़ने का मेरा खुद का फैसला है। मेरी किसी से कोई शिकायत नहीं है।

जो 13 नेता अशोक चह्वाण के साथ कांग्रेस छोड़ेंगे, इनमें कई विधायक भी शामिल हैं। अगर ऐसा हुआ तो महाराष्ट्र से कांग्रेस का एक भी राज्यसभा सदस्य नहीं चुना जा सकेगा।

डिप्टी सीएम फडणवीस बोले, आगे-आगे देखो होता है क्या:

इस बीच डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि आगे आगे देखो होता है क्या। एमवीए के कई नेता हमारे संपर्क में हैं। मुझे विश्वास है कि वो भी बीजेपी जॉइन करेंगे। इससे पहले कांग्रेस के मिलिंद देवड़ा और पूर्व राज्यमंत्री बाबा सिद्दीकी ने इस्तीफा दिया था। इस तरह एक महीने में महाराष्ट्र कांग्रेस के 3 बड़े नेता इस्तीफा दे चुके हैं।

मनीष सिसोदिया को बड़ी राहत

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में कथित शराब घोटाले के मामले में पिछले साल गिरफ्तार हुए दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया के लिए आज राहत की खबर आई है। उन्हें कोर्ट से 3 दिन की अंतरिम जमानत मिल गई है। सिसोदिया पिछले एक साल से जेल में बंद थे। कुछ दिन पहले ही कोर्ट ने उन्हें बीमार पत्नी से हफ्ते में एक दिन मिलने की इजाजत दी थी। सिसोदिया को यह अंतरिम जमानत भतीजी की शादी में शामिल होने के लिए लगाई गई याचिका के आधार पर दी गई है। मनीष सिसोदिया ने अपनी भतीजी की शादी में शामिल होने के लिए राउज एवेन्यू कोर्ट में अंतरिम जमानत की अपील की थी। 14 फरवरी को उनकी भतीजी की लखनऊ में शादी है। सिसोदिया इसमें शामिल होने के लिए अंतरिम बेल मांग रहे थे, जिसे राउज एवेन्यू कोर्ट ने अप्रूव कर लिया है।

गवर्नर का विधानसभा से वॉकआउट

2 मिनट में सदन छोड़ा, भाषण पढ़ने से इनकार किया

चेन्नई, 12 फरवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु में गवर्नर और राज्य सरकार के बीच चल रही तनातनी फिर सामने आई। सोमवार को राज्य विधानसभा सत्र के पहले ही दिन गवर्नर आरएन रवि बिना भाषण पढ़े, दो मिनट में सदन छोड़कर चले गए। महज एक मिनट की स्पीच में गवर्नर रवि ने कहा कि राष्ट्रगान को सम्मान देने की मेरी रिक्वेस्ट को बार-बार नजरअंदाज कर दी गई। साथ ही इस संबोधन में कई अंश हैं, जो फैक्चुअली सही नहीं है। इसलिए नैतिक तौर पर मैं इनसे असहमत हूं।

गवर्नर ने कहा, अगर मैं फिर भी इसे अपनी आवाज देता हूं, तो यह संविधान का मजाक होगा। इसलिए मैं अपना संबोधन खत्म कर रहे हैं। लोगों की भलाई के लिए इस सदन में सार्थक चर्चा की कामना करता हूं। राज्यपाल के सदन छोड़ जाने के बाद स्पीकर अप्पावु ने विधानसभा के पहले सत्र का भाषण पढ़ा। हालांकि इस पूरे घटनाक्रम से तमिलनाडु की राजनीति में डीएमके और विपक्षी पार्टिया आमने-सामने आ गई हैं।

गवर्नर को नाथूराम गोडसे का फॉलोअर बताया राज्यपाल के विधानसभा से वॉकआउट का मामला बढ़ने के बाद तमिलनाडु गवर्नर ऑफिस ने एक बयान जारी किया है। जिसमें बताया गया कि गवर्नर ने मुख्यमंत्री और स्पीकर को लेटर लिखकर अनुरोध किया था कि संबोधन की शुरूआत और अंत में राष्ट्रगान बजाय जाए। स्पीकर के भाषण के बाद गवर्नर राष्ट्रगान के लिए खड़े हुए, लेकिन नियम का पालन करने के बजाय स्पीकर ने गवर्नर को नाथूराम गोडसे का फॉलोअर बताया।

प्रेस रिलीज में यह भी बताया गया है कि गवर्नर के भाषण के पहले ही पैरा में संत कुरल (738) का जिक्र था। जिसे देखते हुए

गवर्नर ने संवैधानिक मर्यादाओं का सम्मान करते हुए इसे पढ़ने से इनकार कर दिया क्योंकि इसमें गलत दावे और फैक्ट थे। हालांकि, स्पीकर अप्पावु ने पहले दिन की कार्रवाई खत्म होने के बाद मीडिया से कहा कि गवर्नर ने तैयार भाषण से जो पढ़ा वह ठीक है। उसके बाद उन्होंने कुछ व्यक्तिगत टिप्पणियां कीं जिन्हें हटा दिया गया है।

घट सकता है दर्शन करने का समय

चंपत राय बोले- पांच साल के बालक को 15-15 घंटे जगाना उचित नहीं

अयोध्या, 12 फरवरी (एजेंसियां)। भव्य मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद से रामनगरी में श्रद्धालुओं का रेला उमड़ रहा है। पिछले 21 दिनों से रोजाना रामलला के दरबार में दो से ढाई लाख भक्त पहुंच रहे हैं। मंदिर सुबह 6:30 बजे से रात 10 बजे तक निरंतर खोला जा रहा है। रामलला को विश्राम नहीं मिल रहा है। राममंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने अयोध्या में उमड़ रही भीड़ पर कहा है कि रामलला को 15 घंटे जगाना उचित नहीं है। पांच साल के बालक को आराम भी मिलना चाहिए।

चंपत राय ने एक बयान के अनुसार, लोगों का मत है कि पांच साल के बालक के रूप में पूजे जाने वाले भगवान राम को बीच-बीच में अच्छी तरह विश्राम की भी आवश्यकता है। श्रद्धालुओं का भारी दबाव घटाने के लिए 24 जनवरी के बाद से देवस्थान में हर रोज 15 घंटे दर्शन की व्यवस्था चल रही है।

कट्टर हिंदू हूं, लेकिन मुस्लिम हमारे साथ : उद्धव

वे कहते हैं शिवसेना-भाजपा का हिंदुत्व अलग आपसे घर का चूल्हा जलता है, वे घर जलाते हैं

मुंबई, 12 फरवरी (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि मुस्लिम समुदाय ने उनके हिंदुत्व विचारधारा का समर्थन किया। वे कट्टर हिंदू हैं, इसके बावजूद मुस्लिम समुदाय उनके साथ है। उद्धव ने मुंबई में कार्यकर्ताओं की एक सभा को संबोधित कर रहे थे।

इसमें उन्होंने कहा, मुस्लिम हमारे साथ आ रहे हैं। मैं उनसे पूछता हूं कि क्या आप नहीं जानते कि मैं शिवसेना का प्रमुख और हिंदू हृदय सम्राट (बाल ठाकरे) का बेटा हूं। मैं खुद एक कट्टर हिंदू हूं तो आप मेरे साथ क्यों आ रहे हैं?

उद्धव के मुताबिक, मुस्लिम उन्हें कहते हैं कि हमें पता चल गया है कि आपके हिंदुत्व और बीजेपी के हिंदुत्व में अंतर है। आपके हिंदुत्व से हमारे घर का चूल्हा जलता है और बीजेपी का हिंदुत्व घर जलता है। उद्धव ने आगे कहा, राम हमारे हृदय में हैं और यही हमारा हिंदुत्व है और हम देशभक्त हिंदू हैं।

उद्धव बोले, भाजपा ने वोटों के लिए कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न दिया

उद्धव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा सरकार ने आगामी लोकसभा चुनाव में बिहार के मतदाताओं को लुभाने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न से सम्मानित किया। भाजपा को बिहार में वोट चाहिए, इसलिए कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न दिया गया है।

>14

खुदरा महंगाई दर में आई कमी

जनवरी महीने में कम होकर 5.1 प्रतिशत पर पहुंची

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। खुदरा महंगाई दर जनवरी 2024 में कम होकर 5.1 प्रतिशत पर पहुंच गई है। यह पिछले तीन महीने में सबसे न्यूनतम स्तर है। दिसंबर महीने में खुदरा महंगाई दर 5.69 प्रतिशत था। खुदरा महंगाई आधारित उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) दिसंबर 2023 में 5.69 प्रतिशत पर था। जनवरी 2023 में यह आंकड़ा 6.52 प्रतिशत पर था। अगस्त 2023 में खुदरा महंगाई दर 6.83 प्रतिशत के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार जनवरी 2024 में खाद्य पदार्थों की महंगाई दर 8.3 प्रतिशत पर रही। जबकि उससे पिछले महीने यह 9.53 प्रतिशत पर थी। सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक को खुदरा महंगाई दर चार प्रतिशत पर (दोनों ओर दो प्रतिशत की मार्जिन के साथ)

रखने का लक्ष्य दिया है।

सब्जियों (27.6 प्रतिशत बनाम 27 प्रतिशत), दालों (19.5 प्रतिशत बनाम 20.7 प्रतिशत), मसालों (19.7 प्रतिशत की तुलना में 16.4 प्रतिशत) और फलों (11.1 प्रतिशत की तुलना में 8.7 प्रतिशत) की कीमतों में कम वृद्धि हुई और तेल और वसा (-15 प्रतिशत बनाम 15 प्रतिशत) के लिए कीमतों में गिरावट जारी रही।

महंगाई से जुड़े आंकड़े साप्ताहिक रोस्टर पर एनएसओ और एमओएसपीआई के फील्ड ऑपरेशन डिवीजन के कर्मचारियों द्वारा व्यक्तिगत यात्राओं के माध्यम से सभी राज्यों/संघ शासित प्रदेशों को कवर करने वाले चयनित 1114 शहरी बाजारों और 1181 गांवों से एकत्र किए जाते हैं। जनवरी 2024 में, एनएसओ ने 99.8 प्रतिशत गांवों और 98.5 प्रतिशत शहरी बाजारों से कीमतें एकत्र कीं, जबकि इसमें रिपोर्ट की गई बाजार-वार कीमतें ग्रामीण क्षेत्र के लिए 89.9 प्रतिशत और शहरी के लिए 93.6 प्रतिशत थीं।

विदेश मंत्री ने बिना नाम लिए चीन को सुनाई खरी-खरी

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर कूटनीति की भाषा में देश की नीति को पिरोकर बिंदास बोलते हैं। विदेश सेवा के अधिकारी रहे जयशंकर का अनुभव उन्हें इसके लिए बहुत उपयुक्त बना देता है। आस्ट्रेलिया के पर्थ शहर में दो दिवसीय हिंद महासागरीय देशों के सातवें सम्मेलन में 40 देशों के प्रतिनिधि एकत्र हुए थे। इसमें विदेश मंत्री ने बिना नाम लिए चीन को खूब खरी-खरी सुनाई। उन्होंने 39 देशों को सस्ते कर्ज के जाल में न फंसने के लिए आगाह किया। उन्होंने समुद्री क्षेत्र में बढ़ रही चुनौतियों की तरफ ईशारा करते हुए कहा कि नौवहन, उड़ानों की स्वतंत्रता, संप्रभुता और सुरक्षा की चिंताएं हैं।

यह जयशंकर का भारत के पड़ोसी देश चीन पर सीधा हमला था। जयशंकर ने श्रीलंका के चीन के सस्ते या अपारदर्शी कर्ज के जाल में फंसने का जिक्र किए बिना हिंद महासागर के देशों को

संदेश में ही सबकुछ कह दिया। वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारत और चीन के असमान्य संबंधों पर उनके नस्तर जैसे चुभते तंज भी इसी ओर ईशारा कर रहे हैं। जयशंकर अपने संबोधन में संप्रभुता की रक्षा को काफी अहम स्थान दिया। समुद्री कानूनों की अवहेलना के मामलों से निपटने और लंबे समय से चली आ रही संधियों के उल्लंघन जैसी चुनौतियों का सामना करने के लिए हिंद महासागरीय देशों के बीच में गहरे संबंध की वकालत की। जयशंकर के इस आह्वान को वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीन की कोशिश, दक्षिण सागर में चीन के दावे और जिबूती द्वीप पर उसके दबदबे से भी जोड़कर देखा जा रहा है।

हिंद महासागरीय क्षेत्र में क्या हैं चुनौतियां :

विदेश मंत्री ने समुद्री लुटेरों, जल दस्युओं और आतंकवाद के बढ़ते खतरों का जिक्र करते हुए आगाह किया कि जब हिंद महासागर पर नजर डालते हैं, तो वहां दुनिया के सामने मौजूद चुनौतियां पूरी तरह से स्पष्ट होती है। विदेश मंत्री ने कहा कि एक तरफ संघर्ष, समुद्र क्षेत्र के खतरे, समुद्री लूट और आतंकवाद का खतरा दिखाई देता है। जबकि दूसरी तरफ अंतर्राष्ट्रीय कानून के समक्ष उनके अनुपालना की चुनौतियां हैं। स्वतंत्र नौवहन, समुद्री क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय हवाई क्षेत्र में उड़ानों की आजादी व सुरक्षा तथा संप्रभुता को लेकर चिंताए हैं।

8 पूर्व भारतीय नौसैनिक रिहा

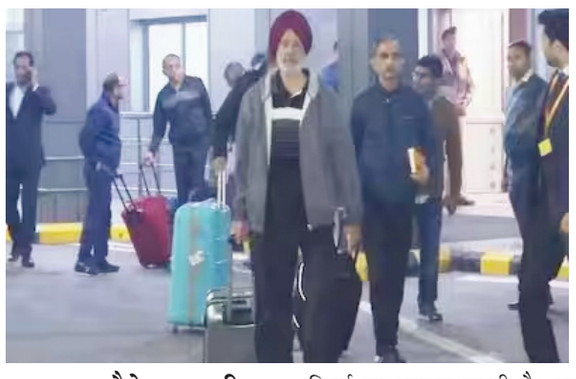

7 भारत लौटे; जासूसी का आरोप था, इनकी मौत की सजा कैद में बदली थी

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। कतर ने 8 पूर्व भारतीय नौसैनिकों को रिहा कर दिया है। इनमें से 7 सोमवार सुबह भारत लौट आए हैं। ये कतर में जासूसी के आरोप में उम्रकैद की सजा काट रहे थे। पहले इन्हें फांसी की सजा सुनाई गई थी।

विदेश मंत्रालय ने सोमवार (12 फरवरी) को देर रात कहा- भारत सरकार कतर में गिरफ्तार किए गए दहरा ग्लोबल कंपनी के लिए काम करने वाले 8 भारतीयों की रिहाई का स्वागत करती है। हम इनकी घर वापसी के लिए कतर के फैसले की सराहना करते हैं। कतर की इंटेलिजेंस एजेंसी के स्टेट सिक्योरिटी ब्यूरो ने 30 अगस्त 2022 को 8 पूर्व नौसैनिकों को गिरफ्तार किया था। दिल्ली एयरपोर्ट पर लौटने के बाद कुछ पूर्व नौसैनिकों ने मीडिया से बात की। एक पूर्व नौसैनिक ने कहा- पीएम मोदी के हस्तक्षेप के बिना हमारे लिए भारत लौटना संभव नहीं होता। भारत सरकार के लगातार प्रयासों के बाद ही हम वापस आ सके हैं। एक अन्य पूर्व नौसैनिक ने कहा- हम 18 महीने बाद भारत आ सके हैं। हम मोदी और भारत सरकार को उनके प्रयासों के लिए धन्यवाद देते हैं। घर लौटकर अच्छा लग रहा है।

ये सभी अफसर कतर की नौसेना को ट्रेनिंग देने वाली एक निजी कंपनी दहरा ग्लोबल टेक्नोलॉजीज एंड कंसल्टेंसी में काम करते थे। दहरा ग्लोबल डिफेंस सर्विस प्रोवाइड करती है। ओमान एयरफोर्स के रिटायर्ड स्क्वाड्रन लीडर खमिस अल अजमी इसके प्रमुख हैं। उन्हें भी 8 भारतीय नागरिकों के साथ गिरफ्तार किया गया था, लेकिन नवंबर में उन्हें छोड़ दिया गया। गिरफ्तारी से करीब 14 महीने बाद, 26 अक्टूबर 2023 को इन सभी पूर्व नेवी अफसरों को मौत की सजा सुनाई गई थी। 28 दिसंबर 2023 को इनकी मौत की सजा कैद में बदली गई थी।

वे 8 पूर्व अफसर, जिन्हें कतर ने रिहा किया

1. **कैप्टन नवतेज सिंह गिल:** कैप्टन नवतेज सिंह गिल चंडीगढ़ के हैं। उनके पिता आर्मी के रिटायर्ड अफसर हैं। वे देश के फेमस डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज वेलिंगटन, तमिलनाडु में इंस्ट्रक्टर रह चुके हैं। उन्हें बेस्ट कैडट रहने पर राष्ट्रपति अवॉर्ड दिया जा चुका है।
2. कमांडर पूर्णेंदु तिवारीः नेवी के टॉप ऑफिसर रह चुके हैं। नेविगेशन के एक्सपर्ट हैं। युद्धपोत आईएनएस 'मगर' को कमांड करते थे। दहरा कंपनी में मैनेजिंग डायरेक्टर रिटायर्ड कमांडर पूर्णेन्दु तिवारी को भारत और कतर के बीच द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने में उनकी सेवाओं के लिए साल 2019 में प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार मिला था। वह यह पुरस्कार पाने वाले आर्म्ड फोर्सेज के एक मात्र शख्स हैं।
3. कमांडर सुगुनाकर पकालाः 54 साल के सुगुनाकर पकाला विशाखापट्टनम के रहने वाले हैं। नौसैनिक के तौर पर उनका कार्यकाल शानदार रहा है। उन्होंने 18 साल की उम्र में ही नेवी जॉइन की थी। वे नवंबर 2013 में इंडियन नेवी से रिटायर हुए थे। इसे बाद उन्होंने कतर की कंपनी अल दहरा ग्लोबल टेक्नोलॉजीज एंड कंसल्टेंसी को जॉइन किया था।
4. कमांडर संजीव गुप्ता को गनरी स्पेशलिस्ट के तौर जाना जाता है।
5. कमांडर अमित नागपाल नौसेना में कम्युनिकेशन और इलेक्ट्रॉनिक वॉर सिस्टम के एक्सपर्ट हैं।
6. .कैप्टन सौरभ वशिष्ठ की पहचान तेज-तर्रार टेक्निकल ऑफिसर के तौर पर होती है। उन्होंने कई मुश्किल ऑपरेशन को अंजाम दिया है।
7. कैप्टन बीरेंद्र कुमार वर्मा को उनके नेविगेशनल एक्सपर्टीज के लिए पहचाना जाता है।
8. नाविक रागेश नौसेना में मेनटेनेंस और हेल्पिंग हैंड के रूप में काम करते थे।

किसानों के कूच से पहले दिल्ली में धारा 144: भीड़ पर पाबंदी

ट्रैक्टर की एंट्री बंद; पंजाब-हरियाणा, दिल्ली बॉर्डर सील

अंबाला, 12 फरवरी (एजेंसियां)। पंजाब और हरियाणा के 26 किसान संगठनों के 13 फरवरी के कूच को देखते हुए दिल्ली में धारा 144 लगा दी गई है। दिल्ली के पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा ने इसके आदेश जारी किए। जिसके बाद दिल्ली में भीड़ जुटाने पर पाबंदी लग गई है। ट्रैक्टरों की दिल्ली में एंट्री बंद कर दी गई है। लाउड स्पीकर के इस्तेमाल पर भी रोक लगा दी गई है। हथियारों से लेकर लाठी-पत्थर भी दिल्ली में नहीं ले जाने दिए जाएंगे।

वहीं कल के दिल्ली कूच से पहले किसानों की फसल पर एमएसपी गारंटी कानून को लेकर चंडीगढ़ में शाम को 5 बजे केंद्रीय मंत्रियों से अहम बैठक होगी। जिसमें पीयूष गोयल, अर्जुन मुंडा, नित्यानंद राय और किसान नेता शामिल होंगे। किसानों के प्रदर्शन को देखते हुए पंजाब और हरियाणा के शंभू, खनौरी समेत सभी बॉर्डर सीमेंट के स्लैब, कंटीली तारों, कीलों और खुदाई कर सील किए जा चुके हैं। हरियाणा के दिल्ली से सटे सिंघु और टिकरी बॉर्डर भी सीमेंट की बैरिकेडिंग लगाकर बंद कर दिए गए हैं।

वहीं उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में स्थित गाजीपुर बॉर्डर पर भी लोहे के बैरिकेड्स लगा दिए गए हैं। दिल्ली पुलिस ने यहां धारा-144 लागू करते हुए यूपी-हरियाणा जाने वाले वाहनों के लिए ट्रैफिक एडवाइजरी जारी कर दी है। सोमवार सवेरे UP को दिल्ली से जोड़ने वाले नेशनल हाईवे-9 की सर्विस लेन को बंद कर दिया है। हरियाणा में हालात संभालने के लिए केंद्र ने बीएसएफ और सीआरपीएफ की 64 कंपनियां भेजी हैं। भारतीय किसान यूनियन उगराहां गुट के नेता जोगिंदर सिंह उगराहां और भारतीय किसान यूनियन लक्खोवाल के नेता हरिंदर सिंह ने 16 फरवरी को भारत बंद का ऐलान किया है।

हरियाणा में 3 टेंपरेरी जेलें बनाई

हरियाणा सरकार ने किसानों को रोकने से लेकर गिरफ्तारी तक की तैयारी कर ली है। इसके लिए सिरसा के चौधरी दलबीर सिंह इंडोर स्टेडियम और गुरू गोबिंद सिंह स्टेडियम डबवाली में 2 टेंपरेरी जेलें बनाई हैं। राज्यपाल ने इसके लिए गृह विभाग के प्रस्ताव को मंजूरी भी दे दी है।

पिछली बार आंदोलन का केंद्र रहे सिंघु और टिकरी बॉर्डर पर आज किसी भी समय आवाजाही बंद कर दी जाएगी। सबसे पहले ट्रक और अन्य मालवाहक गाड़ियों को बंद किया जाएगा। 13 फरवरी यानी मंगलवार को इसे सभी वाहनों के लिए बंद कर दिया जाएगा। इस दौरान बसें और अन्य वाहन केएमपी कुंडली बॉर्डर से जाएंगी।

'डिप्टी सीएम का पद असंवैधानिक नहीं'

सुप्रीम कोर्ट ने नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका खारिज की

नई दिल्ली , 12 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों में उपमुख्यमंत्री नियुक्ति करने की प्रक्रिया को चुनौती देने वाली जनहित याचिका को खारिज कर दिया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि डिप्टी सीएम का पदनाम संविधान के किसी भी प्रावधान का उल्लंघन नहीं करता है। शीर्ष अदालत ने सोमवार को कहा कि उपमुख्यमंत्री की नियुक्ति, कई राज्यों में पार्टी या सत्ता में पार्टियों के गठबंधन में वरिष्ठ नेताओं को थोड़ा अधिक महत्व देने की प्रक्रिया का पालन किया जाता है। यह असंवैधानिक नहीं है।

सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़, जस्टिस जे बी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि उपमुख्यमंत्री संविधान के तहत सिर्फ सीएम की अध्यक्षता वाली मंत्रिपरिषद के सदस्य हैं और इससे ज्यादा कुछ नहीं। बेंच ने कहा कि कि उपमुख्यमंत्री की नियुक्ति संविधान के किसी भी प्रावधान का उल्लंघन नहीं करती है। इस आधार पर याचिका को खारिज किया जाता है।

जनहित याचिका में कहा गया था कि संविधान में कोई प्रविधान नहीं होने के बावजूद विभिन्न राज्य सरकारों ने उपमुख्यमंत्रियों की नियुक्ति की है। संविधान के अनुच्छेद 164 में केवल मुख्यमंत्रियों की नियुक्ति का प्रविधान है।

14 राज्यों में 26 डिप्टी सीएम

देशभर के 14 राज्यों में इस वक्त 26 डिप्टी सीएम है। वकील मोहनलाल शर्मा द्वारा दायर जनहित याचिका में कहा गया है कि डिप्टी सीएम की नियुक्ति का राज्य के नागरिकों से कोई लेनादेना नहीं है। न ही कथित उपमुख्यमंत्रियों की नियुक्ति होने पर राज्य की जनता का कोई अतिरिक्त कल्याण होता है।

याचिका में क्या कहा गया?

याचिका में यह भी कहा गया था कि डिप्टी सीएम की नियुक्ति से जनता में बड़े पैमाने पर भ्रम पैदा होता है। साथ पॉलिटिकल पार्टियों द्वारा काल्पनिक पोर्टफोलियो बनाकर गलत और अवैध उदाहरण स्थापित किए जा रहे हैं, क्योंकि उपमुख्यमंत्रियों के बारे में कोई भी स्वतंत्र निर्णय नहीं ले सकते हैं। जबकि उन्हें मुख्यमंत्रियों के बराबर दिखाया जाता है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट इसको सुनने के बाद याचिका को खारिज कर दिया।

'हम और सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ 40 साल पहले मिले थे'

आईसीजे जज हिलेरी चार्ल्सवर्थ ने साझा किया हार्वर्ड में पढ़ाई का किस्सा

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने शनिवार को सुप्रीम कोर्ट के हीरक जयंती समारोह के अवसर पर एक कार्यक्रम के दौरान अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय के न्यायाधीश हिलेरी चार्ल्सवर्थ का स्वागत किया।

अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय की जज हिलेरी चार्ल्सवर्थ ने शनिवार को कहा कि कैसे आईसीजे और भारत के सुप्रीम कोर्ट के सामने मामलों के राजनीतिक पहलू कुछ मायनों में समान हैं। इस दौरान उन्होंने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ से जुड़ी अपनी यादों को भी साझा किया।

अपने स्पीच के दौरान जस्टिस हिलेरी चार्ल्सवर्थ ने सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ के साथ अपनी फ्रेंडशिप और पोस्ट ग्रेजुएट जर्नी का किस्सा भी शेयर किया। हिलेरी चार्ल्सवर्थ ने कहा, 'भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और मैं पहली बार 40 साल पहले मिले थे। हमने हार्वर्ड की समृद्धि का पता लगाया। वह तब भी एक बहुत ही उदार और बुद्धिमान व्यक्ति के रूप में सामने आए। हमारे परिवारों ने दोस्ती को गहराई से महत्व दिया है और हमें उम्मीद है कि यह आगे भी जारी रहेगी।'

वहीं सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने जस्टिस चार्ल्सवर्थ को एक महान विद्वान, एक अग्रणी नारीवादी विचारक और एक पुराना मित्र बताया। उन्होंने कहा, "मैंने प्रिय पुराने मित्र ने कहा है, क्योंकि हम वास्तव में बहुत समय पीछे चले गए हैं। हमने हार्वर्ड लॉ स्कूल में एक साथ पढ़ाई की है। हमारी दोस्ती कक्षा से आगे बढ़ी और हमें शिक्षा की कठिनाइयों को पार करने में मदद मिली।

सीजेआई ने बताया कि कैसे अदालतों के भीतर लैंगिक विविधता को एकीकृत करने से बेहतर परिणाम सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, "न्यायाधीश के रूप में हम लगातार विभिन्न सामाजिक समूहों में न्याय के सवालों से लड़ते हैं। न्यायाधीश चार्ल्सवर्थ ने न्यायशास्त्र के नारीवादी स्कूल को मुख्यधारा में लाया है। चार्ल्सवर्थ ने बताया कि कैसे भारतीय सुप्रीम कोर्ट और संविधान अंतरराष्ट्रीय कानून और आईसीजे की भूमिका को पहचानते हैं। उन्होंने कहा कि वास्तव में यह मेरे सहित अन्य शीर्ष न्यायालयों की तुलना में अंतरराष्ट्रीय कानून लागू करने के लिए अधिक खुला है। जस्टिस चार्ल्सवर्थ के व्याख्यान में आईसीजे के इतिहास और इसके कुछ प्रमुख मानदंडों और विचारों पर भी चर्चा हुई।

राज्यसभा जा सकती हैं सोनिया गांधी

पूर्व आरबीआई गवर्नर रघुराम राजन को भी टिकट देगी कांग्रेस प्रियंका गांधी भी हिमाचल प्रदेश से राज्यसभा में एंट्री ले सकती हैं।

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी राज्यसभा जा सकती हैं। बढ़ती उम्र और स्वास्थ्य कारणों से वे चुनाव लड़ने के लिए इच्छुक नहीं हैं। ऐसे में पार्टी उनको राज्यसभा भेजने पर विचार कर रही है। ऐसा माना जा रहा है कि उन्हें हिमाचल प्रदेश से राज्यसभा में भेजा जाएगा। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस पार्टी सत्ता में है। यह भी चर्चा में है कि प्रियंका गांधी भी हिमाचल प्रदेश से राज्यसभा में एंट्री ले सकती हैं। उधर, रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर और वरिष्ठ अर्थशास्त्री रघुराम राजन को कांग्रेस पार्टी अपने कोटे से राज्यसभा में भेज सकती है। ऐसी संभावना जताई जा रही है कि पार्टी उन्हें अपने शासन वाले कर्नाटक से उम्मीदवार बनाएगी। वहां से फिलहाल 4 लोगों के राज्यसभा सदस्य के तौर पर चुना जाना है।

यह भी चर्चा है कि महाराष्ट्र से भी पार्टी उन्हें राज्यसभा में भेज सकती है। सोनिया गांधी और रघुराम राजन को लेकर पार्टी हाईकमान जल्द ही तय करेगी कि किन राज्यों से राज्यसभा का उम्मीदवार बनाया जाए। राज्यसभा में जाने के साथ ही रघुराम राजन की राजनीति में एंट्री हो जाएगी। राज्यसभा की 56 सीटों के लिए 27 फरवरी 2024 को मतदान होना है। इसके लिए 15 फरवरी तक नामांकन किए जा सकते हैं। रघुराम राजन पिछले काफी समय से कांग्रेस के काफी करीब हैं। वह राहुल गांधी की पिछली भारत जोड़ो यात्रा में भी शामिल हुए थे और उनकी प्रशंसा भी की थी। मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों की कई बार सार्वजनिक रूप से आलोचना कर चुके रघुराम राजन का जन्म 3 फरवरी 1963 को भोपाल में हुआ था।

भारतीय अर्थशास्त्री रघुराम राजन फिलहाल शिकागो बूथ स्कूल ऑफ बिजनेस विश्वविद्यालय में प्रोफेसर हैं। 2003 और 2006 तक वह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में मुख्य अर्थशास्त्री और शोध निदेशक रहे हैं। उन्हें पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में सितंबर 2013 में रिजर्व बैंक का गवर्नर बनाया गया था। इस पद पर वह सितंबर 2016 तक रहे। रिजर्व बैंक के वे 23वें गवर्नर थे। राज्यसभा चुनाव के कुछ ही समय बाद लोकसभा का चुनाव भी होना है। ऐसे में सभी दलों के लिए ये चुनाव काफी महत्वपूर्ण होने जा रहे हैं। कांग्रेस के अलावा, बीजेपी, टीएमसी समेत की दलों ने अपने उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है।

'चुनाव आयोग, कोर्ट , गृह मंत्रालय एक ही दिशा में काम कर रहे'

शरद पवार गुट को नया नाम मिलने पर भड़के संजय राउत

मुंबई, 12 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय चुनाव आयोग ने कुछ दिन पहले ही एनसीपी को लेकर एक बड़ा दिया था। इसमें उसने अजित पवार गुट को ही एनसीपी का असली हकदार बताया था, जिसके बाद चुनाव आयोग ने पार्टी का नाम और सिंबल अजित गुट को दे दिया था। इसके बाद महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल तेज है। अजित पवार और चाचा शरद पवार के बीच दरार बढ़ती हुई नजर आ रही है। इसी क्रम में शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने बयान दिया है। अजित पवार को एनसीपी का नाम और चुनाव चिन्ह मिलने और शरद पवार को अपने गुट के लिए नया नाम मिलने पर संजय राउत ने कहा कि चुनाव आयोग, न्यायालय, गृह मंत्रालय तीनों एक ही दिशा में काम कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय जनता पार्टी के अलावा अन्य पार्टियों को भी देश में रहना चाहिए। शिव सेना (यूबीटी) सांसद ने बयान में कहा कि आज देश और खासकर महाराष्ट्र के मुसलमान हमारे साथ हैं और कहते हैं कि हम आपके साथ हैं क्योंकि आपके हिंदुत्व से हमारे घर में चूल्हा जलता है और बीजेपी के हिंदुत्व से सदन में चूल्हा जलता है। हम भारत को हिंदू पाकिस्तान या हिंदू ईरान नहीं बनने दे सकते हैं।

शरद पवार का छलका दर्द

शरद पवार ने पार्टी का नाम और सिंबल छीन जाने के चुनाव आयोग के फैसले को हैरान करने वाला बताया। उन्होंने कहा जिसने पार्टी बनाई जो पार्टी का संस्थापक था आयोग ने उसी से पार्टी को छीनकर दूसरे को दे दिया। पवार ने आगे कहा कि

इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है। इस फैसले के खिलाफ शरद पवार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि किसी भी पार्टी की विचारधारा बहुत अहम होती है। उसी से लोगों का जुड़ाव होता है। पवार ने कहा कि जनता उनके चुनाव आयोग के फैसले का समर्थन नहीं करेगी। बता दें कि चुनाव आयोग ने एनसीपी का नाम और चुनावी निशान घड़ी आधिकारिक रूप से अजित पवार गुट को सौंप दिया। इस मामले में तकरीबन 10 बार सुनवाई की गई जिसके बाद आयोग ने यह फैसला दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, शरद पवार की पार्टी ने भी नया नाम रख लिया। उनकी पार्टी का नाम एनसीपी शरद चंद्र पवार होगा। चुनाव आयोग ने इस फैसले को मंजूरी भी दे दी थी।

राहुल की न्याय-यात्रा एक हफ्ते पहले खत्म होगी

पश्चिमी यूपी नहीं जाएंगे; 10-14 मार्च के बीच मुंबई में आखिरी दिन

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का शेड्यूल बदल गया है। उत्तर प्रदेश में राहुल अब कम दिन रुकने वाले हैं। इससे न्याय यात्रा अपने निर्धारित समय से एक हफ्ते पहले खत्म हो सकती है। पहले 20 मार्च को मुंबई में यात्रा का आखिरी दिन था। अब 10 से 14 मार्च बीच आखिरी दिन होगा।

पहले यूपी में न्याय यात्रा सबसे ज्यादा 11 दिन रुकने वाली थी। राहुल 14 फरवरी को यूपी आने वाले थे, लेकिन अब वे 16 फरवरी को आएंगे। इसके बाद 22 या 23 फरवरी को मध्य प्रदेश जाएंगे। वे पहले 27 या 28 फरवरी को यूपी से मध्य प्रदेश जाने वाले थे।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पहले के प्लान के मुताबिक राहुल की यात्रा चंदौली से लखनऊ तक ही होगी। हालांकि, इस बीच वे पश्चिमी यूपी के अधिकतर इलाकों में नहीं जाएंगे। राहुल चंदौली से वाराणसी और फिर भदोही, प्रयागराज और प्रतापगढ़ से होते हुए अमेठी जाएंगे। अगले पड़ाव में रायबरेली और लखनऊ पहुंचेंगे।

नया शेड्यूल अभी जारी नहीं हुआ है। हालांकि, कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक राहुल 19 फरवरी को अमेठी और रायबरेली में रहेंगे। फिर लखनऊ से सीतापुर जाने के बजाय कानपुर और झांसी जाएंगे। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी यूपी में राहुल को जॉइन कर सकती हैं। यूपी के बाद यात्रा मध्य प्रदेश जाएगी।

भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान राहुल का फोकस अमेठी और वाराणसी पर ज्यादा रहेगा। यूपी में सबसे ज्यादा 80 लोकसभा सीटें हैं, लेकिन साल 2019 लोकसभा चुनाव में कांग्रेस एक सीट पर सिमट गई थी। रायबरेली से केवल सोनिया गांधी को जीत मिली थी। इस चुनाव में कांग्रेस अपनी पैतृक सीट अमेठी भी हार गई थी। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने राहुल गांधी को बड़े अंतर से हरा दिया था। वाराणसी से पीएम मोदी सांसद हैं। ऐसे में कांग्रेस वाराणसी, अमेठी, रायबरेली, लखनऊ और प्रयागराज पर ज्यादा ध्यान देगी।

राहुल गांधी ने 14 जनवरी को मणिपुर से भारत जोड़ो न्याय यात्रा की शुरुआत की थी। 20 मार्च (पहले के शेड्यूल के मुताबिक) को खत्म होने वाली यात्रा 15 राज्य और 110 जिलों के 337 विधानसभा सीटों को कवर करेगी।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर कार में 5 जिंदा जले

टर्न हो रही स्लीपर बस से टक्कर, धमाके के साथ दोनों गाड़ियां जलीं

मथुरा, 12 फरवरी (एजेंसियां)। मथुरा में यमुना एक्सप्रेस वे पर सोमवार सुबह भीषण हादसा हो गया। यहां एक्सप्रेस-वे पर टर्न हो रही स्लीपर बस से तेज रफ्तार कार टकरा गई। तेज धमाका हुआ और दोनों गाड़ियां जलने लगीं। हादसे में स्विफ्ट कार में सवार 5 लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। टक्कर के बाद आग इतनी तेज फैली कि बैठे लोग कार का गेट तक नहीं खोल पाए।

कार को फिरोजाबाद जिले के शिकोहाबाद निवासी अंशुमन यादव पुत्र मनोज यादव ड्राइव कर रहा था। बाकी 4 मृतकों की शिनाख्त नहीं हुई है। अंशुमन के परिवार के लोग घटना वाली जगह पहुंचे। मृतक के परिजनों का दर्द देख पुलिस वाले भी रो पड़े। अंशुमन घर से सुबह 7 बजे अकेले निकले थे। साथ में 4 लोग कौन हैं? इसकी जानकारी की जा रही है। पुलिस अब अंशुमन की सीडीआर निकलवा रही है जिससे पता चल सके कि साथ में 4 लोग कौन थे।

हादसा महावन थाना क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेस वे के माइल स्टोन 117 पर हुआ। बिहार नंबर (बीआर 02 AA6496) की स्लीपर बस गया से चली थी। वहीं कार का नंबर डीएल 9C एसी9726 है। बस सवार यात्री सुरक्षित हैं। बस सवार सत्य प्रकाश ने बताया कि बस बिहार के गया से दिल्ली जा रही थी। वह एसओ का एग्जाम देने जा रहे थे। उनके एडमिट कार्ड, बैग और पैसा बस में ही जल गए। हादसे वाली जगह से कुछ पहले एक ढाबे पर बस रुकी थी। फिर बस चली तो ड्राइवर और कंडक्टर आपस में बात कर रहे थे कि आगे रास्ता बाधित है। बस यहीं से मोड़ लीजिए। ड्राइवर बस मोड़ने लगा। तभी रेज रफ्तार कार आकर भिड़ गई।बांग्लादेश के टूरिस्ट राहत ने बताया कि बस में 35-40 यात्री सवार थे। अचानक बस

अंशुमन की शादी 7 दिसंबर 2022 को हुई थी। अंशुमन जियो कंपनी में प्रॉडक्ट मैनेजर थे। कार इन्हीं की थी। खुद ड्राइव भी कर रहे थे। अंशुमन की मौत हुई है। (फाइल फोटो)

दाएं मुड़ी और कार आकर घुस गई। बस सवार लोगों को एक्सीडेंट के बारे में ज्यादा महसूस नहीं हुआ। ऐसा लगा कि धक्का लगा हो। खिड़की से झांक कर देखा तो कार में भीषण आग लगी थी। बस में भी आग फैल गई थी।

बस और कार की टक्कर होते ही धमाका हुआ और आग गई। धमाके की आवाज सुनकर आसपास के लोग पहुंचे। आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग बढ़ती ही जा रही थी। पुलिस को सूचना दी गई। वहीं, एक्सप्रेस वे पर 2 वाहनों में आग लगने से पूरा रोड ब्लॉक हो गया। एक लेन का ट्रैफिक थम गया। हादसे की सूचना मिलते ही महावन पुलिस, फायर ब्रिगेड टीम और एक्सप्रेस वे की रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंच गई। फायर फाइटर्स आग बुझाने की कोशिश में जुटे।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 13 फरवरी, 2024 3

युविचार

पीछे-पीछे कौन क्या बोलता है, फर्क नहीं पड़ता ...
सामने किसी का मुंह नहीं खुलता इतना ही काफी है

कोमटी रेड्डी ने दिया हरीश राव को कांग्रेस मे आने का आमंत्रण

हैदराबाद, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व कांग्रेस विधायक कोमटी रेड्डी राजगोपाल रेड्डी ने पूर्व मंत्री हरीश राव पर व्यंग्य किया। हरीश राव को कांग्रेस में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया। हरीश राव ने कहा कि वह बीआरएस में कड़ी मेहनत करेंगे लेकिन उनका उस पार्टी में कोई भविष्य नहीं है। उन्होंने कहा कि हरीश गलत पार्टी में सही व्यक्ति हैं।

उन्होंने कहा कि अगर 26 लोगों को कांग्रेस में लाया जाए तो वे हरीश को धर्मस्व विभाग सौंप देंगे। सोमवार को मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि बीआरएस नेता हरीश राव और कडियाम श्रीहरि की तरह वे जी हुजूर बैच के नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि वे कांग्रेस को तोड़ने का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे पदों के लिए नहीं.. जनता के लिए हैं। बीआरएस को सस्ती राजनीति से बचना चाहिए। अब राज्य की सुरक्षा की जिम्मेदारी उन पर आ गयी है। पूर्व मंत्री ने केटीआर को चुनौती दी कि अगर उनमें हिम्मत है तो पार्टी चलाएं। उन्होंने कहा कि नलगोंडा सभा पूरी तरह फ्लॉप होगी।

बीआरएस के 16 पार्षदों ने दिया सामूहिक इस्तीफा

हैदराबाद, 12 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता): बीआरएस पार्टी के 16 पार्षदों ने सामूहिक इस्तीफा दिया। पिछले महीने, 31वें वार्ड पार्षद निखिला दिलीप रेड्डी के नेतृत्व में पार्षदों ने अविश्वास के लिए मतदान करने की कोशिश की और असफल रहे। बीआरएस ने कल (रविवार) निखिला दिलीप रेड्डी को पार्टी विरोधी गतिविधियों का आरोप लगाते हुए निलंबित कर दिया। निखिला के निलंबन के समर्थन में पार्षदों ने सोमवार को सामूहिक रूप से इस्तीफा दे दिया। मालूम हो कि ये सभी जल्द ही कांग्रेस पार्टी में शामिल हो सकते हैं।

डॉक्टर की पर्ची के बिना एंटीबायोटिक दवाएं बेचने पर कडी कार्रवाई की चेतावनी

हैदराबाद, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य औषधि नियंत्रण प्रशासन (टीएसडीसीए) ने सोमवार को आम जनता को एक सलाह में एंटीबायोटिक दवाओं के अत्यधिक उपयोग के प्रति आगाह किया है और यह स्पष्ट कर दिया है कि अगर डॉक्टर के पर्चे के बिना एंटीबायोटिक्स बेचते हैं तो फार्मेसियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

टीएसडीसीए ने लोगों से रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) विकसित होने से बचने के लिए सावधानी बरतने और एंटीबायोटिक दवाओं का जिम्मेदारी से उपयोग करने का आग्रह किया। जब एंटीबायोटिक दवाओं का गलत तरीके से उपयोग किया जाता है, तो बैक्टीरिया उन्हें मारने के लिए डिज़ाइन किए गए 'एंटीबायोटिक्स' के प्रति प्रतिरोध हासिल करना शुरू कर देते हैं। डीसीए ने एक बयान में कहा, दवा प्रतिरोध के परिणामस्वरूप, एंटीबायोटिक्स अप्रभावी हो जाते हैं और संक्रमण का इलाज करना मुश्किल या असंभव हो जाता है।

टीएसडीसीए के महानिदेशक वीबी कमलसन रेड्डी ने लोगों से एएमआर के खतरे से लड़ने में अपनी भूमिका निभाने का आग्रह किया। एंटीबायोटिक्स का उपयोग केवल तभी किया जाना चाहिए जब एक योग्य डॉक्टर द्वारा निर्धारित किया गया हो। इन्हें केवल नुस्खे के आधार पर ही खरीदा जाना चाहिए। यदि आप अयोग्य चिकित्सकों की सलाह पर एंटीबायोटिक दवाओं का उपयोग शुरू करते हैं और वास्तविक दवा की तुलना में कम खुराक वाला संस्करण खरीदते हैं या आवश्यक खुराक अधिक लेते हैं। फिर, इस बात की पूरी संभावना है कि व्यक्ति में एएमआर विकसित हो जाएगा।

टीएसडीसीए ने फार्मेसियों से एएमआर के खिलाफ लड़ाई में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया। एंटीबायोटिक्स को औषधि नियमों की अनुसूची-एच और अनुसूची-एच1 के तहत सूचीबद्ध किया गया है और इसे एक योग्य डॉक्टर (पंजीकृत मेडिकल प्रैक्टिशनर) के नुस्खे के बिना मेडिकल दुकानों या फार्मेसियों द्वारा नहीं बेचा जा सकता है।

डीजी, टीएसडीसीए, कमलसन रेड्डी ने कहा, योग्य डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन के बिना एंटीबायोटिक दवाओं की बिक्री करने वाली मेडिकल दुकानों/फार्मेसियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

ट्रेनों की सुरक्षा के साथ-साथ साफ-सफाई को प्राथमिकता दें : अरुण कुमार जैन

महाप्रबंधक ने सुरक्षा समीक्षा बैठक की हैदराबाद , 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने रेल निलयम, सिकंदराबाद में ट्रेन संचालन और पूरे जोन में ट्रेनों की सफाई पर एक विस्तृत सुरक्षा समीक्षा बैठक की। आर. धनंजयुलु, अपर महाप्रबंधक, एससीआर ने भी सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ बैठक में भाग लिया. सभी छह मंडलों यानी सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर और नांदेड़ के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से समीक्षा बैठक में शामिल हुए।महाप्रबंधक ने समीक्षा के दौरान ट्रेनों की साफ-सफाई पर विशेष जोर दिया और सभी मंडल प्रबंधकों को ट्रेनों के अंदर साफ-सफाई बनाए रखने पर ध्यान देने की सलाह दी। उन्होंने अधिकारियों को ऑन बोर्ड सफाई तंत्र के मानकों में सुधार करके ट्रेनों के अंदर स्वच्छता बनाए रखने के लिए सर्वोत्तम प्रयास करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को परिचालन के लिए ट्रेनों का समय पर निपटान सुनिश्चित करने के लिए काम करने वाली पिट लाइन की बारीकी से निगरानी करने का भी निर्देश दिया। महाप्रबंधक ने जोन पर ट्रेन परिचालन की सुरक्षा की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को ट्रेनों का सुरक्षित परिचालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।उन्होंने लोको पायलट, सहायक लोको पायलट और ट्रेन संचालन के काम में शामिल कर्मचारियों को नियमित परामर्श देने की सलाह दी। उन्होंने अधिकारियों को रनिंग स्टाफ के परिवार के सदस्यों के साथ नियमित परामर्श करने की भी सलाह दी ताकि यदि कोई शिकायत हो तो उसका समाधान किया जा सके, ताकि सिस्टम को ट्रेनों के संचालन को सुरक्षित रूप से चलाने में मदद मिल सके। अधिकारियों ने महाप्रबंधक को क्षेत्र में धुआं पता लगाने वाले उपकरण, अग्निशामक यंत्र आदि जैसे सुरक्षा संबंधी स्टॉक की उपलब्धता के बारे में जानकारी दी। उन्होंने अधिकारियों को असामान्य आपात स्थितियों से निपटने के लिए डिपो में पर्याप्त स्टॉक बनाए रखने का निर्देश दिया। अरुण कुमार जैन ने ट्रैक नवीनीकरण कार्यों की प्रगति पर भी जोर दिया। उन्होंने डीआरएम को ट्रेनों के सुरक्षित संचालन को सुनिश्चित करने के लिए रखरखाव कार्यों में भाग लेने के दौरान अपनाई जाने वाली सभी सुरक्षा संबंधी सावधानियों का पालन करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को ट्रैक का इष्टतम उपयोग बनाए रखने का निर्देश दिया और अधिकारियों को यात्री परिवहन और माल ढुलाई खंड में सर्वोत्तम आउटपुट सुनिश्चित करने के लिए ट्रेनों की सर्वोत्तम संभव गति बनाए रखने के लिए कार्य योजना बनाने की सलाह दी।

कुख्यात चोर गिरफ्तार
चोरी के आभूषण बरामद

हैदराबाद 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिटी की सैफाबाद पुलिस ने चोरी की एक आरोपी को गिरफ्तार किया है और उसके कब्जे से चोरी किए गए सामान को बरामद किया है। बीते 11 फरवरी को माउंट नासिर अपार्टमेंट, लकडीकापूल, हैदराबाद की रहने वाली अमतुल बतूल पत्नी अलमदार हुसैन ने सैफाबाद पुलिस थाने में एक शिकायत दर्ज कराई।उन्होंने अपने शिकायत में कहा था कि 10 फरवरी को दोपहर वह अपनी बहन के घर गई थी। शामको उसी वह अपने घर वापस आई और अपने घर के कामों में लग गई। अपने रसोई का काम पूरा करने के बाद जब वह सोने के लिए गई तो उसने आलमारी खोली और देखा कि सारा सामान बिखरा हुआ था। फिर उसने आलमारी की जाँच की तो पाया कि सभी आभूषण चोरी हो गए। उन्होंने तुरंत थाना सैफाबाद शिकायत दर्ज कराई । पुलिस ने मामले की छानबीन के दौरान आरोपी मोहम्मद दाऊद इस्माइल उर्फ हानी, निवासी ओल्ड बोवेनपल्ली, हैदराबाद को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी का आभूषण बरामद कर लिया।

विधानसभा ने हुक्का पार्लरों पर प्रतिबंध लगाने वाला विधेयक पारित किया

हैदराबाद, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा ने सोमवार को राज्य में हुक्का पार्लरों पर प्रतिबंध लगाने वाला एक विधेयक पारित कर दिया। सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम 2003 में संशोधन का विधेयक बिना किसी चर्चा के ध्वनि मत से सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया।

जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू हुई, विधान मामलों के मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की ओर से तेलंगाना संशोधन विधेयक 2024 सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद (विज्ञापन पर प्रतिबंध और व्यापार और वाणिज्य, उत्पादन, आपूर्ति और वितरण के विनियमन) का प्रस्ताव रखा।

विधेयक के लक्ष्यों और उद्देश्यों को समझाते हुए उन्होंने कहा कि सरकार को युवा पीढ़ी को होने वाले नुकसान को देखते हुए हुक्का पार्लरों पर प्रतिबंध लगाने की तत्काल आवश्यकता महसूस हुई। मुख्यमंत्री ने पार्लरों पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया और

कैबिनेट ने इसके लिए अपनी मंजूरी दे दी। उन्होंने कहा कि युवा और कॉलेज जाने वाले छात्र हुक्का के आदी हो रहे हैं और आयोजक इस स्थिति का फायदा उठा रहे हैं। मंत्री ने सदन को बताया कि हुक्का पीना सिगरेट पीने से भी ज्यादा हानिकारक है। एक घंटे का लगभग 200 कश वाला हुक्का सिगरेट से 100 गुना ज्यादा हानिकारक होता है। उन्होंने कहा कि चूंकि हुक्का में चारकोल का उपयोग किया जाता है, इसलिए धुएं में कार्बन मोनोऑक्साइड, भारी धातुएं और कैंसर पैदा करने वाले रसायन होंगे जिन्हें कार्सिनोजेन कहा जाता है। यह धुआं सिर्फ हुक्का पीने वालों के लिए ही नहीं, बल्कि निष्क्रिय धूम्रपान करने वालों के लिए भी हानिकारक है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर हुक्का पार्लर और बार स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं।

दो युवकों की संदिग्ध हालत में मौत

कुएं में मिले शव

सिरपुर कागजनगर 12 फ़रवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरमभीम आसिफाबाद जिले के चिंथलामनेपल्ली मंडल में थुम्मीदे हरीश (22) और कंबाला महेश (22) की मौत से हड़कंप मचा हुआ है। दोनों कि संदिग्ध तरिके से मौत को लेकर कई तरह की आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं।

करजवेल्ली गांव के थुम्मीदे हरीश (22) और चिंतालमनेपल्ली मंडल केंद्र के कंबाला महेश (22) दोस्त हैं और मृतक कंबाला उर्फ महेश की शादी रविवार शाम को थी और वह शाम 8.15 बजे अपने दोस्त हरीश के साथ रुका था और उसके बाद दोनों के फोन बंद हो गए। फोन स्विच ऑफ होने के कारण कई संदेह पैदा हो रहे हैं। हालांकि, उनके परिवारों द्वारा दर्ज की गई शिकायत के अनुसार कौटाला सीआई साधिक पाशा और एसएसआई सुरेश के मार्गदर्शन में मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। इस बीच, मृतक महेश के भाई कंबाला श्रीनु ने मीडिया को बताया कि उन्हें संदेह है कि उनके भाई महेश और उनके दोस्त हरीश की हत्या कर कुएं में फेंक दिया गया। मामले की जानकारी होने पर सुबह से ही मृतकों के परिजन व गांव के लोगों घटनास्थल पर भीड जमा हो गई।

तेलंगाना सुपरथर्मल पावर स्टेशन का फेस-I पूरा यूनिट-2 में 72 घंटे का ट्रायल ऑपरेशन

हैदराबाद,12 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। यूनिट-2 (800 मेगावाट) के साथ पूरे हुए तेलंगाना सुपरथर्मल पावर स्टेशन (2x800 मेगावाट) के चरण-I ने अपना 72 घंटे का परीक्षण संचालन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। गुरुवार को शुरू किया गया ट्रेल ऑपरेशन रविवार सुबह 11.02 बजे सफलतापूर्वक पूरा हो गया। इकाई ने 800 मेगावाट से अधिक बिजली का उत्पादन किया।

ट्रायल रन पूरा होने के साथ, एनटीपीसी अधिकारी कुछ दिनों के भीतर यूनिट के वाणिज्यिक संचालन घोषणा (सीओडी) की घोषणा करने पर विचार कर रहे हैं। कार्यकारी निदेशक केदार रंजन पांडु, जिन्होंने अन्य अधिकारियों के साथ परीक्षण संचालन के अंतिम चरण की निगरानी की।

टीएसपीएस चरण- I की यूनिट -1 (800 मेगावाट) ने सितंबर, 2023 में वाणिज्यिक उत्पादन शुरू कर दिया है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले 3 अक्टूबर को निज़ामाबाद से वर्चुअल मोड के माध्यम से यूनिट- I को राष्ट्र को समर्पित किया था। आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2014 के प्रावधानों के अनुसार स्थापित, 5x800 मेगावाट (4,000 मेगावाट) सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट को वहां उत्पन्न ऊर्जा का 85% तेलंगाना को आपूर्ति करना अनिवार्य है। तेलंगाना सरकार ने राज्य में ऊर्जा की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए एनटीपीसी और बिजली मंत्रालय से वहां उत्पादित बिजली का 100% आवंटित करने का औपचारिक अनुरोध किया है, लेकिन इस पर अभी निर्णय नहीं लिया गया है।

रेवंत ने ग्रेहाउंड्स कमांडो के निधन पर शोक व्यक्त किया

हैदराबाद, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता) ।मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने सोमवार को भूपालपल्ली जिले में तलाशी अभियान के दौरान बिजली के झटके के कारण ग्रेहाउंड कमांडो ए प्रवीण की आकस्मिक मृत्यु पर शोक व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। प्रवीण, एक विशिष्ट माओवादी विरोधी बल, ग्रेहाउंड्स के एक कमांडो थे। उनकी जयशंकर भूपालपल्ली जिले के जकारम गांव के पास एक नक्सल विरोधी अभियान में ड्यूटी के दौरान लोहे की बाड़ को छूने के बाद बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई। इस बीच, पुलिस अधीक्षक करुणाकर ने कहा, "जयशंकर भूपालपल्ली जिले के जकारम गांव के पास नस्तूरपल्ली जंगलों में एक तलाशी अभियान के दौरान लोहे की बाड़ को छूने के बाद बिजली का झटका लगने से मृतक की मौत हो गई।" उन्होंने कहा कि कुछ ग्रामीणों ने जंगली जानवरों का शिकार करने के लिए लोहे की बाड़ को बिजली के तार से जोड़ दिया था और बताया कि पुलिस उन लोगों की पहचान करने की कोशिश कर रही है जिन्होंने बिजली की बाड़ लगाई थी।

रेलवे पुलिस ने ऑपरेशन स्माइल-एक्स के दौरान 34 बच्चों को बचाया

हैदराबाद , 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे पुलिस अधीक्षक सिकंदराबाद, शेख सलीमा, सिकंदराबाद के निर्देश पर ऑपरेशन स्माइल-एक्स-2024 एक जनवरी से 31 जनवरी तक सावधानीपूर्वक चलाया गया। इस ऑपरेशन में सरकार के प्रत्येक डिवीजन से एक सब-इंस्पेक्टर और चार कांस्टेबलों की तीन टीमों का गठन किया गया। रेलवे पुलिस, तेलंगाना यानी, सिकंदराबाद शहरी उप-मंडल, सिकंदराबाद ग्रामीण उप-मंडल और काजीपेट उप-मंडल)। आरपीएफ और नागरिक समाज संगठन के सदस्यों ने भी जीआरपी के साथ नेक काम के लिए हाथ मिलाया। ऑपरेशन स्माइल-एक्स-2024 के दौरान, तेलंगाना राज्य के विभिन्न रेलवे स्टेशनों से कुल 34 बच्चों (19 लड़के और 15 लड़कियों) को बचाया गया। बाद में इन बच्चों को उनके माता-पिता से मिला दिया गया या उनकी सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए बाल देखभाल घरों को सौंप दिया गया। इसके अलावा, ऑपरेशन स्माइल-एक्स-2024 के दौरान रेलवे पुलिस के मेहनती प्रयासों के कारण रेलवे पुलिस स्टेशन, हैदराबाद में अपराध संख्या 11/2024 में भारतीय दंड संहिता की धारा 3%4 को लागू करते हुए एक एफआईआर दर्ज की गई। इस उदाहरण में, 12 जनवरी को नरेश पोलेपाका, पुत्र स्वर्गीय यादैया और बचपन बचाओ आंदोलन, तेलंगाना राज्य के सहायक परियोजना अधिकारी ने जीआरपी/आरपीएफ पोस्ट के साथ ट्रेन नंबर पर एक संयुक्त तलाशी अभियान चलाया। उन्होंने एक संदिग्ध तस्कर के साथ आए एक बच्चे की पहचान की। जांच करने पर, यह पता चला कि बच्चा और संदिग्ध हैदराबाद के मल्लेपल्ली के होटल रेहान में सहायक के रूप में रोजगार के लिए पश्चिम बंगाल से हैदराबाद की यात्रा कर रहे थे। संदिग्ध व्यक्ति के साथ बच्चे को तुरंत बचाया गया और अधिकारियों को सूचित किया गया। ट्रेन के सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर पहुंचने पर, बचाए गए बच्चे को सैदाबाद होम को सौंप दिया गया, जबकि आरोपी को 41 (ए) सीआरपीसी नोटिस जारी किया गया। यह सफल ऑपरेशन कमजोर बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ रेलवे नेटवर्क के भीतर तस्करी और शोषण से निपटने के उनके अथक प्रयासों के लिए सरकारी रेलवे पुलिस की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। एडीजी रेलवे महेश भागवत आईपीएस ने सभी हितधारकों जीआरपी, आरपीएफ, नागरिक समाज संगठन बचपन बचाव और प्रज्वला, चाइल्डलाइन 1098, सीडब्ल्यूसी आदि के प्रयासों की सराहना की है।

बेमौसम बारिश से किसानों की मेहनत पर फिरा पानी

निर्मल, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार की शाम बेमौसम आंधी, बारिश और ओलावृष्टि ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया। निर्मल जिले के तानूर मंडल के कई गांवों में ओलावृष्टि ने तबाही मचाई। कुबीर में फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया। मंडलों में मक्का, ज्वार, दालें, गन्ना और अन्य फसलें गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गईं। फसलें काटकर ढेर में रखी हुई थीं और बारिश के कारण फसल गीली और सड़ चुकी है इससे किसानों कि चिंता बढ गई हैं। किसानों ने सरकार से मदद गुहार लगाई है।

पूर्व तट रेलवे

1).सूचना सं. : WDS/29/Pantograph/2023-26
कार्य का नाम : 3 वर्ष की अवधि के लिए डीजल लोको शेड / विशाखापट्टनम में इलेक्ट्रिक इंजिनों (लोकोमोटिव) (मॉडल AM12/IRO1H/AM92/IRO3H) के पेंटोग्राफ (Pantograph) की ओवरहालिंग।
कार्य की आकलित लागत (रुपये में) : ₹ 42,33,600/-, निविदा दस्तावेज की लागत (रुपये में) : 3,540/-, EMD (रुपये में) : 84,700/-, कार्य पूरा होने की अवधि: 36 महीन (03 वर्ष)।

2).सूचना सं. : WDS/29/Compressor/2023-26
कार्य का नाम : 3 वर्ष की अवधि के लिए डीजल लोको शेड / विशाखापट्टनम में WAG9HC 3 फेज इलेक्ट्रिक इंजिनों (लोकोमोटिव) के कंप्रेसर (1750LMP oil lubricated) की ओवरहालिंग।
कार्य की आकलित लागत (रुपये में) : ₹ 45,40,928/-, निविदा दस्तावेज की लागत (रुपये में) : 3,540/-, EMD (रुपये में) : 90,800/-, कार्य पूरा होने की अवधि: 36 महीन (03 वर्ष)।
निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक : 07.03.2024 को 1500 बजे (क्रम सं.1 हेतु), दिनांक : 11.03.2024 को 1500 बजे (क्रम सं.2 हेतु)।
द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/ शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की अंतिम तिथि से कम से कम 10 दिन पहले वेबसाइट का अवलोकन करें। ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।
सहायक रसायनज्ञ एवं धातुकर्मी (D), विशाखापट्टनम
PR-1076/O/23-24

पूर्व तट रेलवे

नीलामी सूची सं. : WAT-ADVT-OH-35
1).लॉट सं./श्रेणी: ADVT-WAT-VSKP-OH-190-23-2 (Advertising-Out of Home)
विवरण : ईस्ट पॉइंट रेस्ट हाउस के पास / पार्क होटल के सामने / विशाखापट्टनम में विज्ञापन अधिकार। विज्ञापन निर्धारित क्षेत्र पर ही करना चाहिए। विज्ञापन के लिए प्रस्तावित क्षेत्र 1500 sft. है।
2).लॉट सं./श्रेणी: ADVT-WAT-VSKP-OH-203-23-1 (Advertising-Out of Home)
विवरण : विशाखापट्टनम रेलवे स्टेशन के प्रवेश द्वार एवं गेट नं.3 के बीच स्टैटिक मीडिया गैर डिजिटल के माध्यम से विज्ञापन अधिकार। विज्ञापन के लिए प्रस्तावित क्षेत्र 800 sft. है।
3).लॉट सं./श्रेणी: ADVT-WAT-VSKP-OH-192-23-2 (Advertising-Out of Home)
विवरण : रेल हाउस के पास / विशाखापट्टनम में विज्ञापन अधिकार। विज्ञापन निर्धारित क्षेत्र पर ही करना चाहिए। विज्ञापन के लिए प्रस्तावित क्षेत्र 3500 sft. है।
लॉट प्रारंभ की तिथि व समय (सभी निविदा के लिए) : दिनांक 21.02.2024 को 1100 बजे, लॉट की अंतिम तिथि व समय : 21.02.2024 को 1130 बजे (क्रम सं.1 हेतु), 1140 बजे (क्रम सं. 2 हेतु), 1150 बजे (क्रम सं. 3 हेतु)।
न्यूनतम बढ़ोतरी (सभी निविदा के लिए) : 0.2%, ट्रिप/दिन(सभी निविदा के लिए) : 1826 दिन
ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण विस्तृत विवरण वेबसाइट http://www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।
वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक,
PR-1075/O/23-24 वाल्टियर

IN THE COURT OF HON'BLE II SENIOR CIVIL JUDGE, CITY CIVIL COURTAT: HYDERABAD
OS No. 507 of 2023
Between
1.Usha Saxena
2.SumitaSaxenaNomula
3.Vasudha Mathur .....PLAINTIFFS.
And
1.The Tahsildar/MRO.
2.All Concerned ....DEFENDANTS.
To,
1.The Tahsildar/MRO,Khairatabad, 6-3-628/9/1 Anand Nagar Colony, TS.
2.All Concerned ...Defendants
Take notice that the above named Plaintiffs has filed above suit OS No. 507 of 2023 for LEGAL HEIR DECLARATION of Late Anirudh Prasad Saxena. The said case is posted on 16-02-2024 at 10:30 AM for your appearance and written statement/ counter if any, failing to appear before the said court on the said date and time mentioned above, the matter will be decided as per law.
// BY ORDER OF COURT //
SCHEDULE OF PROPERTY:All that property of the building and land admeasuring 206 square yards in H.No. 8-3-167/K/13/E/4, on Plot No. 13/A/1, suitated at Kalyan Nagar Cooperative Housing Society Limited T.A. No 218, Sy.No.128/1, Yousufguda, Hyd. Bounded By: North : Plot No. 13 A (6) & Road , South : Plot No.12, East : Plot No.13 A(2),West : Plot No.13
Sd/- M/s.PraveenC, K Parikshith , Advocates ;
H.No. 8-3-833/202, Phase II, Kamalapuri Colony, Srinagar Colony, Hyderabad-073.

जन सेवा संघ नार्थ जोन की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जन सेवा संघ के महासचिव राजीव रंजन चौबे द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, जोनल प्रेसिडेंट राधे श्याम राय यादव की अध्यक्षता में जन सेवा संघ नार्थ जोन के पांच एरिया प्रेसिडेंट की बैठक संपन्न हुई। जिसमें संस्था को अधिक मजबूत बनाने के लिए एवं सदस्य संख्या बढाने एवं सदस्यता नवीनीकरण पर विचार विमर्श किया गया। बैठक में अध्यक्ष आर पी सिंह, उपाध्यक्ष गोविंद तिवारी, महासचिव राजीव रंजन चौबे, जोनल प्रेसिडेंट नॉर्थ जोन राधे श्याम राय यादव, मदन लाल रावल उपस्थित थे।

ज्ञानवापी तहखाने में पूजा रोकने की सुनवाई 15 फरवरी को

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दी नई डेट; मुस्लिम पक्ष ने कहा- डीएम इस केस में नहीं, कैसे बनाया रिसीवर

वाराणसी, 12 फरवरी (एजेंसियां)। वाराणसी के ज्ञानवापी स्थित व्यास तहखाने में पूजा-पाठ पर रोक लगाने वाली मुस्लिम पक्ष की याचिका पर पर आज इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। जस्टिस रोहित रंजन अग्रवाल की सिंगल बेंच फ्रेश केस के तौर पर इस केस की सुनवाई की। घंटे भर की दलीलों के बाद आगे की सुनवाई के लिए हाईकोर्ट ने 15 फरवरी की तारीख दे दी है। यूपी सरकार को भी इसी मामले में आज अपना जवाब दाखिल किया। आज ज्ञानवापी मस्जिद कमेटी काउंसिल के वकील पुनीत गुप्ता और एडवोकेट नकवी ने अपना पक्ष रखा। इससे पहले 6 फरवरी को भी 2.30 घंटे तक अंजुमन इंतेजामिया की अपील पर न्यायाधीश ने सुनवाई में हिंदू और मुस्लिम दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं की दलीलें सुनी गईं थीं।

ज्ञानवापी मस्जिद कमेटी काउंसिल के वकील पुनीत गुप्ता ने जज की बेंच के सामने अपनी दलीलें रखी। गुप्ता ने 2013 और 2018 का फैसला पढ़ा। कहा कि ₹विशेष परिस्थितियों के अभाव में, अनिवार्य निषेधाज्ञा नहीं दी जा सकती..'

पूजा की याचिका दायर करने वाले एडवोकेट नकवी ने कहा कि DM इस केस के हिस्सा नहीं थे, रिसीवर किसी को भी बनाया जा सकता था। लेकिन, DM कैसे इस केस के अंदर आ गए। नकवी ने आगे कहा कि 17 जनवरी को एप्लीकेशन पूरी तरह से रद्द कर दिया गया। कोर्ट ने वह आदेश CPC के तहत दिया था। क्या CPC के तहत आवेदन का निपटारा होने पर ऐसा कोई आदेश पारित करने की शक्ति है?

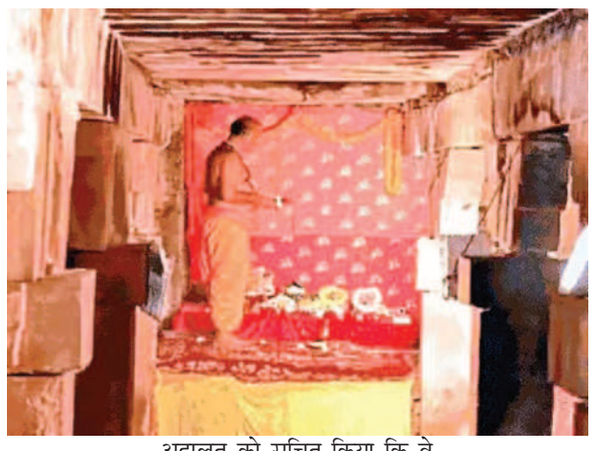

हमें लगा आज अपनी दलीलें पूरी कर लेंगे- जज

जस्टिस रंजन अग्रवाल ने एडवोकेट नकवी से कहा कि मैं यह समझ रहा था कि आज आप अपनी दलीलें समाप्त कर देंगे। वकील गुप्ता की बहस खत्म हो गई है। यदि आप कल मामले को समाप्त करने के लिए तैयार हैं तो बताएं। फिर अधिवक्ता विष्णु जैन ने अगले सप्ताह की तारीख मांगी। जस्टिस रंजन अग्रवाल ने कहा कि ₹नहीं नहीं, हमारे यहां ऐसा नहीं है।' हिंदू पक्ष के सीनियर एडवोकेट हरि शंकर जैन ने अदालत को सूचित किया कि वे एक और आवेदन दायर कर रहे हैं। वहीं, कोर्ट ने इस मामले को 15 फरवरी तक के लिए टाल दिया गया।

सुप्रीम कोर्ट के इनकार के बाद हाईकोर्ट में दाखिल की गई है याचिका

वाराणसी की जिला अदालत ने 31 जनवरी को ज्ञानवापी के व्यास तहखाने में व्यास परिवार को पूजा-पाठ का अधिकार दिया था। प्रशासन को पूजा कराने की व्यवस्था करने का आदेश दिया। उसी दिन शाम को मुस्लिम पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट में पूजा पर रोक लगाने वाली याचिका ऑनलाइन दायर कर दी गई थी। लेकिन उसी रात जिला प्रशासन ने पूजा-पाठ शुरू करा दिया। अगले दिन सुप्रीम कोर्ट ने तत्काल सुनवाई से इनकार करते हुए मुस्लिम पक्ष को पहले हाईकोर्ट जाने का सुझाव दिया था।

2 फरवरी को मुस्लिम पक्ष पहुंचा था हाईकोर्ट

2 फरवरी को मुस्लिम पक्ष ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर तहखाने में तत्काल पूजा पर रोक लगाने की मांग की थी। हालांकि हाईकोर्ट ने तत्काल पूजा रोकने से इनकार करते हुए मामले की अगली सुनवाई 6 फरवरी को तय की। 6 फरवरी को मामले पर सुनवाई की गई और दोनों पक्षों की दलीलें भी सुनी गई थीं।

मुस्लिम पक्ष ने अपनी दलील में क्या कहा था

6 फरवरी को सुनवाई में मुस्लिम पक्ष यानी अंजुमन इंतजामिया के वकील मुमताज अहमद ने कहा था कि व्यास तहखाना मस्जिद का हिस्सा है। यह वक्फ बोर्ड की संपत्ति है। इसलिए पूजा-पाठ की अनुमति नहीं दी जा सकती। वहीं, वाराणसी कोर्ट के फैसले के बाद मुस्लिम पक्ष के वकील मेराजुद्दीन ने कहा कि फैसला न्याय संगत नहीं है।

हिंदू पक्ष ने क्या दलीलें दी हैं

सुनवाई शुरू होते ही मंदिर पक्ष से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए अधिवक्ता हरिशंकर जैन और कोर्ट में उपस्थित अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने पक्ष रखा। उन्होंने जिला जज के आदेश को सही बताया। कहा कि वादी का व्यासजी के तहखाने में भौतिक कब्जा रहा है।

प्रशासनिक अधिकारियों और वादी की ओर से 28 नवंबर 2014 को चाबी से ताला खोलकर तल गृह से जितेंद्र नाथ व्यास की मौजूदगी में सामान निकाला गया। 5 नवंबर 2016 को रामचरितमानस पाठ का सामान रखा गया। एक चाभी व्यास और दूसरी प्रशासन के पास रहती थी। हालांकि यह बात ट्रायल कोर्ट की पत्रावली पर नहीं है लेकिन रामायण पाठ किया गया था।

17 जनवरी को तहखाने का जिम्मा डीएम को सौंपा

वाराणसी कोर्ट ने 17 जनवरी को तहखाने का जिम्मा DM वाराणसी को सौंप दिया था। कोर्ट के आदेश पर DM ने मुस्लिम पक्ष से तहखाने की चाबी ले ली थी। DM की मौजूदगी में 7 दिन बाद यानी 24 जनवरी को तहखाने का ताला खोला गया था।

संभल पहुंचे सीएम योगी आदित्यनाथ

पीएम के कार्यक्रम की तैयारियां का लिया जायजा, आचार्य प्रमोद कृष्णम भी रहे मौजूद

संभल, 12 फरवरी (एजेंसियां)। पीएम मोदी का 19 फरवरी को संभल के गांव एचौड़ा कम्बोह में कल्कि धाम शिलान्यास में आने का प्रस्तावित कार्यक्रम है, प्रधानमंत्री के दौरे से पहले आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तैयारियों का जायजा लेने के लिए कल्कि धाम पहुंचे हैं। कार्यक्रम स्थल पर कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम, योगी सरकार की माध्यमिक शिक्षा राज्यमंत्री गुलाब देवी, भाजपा पश्चिम के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राजेश सिंघल, जिलाध्यक्ष हरेंद्र सिंह रिंकू पहुंचे। सीएम योगी ने आचार्य प्रमोद कृष्णम के साथ कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया है।

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 19 फ़रवरी को भगवान श्री विष्णु के दसवें अवतार भगवान श्री कल्कि धाम का शिलान्यास करेंगे, जिसकी तैयारियों में पुलिस-प्रशासन पूरी मुस्तैदी के जुटा हुआ है। योगी आदित्यनाथ के संभल पहुंचने से पहले मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र व डीजीपी प्रशांत कुमार कल्कि धाम पहुंच चुके थे। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर प्रशासनिक तैयारियों का मुख्य सचिव व डीजीपी डीएम मनीष बंसल व एसपी कुलदीप सिंह गुनावत के साथ कार्यक्रम स्थल के चप्पे-चप्पे का निरीक्षण किया।

श्री कल्कि धाम के शिलान्यास की तैयारियों को तेजी से पूरा कराया जा रहा है। पंडाल लगवाने के साथ ही हेलीपैड का कार्य पूरा करवाने में अधिकारी लगे हुए हैं। कार्यक्रम स्थल व आसपास के इलाके को समतल कराया गया। इलाके में छह हेलीपैड बनाए जा रहे हैं। इसमें तीन हेलीपैड प्रधानमंत्री के लिए बनाए जा रहे हैं। संतों के ठहरने के लिए अलग से तंबू लगाए जा रहे हैं। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी मनीष बंसल मौके पर पहुंचे। उन्होंने अधीनस्थों को व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री व अन्य वीवीआईपी के लिए छह हेलीपैड बनाए जा रहे हैं। शिलान्यास स्थल पर भी तेजी से काम कराया गया। गर्भगृह तैयार किए गए हैं। दस गर्भगृह बनाए जाने हैं।

श्री कल्कि धाम के प्रवक्ता पंकज चाहल ने बताया कि श्री कल्कि धाम के शिलान्यास में बड़ी संख्या में बाहर के लोग शामिल होंगे। इसको देखते हुए 30 हजार लोगों के बैठने के लिए पंडाल लगाया जाना शुरू हो गया है। संतों के ठहरने के लिए अलग से तंबू लगाए गए हैं।

भोजन के लिए अलग से व्यवस्था कराई गई है। जिससे शिलान्यास में आने वाले अतिथियों को दिक्कत का सामना ना करना पड़े। ऐंचोड़ा कंबोह को जाने वाली सभी सड़कों पर सफाई व्यवस्था दुरुस्त कर दी गई है। जहां गड्ढे थे वहां गड्ढे भरे गए हैं। कहीं कोई अव्यवस्था न रहे इसके लिए जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी व जिला पंचायतराज अधिकारी के साथ निकायों के अधिकारी व कर्मचारी भी लगाए हैं।

पद्मश्री से सम्मानित लेखिका डॉ. उषाकिरण खान नहीं रहीं; साहित्य और शिक्षा जगत में शोक की लहर

पटना, 12 फरवरी (एजेंसियां)। पद्मश्री से सम्मानित हिंदी और मैथिली साहित्य की सुप्रसिद्ध लेखिका डॉ उषा किरण खान का निधन हो गया। उनकी पिछले कुछ दिनों से बीमार थीं। अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर से मिथिलांचल समेत पूरे बिहार में शोक की लहर है। उन्हें उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान के सर्वोच्च साहित्य सम्मान भारत-भारती से नवाजा गया था।

मुख्यमंत्री ने जताया शोक, कहा- अपूरणीय क्षति

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. उषा किरण खान के निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है।मुख्यमंत्री ने अपने शोक संदेश में कहा कि स्व. डॉ. उषा किरण खान प्रसिद्ध साहित्यकार एवं लेखिका थीं। उन्होंने हिन्दी एवं मैथिली साहित्य में कई उपन्यासों, कथाओं की रचना की थी। डॉ. उषा किरण खान को पद्मश्री तथा साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। डॉ. उषा किरण खान के निधन से हिन्दी एवं मैथिली साहित्य जगत को अपूरणीय क्षति हुयी है। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की चिर शांति तथा उनके परिजनों को दुख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

दिनकर राष्ट्रीय सम्मान समेत दर्जनों पुरस्कारों से नवाजा गया

प्रख्यात लेखिका पद्मश्री उषा किरण खां के निधन पर गहरा शोक जताते हुए भाजपा विधायक डॉ. संजीव चौरसिया ने इसे साहित्य जगत के लिए अपूरणीय क्षति और एक युग का अवसान बताया है। विधायक ने दिवंगत आत्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि अपने उपन्यासों व कथाओं के जरिये उन्होंने आम लोगों पर अमिट छाप छोड़ी। हम सबको लंबे अरसे तक उनकी कमी खलती रहेगी। पद्मश्री के अलावा साहित्य अकादमी पुरस्कार, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद का हिन्दी सम्मान, राजभाषा विभाग का महादेवी वर्मा सम्मान, दिनकर राष्ट्रीय सम्मान समेत दर्जनों पुरस्कारों से नवाजा जाना साहित्य में उषा जी के उल्लेखनीय योगदान को दर्शाता है।

साहित्य अकादमी पुरस्कार से नवाजा गया था

बता दें कि डॉ खान ने हिंदी के साथ-साथ मैथिली में भी दर्जनों उपन्यास व कहानियां लिखी थीं। इसके अलावा वह बाल साहित्य और नाटक लेखन के लिए भी जानी जाती थीं। मैथिली में लेखन के लिए डॉ खान को साहित्य अकादमी पुरस्कार से नवाजा गया। उषा किरण खान दरभंगा जिले से ताल्लुक रखती थीं। पटना कॉलेज में प्राचीन भारतीय इतिहास और पुरातत्व विज्ञान की आप विभागाध्यक्ष रह चुकी थीं। आपकी अब तक पचास से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं जिनमें उपन्यास, कहानी, नाटक और बाल-साहित्य जैसी विविध विधाएँ सम्मिलित हैं। भामती, सृजनहार, हसीना मंज़िल, घर से घर तक उनकी प्रमुख कृतियाँ हैं।

कुमार विश्वास के लिए बीजेपी के पास 2 ऑप्शन

यूपी की आठवीं राज्यसभा सीट या गाजियाबाद से लोकसभा चुनाव लड़ने की अटकलें

गाजियाबाद, 12 फरवरी (एजेंसियां)। प्रख्यात कवि कुमार विश्वास को लेकर जो सियासी चर्चाएं चल रही थीं, वे फिलहाल सही साबित नहीं हुई हैं। बीजेपी ने 7 राज्यों के राज्यसभा प्रत्याशियों की सूची जारी की, उसमें कुमार विश्वास का नाम नहीं था। इसके बाद अब अटकलें तेज हो गई हैं कि उनका नाम या तो UP के आठवें राज्यसभा प्रत्याशी के रूप में लाया जा सकता है या फिर उन्हें गाजियाबाद लोकसभा सीट से चुनाव लड़ाया जा सकता है। कभी भाजपा पर हमलावर रहे कुमार विश्वास इन दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लगातार तारीफ कर रहे हैं।

बीजेपी ने राज्यसभा प्रत्याशियों की सूची जारी की। इसमें यूपी की 8 सीटों की बजाए फिलहाल 7 सीटों पर नाम जारी हुए हैं। इसमें कुमार विश्वास का नाम नहीं है। कई दिन से कहा जा रहा था कि कुमार विश्वास का नाम यूपी बीजेपी ने केंद्रीय नेतृत्व को भेज दिया है और आखिरी फैसला दिल्ली से होना है। हालांकि अभी एक चांस और है।

बीजेपी को यूपी की आठवीं राज्यसभा सीट पर अभी नाम डिक्लेयर करना है। अटकलें हैं कि ये नाम कुमार विश्वास हो सकता है। अगर यूपी कोटे से ऐसा नहीं होता है तो उन्हें राजस्थान से राज्यसभा भेजे जाने की संभावनाएं हैं। कुछ लोग ये भी अटकलें लगा रहे हैं कि बीजेपी कुमार विश्वास को गाजियाबाद से लोकसभा चुनाव लड़ा सकती है। यहां बीजेपी हर बार वीवीआईपी प्रत्याशी उतारती रही है। कुमार विश्वास मूल रूप से हापुड़ जिले में पिलखुवा क्षेत्र के रहने वाले हैं। फिलहाल वे गाजियाबाद के वसुंधरा में रहते हैं। कुमार ने अपना करियर एक कवि के रूप में शुरू किया। इसके बाद वे राजस्थान और गाजियाबाद के डिग्री कॉलेजों में प्रवक्ता रहे। 2011 में वे जन लोकपाल बिल के लिए गठित टीम अन्ना के मेंबर बन गए और सक्रिय राजनीति में आ गए। 2012 में वे आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य बन गए। 2014 में कुमार ने अमेठी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा, लेकिन हार गए।

साल-2016 से ही अरविंद केजरीवाल और कुमार विश्वास में मतभेद शुरू हो गए। 2018 में जाकर कुमार विवास पूरी तरह आम आदमी पार्टी से अलग हो गए। अब पिछले कुछ वक्त से वे पीएम नरेंद्र मोदी की तारीफें कर रहे हैं। उन्हें पिछले दिनों श्रीराम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा का न्योता भी मिला था। कुमार विश्वास आजकल देश के अलग-अलग राज्यों में रामकथा करने के लिए जाते हैं।

गाजियाबाद लोकसभा सीट पर पहला चुनाव साल-2009 में हुआ। बीजेपी ने राजनाथ सिंह को मैदान में उतारा। उन्होंने करीब 90 हजार वोटों से जीत दर्ज कराई। 2014 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने जनरल वीके सिंह को प्रत्याशी बनाया। इन्होंने मोदी लहर में 5 लाख 67 हजार 270 वोटों से जीत दर्ज कराई। 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने फिर से वीके सिंह पर भरोसा जताया। इस बार भी वीके सिंह 5 लाख प्लस वोटों से जीते।

वीके सिंह दो बार के सांसद हैं और दोनों बार से ही केंद्र में राज्यमंत्री भी हैं। वे मोदी की गुडबुक में स्थान पाते हैं।

बिहार के 14 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट

पटना और आस-पास के इलाकों में छाए रहेंगे बादल, 5.4 डिग्री के साथ गया सबसे ठंडा

पटना, 12 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के कई जिलों में धूप निकलने से ठंड थोड़ी राहत जरूर मिली है, लेकिन अगले 24 घंटे में एक बार फिर मौसम करवट ले सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक, पटना समेत कई जिलों में आज रात से बादल छाए रहने की संभावना है। साथ ही 13 और 14 फरवरी को पटना और आस-पास के इलाकों में हल्की बारिश भी हो सकती है।

मौसम विभाग ने बताया कि बारिश के बाद तापमान में एक बार गिरावट आएगी और ठंड बढ़ने की संभावना है। बादल छंटने के बाद कनकनी भी बढ़ने की उम्मीद है।

दूसरी ओर पिछले 24 घंटे में गया जिला सबसे ठंडा रहा। यहां का न्यूनतम तापमान 5.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। गया के बाद सबसे ज्यादा ठंडा नवादा रहा। नवादा का न्यूनतम तापमान 6.9 डिग्री रहा।

13 को 14 और अगले दिन 19 जिलों में हो सकती है

मौसम विभाग ने 13 फरवरी को 14 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में पटना, बेगूसराय, लखीसराय नालंदा, शेखपुरा, नवादा, गया, जहानाबाद, अरवल, भोजपुर, औरंगाबाद, रोहतास, बक्सर, कैमूर शामिल हैं।

वहीं, 14 फरवरी को पटना, बेगूसराय, लखीसराय नालंदा, शेखपुरा, नवादा, गया, जहानाबाद, अरवल, भोजपुर, औरंगाबाद, रोहतास, बक्सर, कैमूर, जमुई, मुंगेर, भागलपुर, खगड़िया और बांका में बारिश के साथ-साथ वज्रपात को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है।

मधुबनी चौथे दिन सबसे गर्म रहा

राज्य में मधुबनी चौथे दिन सबसे गर्म रहा। यहां का अधिकतम तापमान 28.3 डिग्री दर्ज किया गया। सबसे अधिक न्यूनतम तापमान फारबिसगंज में 13.4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। गया का अधिकतम तापमान 24.8, भागलपुर का 26.2 और पूर्णिया का 26.4 डिग्री रहा।

क्यों बदल रहा मौसम

मौसम विभाग के अनुसार दक्षिणी गुजरात और असम के ऊपर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है। इसका असर बिहार के मौसम पर पड़ने की संभावना है। 13 और 14 फरवरी को पटना समेत राज्य के एक-दो स्थानों पर हल्की बारिश के साथ ही मेघगर्जन और वज्रपात होने की संभावना है।

घर से अपहरण कर नाबालिग से गैंगरेप

बस्ती, 12 फरवरी (एजेंसियां)। बस्ती में एक 14 साल की नाबालिग लड़की को घर से अपहरण कर गैंगरेप का मामला सामने आया है। रात करीब 12 बजे दो लड़के उसके घर पहुंचे। लड़की को साथ चलने को कहा। लड़की ने विरोध किया तो जबरन उसे घसीटकर गाड़ी पर बिठा लिया। उसके बाद सूनसान जगह ले जाकर गन प्वाइंट पर दोनों ने बारी-बारी से दरिंदगी की। किसी तरह आरोपियों के चंगुल से छूटी पीड़िता अपने घर पहुंची। पिता उसे थाने ले गया। पुलिस ने पिता की तहरीर पर दो आरोपियों पर केस दर्ज कर लिया है। एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। वारदात जिले के छावनी थाना क्षेत्र के एक गांव की है। पीड़िता के मुताबिक, कुछ दिन मेरे घर पर कंस्ट्रक्शन का काम हुआ था। जिसमें थाना परसुरामपुर के गांव के पिपरहिया का रहने वाला उमेश काम करने आया था।

कानपुर का करोड़पति कॉन्स्टेबल - डेढ़ करोड़ की कोठी

घर के बाहर ऑडी-बीएमडब्ल्यू और फॉर्च्यूनर कारें, सबके नंबर 0078; पिंटू सेंगर मर्डर में जेल गया

कानपुर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। कानपुर में पुलिस कॉन्स्टेबल का दागदार चेहरा एक बार फिर सामने आया है। एंटी करप्शन विंग ने करोड़पति कॉन्स्टेबल को ट्रेस किया। जब अफसर उसकी कोठी पहुंचे, तो कंपाउंड में ऑडी, BMW और फॉर्च्यूनर जैसी कारें मिली हैं। एंटी करप्शन की टीम ने उसकी कोठी की कीमत 1.5 करोड़ आंकी है। हालांकि सर्किल रेट 5 करोड़ बताया जा रहा। घर के अंदर स्वीमिंग पूल समेत सभी सुविधाएं मौजूद हैं।

दरअसल, एंटी करप्शन विंग के पास बर्खास्त कॉन्स्टेबल सुशील मिश्रा की शिकायत पहुंची थी। छानबीन में सामने आया कि कॉन्स्टेबल के पास श्यामनगर में आलीशान बंगला, लग्जरी गाड़ियां, घर के अंदर लग्जरी सुविधाएं मौजूद

थीं। उसकी हर गाड़ी के आखिरी 4 अंक 0078 हैं। टीम से उसके पड़ोसियों ने बताया कि जब भी कोई नई गाड़ी लॉन्च होती तो सबसे पहले कॉन्स्टेबल के काफिले में शामिल होती थी।

एंटी करप्शन विंग की कानपुर यूनिट के इंस्पेक्टर चतुर सिंह ने चकेरी थाने में कॉन्स्टेबल श्याम सुशील मिश्रा के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत FIR दर्ज कराई। उन्होंने बताया, श्याम नगर डी-ब्लॉक में रहने वाला कॉन्स्टेबल मिर्जापुर थाना कछवा के भैंसा गांव का मूल निवासी है। रमाकांत पांडेय नाम के व्यक्ति ने उसके खिलाफ 2019 में आय से अधिक संपत्ति की शिकायत लखनऊ में की थी।

इसके बाद एंटी करप्शन टीम ने करीब 4 साल तक मामले की जांच की। जिसमें पाया कि उसने ज्ञात सोर्स से 5 करोड़ 10 लाख रुपए कमाए। लेकिन जांच के दौरान कॉन्स्टेबल के पास 8.21 करोड़ रुपए का खर्च सामने आया। यानी कि 3 करोड़ 11 लाख रुपए की आय से अधिक की संपत्ति कॉन्स्टेबल के पास सामने आई है। जोकि उनकी आय से 60% से ज्यादा थी। एंटी करप्शन के अफसरों ने अपनी रिपोर्ट में कॉन्स्टेबल के बंगले की कीमत महज 1.5 करोड़ रुपए आंकी है। लेकिन ग्राउंड रियलिटी में सामने आया कि श्याम नगर डी-ब्लॉक के जिस मोहल्ले में कांस्टेबल का मकान है, सिर्फ उस जमीन की कीमत दो-ढाई करोड़ से ज्यादा है।

बंगले की कीमत 5 करोड़ से ज्यादा बताई जा रही है। सूत्रों ने बताया कि कई करोड़ की तो उसके पास बेनामी संपत्तियां हैं। जिसका कोई लेखा-जोखा अफसरों के पास नहीं है। कानपुर चकेरी में रहने वाले बसपा नेता पिंटू सेंगर की 20 जून 2020 की दिन दहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। जमीन के विवाद में भू-माफिया पप्पू स्मार्ट, सउद अख्तर समेत अन्य के साथ मिलकर पिंटू सेंगर की हत्या करा दी थी।

मैट्रिक की छात्रा से गैंगरेप

गांव वालों ने 4 लोगों को पकड़कर पुलिस को सौंपा

जमुई, 12 फरवरी (एजेंसियां)। जमुई में एक नाबालिग (16) के साथ 5 लड़कों ने गैंगरेप किया है। गैंगरेप के बाद सभी लड़की को खेत में छोड़कर भागने की तैयारी में थे। ग्रामीणों ने चार युवकों को बंधक बना लिया। एक युवक भाग निकला। गांव वालों ने चारों युवकों को पुलिस को सौंप दिया। पुलिस चारों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। बच्ची मैट्रिक में पढ़ती है।

लड़की की मां ने मामले में खैरा थाना पुलिस को लिखित आवेदन देकर मामले की पूरी जानकारी दी है। सभी आरोपी पीड़िता के दूर के रिश्तेदार बताए जा रहे हैं।

पीड़िता की मां ने बताया कि गांव में कुछ युवक अपने एक रिश्तेदार के घर आए थे। सभी युवक बरहट थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। जो नाबालिग के दूर के रिश्तेदार बताए जाते हैं। नाबालिग की मां ने अपने आवेदन में बताया उनमें से दो युवकों का उसके घर अक्सर आना-जाना होता रहता था। बीते 8 फरवरी को भी सभी युवक गांव के बालदेब राय के घर आए थे।

आग में झुलसने से महिला की मौत

अलाव सेंकने के दौरान महिला की साड़ी में लगी आग

पूर्णिया, 12 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्णिया में एक महिला की अलाव की आग में झुलसने से मौत हो गई। हादसा तब हुआ जब वे अलाव के समीप बैठकर आग ताप रहीं थीं। आग की लपटों से महिला के शरीर का 70 फीसद से अधिक हिस्सा झुलस गया था। घटना के फौरन बाद आग में झुलसी महिला को इलाज के लिए हायर सेंटर ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया। दर्दनाक घटना बीकोठी थाना क्षेत्र के ओरलाहा गांव की है।

मृतका की पहचान बड़हरा थाना क्षेत्र के ओरलाहा गांव निवासी कमलेश्वरी पासवान की पत्नी अरुणा देवी (60) के रूप में हुई है।

दामाद विनोद पासवान ने बताया कि ठंड लगने पर उनकी सास चबूतरे में अलाव जलाकर आग ताप रही थीं। कि तभी कुछ पल के लिए उनका ध्यान भटका और इसी दौरान उनकी साड़ी का निचला हिस्सा अलाव के आग की चपेट में आ गया। देखते ही देखते आग की लपटें तेज हो उठी। जिसके बाद चीखने की आवाज घर में मौजूद सदस्यों ने किसी तरह आग बुझाया और आग की लपटों में झुलसी महिला को स्थानीय अस्पताल में एडमिट कराया गया। जहां महिला की गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने महिला को जीएमसीएच पूर्णिया रेफर कर दिया। जहां इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई।

कटिहार में यात्रियों से भरी बस अनियंत्रित होकर गड्ढे में पलटी; दो महिलाओं की मौत, 18 लोग घायल

कटिहार, 12 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के कटिहार में सोमवार को यात्रियों से भरी बस अनियंत्रित होकर गड्ढे में पलट गई। इस हादसे में दो महिला यात्रियों की मौत हो गई, जबकि करीब 18 लोग घायल हो गए। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचकर पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। साथ ही पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के मुताबिक, यह दुर्घटना जिले के कुर्सेला थाना क्षेत्र की है। जहां नेशनल हाइवे 31 पर कोसी पुल कबीर मठ के पास यात्रियों से भरी बस अनियंत्रित होकर पलट गई। आनन-फानन में स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस की मदद से घायलों को कुर्सेला और समेली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है।

जहां तीन-चार यात्रियों की हालत नाजुक बताई जा रही है। वहीं, मृतकों में पश्चिम बंगाल के न्यू जलपाईगुड़ी निवासी संध्या राकेश और दार्जिलिंग की रहने वाली जितनी टोप्पो शामिल हैं।

कटिहार सदर एसडीपीओ शिवशंकर कुमार ने बताया कि पुलिस ने आगे की कार्रवाई कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। उसके बाद मामले की जांच शुरू कर दी है।

नायडू की जमानत के खिलाफ याचिका पर सुनवाई 26 तक स्थगित, हाईकोर्ट के फैसले को दी गई है चुनौती

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को कौशल विकास निगम घोटाला मामले में पिछले महीने अग्रिम जमानत दी थी। इसके खिलाफ राज्य सरकार ने शीर्ष अदालत में याचिका दाखिल की है। याचिका सोमवार को सर्वोच्च न्यायालय के सामने सुनवाई के लिए आई और उसने मामले में सुनवाई के लिए अगली तारीख 26 जनवरी तय की।

याचिका न्यायमूर्ति बेला एम.त्रिवेदी और न्यायमूर्ति पंकज मित्तल की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आई। नायडू की ओर से वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ लूथरा पेश हुए। लूथरा ने अदालत को बताया कि वरिष्ठ वकील हरीश सालवे मामले में बहस करेंगे, लेकिन वह आज उपलब्ध नहीं है। इसके बाद पीठ ने सुनवाई स्थगित कर दी। लूथरा ने पीठ से सुनवाई को दो हफ्ते के लिए टालने का आग्रह किया था।

राज्य सरकार की ओर से वरिष्ठ वकील रंजीत कुमार और वकील महफूज अहसान नाजकी पेश हुए। उन्होंने उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ याचिका पर सुनवाई के लिए जल्द कोई तारीख तय करने का आग्रह किया। पीठ ने कहा कि वह इस मामले पर 26 फरवरी को सुनवाई कर सकती है। याचिका को हफ्ते बाद के लिए सूचीबद्ध किया जा सकता है।

शीर्ष अदालत ने 16 जनवरी को नायडू की याचिका पर खंडित फैसला सुनाया था। याचिका में कौशल विकास निगम घोटाला मामले में उनके खिलाफ प्राथमिकी रद्द करने से इनकार करने के उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दी गई थी।

न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी की पीठ ने खंडित फैसला दिया था। फैसले में भ्रष्टाचार निरोधक कानून की धारा 17ए की व्याख्या और उपयुक्तता पर मतभेद था।

न्यायमूर्ति बोस ने कहा था कि तेदेपा प्रमुख के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण कानून के तहत कथित अपराधों की जांच के लिए पहले मंजूरी लेना जरूरी है। वहीं, न्यायमूर्ति त्रिवेदी ने कहा था कि धारा 17ए को प्रभावी रूप से लागू नहीं किया जा सकता है। धारा 17ए को 26 जुलाई, 2018 को एक संशोधन के द्वारा लाया गया था। यह प्रावधान किसी पुलिस अधिकारी के लिए अधिनियम के तहत किसी लोकसेवक द्वारा किए गए कथित अपराध की जांच के वास्ते सक्षम प्राधिकारी से पूर्व मंजूरी लेने की अनिवार्य आवश्यकता निर्धारित करता है।

नायडू को पिछले साल नौ सितंबर को गिरफ्तार किया गया था। उन पर मुख्यमंत्री रहते हुए 2015 में कौशल विकास निगम से पैसे का गबन करने और सरकारी खजाने को 371 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाने का आरोप है।

विधानसभा में संदेशखाली का मुद्दा उठाने पर भाजपा के छह विधायक निलंबित

कोलकाता, 12 फरवरी (एजेंसियां)। विधानसभा में आज संदेशखाली मुद्दा उठाने के बाद विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी और अग्निमित्रा पॉल समेत भाजपा के छह विधायकों को शेष सत्र से निलंबित कर दिया गया है। इन विधायकों को सदन के अंदर अनियंत्रित और अव्यवस्थित व्यवहार के कारण विधानसभा के नियम 348 के तहत निलंबित किया गया है।

बता दें कि यह प्रस्ताव पश्चिम बंगाल के संसदीय कार्य मंत्री सोवन्देब चट्टोपाध्याय द्वारा पेश किया गया था। निलंबन के बाद भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा, 'महिलाओं की सुरक्षा के लिए भाजपा आवाज उठाना जारी रखेगी। संदेशखाली में प्रदर्शन के लिए हमें जेल में डाल दे या फांसी पर चढ़ा दे हम विरोध करना नहीं छोड़ेंगे। माता का इज्जत लूटने वालों के खिलाफ भाजपा का आवाज बुलंद रहेगा।'

शुवेंदु अधिकारी और अग्निमित्रा पॉल के अलावा मिहिर गोस्वामी, बंकिम घोष, तापसी मंडल और शंकर घोष को मौजूदा सत्र की शेष अवधि या 30 दिनों के लिए निलंबित कर दिया गया है। प्रश्नकाल की शुरुआत से ही भाजपा विधायकों ने उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखालि में मौजूदा अशांति को लेकर टीएमसी सरकार के खिलाफ सदन में ही नारेबाजी शुरू कर दी। इससे विधानसभा के भीतर हंगामा हो गया। प्रदर्शन के दौरान भाजपा विधायकों ने सफेद रंग की शर्ट

पहन रखी थीजिस पर लाल रंग से लिखा था 'हम संदेशखालि के साथ हैं'। शोभनदेब चटर्जी ने बताया कि भाजपा विधायक सदन की मर्यादा और अनुशासन बरकरार नहीं रख रहे थे और कार्यवाही बाधित करने की कोशिश भी की।

पिछले कुछ दिनों से संदेशखाली में स्थानीय महिलाएं प्रदर्शन कर रहीं है। उन्होंने टीएमसी नेता शेख शाहजहां और उनके सहयोगियों पर जबरन उनके जमीनों पर कब्जा करने का आरोप लगाया है। महिलाओं ने शेख शाहजहां की गिरफ्तारी की भी मांग की है। बता दें कि पिछले महीने टीएमसी नेता शेख शाहजहां के आवास पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छापेमारी की थी। इस छापेमारी के दौरान शाहजहां के समर्थकों ने ईडी के अधिकारियों पर हमला कर दिया था, जिसमें तीन अधिकारी घायल हो गए थे। इस हादसे के बाद से ही शाहजहां फरार है।

'कोई भी राज्य या देश, विकास में हमारा मुकाबला नहीं कर सकता'; ममता बनर्जी ने केंद्र पर लगाए आरोप

कोलकाता, 12 फरवरी (एजेंसियां)। टीएमसी सुप्रीमो और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि उनकी सरकार राज्य के लोगों के विकास के लिए कड़ी मेहनत कर रही है, लेकिन उनकी सरकार पर भ्रष्टाचार के झूठे आरोप लगाकर बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। पश्चिम बंगाल के हुगली में एक सरकारी कार्यक्रम के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने ये बातें कही।

'कोई भी राज्य विकास में हमारा मुकाबला नहीं कर सकता'

ममता बनर्जी ने कहा कि 'केंद्र सरकार की आर्थिक नाकेबंदी के बावजूद राज्य सरकार ने गरीबों के लिए कई कल्याणकारी योजनाओं की शुरुआत की है। ममता बनर्जी ने दावा किया कि कोई भी राज्य या देश विकास के मामले में हमारा सामना नहीं कर सकता। ये भी तब है, जब केंद्र ने हमें वंचित रखने की कोशिश की , लेकिन हम हमारे लोगों के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं लाने में सफल रहे।' ममता बनर्जी ने कहा कि उनकी सराकर पर भ्रष्टाचार के झूठे आरोप लगाकर बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। ममता बनर्जी ने दावा किया कि केंद्र सरकार ने राज्य के 1.18 लाख करोड़ रुपये जारी नहीं किए हैं। ममता बनर्जी का यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब टीएमसी के कई नेता भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में बंद हैं। ईडी राशन घोटाले समेत कई और घोटालों की जांच कर रही है। विपक्षी भाजपा भ्रष्टाचार के आरोपों पर टीएमसी पर हमलावर है।

संदेशखाली को लेकर ममता बनर्जी ने कही ये बात

संदेशखाली और अपनी पार्टी के नेता शाहजहां शेख को लेकर ममता बनर्जी और टीएमसी विपक्षी पार्टियों के निशाने पर है। संदेशखाली में महिलाओं ने हाल ही में विरोध प्रदर्शन किया और शाहजहां शेख और उनके सहयोगियों पर लोगों की जमीन हड़पने का आरोप लगाया था। महिलाओं ने ये भी दावा किया था कि शाहजहां शेख और टीएमसी नेताओं ने उनके साथ यौन उत्पीड़न किया। इस मामले में ममता बनर्जी ने कहा कि 'सरकार उचित कदम उठा रही है। राज्य महिला आयोग की टीम को वहां भेजा गया है।' राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने भी संदेशखाली का दौरा किया।

नेशनल कॉन्फ्रेंस की वरिष्ठ नेता शहनाज गनई बीजेपी में शामिल, कहा- पीएम मोदी के काम ने किया प्रभावित

जम्मू, 12 फरवरी (एजेंसियां)।जम्मू-कश्मीर विधान परिषद के पूर्व सदस्य और नेशनल कॉन्फ्रेंस की वरिष्ठ नेता डॉ शहनाज गनई सोमवार (12 फरवरी) को बीजेपी में शामिल हो गईं. उन्होंने ने शनिवार (10 फरवरी) को नेशनल कॉन्फ्रेंस से इस्तीफा दिया था.

डॉ. गनई नेशनल कॉन्फ्रेंस के दिग्गज नेता और पूर्व मंत्री स्वर्गीय ख्वाजा गुलाम अहमद गनई की बेटी हैं. वह नेशनल कॉन्फ्रेंस के जम्मू संभाग से जम्मू-कश्मीर राज्य विधान परिषद के लिए चुनी गई थीं. शहनाज बीजेपी प्रवक्ता जफर इस्लाम और केंद्रीयमंत्री जितेंद्र सिंह की मौजूदी पार्टी में शामिल हुईं.

इस मौके पर उन्होंने कहा, आज मुझे बीजेपी के परिवार में

शामिल होने का मौका मिला है. इसके लिए मैं खुद भाग्यशाली मानती हूं. मोदी जी नेतृत्व में पिछले 10 साल में सरकार उसके काम से प्रभावित होकर देशभर के लोग खासकर जम्मू कश्मीर की जनता बीजेपी से जुड़ने के लिए उत्सुक हैं..

'सरकार ने लोगों को किया मजबूत'

शहनाज गनई ने कहा कि पीएम मोदी का मंत्र सबका साथ, सबका विकास का जो मंत्र दिया है. उसने आज यह भारत में देश के आखिरी कोने में, आखिरी शख्स को सशक्त करने में कामयाब हुआ है. आज देश के हर कोने में हर युवा, हर नारी और हर किसान को सरकार ने मजबूत करने का काम किया.

वहीं, जितेंद्र सिंह ने कहा कि मोदी जी ने अपने पीएम रहते प्रधानमंत्री नरेंद्रमोदी ने अपनी पहली दिवाली कश्मीर में मनाई, उस समय कश्मीर में बाढ़ आई थी और उन्होंने दिवाली बाढ़ पीड़ितों के बीच में मनाई थी. उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार राज्य से अनुच्छेद 370 न हटा सकी, लेकिन मोदी सरकार ने उसे खत्म कर दिया.

उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 379 खत्म होने के बाद जम्मू कश्मीर मुख्याधारा से जुड़ गया और अब यहां तेजी से विकास हो रहा. अब यहां देश दुनिया से बड़ी तादाद में पर्यटक आ रहे हैं. ऐसे में गनई भी विकास यात्रा में शामिल हो रही हैं.

केजरीवाल का दिल्ली में अकेले चुनाव लड़ने का संकेत

बोले- लोग सातों सीट आप को देंगे; पंजाब-चंडीगढ़ में भी गठबंधन से इनकार कर चुके

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और सीएम अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में लोकसभा चुनाव अकेले लड़ने के संकेत दिए हैं। आप ने रविवार (11 फरवरी) को सोशल मीडिया मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर उनका एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वे कह रहे हैं- दिल्ली के लोगों ने 7 की 7 सीटें आप को देने की ठान ली है।

केजरीवाल का ये वीडियो पंजाब का है। वे वहां एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। सूत्रों की माने तो दिल्ली के लिए I.N.D.I.A का हिस्सा कांग्रेस और आप सीट-बंटवारे के लिए 4:3 फॉर्मूले पर चर्चा कर रही थी। इसमें कांग्रेस 4 और आप के तीन सीटों पर चुनाव लड़ने की अटकलें थीं। 2019 में बीजेपी ने सातों लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज की थी।

एक दिन पहले पंजाब-चंडीगढ़ में भी अकेले लड़ने का ऐलान किया

केजरीवाल ने एक दिन पहले शनिवार (10 जनवरी) को पंजाब और चंडीगढ़ में कांग्रेस के साथ सीट शेयरिंग से इनकार किया था। पंजाब के लुधियाना में केजरीवाल ने कहा- पंजाब में आप अकेले चुनाव लड़ेगी। 2 महीने बाद लोकसभा चुनाव हैं। पंजाब में 13 सीटें हैं और एक चंडीगढ़ की है। आने वाले 14-15 दिनों में इन 14 सीटों पर उम्मीदवार घोषित कर देंगे।

आप ने असम-गुजरात में अपने उम्मीदवारों की घोषणा की

आप ने कई बार इस बात पर जोर दिया है कि वह I.N.D.I.A के साथ है, लेकिन लोकसभा चुनाव के लिए अलग-अलग राज्यों में लगातार अपने उम्मीदवारों की घोषणा भी कर रही है। आप ने पिछले हफ्ते 8 फरवरी को असम में तीन सीटों पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा की थी। इससे पहले केजरीवाल ने जनवरी में गुजरात यात्रा के दौरान राज्य की भरूच लोकसभा सीट पर चैतर वसावा को अपना उम्मीदवार घोषित किया था। पंजाब में अकेले चुनाव लड़ने का फैसला भी इसी के बाद आया है।

इससे पहले पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुकी है। ममता भी खुद को I.N.D.I.A का हिस्सा बताती रही हैं। हालांकि, उन्होंने अकेले चुनाव लड़ने के अपने फैसले के लिए कांग्रेस के साथ सीट-शेयरिंग को लेकर बातचीत फेल होने का हवाला दिया था। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपने रास्ते पहले ही अलग कर चुके हैं। वे I.N.D.I.A के सूत्रधार थे। उन्होंने ही सभी विपक्षी पार्टियों को बीजेपी के खिलाफ एकजुट किया था। हालांकि, वे खुद 28 जनवरी को एनडीए में शामिल हो गए और बीजेपी के साथ मिलकर सरकार बना ली।

चार दिन बाद फिर सक्रिय होगा पश्चिमी विक्षोभ, बारिश के साथ बर्फबारी और ओले गिरने के भी आसार

बीते कुछ दिनों से उत्तर भारत के राज्यों में दिन-रात का तापमान बढ़ना शुरू हुआ है। इन दिनों रात का तापमान 7 डिग्री से 12 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच गया है। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक अगले 4 दिनों में यह पारा और बढ़ेगा। हालांकि 17 फरवरी को एक बार फिर से उत्तर भारत के इलाकों में पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता होने वाली है। इस दौरान न सिर्फ तेज बारिश होगी, बल्कि पहाड़ी इलाकों पर बर्फबारी के साथ कई क्षेत्रों में ओलावृष्टि भी हो सकती है। विभाग के अनुमानों के मुताबिक इस विक्षोभ की सक्रियता के बाद एक बार फिर से तापमान में गिरावट दर्ज हो सकती है।

मौसम विभाग के मुताबिक बीते कुछ दिनों में पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के चलते उत्तर पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में मौसम बदला था। अब एक बार फिर से इसी क्षेत्र में

पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता बढ़ने वाली है। भारतीय मौसम विभाग के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्रा ने बताया कि 17 जनवरी से एक बार फिर उत्तर पश्चिमी हिमालयन रीजन में वेस्टर्न डिस्टरबेंस की सक्रियता बढ़ने वाली है। इसका असर सिर्फ उत्तर भारत के पहाड़ी इलाकों पर ही नहीं बल्कि मैदानी इलाकों में भी पड़ने वाला है। मैदानी इलाकों में जहां बारिश हो सकती है, वहीं पहाड़ी इलाकों पर बर्फबारी के साथ निचले हिस्से में ओलावृष्टि का अनुमान लगाया जा रहा है। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक यह सक्रियता तीन से चार दिनों तक बनी रह सकती है। इस सप्ताह में शुक्रवार से लेकर अगले सोमवार तक मौसम बदला रह सकता है।

हालांकि मौसम विभाग के वैज्ञानिकों के मुताबिक 13 फरवरी से लेकर 16 फरवरी तक तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक के बढ़ने का अनुमान लगाया है। विभाग के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने बताया कि अगले 4 दिनों के भीतर कुछ तापमान बढ़ेगा। 17 फरवरी से एक बार फिर मौसम बदलना शुरू हो जाएगा। वह कहते हैं कि जैसे ही बारिश के साथ वेस्टर्न डिस्टरबेंस की सक्रियता का असर होगा, वैसे ही तापमान में गिरावट दर्ज सकती है। उनका मानना है कि अभी जब तक पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के बने रहने की संभावनाएं बन रही हैं, तब तक यह कहना मुश्किल है कि अब गर्मी की तरह तापमान बढ़ना शुरू होगा। क्योंकि बारिश के अनुमान लगाए जा रहे हैं, इसलिए रात और दिन के तापमान में कुछ कमी दर्ज हो सकती है।

कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर बोले- पाकिस्तानी प्रेम बरसाते हैं:लाहौर में कहा- वे दोस्ती पर ज्यादा दोस्ती, दुश्मनी पर ज्यादा दुश्मनी दिखाते हैं

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)।कांग्रेस के दिग्गज नेता और पूर्व भारतीय राजनयिक मणिशंकर अय्यर ने पाकिस्तान की तारीफ की है। उन्होंने कहा- पाकिस्तान के लोग प्यार मिलने पर प्यार बरसाते हैं। मैं अब तक जिस भी देश में गया, वहां इतना खुले दिल से स्वागत नहीं किया गया, जितना पाकिस्तान में हुआ।

पाकिस्तानी मीडिया डॉन के मुताबिक, अय्यर ने कहा- मेरे अनुभव से, पाकिस्तानी ऐसे लोग हैं जो शायद दूसरे पक्ष पर जरूरत से ज्यादा प्रतिक्रिया करते हैं। यदि हम दोस्ती दिखाते हैं तो पाकिस्तानी उससे ज्यादा दोस्ती दिखाते हैं। यदि हम दुश्मनी दिखाते हैं तो वो ज्यादा दुश्मनी दिखाते हैं।कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर लाहौर के अलहमरा में फैज महोत्सव में शामिल होने पहुंचे थे। इसी कार्यक्रम में 'हिज्र की राख, विसाल के फूल, भारत-पाक मामले' वाले सत्र के दौरान उन्होंने यह टिप्पणी की। अय्यर ने पाकिस्तान के लोगों को भारत के लिए सबसे बड़ी संपत्ति भी बताया।

कराची में कौंसल जनरल रह चुके हैं अय्यर

डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, अय्यर ने कहा कि जब कौंसल जनरल के रूप में उनकी पोस्टिंग कराची में थी, तो हर कोई उनकी और उनकी पत्नी की देखभाल कर रहा था। उन्होंने अपनी किताब 'मेमोयर्स ऑफ ए मेवरिक' में ऐसी कई घटनाओं के बारे में लिखा है, जो पाकिस्तान को भारतीयों की कल्पना से बिल्कुल अलग देश के रूप में दिखाती हैं।

केरल की पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से विस्फोट, एक की मौत, 6 घायल

एर्नाकुलम, 12 फरवरी (एजेंसियां)। केरल की एक पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से जबरदस्त विस्फोट के बाद उसमें आग लग गई. घटना एर्नाकुलम जिले के वरपुझा की है. यहां की पटाखे बनाने वाली यूनिट में विस्फोट होने के बाद आग लगने से एक शख्स की मौत हो गई, जबकि 6 लोग घायल हो गए हैं. मामले की जानकारी मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम किया. ये विस्फोट इतना भीषण था कि बिल्डिंग चकना चूर होकर मलबे में तब्दील हो गई.एर्नाकुलम डीसी रेणु राज ने बताया कि 28 फरवरी को शाम 5.30 बजे के करीब वरपुझा के पास पटाखों की घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए. आबादी वाले इस इलाके में पटाखों का अवैध भंडारण था. जांच चल रही है. वहीं, ये विस्फोट इतना जोरदार था कि आसपास रह रहे लोगों शुरू में लगा कि कोई भूकंप आ गया.

विस्फोट में बच्चे भी घायल

इस हादसे में बच्चे भी घायल हुए हैं. दरअसल, धमाका इतना जबरदस्त था कि पास के घरों में खिड़की के शीशे टूट गए. इन शीशे के टुकड़े लगने से बच्चे घायल हुए हैं. जिस घर में पटाखा यूनिट थी वो घर तो पूरी तरह से तहस-नहस हो गया. यहां तक कि आसपास के पेड़ भी जल गए. लोग तत्काल रूप से मदद के लिए भी नहीं जा पाए क्योंकि वहां धुएं का ऐसा गुबार उठा कि सब धुंधला हो गया. वहीं, दमकल विभाग का कहना है कि अब स्थिति कंट्रोल में है. हालांकि छोटे-मोटे धमाकों की आवाज आ रही है.

राशन की दुकानों पर पीएम मोदी के बैनर लगाने को लेकर रार, सीएम विजयन बोले- राज्य में ये होने नहीं देंगे

तिरुवनंतपुरम, 12 फरवरी (एजेंसियां)। राशन की दुकानों पर राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के लोगो के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फोटो वाले साइन बोर्ड और फ्लैक्स बैनर प्रदर्शित करने के केंद्र सरकार के फैसला का केरल में पालन नहीं किया जाएगा। सोमवार को राज्य सरकार ने इस बात की जानकारी दी।

सेल्फी प्वाइंट भाजपा का चुनाव हथकंडा- पिनाराई

विधानसभा सत्र के दौरान आईयूएमएल विधायक द्वारा पूछे गए सवाल पर मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कहा कि सेल्फी अभियान ऐसे समय पर हो रहा है जब देशभर में लोकसभा चुनाव नजदीक है, उन्होंने इस तरह के फैसले को भाजपा के चुनाव अभियान का हिस्सा करार दिया। इसके साथ ही विधानसभा सत्र के दौरान सदन को बताते हुए मुख्यमंत्री पिनाराई ने कहा कि इसके बारे में हम केंद्र सराकर को सूचित करेंगे कि यह सही नहीं है, ये राज्य में लागू करना मुश्किल है। इस मुद्दे पर हम चुनाव आयोग से भी संपर्क करेंगे।

चुनावी वर्ष के दौरान अभियान लागू नहीं करेंगे- जीआर अनिल

गौरतलब है कि पहले राज्य के खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्री जी आर अनिल ने कहा था कि केंद्र ने केरल में 14,000 से अधिक राशन की दुकानों पर प्रधानमंत्री की तस्वीर वाले फ्लेक्स और बैनर प्रदर्शित करने के निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र ने चुनिंदा 550 राशन दुकानों पर पीएम के सेल्फी प्वाइंट लगाने के भी निर्देश दिए और अधिकारियों से इसका निरीक्षण करने को कहा। इसके साथ ही खाद्य और नागरिक आपूर्ति के लोगो वाले बैग का उपयोग करने के निर्देश भी जारी किए। अनिल ने कहा कि राज्य सरकार चुनावी वर्ष के दौरान इस तरह के अभियान लागू नहीं करेगी।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 13 फरवरी - 2024

अमेरिका में नस्ली हिंसा

भारतीयों की मेहनत और मेधा से पूरी दुनिया वाकिफ है। यही वजह है कि अमेरिका जैसे देश में जब भारतीय मूल के लोग जाकर अपनी मेहनत के बल पर अमेरिकी मूल के लोगों से वार्षिक औसत आय आगे बढ़ जाते हैं तो अमेरिकी फिरकापरस्त लोग इसे आसानी से पचा नहीं पाते। नतीजतन वे अपना अफरा भारतीय मूल के लोगों के खिलाफ नफरती हिंसा कर निकालते हैं। यही वजह है कि इन दिनों अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों व छात्रों के खिलाफ आए दिन हिंसक घटनाएं हो रही हैं। नया साल शुरू हुए अभी डेढ़ महीने भी पूरा नहीं हुए हैं कि वहां पर पांच भारतीय हिंसा का शिकार हो चुके हैं। ताजा घटना वाशिंगटन की है, जहां एक संदिग्ध अमेरिकी नागरिक ने भारतीय मूल के एक व्यक्ति पर हमला किया, जिससे उसके सिर में चोट आई और तमाम प्रयासों के बाद भी उसे बचाया नहीं जा सका। बीते एक वर्ष में अमेरिका में भारतीय मूल के पांच सौ बीस लोगों के साथ नफरती नस्ली हिंसा की घटनाएं हो चुकी हैं। यह इसके पहले के साल की तुलना में करीब चालीस फीसद अधिक है। हिंसा के शिकार लोगों में हर श्रेणी के लोग हैं, छात्र तो हैं ही, वहां नौकरी कर रहे लोग भी सुरक्षित नहीं हैं। यहां तक कि वहां बस गए लोग भी नस्ली हिंसा का शिकार हो रहे हैं। देखा जाए तो अमेरिका में नस्ली हिंसा कोई नई बात नहीं है। लेकिन बीते दो वर्षों से जिस तरह भारतीय मूल के लोगों को निशाना बना कर हमले किए जा रहे हैं, उसकी कुछ और भी वजहें हैं। अक्सर देखा गया है कि वहां के सुरक्षाकर्मी भी किसी छात्र या लड़की को धक्का मार कर उसका उपहास उड़ाते हुए उसकी पीड़ा को आनंद लेते हैं। वहां रह रहे भारतीयों का मानना है कि डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में आने के बाद भारतीय मूल के लोगों के खिलाफ नफरती हिंसा बढ़ी है। बता दें कि ट्रंप ने अपने चुनाव प्रचार में अमेरिकी युवाओं का खुलेआम आह्वान किया था कि बाहरी लोग आकर उनका हक छीन रहे हैं, वे सत्ता में आएंगे तो उनका हक दिलाएंगे। ट्रंप को इसका लाभ यह मिला कि वे चुनाव जीत गए। देखा जाए तो दूसरा चुनाव हारने के बाद भी उन्हें अमेरिकी युवाओं का अपार समर्थन प्राप्त है। अमेरिका के छह में से पांच राज्यों में ट्रंप आज भी जो बाइडन से आगे हैं। भारतीय मूल के लोगों की बढ़ती संख्या को देखते हुए अमेरिकी युवाओं को लगता है कि भारतीय मूल के लोग अमेरिका पर कब्जा करना चाहते हैं। उन्हें यह भी लगता है कि जो बाइडेन सरकार भारतीयों को ज्यादा तरजीह देती है। इसलिए भी कि बाइडेन ने अपनी सरकार में करीब एक सौ तीस महत्वपूर्ण पदों पर भारतीय मूल के लोगों को नियुक्त किया है। वहां की विभिन्न कंपनियों और विभागों में भी भारतीय मूल के लोग शीर्ष या महत्वपूर्ण पदों पर बैठे हैं। इसलिए वहां के युवाओं की नजर में बाइडन सरकार खलनायक की तरह काम कर रही है। उन युवाओं की इस धारणा को बढ़ावा देने और उन्हें उकसाने में वहां के कुछ अखबार और टीवी चैनल भी भरपूर मदद कर रहे हैं। वे भारतीय मूल के लोगों के खिलाफ लगातार जहर उगल रहे हैं। दुनिया भर में लोकतंत्र की दुहाई देने वाले अमेरिका की हकीकत यह है कि वह भारत जैसे देशों से वहां पढ़ने, रोजगार के लिए गए या फिर कारोबार कर रहे, बस गए लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर पा रहा। नस्ली हिंसा पर काबू पाना आज भी उसके लिए चुनौती है। हालांकि अमेरिका की कुल आबादी में भारतीय मूल के लोगों की हिस्सेदारी महज एक फीसद है, लेकिन वे आयकर के रूप में छह फीसद का योगदान कर रहे हैं। इसलिए कि भारतीय मूल के लोगों की वार्षिक औसत आय अमेरिकी मूल के लोगों की वार्षिक औसत आय से बहुत अधिक है। यही बात अमेरिकी लोगों को हजम नहीं हो पा रहा है। ट्रंप ने अमेरिकी युवाओं के इस असंतोष को अपना सियासी हथियार बना कर अपना घातक उद्धेश्य पूरा करने में जुटे हैं। अगर अमेरिकी सरकार ने जल्दी इस समस्या का कोई समाधान नहीं निकाला, तो न केवल उसे कुशल भारतीयों के योगदान से वंचित होना पड़ेगा, बल्कि उसे भारी आर्थिक नुकसान भी दो-चार होना पड़ेगा।

वैलेंटाइन वीक

डॉ. सुरेश कुमार

वैलेंटाइन वीक, निब्बा-निब्बी की खुमारी के लिए सदैव से चोंचलों का स्वर्णयुग रहा है। निब्बा का बटुआ निब्बी के लिए और निब्बी का पर्स निब्बा के लिए हमेशा बादशाह अकबर के खजाने की तरह खुला रहता है। अगर दिल खुला हो तो दोनों पागलपंती की सारी हदें पार कर देते हैं। साल भर चाहे जैसा भी रहें लेकिन इस एक सप्ताह वे चादर के अनुसार पाँव पसारने की आदत को तिलांजली देकर उधारी के बुर्ज खलीफा पर चढ़ने की नई मिसाल स्थापित करते हैं। निब्बा-निब्बी का प्यार वह 'इलास्टिक' है जिसे खींच-खींचकर वे कभी अपना सिर ढक लेते हैं तो कभी पाँव। प्यार दिखाने का यही बेहतरीन तरीका है।

वैलेंटाइन वीक को कभी जेब कतरने की कैंची कहा जाता था। आजकल इसे संबंध जोड़ने वाला 'फ़ेवीकॉल' समझा जाता है। आज का इन्वेस्टमेंट, कल का ओयो रूम बन सकता है। जरूरत है तो सोच समझकर इन्वेस्टमेंट करने की। पता चला कि गलत बंदे या बंदी पर इन्वेस्ट कर दिया तो ओयो रूम की जगह नसें काटकर तड़प-तड़प के दिल से आह निकलती रही...गीत गाना पड़ सकता है। बाजार में निब्बा-निब्बियों का बोलबाला है। अब तो बैंक वाले भी लुभावने तरीके से निब्बा-निब्बियों को आकर्षित करने के लिए नई-नई स्कीमें लाने के बारे में सोच रहे हैं। जैसे ही आरबीआई से अनुमति प्राप्त हो जाएगी तुरंत वे मकान की जगह रोज खरीदने के लिए रोज लोन, प्रपोज करने के लिए खंभा लेना हो तो आसान किस्तों पर सुलभ होने वाला खंभा लोन, चॉकलेट लेना हो तो चॉकलेट लोन, टेडी लेने के लिए इंस्टेंट टेडी लोन, प्रॉमिस को निभाने के लिए प्रॉमिस लोन, यह सब लोन न भरने पर हम लोन के बहाने हगवाने वाला लोन, चुम्मा-चुम्मी को यादगार बनाने के लिए किरकिरी लोन और अंत में सड़क पर लाने के लिए वैलेंटाइन से मिलता जुलता टनटनाटन लोन। ये ऐसी स्कीमें हैं जिससे निब्बा-निब्बी तो एक-दूसरे के इतने निकट आ जाते हैं कि दूर जाने के लिए उन्हें फोन का स्टोरेज क्लियर करने के लिए एक युग बीत जाता है। इस पर भी न जाने कितनी इनकी पागलपंती बदनभर पर टैटू के रूप में रह ही जाती है। प्यार के कीड़े निब्बा-निब्बी को देखकर थिरकने लगते हैं। प्यार का दरवाजा उपहारों की चाबी से खुलता है और अगर आपकी जेब भारी है तो प्यार का सैलाब हिलोरे मारते-मारते आपके दिलोदिमाग में तूफान ला देता है।

बेकरी और पब की दुकानों से लेकर आई मैक्स थियेटर तक आप अपनी 'निब्बा-निब्बियत' को भुना सकते हैं। एक बार बात बनी तो निरोध अनुरोध को रिप्लेस कर देता है। प्यार जताने का सरल गणित है समय पर भुगतान। निब्बा निब्बी को परखता है और निब्बी निब्बा को। और जब उसे विश्वास हो जाता है कि वे जेब से नंगे नहीं हैं, तब वे न आपको छोड़ते हैं और न वह आपको। दोनों जब तक एक-दूसरे के प्यार में अंधे होकर पागलों जैसी हरकतें नहीं करते तब तक प्यार की खुमारी वाला कीड़ा लोचे पर लोचा करता रहता है। वैलेंटाइन वीक निब्बा-निब्बी को अपनी औकात से कुछ ज्यादा ही छलांग लगाना सिखा देता है। जेब को देखकर मन मारना नहीं पड़ता। निब्बा-निब्बी का मुँह खुला की फरमाइश पूरी। निब्बा-निब्बी महंगा सस्ता नहीं देखते और मोलभाव नहीं करते। दिखावटी प्यार करने वाले ठीक उस बकरी की तरह होते हैं जो असली प्यार की कसाई वाली बोटी हजम नहीं कर पाते।

पूर्व भारतीय नौसैनिक रिहा- मोदी है तो मुमकिन है

अशोक भाटिया

पिछले साल 2023 के 28 दिसंबर को कतर की एक अदालत ने भारतीय नौसेना के आठ जवानों की मौत की सजा सुनाई थी। इसके बाद कतर में मौत की सजा पाए आठ भारतीय नौसेना के दिग्गजों को दोहा की एक अदालत ने रिहा कर दिया है और आठ में से सात जवान अब भारत लौट आए हैं। इसे भारत के लिए एक बड़ी कूटनीतिक जीत के रूप में देखा जा रहा है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने सोमवार को जारी किए गए एक बयान में कहा कि आठ भारतीय नागरिकों में से सात भारत लौट चुके हैं। वे जासूसी के आरोपों का सामना कर रहे थे। उन्हें मौत की सजा सुनाई गई थी। भारत के अनुरोध पर उनकी सजा को कतर के अमीर ने पहले ही कम कर दिया था और उम्रकैद में बदल दिया था। अब विदेश मंत्रालय ने बताया कि उन्हें रिहा कर दिया गया है और इनमें सात पूर्व नौसैनिक भारत भी लौट आए हैं। इससे भारत को बड़ी कूटनीतिक जीत मिली है।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत सरकार कतर में हिरासत में लिए गए दहरा ग्लोबल कंपनी के लिए काम करने वाले आठ भारतीय नागरिकों की रिहाई का स्वागत करती है। उन आठ में सात भारत लौट आए हैं। हम इन नागरिकों की रिहाई और घर वापसी को सक्षम करने के लिए कतर राज्य के अमीर के फैसले की सराहना करते हैं।

भारत लौटे पूर्व नौसैनिक अधिकारियों में एक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हस्तक्षेप के बगैर उनकी रिहाई संभव नहीं थी। उन्होंने दिल्ली एयरपोर्ट पर ही लैंड करने के बाद 'भारत माता की जय' के नारे लगाए। सभी पूर्व अधिकारियों ने प्रधानमंत्री मोदी और कतर के अमीर का भी धन्यवाद दिया। एक पूर्व अधिकारी ने कहा कि उनकी रिहाई बिना भारत सरकार की कोशिशों के मुमकिन नहीं था।

गौरतलब है कि अलदहरा ग्लोबल टेक्नोलॉजीज और कंसल्टेंसी सर्विसेज के साथ काम करने वाले पूर्व भारतीय नौसैनिकों को भ्रष्टाचार और जासूसी के एक मामले में कथित रूप से शामिल होने के लिए गिरफ्तार किया गया था। भारत सरकार ने इस मामले को गंभीरता से लिया और कतर के साथ बातचीत कर उन्हें कानूनी मदद दी गई।

जब यह बात जगजाहिर हुई थी तब ना तो कतर एडमिनिस्ट्रेशन और ना ही भारत सरकार ने ही उन अधिकारियों के खिलाफ आरोपों को सार्वजनिक किया। जब मौत की सजा की खबर ने वैश्विक सुर्खियां बटोरीं तो भारत ने फैसले को चौंकाने वाला₹ बताया और मामले में सभी कानूनी विकल्प के साथ जाने का फैसला किया था।

भारतीय नौसेना के आठ पूर्व कर्मियों में - कैप्टन नवतेज सिंह गिल, कैप्टन सौरभ वशिष्ठ, कमांडर पूर्णेंदु तिवारी, कैप्टन बीरेंद्र कुमार वर्मा, कमांडर सुगुनाकर पकाला, कमांडर संजीव गुप्ता, कमांडर अमित नागपाल और नाविक रागेश शामिल हैं - जो कतर में अलदाहरा ग्लोबल टेक्नोलॉजीज एंड कंसल्टेंसी में काम कर रहे थे, जो कि एक सर्विसेज और रक्षा सेवा प्रदान करने वाली कंपनी है।

इसके पहले भारतीय सजगता के कारण कतर में मुश्किल में फंसे 8 भारतीयों को लेकर राहत भरी खबर आई थी कि कतर ने इन सभी 8 भारतीयों की फांसी की सजा को कम कर दिया जिसके बाद इनके सुरक्षित वापस भारत लौटने की उम्मीद बढ़ गई थी । नूपुर शर्मा जैसे मामलों पर विरोध और फिर पूर्व नौसैनिकों को फांसी की सजा, इन दोनों मामलों के बाद कतर-भारत के संबंध में तल्खी का खतरा बढ़ गया था लेकिन अब जिस तरीके से पूर्व नौसैनिकों की फांसी की सजा कम हो गई थी , उसे भारत की कूटनीतिक उपलब्धि के तौर पर देखा जा रहा है। एक तरफ जहां सरकार कतर में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कूटनीतिक रणनीतियों को अंजाम दे रही थी तो वहीं दूसरी तरफ घरेलू स्तर पर भी काम कर रही थी।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मौत की सजा पाए पूर्व नौसैनिकों के परिवारों से मुलाकात की और उन्हें आश्वासन दिया कि सरकार उनकी रिहाई को सुरक्षित करने के लिए हर संभव प्रयास करती रहेगी। नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार ने भी कहा कि सरकार नौसैनिकों को छुड़ाने के लिए कोशिश कर रही है। इधर विपक्षी पार्टियां इस मामले को लेकर लगातार केंद्र सरकार को घेरती रहीं।वैसे कतर की सरकार ने इन आठ नौसैनिकों के खिलाफ लगे आरोपों का खुलासा नहीं किया हालांकि द फाइनेंशियल टाइम्स ने बताया कि उन्हें कतर की पनडुब्बी प्रोग्राम के लिए इजरायल के लिए जासूसी करने के संदेह में गिरफ्तार किया गया था। भारत सरकार ने आरोपों को लेकर तो कुछ नहीं कहा लेकिन उसने अपने नागरिकों के साथ उचित व्यवहार करने पर जोर दिया था। ज्ञात हो कि ये रिहाई ऐसे समय हुई है जब पिछले सप्ताह ही भारत और क़तर के बीच एक अहम समझौता हुआ था।यह समझौता अगले 20 सालों के लिए हुआ है और इसकी कुल लागत 78 अरब डॉलर की है।भारत क़तर से साल 2048 तक लिक्विफ़ाइड नैचुरल गैस (एलएनजी) ख़रीदेगा।भारत की सबसे बड़ी एलएनजी आयात करने वाली कंपनी पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड (पीएलएल) ने क़तर की सरकारी कंपनी क़तर एनर्जी के साथ ये समझौता किया है।इस समझौते के तहत क़तर हर साल भारत को 7.5 मिलियन टन गैस निर्यात करेगा।इस गैस का इस्तेमाल बिजली, उर्वरक बनाने और इसे सीएनजी में बदलने के लिए किया जाता है।

गिरफ्तारी का क्या था मामला ?इस मामले को पूरा जानने के लिए पहले थोड़ा पीछे चलते हैं। तारीख, 4 जून 2016, कतर में प्रधानमंत्री मोदी का पहला दौरा था। जहां उन्होंने प्रवासी भारतीयों के बीच कतर के अमीर के बारे में जो कुछ कहा वह आज सभी को जानना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने तब कहा था कि, 'यहां के शासन कर्ता भी भारतीय समुदाय को बहुत प्यार करते हैं। उन पर बड़ा भरोसा है। मुझे विश्वास है हम जब भी कोई चीज उनके सामने रखते हैं तो वे उसका समाधान खोजते ही हैं। अब तक जो भी मैंने कहा है उसका मुझे सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुआ है।

साल 2016 में प्रधानमंत्री मोदी ने कतर के अमीर के बारे में कहा कि वो समाधान खोजते हैं। तो क्या 8 भारतीयों की फांसी के मामले में भी कतर के अमीर ने यही किया ? कतर ने 8 भारतीयों की फांसी की सजा को कम कर दिया। 2 दिसंबर 2023 को दुबई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी की मुलाकात हुई। जिस तरह से दोनों नेताओं ने हाथ पकड़े हुए मुस्कुराहट के साथ मुलाकात की, उससे लगा कि क्या कतर की जेल में बंद 8 भारतीयों के परिवारों को जल्द ही इस तरह हंसने का मौका मिलने वाला है तो समझा जा सकता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कतर के शेख की केमिस्ट्री ने 8 भारतीयों को फांसी की सजा से राहत देने में बड़ा रोल निभाया है ।

बताया जाता है कि प्रधानमंत्री मोदी ने कतर के शासक के सामने 8 भारतीयों से जुड़ी समस्या रखी और उसके बाद ही कतर के सुर नरम हुए क्योंकि कतर और भारत दोनों ने ही इस मुलाकात में जेल में बंद 8 भारतीयों को लेकर कुछ नहीं कहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कतर के शासक शेख तमीम बिन हमद अल थानी से दुबई में सीओपी28 शिखर सम्मेलन में मुलाकात के बाद जो ट्वीट किया, उसमें लिखा, ₹दुबई में COP28 शिखर सम्मेलन के मौके पर कतर के अमीर महामहिम शेख तमीम बिन हमदद अल थानी से मिलने का अवसर मिला। द्विपक्षीय साझेदारी की संभावना और कतर में भारतीय समुदाय की भलाई पर हमारी अच्छी बातचीत हुई।

एक खास बात ये है कि, कतर के शेख प्रधानमंत्री मोदी से हमेशा दिल खोलकर मिलते हुए दिखते रहे हैं वो चाहे 8 साल पहले की पहली मुलाकात हो. 25 मार्च 2015 को भारत आए कतर के अमीर हर तस्वीर में हंसते मुस्कुराते दिखे थे और प्रधानमंत्री मोदी के साथ गर्मजोशी से मिले थे। यही नहीं जब प्रधानमंत्री मोदी इसके अगले साल कतर गए तब भी दोनों नेताओं के बीच करीबी देखने को मिली थी।

सूप बोले तो बोले, छलनी भी कैसे बोले?

राज सक्सेना

इसमें कोई संदेह नहीं है कि राहुल गांधी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के लिए एक पनौती हैं। अपनी मुहब्बत की दुकान और भारत को जोड़ो यात्रा के बाद न्याय यात्रा में दिए गये भाषणों में वे, 'अपने पैर पर स्वयं कुल्हाड़ी ही नहीं मारते' बल्कि अपनी उस डाल पर भी अपने संभाषण से वार करते हैं जिस पर बैठ कर वे पार्टी सत्ता का सुख बिना कुछ करे भोग रहे हैं।

विगत सप्ताह राहुल ने मोदी की जाति पर एक अनावश्यक और अमर्यादित टिप्पणी कर दी। उन्होंने अपनी आदत के अनुसार बिना गहराई तक गये मोदी की जाति मोढ(तेली) पर सारी मर्यादाएं भूल कर और अपने गिरेबान में झांके बिना, एक सार्वजनिक मंच से भाषण में कई बार कह दिया कि मोदी नकली 'पिछड़ा वर्ग' से हैं जिसे उन्होंने स्वयं नियमों के विरुद्ध स्वयं पिछड़ा वर्ग में सम्मिलित किया था। राहुल की यह आदत कि जो उनके सलाहकार लिख कर देते हैं, बिना परीक्षण के हूबहू बोल देते हैं, अन्य दिनों की तरह फिर उनके गले पड़ गयी है। वे यह भूल गये हैं कि ऐतिहासिक साक्ष्यों के रहते वे न तो दादा की ओर से हिन्दू हैं और न ही अपनी माँ की ओर से,। फिर भी वे प्रतिष्ठित गोत्र के ब्राह्मण हिन्दू हैं।

भारत के इतिहास में कहीं अंकित नहीं है कि उनके दादा ने हिन्दू धर्म अपनाया था और न ही यह दर्ज है कि उनकी माँ ने हिन्दू धर्म स्वीकार किया था। मोदी पर इस टिप्पणी के सन्दर्भ में गाँधी जी के निकट सम्बन्धी की टिप्पणी का उल्लेख समीचीन होगा जिसमें उन्होंने स्पष्ट कहा है कि ₹राहुल जी, आप गांधी नहीं हैं और ना ही गांधी परिवार से आपका कोई संबंध है, इसलिए अपने नाम के साथ गांधी सरनेम लगाना बंद कर दीजिए।₹ यह चेतावनी या सलाह राहुल गांधी को दी थी महात्मा गांधी के प्रपौत्र श्री कृष्ण कुलकर्णी ने जो इंदिरा गांधी परिवार द्वारा महात्मा गांधी का सरनेम चुराने और ढोंग रच कर उसे अपना बना लिए जाने से बेहद क्षुब्ध थे। उन्होंने लिखा, ₹इंदिरा कांग्रेस, आपके परिवार और राहुल जी आपने अपने आप को गांधी कह कह कर बहुत बेवकूफ बना लिया जनता को, अब और नहीं।₹ 8 जनवरी, 2014 को कुलकर्णी ने इस आशय का पत्र राहुल गांधी को लिखा था। वह भी वैसे ही नहीं, राहुल गांधी द्वारा कुलकर्णी जी को लिखे पत्र के उत्तर में। उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी ने एक पत्र लिख कर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विरुद्ध कुलकर्णी का समर्थन मांगा था. प्रत्युत्तर में हो गया बिलकुल उलटा। कुलकर्णी जी ऐसे भड़के, ऐसे भड़के कि राहुल को लेने के देने पड़ गए। परिवार को इज्जत बचाना मुश्किल हो गया।

मजे की बात यह है कि इस तथाकथित गांधी परिवार की इज्जत का फालूदा बना देने वाला यह पत्र छिप भी जाता, किसी को पता भी नहीं लगता, अगर बात केवल इन दोनों के ही बीच रहती पर ऐसा हुआ नहीं, कुलकर्णी इतने नाराज थे कि उन्होंने स्वयं संबंधित पत्र को सार्वजनिक पटलों पर डाल दिया। पत्र की अंतिम लाइनों में लिखा, 'महात्मा गांधी के परिवार में से किसी ना किसी को तो आपके इस चोरी के गांधी सरनेम के षड्यंत्र का भंडाफोड़ करना ही था। सो, यह काम मैं कर रहा हूं और सार्वजनिक इसलिए कि हर कोई आपके नकली सरनेम के बारे में जान सके।'

इस विस्फोटक प्रकरण का सबसे रोचक पक्ष यह है कि इसमें चिंगारी लगाना तो दूर, राहुल गांधी को इसका तनिक भी अंदाज नहीं था कि इस पत्र से कुलकर्णी बुरी तरह भडक जायेंगे। वे तो बड़ी मासूमियत दिखा कर पत्र द्वारा तथाकथित विनम्रता से कुलकर्णी का समर्थन मांग रहे थे, इस आधार पर कि नाथूराम गोडसे का संबंध उनकी संस्था कांग्रेस के अनुसार उक्त संस्था आरएसएस से था। राहुल गांधी की साजिश थी कि अगर वो महात्मा गांधी परिवार का समर्थन प्राप्त कर लेते हैं तो आरएसएस विरोधी उनके षडयंत्रकारी प्रपंचों में जान पड़ जाएगी, प्रकरण अधिक वास्तविक लगने लगेगा और देश आसानी से भ्रमित हो जाएगा पर यहां भी हुआ उलटा। कुलकर्णी ने उनके इस सफेद झूठ को न केवल नकार ही दिया बल्कि उस सच का भी भंडाफोड कर दिया जिसे बहुत कम लोग ही जानते थे, यह लिखकर कि किसी एक व्यक्ति या कुछ व्यक्तियों द्वारा किए गए किसी कृत्य के कारण पूरे समाज को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। महात्मा गांधी की हत्या में आरएसएस का कोई हाथ नहीं है, यह अनेक जांच कमीशन बार-बार सिद्ध कर चुके हैं, फिर आपकी ओर से यह कोशिश क्यों? उन्होंने उदाहरण भी दिया, 'आपके पिता की हत्या एक तमिल ने की थी तो उसके लिए क्या पूरे तमिल समाज को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है?'

यहाँ उल्लेखनीय यह भी है कि इसी के साथ उन्होंने एक सलाह भी दी कि, 'मेरा परिवार हत्या संबंधी प्रकरण को काफी पहले ही बंद कर आगे बढ़ चुका है। आपको मेरी सलाह है कि गांधी जी की हत्या के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को दोषी ठहरना बंद कर दें और जिंदगी में आगे बढ़े।'जहां तक यह प्रश्न कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जन्म से ओबीसी नहीं है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के इस बयान के बाद एक बार फिर से प्रधानमंत्री के ओबीसी होने या फिर नहीं होने को लेकर बहस छिड़ गई है। 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले राहुल गांधी ने फिर से ओबीसी मुद्दे को छेड़ दिया था। 2019 के लोकसभा चुनावों में प्रधानमंत्री के सरनेम मोदी पर टिप्पणी को लेकर राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता गई थी। अब उन्होंने कहा है कि मोदी जी लोगों को यह कह कर गुमराह करते आ रहे हैं कि वह अन्य पिछड़ा वर्ग से हैं। मोदी का जन्म तेली जाति में हुआ था जिसे 2000 में गुजरात में बीजेपी सरकार के कार्यकाल के दौरान ओबीसी में शामिल किया गया। इस प्रकार से मोदी जी जन्म से ओबीसी नहीं हैं। राहुल ने यह भी आरोप लगाया कि पीएम ओबीसी से जुड़े लोगों से हाथ तक नहीं मिलाते, वहीं अरबपतियों को गले लगाते हैं।

यह पहला मौका नहीं है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ओबीसी होने पर विवाद खड़ा किया गया है। 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में यह मुद्दा उठाया जा चुका है।

जहां बसे संत वहीं है बसंत

डॉ. शंकर सुवन सिंह

बसंत ऋतु नवीनता का प्रतीक है। नवीनता उल्लास को जन्म देती है। उल्लास सुख समृद्धि का द्योतक है। सुख शांति का वास ज्ञान में है। इस ऋतु में प्रकृति अपना नया रूप दिखती है।

बसंत पंचमी ज्ञान की देवी सरस्वती को समर्पित है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार माता सरस्वती का अवतरण इसी दिन हुआ था। साहित्य, संगीत और कला की अधिष्ठात्री देवी माँ सरस्वती की पूजा-अर्चना इस दिन की जाती है। साहित्य बिना चिंतन के नहीं लिखा जा सकता। संगीत बिना भावना के असंभव है और कला बिना संवेदना के। साहित्य संगीत और कला क्रमशः चिंतन, भावना और संवेदना की प्रतिमूर्ति हैं। माँ सरस्वती में चिंतन,भावना

और संवेदना का समन्वय है। ज्ञान रूपी सरस्वती ने अज्ञान रूपी अन्धकार (राक्षस) को मारने के लिए बसंत रूपी ऋतु को पैदा किया। माँ सरस्वती को अनेकों नामों से जाना जाता है जैसे शारदा, वीणावादिनी, वीणापाणि, वागेश्वरी, वाणी, भारती, महाश्वेता, ब्राह्मणी, ज्ञानदा, प्रज्ञा, वाग्देवी आदि। बसंत पंचमी माघ महीने की शुक्ल पक्ष की पंचमी को मनाया जाता है। चंद्रमा की कला के बढ़ते एवं घटते कलाओं के आधार पर हिन्दी महीने में दो पक्ष (कृष्ण एवं शुक्ल) होते हैं। शुक्ल पक्ष में चंद्र की कलाएँ बढ़ती हैं और कृष्ण पक्ष में घटती हैं। चंद्र की बढ़ते कला की पंचमी तिथि को शुक्ल पंचमी कहते हैं। आत्मिक ज्ञान का आयाम अनंत है। आत्मिक ज्ञान की कोई परिसीमा नहीं होती। ज्ञान का अस्तित्व भौतिक और आध्यात्मिक ज्ञान से है। शारीरिक क्रिया द्वारा प्राप्त ज्ञान भौतिक है। आत्मिक क्रिया द्वारा प्राप्त ज्ञान आध्यात्मिक है। भौतिक ज्ञान जीवन यापन का साधन है और आत्मिक ज्ञान इह

लौकिक और पार लौकिक शक्तियों के विकास का साधन है। आध्यात्मिक ज्ञान दैवीय शक्तियों से ओतप्रोत होता है। भौतिक ज्ञान सांसारिक शक्तियों से ओतप्रोत होता है। आत्मिक ज्ञान में सूक्ष्मता होती है। सांसारिक ज्ञान में स्थूलता होती है। जो दृश्य है वो स्थूल है और जो अदृश्य है वो सूक्ष्म है। सूक्ष्मता का वास अनुभूति में है। स्थूलता का सम्बन्ध अनुभूति से नहीं है। स्थूलता स्वार्थ से फलित होती है। सूक्ष्मता स्व से फलित होती है। सांसारिक सुख एक दूसरे के स्वार्थ पर टिका है। आत्मिक सुख स्व की चेतना पर टिका है। स्थूलता में दिखावा है।

भौतिक आँखों से देखी जाने वाली प्रत्येक वस्तु (सजीव या निर्जीव) स्थूलता का परिचायक

है। तीसरी आँख (पीनियल ग्लैंड) से महसूस की जाने वाली प्रत्येक वस्तु (सजीव या निर्जीव)

सूक्ष्मता का परिचायक है। अध्यात्म, उपासना सिखाता है। स्व (ईश्वर) के समीप बैठना ही

उपासना है। ध्यान उपासना की एक विधि है। आध्यात्मिक ज्ञान को लेकर जब आप भौतिक ज्ञान की तरफ बढ़ते हैं तब वो भौतिक ज्ञान आपको दुःख न देकर सुख देता है। आत्मिक ज्ञान सांसारिक ज्ञान पर भरी पड़ता है। समाज में व्याप्त बुराइयों को कुचलने में संतो की अहम भूमिका होती है। संतों से संस्कार का निर्माण होता है। संत, अध्यात्म रूपी मंदिर में देवता रूपी मूर्ति की स्थापना करता है। कहने का तात्पर्य यह है की एक संत अपने आत्मिक ज्ञान से अध्यात्म के द्वारा देवताओं के दर्शन करा सकता है। ऋषि मुनियों का देश कहा जाने वाला

भारत इसका उदाहरण है। भारत की धरती पर ऐसे ऋषि मुनि हुए जिनके सामने विज्ञान नतमस्तक हो गया। देवरहा बाबा, नीम करोली बाबा, महाअवतार बाबा, लाहिड़ी महाशय, श्री युक्तेश्वर महाराज एवं परमहंस योगानंदा जी महाराज आदि ऐसे अनेक अद्वितीय छवि के महान संत हुए जिनके चमत्कार और दिव्यता की निशानी आज भी है। एक संत ही वास्तविक गुरु होता है। संतों पर माँ सरस्वती की असीम कृपा होती है। साहित्य, संगीत व कला तीन स्तम्भ हैं जिस पर ज्ञान रूपी मकान खड़ा है। मकान और स्तम्भ दोनों का आधार संत ही है। कहने का अर्थ बिना संत (आध्यात्मिक गुरु) के ज्ञान का कोई अस्तित्व नहीं। संत

संकटों से उबारता है। संतों के अंदर क्षमा करने का गुण होता है। संत आपकी कमजोरियों को दूर कर आपको सफलता के चरम शिखर पर पहुँचाता है। त्रेतायुग में राक्षसों का नाश करने के लिए श्री हरि विष्णु ने श्रीराम के रूप में जन्म लिया था। श्रीराम के कार्य में हाथ बंटाने के लिए भगवान शिव ने वानर रूप में अवतार लिया। जिसे सारी दुनिया हनुमान (बजरंगबली) के नाम से जानती है। हनुमान जी माता अंजनी और केसरी के पुत्र हैं। बजरंगबली को पवन पुत्र भी कहते हैं। बजरंगबली वायु के समान गतिशील हैं। हनुमान जी में आध्यात्मिकता के

सारे गुण मौजूद हैं उनका एक विशेष आध्यात्मिक गुण था सेवा। सेवा ही उनकी साधना थी।

कहने का तात्पर्य संत (आध्यात्मिक गुरु) की सेवा से ही सफलता के चरम शिखर पर पहुंचा जा सकता है। ऋषि भृतहरि के शब्दों में मनुष्य की पहचान यह है कि वह साहित्य, संगीत व

कला का आनंद लेना जनता हो। यदि नहीं जानता तो वह बिना पूंछ-सींग का साक्षात पशु है। भारतीय संस्कृति एक सतत संगीत है। आधुनिक काल में मनुष्य अपने ज्ञान का दुरूपयोग कर रहा है।

बँकेलाल की लाइव बेलन पिटाई

प्रभुनाथ शुक्ल

बसंत के मौसम में बांकेलाल के चेहरे की रौनक बौराई अमराई और गदराई सरसों की तरह दिख रहीं थी। आमतौर पर उनके चेहरे की रौनक बुझी सी दिखती थी। 'वेलेंटाइन दिवस' पर मसाज पार्लर से निकलते देख हमने उन्हें छेड़ ही दिया। क्या हाल हैं जनाब ! आजकल बदले-बदले से दिख रहे हैं। क्या इरादा है 'वेलेंटाइन' की बिजली किस पर गिरेगी ?...अरे ! आप तो पचपन में भी बचपन से लग रहे हैं। बांकेलाल ने कहा हूँ, आप भी पूरे बुडबक़ हैं जी। अरे क्या गुनाह कर डाला हमने खबरीलालजी। वह बोल पड़े, अरे ! बसंत का मौसम है, आपको कुछ दीखता नहीं। आँख के अंधे हैं क्या सावन में भी हरियाली नहीं दिखती। मुझ पर तंज कसते हुए बोले, 'अन्हरा बांटे सिन्नी देख-देख'। दुनिया की खबर आप लेते हैं और बदले मौसम का हाल मुझसे पूछते हैं।

बांकेलाल ने कहा देखिए, वैसे भी हमारे यहाँ चार ऋतुएं होती हैं। गर्मी, जाड़ा और बरसात, लेकिन उसमें भी कई उप ऋतुएं होती हैं। आपको महाकवि जायसी के बारे में पता ही होगा। उन्होंने 'चौमासा' को 'बारहमासा' बना दिया और प्रेम के महाकाव्य 'पद्ममावत' की रचना कर डाली। आपको शायद पता नहीं है खबरीलालजी, अपने मुलुक में अपनी जरुरत के अनुसार फ़िजाएं बनायी और बिगाड़ी जाती है यानी मन मुताबित 'बसंत' तैयार किया जाता है। अब देखिए रोज-डे, चाकलेट-डे, टैडी बियर-डे, प्रॉमिस-डे, हग-डे, किस-डे और वेलेंटाइन-डे जैसे अनगिनत 'डे' हैं जनाब। वैसे भी अपनी इच्छा के अनुसार मौसम बनाए और बिगाड़े जाते हैं। देश में लोकतंत्र है यहाँ सबको अपने-अपने इजहार की आजादी है। वैसे भी आजकल लोगों को आजादी से कुछ अधिक ही इश्क हो गया है। जब भी जी करता है आजादी... आजादी करने लगते हैं।

खबरीलालजी, हमारे देश में अनेका नेक दिन और मौसम होते हैं। जैसे प्रदर्शन-डे, आंदोलन-डे ,चुनावी-डे, एग्जाम-डे, बड्डे-डे, एनवरसरी-डे, अनशन-डे, मैरिज-डे आदि। अब हम आपको जीवी और जीविता का उदाहरण समझाते हैं। हमारे आसपास बुद्धजीवी के साथ-साथ काफी संख्या में 'कांदा' और 'बटाटाजीवी' भी हैं। हमारी युवा पीढ़ी 'डाटाजीवी' हो गईं है। हमारे आसपास तो काफी 'परजीवी' भी विद्यमान हैं। हालांकि हमारे बांकेलाल जी 'भाषणजीवी' प्रजाति से आते हैं। 'वेलेंटाइन-डे' पर अपनी 'भाषणजीविता' को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने कहा देखिए, खबरीलालजी ! वैलेंटाइन-डे यानी 'इजहार-ए-इश्क' की तैयारियां जोरों पर हैं। 'इश्कजीवी' अभी से खुद को 'प्री-प्लांड' में लगा रखा है। मसलन मासूका से किस होटल, रिशॉर्ट, बीच और पार्क में मिलाना है उसकी तैयारी में लगे हैं। अपनी 'लैला' को किस अंदाज में गुलाब देना है और 'इश्क' का इजहार किस अनूठे किस्म से करना है जैसे विषयों सब पर 'रिहर्सल' शुरू हो गया है।कई 'इश्कजीवियों' ने तो चुनावों की तरह बाकायदा 'लव प्रोफ़ेशनलों' को 'हायर' कर लिया है। उधर शहर के 'सांस्कृतिक रक्षादल' के लोग भी छुट्टे सांडो की तरह अखाड़ रहे हैं। उन्होंने इश्कजीवियों के लिए 'हज्जाम' के साथ 'गधे' भी ले रखे हैं। साल के 365 दिन बांकेलाल को कोई कभी भी 'इजहार-ए-इश्क' से नहीं रोकता। वे खुलेमन से 'इश्कजीवी' परम्परा को आगे बढ़ाते हुए शहर की चलती मेट्रो, पार्क, बीच और सड़क पर खुलेमन से 'संत वैलेंटाइन' की आराधना में समर्पित रहते हैं।

बसंत पंचमी पर मां सरस्वती को लगाएं 5 भोग

हिंदू धर्म में बसंत पंचमी का विशेष महत्व है। इस दिन से जहां बसंत ऋतु का आरंभ हो जाता है, तो वहीं इस दिन मां सरस्वती भी प्रकट हुई थी जिसके कारण बसंत पंचमी का पर्व मनाया जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार, हर साल माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि के दिन बसंत पंचमी होती है। इस साल ये 14 फरवरी, बुधवार को पड़ रही है। इस दिन मां सरस्वती की विधिवत पूजा करने से बुद्धि, बल की प्राप्ति होती है। इसके साथ ही जीवन में खुशियां ही खुशियां बनी रहती हैं। अगर आप भी मां सरस्वती को प्रसन्न करके सुख-समृद्धि, धन संपदा के साथ ज्ञान पाना चाहते हैं, तो इस दिन उन्हें पीले चीजों का भोग लगाएं। मान्यता है कि मां सरस्वती को पीली चीजें अति प्रिय है। इसलिए इस दिन मां सरस्वती को पीले रंग की चीजों लगाने से वह अति प्रसन्न होती है। आइए जानते हैं बसंत पंचमी के दिन किन छह तरह के पीले भोग को लगाने से क्या-क्या लाभ मिलेगा।

बेसन के लड्डू

बसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती को बेसन के लड्डू का भोग लगाना चाहिए। ऐसा करने से मां सरस्वती के साथ भगवान विष्णु को अति प्रसन्न होते हैं। इससे सुख-समृद्धि पाने के साथ वाणी दोष दूर होता है।

पीले मीठे चावल

बसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती को पीले रंग के मीठे चावल भोग में चढ़ाना चाहिए। यह एक पारंपरिक चावल होते हैं जिन्हें केसर भात भी कहा जाता है। इन्हें मां सरस्वती को चढ़ाने से जीवन में सकारात्मक एनर्जी बढ़ती है। इसके साथ ही सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है।

केसर हलवा

बसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती को केसर हलवा का भोग लगाना चाहिए। मां सरस्वती को ये भोग अति प्रिय है। इस भोग को लगाने से जातक जीवन के हर एक कष्ट से निजात पा लेता है और खुशियां ही खुशियां बनी रहती है।

राजभोग

मां सरस्वती को राजभोग भी अति पसंद है। इसलिए बसंत पंचमी के दिन उन्हें पीले रंग का राजभोग चढ़ा सकते हैं। ये भोग लगाने से जातक शिक्षा और कला के क्षेत्र में सफलता पाता है और सौभाग्य की वृद्धि होती है।

मालपुआ

बसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती को मालपुए का भोग लगाने से एकाग्रता की कमी दूर होती है। इसके साथ ही लंबे समय से करियर और शिक्षा में चली आ रही समस्याएं समाप्त हो सकती है। इसके साथ ही बच्चों का पढ़ाई-लिखाई में अधिक मन लगने लगता है।

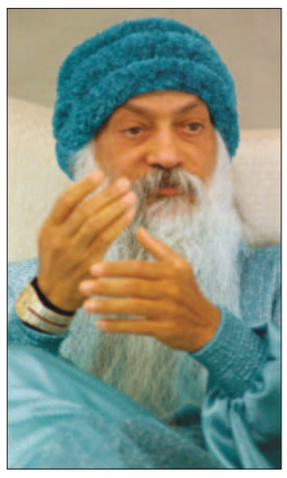

संभोग का आकर्षण क्षणिक समाधि के लिए है

कुछ पशुओं में तो एक ही संभोग के बाद नर की मृत्यु हो जाती है। कुछ कीड़े तो एक ही संभोग कर पाते हैं और संभोग करते ही करते समाप्त हो जाते हैं। अफ्रीका में एक मकड़ा होता है। वह एक ही संभोग कर पाता है और संभोग की हालत में ही मर जाता है। इतनी ऊर्जा क्षीण हो जाती है। मनुष्य को यह अनुभव में आ गया बहुत पहले कि सेक्स का अनुभव शक्ति को क्षीण करता है, जीवन-ऊर्जा कम होती है और धीरे-धीरे मौत करीब आती है। पछताता है आदमी। लेकिन इतना पछताने के बाद फिर पाता है कि कुछ घड़ियों के बाद फिर वही आतुरता है। निश्चित ही इस आतुरता में कुछ और अर्थ है जो समझ लेना जरूरी है। सेक्स की आतुरता में कोई रिलीजस अनुभव है, कोई आत्मिक अनुभव है। उस अनुभव को अगर हम देख पाएं तो हम सेक्स के ऊपर उठ सकते हैं। अगर उस अनुभव को हम न देख पाएं तो हम सेक्स में ही जीएंगे और मर जाएंगे। उस अनुभव को अगर हम देख पाएं...अंधेरी रात है और अंधेरी रात में बिजली चमकती है। बिजली की चमक अगर हमें दिखाई पड़ जाए और बिजली को अगर हम समझ लें, तो अंधेरी रात को हम मिटा भी सकते हैं। लेकिन अगर हम यह समझ लें कि अंधेरी रात के कारण बिजली चमकती है, तो फिर हम अंधेरी रात को और घना करने की कोशिश करेंगे, ताकि बिजली चमके।

सेक्स की घटना में बिजली चमकती है एक। वह सेक्स से अतीत है, ट्रांसेंड करती है, पार से आती है। उस पार के अनुभव को अगर हम पकड़ लें, तो हम सेक्स के ऊपर उठ सकते हैं, अन्यथा नहीं। लेकिन जो लोग सेक्स के विरोध में खड़े हो जाते हैं, वे अनुभव को समझ भी नहीं पाते कि वह अनुभव क्या है। वे कभी यह ठीक विश्लेषण भी नहीं कर पाते कि हमारी आतुरता किस चीज के लिए है।

मैं आपसे कहना चाहता हूं कि संभोग का इतना आकर्षण क्षणिक समाधि के लिए है। और संभोग से आप उस दिन मुक्त होंगे, जिस दिन आपको समाधि बिना संभोग के मिलना शुरू हो जाएगी। उसी दिन संभोग से आप मुक्त हो जाएंगे, सेक्स से मुक्त हो जाएंगे।

(क्रमशः)

सूर्य करने जा रहा राशि परिवर्तन 4 राशि के जातकों की बल्ले-बल्ले

सूर्य को नौ ग्रहों का राजा कहा जाता है, इस समय सूर्य मकर राशि में विराजमान हैं। जो 13 फरवरी 2024 को कुंभ राशि में गोचर करेंगे। सूर्य और शनि पिता पुत्र होने के बाद भी एक दूसरे के दुश्मन माने जाते हैं। कुंभ राशि में पहले से ही शनि देव मौजूद हैं, जो फिलहाल अस्त अवस्था में है। ऐसे में सूर्य का कुंभ राशि में प्रवेश करना, चार राशि के जातकों के लिए बेहद लाभकारी माना जा रहा है। वे चार कौन सी भाग्यशाली राशियां हैं जिनके लिए सूर्य का गोचर लाभकारी माना जा रहा है,

1. मेष राशि के जातक

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार फिलहाल सूर्य और शनि की युति के चलते मेष राशि के जातकों को चमत्कारिक लाभ प्राप्त हो सकते हैं। इस दौरान आपके द्वारा किए गए सभी काम सफल होंगे, जिसमें संतान का पूरा सहयोग मिलेगा। यह समय करियर में सफलता, नौकरी और व्यापार में तरक्की के योग बन रहे हैं। वैवाहिक जीवन मधुर बना रहेगा।

2. वृषभ राशि के जातक

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जिन जातकों की राशि वृषभ है उनके लिए सूर्य ग्रह का कुंभ राशि में प्रवेश संपत्ति खरीदारी के मौके ला रहा है। नौकरीपेशा लोगों को वेतन वृद्धि के साथ पदोन्नति हो सकती है। कहीं निवेश किया है तो अच्छा रिटर्न मिल सकता है। अचानक धन लाभ के योग बन रहे हैं। रिश्ते मजबूत होंगे।

3. मिथुन राशि के जातक

कुंभ राशि में सूर्य और शनि की युति से मिथुन राशि के जातकों को आर्थिक रूप से बहुत लाभ होने वाला है। इस समय आपको कई नए अवसर मिलेंगे जो आपके लिए बहुत लाभकारी हो सकते हैं। मिथुन राशि की जातकों को कार्य क्षेत्र में भी पदोन्नति के अवसर मिल सकते हैं। इस दौरान व यापारी वर्ग अच्छा मुनाफा कमा सकता है।

4. कन्या राशि के जातक

सूर्य शनि की युति से कन्या राशि के जातकों को एक के बाद एक बेहतरीन अवसरों की प्राप्ति होगी। इस दौरान आपकी अपने जीवनसाथी के साथ अच्छी बॉन्डिंग होगी। व्यापार में मुनाफे के कई अवसर आप भुनाने में सफल रहेंगे। स्वास्थ्य पहले से बेहतर होगा।

गुप्त नवरात्रि के सप्तमी को मां दुर्गा के मंदिर जाकर चुपके से कर लें यह काम

लोगों को अपनी शादी का बेसब्री से इंतजार होता है। हर कोई चाहता है की उसकी शादी धूमधाम से हो। लेकिन कई लोग परेशान है क्योंकि उनकी शादी नहीं हो पा रही है।शादी न होने की कई कारण हो सकते हैं। कई लोगों के कुंडली में दोष होने के कारण भी शादी में देरी होती है। रिश्ते बनते बनते बिगड़ जाते हैं। वहीं, माघ महीने में गुप्त नवरात्रि की शुरुआत हो चुकी है। गुप्त नवरात्रि में मां दुर्गा के 10 महाविद्याओं की पूजा गुप्त तरीके से की जाती है। ऐसे में गुप्त नवरात्रि के सातवें दिन बेहद शुभ संयोग भी मन रहा है। उस दिन मां दुर्गा के रूप की पूजा विधि विधान से की जाएगी तो जातक की शादी की मनोकामनाएं जल्दी पूर्ण होगी। तो आईये देवघर के ज्योतिषआचार्य से जानते हैं कि उस दिन कौन सा शुभ संयोग बन रहा है। शादी विवाह के लिए क्या उपाय करना चाहिए?

माघ महीने के गुप्त नवरात्रि की शुरुआत 10 फरवरी से हो चुका है। हालांकि साल भर में कुल चार नवरात्रि का त्यौहार मनाया जाता है। इनमें से माघ गुप्त नवरात्रि का महत्व खास होता है। इस नवरात्रि में तंत्र-मंत्र की साधना की जाती है। इसके साथ ही पूजा भी गुप्त तरीके से की जाती है। वहीं, माघ गुप्त नवरात्रि के सप्तमी तिथि यानी 16 फरवरी दिन शुक्रवार को अचला सप्तमी भी है। ऐसा संयोग कभी कभार ही देखने को मिलता है। उस दिन मां दुर्गा के नौ रूपों में से एक माँ कालरात्रि की भी पूजा होती है। अगर आप उस दिन कुछ उपाय कर लेते हैं तो आपकी सहनाई जल्द बज सकती है।

गुप्त नवरात्रि के सप्तमी तिथि में क्या करें उपाय

माघ महीने के गुप्त नवरात्रि के सप्तमी तिथि के दिन मां दुर्गा के नौ रूपों में से एक मां कालरात्रि की पूजा होती है। उस दिन अचला सप्तमी का भी संयोग बन रहा है। ऐसे में जातक अगर अचला सप्तमी के दिन व्रत रखकर प्रदोष काल में मंदिर जाकर बिना कोई देखे हुए सोलह श्रृंगार समान मां दुर्गा को अर्पण जरूर करें। जिसमें सिंदूर आवश्य हो और मां दुर्गा से विवाह की कामना करें। ऐसा करने से मां दुर्गा के आशीर्वाद से जातक की जल्द ही शहनाई बजने लगेगी।

वैलेंटाइन डे पर पार्टनर के साथ इस दुर्लभ शिवलिंग के आगे झुका लें सिर, भगवान बना देंगे जोड़ी!

वेलेंटाइन डेट नजदीक आने को है। ऐसे में अगर आप अपने पार्टनर के साथ सात जन्मों तक का साथ चाहते है। तो झारखंड में स्थिर एक दुर्लभ शिवलिंग है। जिसके बारे में कहा जाता है कि यहां माथा टेकते है उनका मनोकामना पूरा हो जाता है। इस ज्योतिर्लिंग को मानसरोवर और अमरनाथ के बाद तीसरा स्थान माना जाता है। इस स्थल को पर्यटक स्थल के रूप में भी विकसित किया गया है।

पलामू गढ़वा के बॉर्डर पर स्थित इस दुर्लभ शिवलिंग को खोनहरनाथ बाबा के नाम से जाना जाता है।यह मंदिर लाखो वर्ष पुराना है। इस मंदिर के पुजारी संतोष बाबा ने कहा कि उनके पूर्वज 500 वर्षों से यहां पूजा कर रहे है। यहां भगवान शिव माता गंगा के साथ प्रकट रूप में विराजमान है। इस मंदिर की महत्व इतनी है कि यहां श्रद्धालुओं की हर मुराद पूरी होती है।अगर कोई दाम्पत्य जीवन को सुखी बनाना है तो इस मंदिर में माथा टेकने से साथ जन्मों तक का साथ जुड़ जाता है। इस वेलेंटाइन अगर कोई जोड़ी इस मंदिर में आकर जो मन्नत मांगेंगे उनकी वो मुराद पूरी होती है।

भगवान शिव के साथ मां गंगा भी विराजमान

उन्होंने बताया कि चारो तरफ चट्टानों के बीच प्रकट रूप में भगवान भोलेनाथ मां गंगा के साथ विराजमान है। यहां अबतक दस पीढ़ियों से उनके पूर्वज पूजा कर रहे है। यह मंदिर में विश्व का तीसरा अनोखा ज्योतिर्लिंग है।जो मानसरोवर और अमरनाथ के बाद तीसरा अनोखा ज्योतिर्लिंग खोनहरनाथ मंदिर के नाम से प्रसिद्ध है। यहां केरल और दिल्ली से आकर लोग सात फेरे लेते है। इसके बाद अपने सुखी और समृद्ध जीवन के लिए यहां आकर भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना करते है।

संसार को बदलने के लिए पहले खुद को बदलना होगा

एक चिड़िया ने मधुमक्खी से पूछा, तुम इतनी मेहनत से शहद इकट्ठे करती हो और इंसान इसे चुरा ले जाता है, तुम्हें कोई दुख नहीं होता ? मधुमक्खी ने कहा, वह मेरा शहद ही चुरा ले जाता है, मेरी शहद बनाने की कला नहीं ले जा सकता।

आपने ऐसी कोई नदी नहीं देखी होगी जो चट्टान से टकरा कर वापस रेगिस्तान से जा मिली हो। नदी आगे बढ़ कर बाधाओं को पार करती सागर में जा मिलती है। इसी तरह सीता माता की खोज में निकले हनुमान जी को मार्ग में कई बाधाओं का सामना करना पड़ा पर वह लंका पहुंच गए थे।

सब माता-पिता चाहते हैं कि बच्चे सुखी रहें, खुश रहें। स्वास्थ्य हमेशा अच्छा बना रहे। हर कार्य में सफल हों। व्यवहार के साथ सोच-समझ अपने आप आ जाती है। हमेशा हर चीज परफैक्ट नहीं रहती। उतार-चढ़ाव होता रहता है हम आज भी अपनी कमजोरियों, आदतों, परिस्थितियों के गुलाम हैं। हम संसार बदलना चाहते हैं जबकि हमें पहले अपने आपको बदलना चाहिए।

हर चीज को पवित्र करता है गंगाजल, किस बर्तन में रखना होता है शुभ

किस बर्तन में रखना शुभ?

घर में गंगाजल को तांबे या पीतल के लोटे या बर्तन में ही भरकर रखें। प्लास्टिक की बोलत में गंगाजल को भरना ,सही नहीं माना जाता है। कभी भी गंगाजल को अपने उस घर में नहीं रखें जहां अंधेरा रहता है। इन बातों का ध्यान रखते हुए आप अपने घर में गंगाजल रखें।

सनातन धर्म को मनाने वाले ज्यादातर घरों में गंगाजल पाया जाता है। घर की शुद्धता का कोई भी काम हो गंगाजल का उपयोग किया जाता है। वहीं, हमारे यहां गंगा को नदी के साथ-साथ मां का दर्जा दिया गया है। ऐसा कहा जाता है कि गंगा नदी में स्नान करने से इंसान के सारे पाप धुल जाते हैं। पूजा-पाठ और शुभ कार्यों में भी गंगाजल का उपयोग किया जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि गंगाजल को रखने के क्या नियम हैं? अगर आप नहीं जानते हैं तो आज हमें इस विषय में अधिक जानकारी दे रहे हैं दिल्ली निवासी ज्योतिष आचार्य पंडित आलोक पाण्ड्या कि गंगाजल को किस तरह से रखना चाहिए और किस पात्र में रखना शुभ होगा।

गंगाजल को घर में रखने के नियम

गंगाजल कभी खराब नहीं होता

सबसे पहली बात कि गंगाजल कभी भी खराब नहीं होता है। गंगाजल कभी भी अशुद्ध नहीं होता है। गंगा के जल की खास बात है कि इसमें कभी कीड़े नहीं लगते हैं। यही कारण है कि गंगाजल कई सालों तक बॉटल में साफ और शुद्ध रखा रहता है।

दूर रहती है नकारात्मकता

ऐसा कहा जाता है कि जिस घर में गंगाजल रखा रहता है वहां कभी भी निगेटिव एनर्जी का वास नहीं होता है। हिंदू धर्म की मान्यता के अनुसार, सूर्य या चंद्र ग्रहण के समय घर में गंगाजल का छिड़काव करने से घर शुद्ध हो जाता है।

घर में गंगाजल रखने के क्या नियम हैं ?

गंगाजल को बेहद पवित्र माना जाता है। इसलिए अपने घर में गंगाजल को रखते समय इस बात का ध्यान रखें कि गंगाजल कभी भी घर की ऐसी जगह पर नहीं रखें जहां गंदगी रहती हो। इसके साथ ही इस बात का भी ध्यान रखें कि गंगाजल को कभी भी खाना खाते समय या फिर जूते-चप्पल पहनकर नहीं उठाना चाहिए। ऐसा करना आपके जीवन पर निगेटिव असर डाल सकता है।

7 महीने के ब्रेक के बाद काम पर लौटीं सामंथा

साउथ की फेमस एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु 7 महीने के ब्रेक के बाद काम पर वापस लौट आई हैं। सामंथा ने अपने कमबैक की अनाउंसमेंट करते हुए एक वीडियो शेयर किया है। उन्होंने बताया कि अब वो हेल्थ पॉडकास्ट पर काम करेंगी।

इस पॉडकास्ट को लेकर इमोशनल और एक्साइटेड हूं: सामंथा

36 वर्षीय एक्ट्रेस ने रविवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया। इसमें उन्होंने कहा, 'हां, मैं काम पर लौट आई हूं..आखिरकार। इतने दिनों से मैं पूरी तरह से बेरोजगार थी। अब मैं अपने एक दोस्त के साथ कुछ मजेदार करने जा रही हूं। यह एक हैल्थ पॉडकास्ट होगा। यह कुछ ऐसा है, जो मुझे वाकई बहुत पसंद है। मैं इसे लेकर बहुत इमोशनल और एक्साइटेड हूं कि यह अगले सप्ताह रिलीज हो रहा है। मुझे उम्मीद है कि आप में से कुछ को यह बहुत यूजफुल लगेगा। मुझे इस पर काम करने में बहुत मजा आया है।'

सितंबर 2022 में रिलीज हुई थी आखिरी फिल्म 'खुशी'

सामंथा ने 2022 में जानकारी दी थी कि वो ऑटो-इम्यून कंडीशन (मायोसाइटिस) से जूझ रही हैं और इसके बाद उन्होंने इलाज के लिए काम से ब्रेक ले लिया था। सामंथा की आखिरी रिलीज फिल्म खुशी थी जिसमें वो विजय देवरकोंडा के अपोजिट नजर आई थीं।

'सिटाडेल' में वरुण संग आएंगी नजर

वर्क फ्रंट पर अब सामंथा वेब सीरीज 'सिटाडेल' में वरुण धवन के साथ नजर आने वाली हैं। ब्रेक पर जाने से पहले पिछले साल जुलाई तक सामंथा इसी वेब सीरीज की शूटिंग भी कर रही थीं। हाल ही में उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर बताया था कि उन्हें और वरुण को मेकर्स ने इस शो कर पहली झलक दिखाई है। इस सीरीज के अलावा सामंथा ने 'चेन्नई स्टोरीज' भी साइन की है जो उनकी पहली फॉरेन फिल्म होगी।

दुबई में मलाइका अरोड़ा और बेटे अरहान ने की पार्टी

दुबई में बीती रात 'वन एंड ओन्ली- वन जबील' होटल की ओपनिंग पार्टी हुई। इस इवेंट में मलाइका अरोड़ा, ओरी और मलाइका-अरबाज के बेटे अरहान खान भी नजर आए। सभी ने वहां जमकर पार्टी की और इवेंट को एंजॉय किया। ओरी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की।

पार्टी में कौन-कौन शामिल हुआ

दुबई के होटल के इस ओपनिंग इवेंट में कई इंटरनेशनल सेलिब्रिटीज को देखा गया। अमेरिकन पॉपुलर सिंगर जेनिफर लोपेज, एक्टर इदरीस एल्बा और एक्ट्रेस सबरीना धोवरे एल्बा नजर आए। वहीं म्यूजिक प्रोड्यूसर मार्क रॉनसन और मॉडल नाओमी कैंपबेल रेड कार्पेट पर चलते दिखे। पार्टी के दौरान जेनिफर लोपेज ने लोगों के सामने अपने कुछ सबसे बड़े हिट गाने गाए। यहां बॉलीवुड सेलिब्रिटी मलाइका अरोड़ा खान भी स्पॉट की गईं। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ओरी ने इस पार्टी की इनसाइड फोटोज शेयर कीं।

होटल में खास क्या है

यह होटल दुबई वर्ल्ड ट्रेड सेंटर और डीआईएफसी एरिया के पास खोला गया है। ये होटल शहर के 'फर्स्ट अर्बन वर्टिकल रिसॉर्ट' के नाम से जाना जाता है। होटल में कमरे, सुइट्स और 755 वर्ग मीटर का विला वन पेंटहाउस है। इनमें आउटडोर इंफिनिटी पूल, सिनेमा, इन-सूट जिम और निजी शेफ भी मौजूद हैं।

कौन हैं पैपराजी के फेवरेट ओरी?

ओरी का असली नाम ओरहान अवतरमणि है। मुंबई में रहने वाले ओरी मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज के स्पेशल प्रोजेक्ट मैनेजर हैं। वो रिलायंस के साथ इंटरनेशनल फैशन ब्रांड्स के कोलेबोरेशन को भी लीड करते हैं। ऐसे में उनका काम प्रमोशन और मार्केटिंग के लिए सेलेब्स से जुड़ा होता है। ओरहान, मुकेश अंबानी की बेटी ईशा अंबानी के भी क्लोज फ्रैंड्स हैं। साथ काम करते हुए उनकी कई सेलेब्स से दोस्ती है। पार्टी फ्रीक होने के चलते ओरहान स्टारकिड्स की ज्यादातर हर पार्टी में शामिल होते हैं। यही कारण है कि अकसर उनकी स्टारकिड्स के साथ तस्वीरें सामने आती रहती हैं।

मलाइका अरोड़ा इन दिनों 'झलक दिखला जा' में नजर आ रही हैं

टीवी का पॉपुलर डांस रियलिटी शो 'झलक दिखला जा' का 11वां सीजन पिछले साल 11 नवंबर से शुरू हुआ। इस सीजन में मलाइका अरोड़ा, अरशद वारसी और फराह खान जज की कुर्सी संभालते नजर आ रहे हैं। इस डांस शो में सेलिब्रिटीज कोरियोग्राफर के साथ डांस परफॉर्मेंस देते दिखते हैं। गौहर खान और ऋत्विक धनजानी इस शो के होस्ट हैं।

अस्पताल से सामने आया मिथुन चक्रवर्ती का वीडियो, अब एक्टर की हालत स्थिर

सिनेमा की दुनिया के दिग्गज अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती को बीते शनिवार को कोलकाता के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 73 साल के मिथुन चक्रवर्ती को सीने में दर्द की शिकायत के बाद अस्पताल ले जाया गया था। बताते चलें कि मिथुन चक्रवर्ती के सभी टेस्ट करने के बाद सामने आई जानकारी से पता चला था कि उन्हें ब्रेन स्ट्रोक आया था। अब मिथुन चक्रवर्ती का अस्पताल से एक वीडियो सामने आया है जिसमें वह कुछ लोगों से बात करते नजर आ रहे हैं। मिथुन चक्रवर्ती का ये वीडियो देखने के बाद फैंस ने राहत की सांस ली है।

एक वीडियो अपने ट्विटर हैंडल पर शेयर किया है। इस वीडियो में आप देख सकते हैं कि मिथुन चक्रवर्ती पश्चिम बंगाल के बीजेपी चीफ सुकांत मजूमदार से बात कर रहे हैं। सुकांत मजूमदार ने कोलकाता के निजी अस्पताल पहुंचकर मिथुन चक्रवर्ती का हाल जाना है।

वहीं, सुकांत मजूमदार ने मिथुन चक्रवर्ती से मुलाकात के बाद कहा है, वह पहले से ठीक हैं और उन्हें सोमवार को अस्पताल से छुट्टी मिल जाएगी, डाक्टरों ने उन्हें कुछ दिन घर पर आराम करने के लिए कहा। वहीं, अस्पताल की तरफ से भी मिथुन चक्रवर्ती की हालत ठीक बताई जा रही है।

गौरतलब है कि वेटरन एक्टर मिथुन चक्रवर्ती को हाल ही में पद्म भूषण से सम्मानित करने का फैसला लिया गया था। मिथुन चक्रवर्ती ने पद्म भूषण सम्मान को लेकर सोशल मीडिया पर भारत सरकार और फैंस का शुक्रिया अदा किया था। वहीं, मिथुन चक्रवर्ती को पद्म भूषण से सम्मानित होने की जानकारी के बाद से उनके तमाम चाहने वाले काफी खुश हैं। मिथुन चक्रवर्ती ने अपने करियर में 350 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। मिथुन चक्रवर्ती ने ना सिर्फ हिंदी में बल्कि कई भाषाओं की फिल्मों में काम किया है।

सनी देओल की 'लाहौर 1947' में हुई इस धुरंधर की धांसू एंट्री, टूटेंगे कई बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड्स

बॉलीवुड फिल्म स्टार सनी देओल की अपकमिंग मूवी 'लाहौर 1947' इस वक्त लगातार सुर्खियों में हैं। सुपरस्टार सनी देओल की इस अपकमिंग मूवी पर हर किसी की नजर है। 'गदर 2' की बंपर सक्सेस के बाद फैंस भी फिल्म स्टार सनी देओल की अगली फिल्म के लिए आंखें बिछाए बैठे हैं। इस फिल्म का हर किसी को बेसब्री से इंतजार है। फिल्म स्टार सनी देओल जल्दी ही निर्देशक राजकुमार संतोषी के साथ अपनी अगली फिल्म 'लाहौर 1947' लेकर आने वाले हैं। इस फिल्म को सुपरस्टार आमिर खान अपने प्रोडक्शन बैनर तले प्रोड्यूस करने वाले हैं। आमिर खान और सनी देओल की इस मूवी में अब एक और धुरंधर सितारे की एंट्री हो चुकी है। जिसके आने से फिल्म की स्टारकास्ट में चार चांद लगने वाले हैं।

'लाहौर 1947' में हुई संतोष सिवन की धांसू एंट्री

सुपरस्टार सनी देओल और आमिर खान की इस अपकमिंग मूवी को लेकर निर्देशक राजकुमार संतोषी ने दिलचस्प जानकारी दी है। एंटरटेनमेंट न्यूज की दुनिया में सामने आई एक रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म निर्देशक राजकुमार संतोषी ने खुद इस बारे में एक इंटरव्यू में बताया। फिल्म निर्देशक ने बताया कि इस मूवी में बेहद अनुभवी और टैलेंटेड संतोष सिवन को बतौर डीओपी साइन किया गया है। फिल्म निर्देशक ने बताया कि संतोष सिवन इस वक्त इंडस्ट्री के सबसे बेस्ट डीओपी हैं।

संतोष सिवन के बारे में बात करते हुए निर्देशक राजकुमार संतोषी ने कहा, 'लाहौर 1947 में हम कैमरामैन और डीओपी संतोष सिवन को लेकर आने वाले हैं। वो देश के इस वक्त बेस्ट कैमरामैन है। इससे पहले संतोष और मैंने दो फिल्मों पुकार और बरसात में काम किया था। जिसमें वो सिनेमैटोग्राफर और कैमरामैन हैं। दिलचस्प बात ये है कि संतोष ने एक मूवी 'हालो' भी डायरेक्ट की थी। जिसमें मैंने भी अभिनय किया था। हम दशकों से साथ हैं और हम अब दोबारा लाहौर 1947 में काम करेंगे।'

राजकुमार संतोषी का ड्रीम प्रोजेक्ट है 'लाहौर 1947'

इससे पहले बॉलीवुड फिल्मों के जाने-माने निर्देशक रहे राजकुमार संतोषी ने मूवी को लेकर कहा था, 'लाहौर 1947 मेरे करियर की एक बेहद खास फिल्म है। जिससे मैं इमोशनली तौर पर जुड़ा हूं। साथ ही ये मूवी कई टैलेंटेड लोगों का रीयूनियन भी है। मैंने आमिर खान की मूवी अंदाज अपना-अपना में साथ काम किया था। इस बार वो प्रोड्यूसर के तौर पर जुड़ रहे हैं। वहीं, सनी देओल के साथ मैंने घायल, दामिनी और घातक जैसी फिल्में दी हैं। इस बड़े स्तर की फिल्म के लिए मैं एआर रहमान जैसे संगीतकार के सिवा किसी और के बारे में नहीं सोच सकता।

वो दुनिया के सबसे बेहतरीन म्यूजिक कंपोजर्स में से एक हैं। जावेद अख्तर के साथ सालों से मेरा बेहद खास बॉन्ड रहा है। वो इस मूवी के गीत लिखेंगे। तो ये एक बेस्ट ड्रीम टीम है। जिसके लिए हम सभी साथ आए हैं।' बता दें कि सनी देओल की मूवी 'लाहौर 1947' की शूटिंग 12 फरवरी से रिलीज हो रही है।

सलमान खान और सूरज बड़जात्या की एक और बड़ी फिल्म

सलमान खान जल्द ही अपने फैंस को बड़ी खुशखबरी दे सकते हैं। वो जल्द ही सूरज बड़जात्या के निर्देशन में बनने वाली एक मेगा बजट और बिग स्केल फिल्म में नजर आएंगे। सलमान के लिए ये फिल्म बेहद खास होने वाली है, क्योंकि सलमान ने सूरज बड़जात्या की जिस भी फिल्म में काम किया है वो सुपरहिट रही है। ताजा रिपोर्ट्स की मानें तो इस फिल्म की शूटिंग शुरू होने में दो साल का वक्त लग सकता है क्योंकि वो अभी दूसरे प्रोजेक्ट्स में बिजी हैं।

हाल ही में आई बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट में फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र के हवाले से लिखा गया है कि सूरज बड़जात्या और सलमान खान ने फिल्म की सभी तैयारियां शुरू कर दी हैं। ये एक बिग विजन वाली फिल्म है जिसे लार्ज स्केल में बनाया जाने वाला है। सूरज बड़जात्या, सलमान को डायरेक्ट करने से पहले एक दूसरी फिल्म डायरेक्ट कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ सलमान खान भी दूसरी फिल्मों की शूटिंग के चलते 26 महीनों के लिए बिजी हैं।

सूरज बड़जात्या और सलमान खान दोनों के बिजी होने पर फिल्म को थोड़ा आगे बढ़ा दिया है। ये खबर फैंस के लिए बेहद एक्साइटिंग है। सोर्स की मानें तो ये एक अपनी तरह की बड़ी ड्रामा फिल्म होगी, जो सालों तक यादगार रहेगी।

4 सुपरहिट फिल्मों में काम कर चुके हैं सलमान-सूरज

इस अपकमिंग फिल्म के अलावा भी सलमान खान और सूरज बड़जात्या 4 सुपरहिट फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं। सलमान खान ने 1989 में सूरज बड़जात्या के निर्देशन में बनी फिल्म मैंने प्यार किया से बॉलीवुड डेब्यू किया था। इसके अलावा दोनों ने हम साथ साथ हैं, हम आपके हैं कौन और प्रेम रतन धन पायो में काम किया है।

अंकिता व कंगना के बीच गहरी दोस्ती

एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे हाल ही में आए टीवी रियलिटी शो बिग बॉस 17 की सबसे चर्चित प्रतियोगियों में से एक रही हैं। उन्होंने बिग बॉस के अपने सफर में बहुत कुछ देखा है। लेकिन उनकी बॉलिवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत से दोस्ती की बात करें, तो ये बहुत पक्की है। अंकिता का कंगना के बारे में कहना है कि उनकी जिंदगी में जो भी चला, उस बारे में कंगना को चिंता थी। कंगना ने अंकिता की मां से भी इस बारे में बात की।

कंगना रनौत से अच्छा रिश्ता

अंकिता को कभी नहीं लगा कि उनकी और कंगना की नजदीकियां एक दिन इतनी बढ़ जाएंगी। उन्होंने कहा,'मैंने नहीं सोचा था कि हम एक-दूसरे के इतने करीब आ जाएंगे, लेकिन जब कंगना के निर्देशन में बनी 'मणिकर्णिका' में मैंने काम किया, तो हमारी दोस्ती काफी अच्छी हो गई। हालांकि, ऐसा बहुत खास कुछ नहीं है, लेकिन जब भी कंगना और मैं मिलते हैं, तो वह हमेशा कहती हैं कि अंकिता उनके जैसी हैं। अच्छा लगता है ऐसा सुनकर।'

अंकिता की मां से कंगना ने बात की

अब अंकिता की बातों से ऐसा ही लगता है कि दोनों की बीच काफी समानताएं हैं। अपने और कंगना के अच्छे रिश्ते के बारे में उन्होंने कहा, 'मैं जब बिग बॉस कर रही थी, तो मेरी जिंदगी में कई सारे उतार-चढ़ाव आए। कभी मैं परेशान होती थी, तो कभी खुश। मेरी जिंदगी में जो भी चल रहा था, उसकी कंगना को बहुत चिंता थी। उन्होंने मेरी मां से भी इस बारे में बात की थी।' उन्होंने यह भी खुलासा किया कि बिग बॉस से बाहर आने के बाद कंगना ने उनसे एक घंटे तक बात की और समझाया कि अब चीजों को कैसे संभालना है।

अंकिता ने झेली कई परेशानियां

बेशक चंद दिन पहले ही अंकिता ने अपनी और पति विक्की जैन की पर्सनल तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की थीं, लेकिन इनकी निजी जिंदगी में कई समस्याएं इन्हें झेलनी पड़ रही थीं। अंकिता और विक्की का रिश्ता खूब चर्चा में रहा। वह विक्की के साथ ही बिग बॉस हाउस में गई थीं। शो में उनके बीच कई बार बहस हुई। यहां तक कि उन्होंने एक-दूसरे से ब्रेक लेने की बात भी कही। यही नहीं, विक्की की मां ने भी अंकिता के खिलाफ कई बयान दिए और उन्हें अपने पति से ठीक से बात करना सीखने की सलाह भी दी डाली। इसके बाद तो अंकिता, विक्की और उनके परिवारवालों को भी ट्रोल करना शुरू कर दिया गया।

टॉलीवुड के कॉमेडी किंग ब्रह्मानंदम बॉलीवुड फिल्मों में लगाएंगे हंसी का तड़का

टॉलिवुड के दर्शकों को तो हाल ही में कॉमेडी का नया मसाला मिला है। साथ ही बॉलिवुडवालों के लिए भी अच्छी खबर है। कॉमेडी के किंग मशहूर टॉलिवुड कॉमेडियन ब्रह्मानंदम बॉलिवुड में अपनी वापसी करने जा रहे हैं। पूरे 25 साल के अंतराल के बाद वह कमबैक कर रहे हैं। गौरतलब है कि हाल ही में उन्होंने लंबे समय बाद टॉलिवुड में भी वापसी की है। यहां उनकी मौजूदगी को काफी समय से मिस किया जा रहा था। ब्रह्मानंदम ने 'कीड़ा कोला' से अपना कमबैक किया है।

गुरु रंधावा की फिल्म में दिखेंगे

बॉलिवुड स्क्रीन पर कई सालों बाद नजर आने वाले कॉमेडियन ब्रह्मानंदम इस बार गुरु रंधावा की फिल्म में नजर आएंगे। रंधावा की यह फिल्म 'कुछ खट्टा हो जाए' है, जिससे गुरु खुद भी अपना डेब्यू बतौर हीरो कर रहे हैं। इसमें एक्ट्रेस सई मांजरेकर भी होंगी जो 'मेजर' और 'स्कंद' जैसी फिल्मों में अपने रोल के लिए जानी जाती हैं। इस फिल्म को जी अशोक डायरेक्ट कर रहे हैं। ब्रह्मानंदम का इस फिल्म में कैसा किरदार होगा, इससे जुड़ी जानकारी फिलहाल नहीं दी गई है। यह तो फिल्म देखने पर ही पता चलेगा। यह फिल्म 16 फरवरी को रिलीज होने वाली है। ऑडियंस भी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं ब्रह्मानंदम की कॉमेडी का मजा दोबारा लेने के लिए। गौरतलब है टॉलिवुड कॉमेडियन की पहली हिंदी फिल्म अमिताभ बच्चन की 'सूर्यवंशम' थी।

नए प्रस्ताव मिल रहे

जहां फैंस उनका लंबे समय से इंतजार कर रहे थे वहीं, खुद ब्रह्मानंदम भी फिर से अपनी हंसी का जादू चलाने के लिए बहुत

उत्साहित हैं। मजेदार बात तो यह है कि जैसे ही ब्रह्मानंदम ने टॉलिवुड में अपनी वापसी की, तभी से उनके पास दूसरे निर्माता-निर्देशकों के प्रस्ताव भी आ रहे हैं। कहा जा रहा है कि साउथ के सुपरस्टार प्रभास की फिल्म 'द राजा साब' और राम चरण की फिल्म 'गेम चेंजर' में नजर आ सकते हैं। वहीं बॉलीवुड से भी उन्हें दूसरे आफर्स मिलने की बात कही जा रही है। अब देखना बाकी है कि यह कॉमेडी का सरताज किस फिल्म में अपनी किरदार से दर्शकों का मनोरंजन करेंगे।

तेलुगू सिनेमा में अहम योगदान

ब्रह्मानंदम ने तेलुगू सिनेमा में अपना अहम योगदान दिया है। उन्होंने कई बेहतरीन फिल्में की हैं। जिनमें उनकी एक्टिंग की काफी तारीफ हुई। उन्होंने अब तक सैकड़ों फिल्मों में अपनी हंसी से दर्शकों को लोट-पोट किया है। आचार्य नागार्जुन यूनिवर्सिटी ने उन्हें डॉक्टरेट की उपाधि भी दी गई है। वह इंडस्ट्री के उन कॉमेडियंस में शामिल हैं, जिनकी फीस बहुत ज्यादा है। उन्होंने थियेटर में भी अपने काम से खास पहचान बनाई।

धूम्रपान न करने वालों के समान जीवन जीते हैं 40 की उम्र से पहले धूम्रपान छोड़ने वाले लोग!

एक शोध में इस बात का खुलासा हुआ है कि 40 साल की उम्र से पहले धूम्रपान छोड़ने वाले लोग, धूम्रपान न करने वालों के ही समान ही जीवन जीते हैं। एनईजेएम एविडेंस जर्नल में प्रकाशित अध्ययन से पता चला है कि जो लोग किसी भी उम्र में धूम्रपान छोड़ देते हैं वह धूम्रपान न करने वाले व्यक्ति जितना ही जीवन जीने के करीब होते हैं। इसका लाभ उस व्यक्ति को केवल तीन वर्षों के भीतर मिल जाता है।

टोरंटो विश्वविद्यालय के दल्ला लाना स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के प्रोफेसर प्रभात झा ने कहा, धूम्रपान छोड़ना मौत के जोखिम को कम करने में प्रभावी है, और लोग इसका लाभ बहुत जल्दी पा सकते हैं।

इस अध्ययन में चार देशों (अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और नॉर्वे) के 1.5 मिलियन वयस्कों को शामिल किया गया, जिन पर 15 वर्षों तक नजर रखी गई। 40 से 79 वर्ष की आयु के बीच धूम्रपान करने वालों में उन लोगों की तुलना में मरने का लगभग तीन गुना जोखिम था, जिन्होंने कभी धूम्रपान नहीं किया, जिसका अर्थ है कि उन्होंने औसतन 12 से 13 साल का जीवन खो दिया।

शोधकर्ताओं ने पाया कि पूर्व में धूम्रपान छोड़ने वालों में धूम्रपान न करने वालों की तुलना में मृत्यु का जोखिम 1.3 गुना (या 30 प्रतिशत अधिक) कम हो गया।

अध्ययन में कहा गया है, ₹किसी भी उम्र में धूम्रपान छोड़ना लंबे समय तक जीवित रहने से जुड़ा था, और यहां तक कि जिन लोगों ने तीन साल से कम समय के लिए धूम्रपान छोड़ा, उनकी जीवन छह साल तक बढ़ गया।"

झा के अनुसार, खासकर अधेड़ उम्र में बहुत से लोग सोचते हैं कि धूम्रपान छोड़ने में बहुत देर हो चुक है ।

उन्होंने कहा, लेकिन ये परिणाम उस विचारधारा के विपरीत हैं। अभी भी बहुत देर नहीं हुई है। आप बड़ी बीमारियों के जोखिम को कम कर सकते हैं, जिसका अर्थ है आपने जीवन लंबा और बेहतर जिया। इसके अलावा, शोधकर्ताओं ने पाया कि धूम्रपान छोड़ने से विशेष रूप से वैस्कुलर डिजीज और कैंसर से मरने का खतरा कम हो जाता है। धूम्रपान छोड़ने वालों में श्वसन रोग से मृत्यु का जोखिम भी कम हो जाता है।

गुणकारी अंगूर के लाभ

यह निर्बल-सबल, स्वस्थ-अस्वस्थ आदि सभी के लिए समान उपयोगी है। बहुत से ऐसे रोग हैं जिसमें रोगी को कोई पदार्थ नहीं दिया जाता है। उसमें भी अंगूर दिया जा सकता है। अंगूर में जल, शर्करा, सोडियम, पोटेशियम, साइट्रिक एसिड, फ्लोराइड, पोटेशियम सल्फेट, मैगनेशियम और लौह तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं। अंगूर ह्रदय की दुर्बलता को दूर करने के लिए बहुत गुणकारी है । ह्रदय रोगी को नियमित अंगूर खाने चाहिए। अंगूर के सेवन से फेफ डों मे जमा कफ निकल जाता है, इससे खांसी में भी आराम आता है। अंगूर जी मिचलाना, घबराहट, चक्कर आने वाली बीमारियों में भी लाभदायक है।

पका हुआ अंगूर तासीर में ठंडा, मीठा और दस्तावर होता है। यह आंखों के लिए हितकर होता है। अंगूर वीर्यवर्धक, रक्त साफ करने वाला, रक्त बढाने वाला तथा तरावट देने वाला फल है।

श्वास रोग व वायु रोगों में भी अंगूर का प्रयोग हितकर है। नकसीर एवं पेशाब में होने वाली रूकावट में भी हितकर है। अंगूर का शरबत लो अमृत तुल्य है। शरीर के किसी भी भाग से रक्त स्त्राव होने पर अंगूर के एक गिलास ज्यूस में दो चम्मच शहद घोलकर पिलाने पर रक्त की कमी को पूरा किया जा सकता है जिसकी कि रक्तस्त्राव के समय क्षति हुई है। अंगूर का गूदा ग्लूकोज व शर्करा युक्त होता है । विटामिन ए पर्याप्त मात्रा में होने से अंगूर का सेवन भूख बढाता है, पाचन शक्ति ठीक रखता है, आंखों, बालों एवं त्वचा को चमकदार बनाता है।

हार्ट-अटैक से बचने के लिए बैंगनी काले अंगूर का रस एस्प्रिन की गोली के समान कारगर है। एस्प्रिन खून के थक्के नहीं बनने देती है। बैंगनी काले अंगूर के रस में फ्लोवोनाइड्स नामक तत्व होता है और यह भी यही कार्य करता है। पोटेशियम की कमी से बाल बहुत टूटते हैं। दांत हिलने लगते हैं, त्वचा ढीली व निस्तेज हो जाती है, जोडों में दर्द व जकडन होने लगती है। इन सभी रोगों को अंगूर दूर रखता है। अंगूर फोडे-फुन्सियों एवं मुहासों को सुखाने में सहायता करता है।

अंगूर के रस के गरारे करने से मुंह के घावों एवं छालों में राहत मिलती है। एनीमिया में अंगूर से बढकर कोई दवा नहीं है। उल्टी आने व जी मिचलाने पर अंगूर पर थोडा नमक व काली मिर्च डालकर सेवन करें। पेट की गर्मी शांत करने के लिए 20-25 अंगूर रात को पानी में भिगों दे तथा सुबह मसल कर निचोडें तथा इस रस में थोडी शक्कर मिलाकर पीना चाहिए। गठिया रोग में अंगूर का सेवन करना चाहिए।

टाँगों में दिखती हैं नीली नसें तो ये हैं वैरिकोज वेन्स, इन व्यायामों से पा सकते हैं आराम

टांगों की नसों शिराओं में वाल्व रहते हैं, जो रक्त को वापस ऊपर ह्रदय की ओर ले जाने में मदद करते है। लेकिन जब ये वॉल्व कमज़ोर हो जाएँ या खराब हो जाएँ तो नसों में विकृति आ जाती है जिसे वैरिकोज़ वेन्स कहा जाता है।

वैरिकोज़ वेंस तब होती हैं जब नसें ठीक से काम नहीं करती हैं। नसों में एक तरफा वाल्व होता है जो रक्त को पीछे की ओर बहने से रोकता है। जब ये वाल्व विफल हो जाते हैं, तो रक्त आपके ह्रदय की ओर बढ़ने के बजाय नसों में इकट्ठा होने लगता है। जिससे नसें बढ़ जाती हैं। वैरिकोज़ वेंस अक्सर पैरों को प्रभावित करती हैं।

वैरिकोज़ वेन्स रोग में रक्त ऊपर की ओर सही तरीके से नहीं चढ़ पाता और पैरों टांगों की नसों में ही रुकने लग जाता है। वेरिकोज़ वेंस, जिसे वेरिकोसाइटिस के नाम से भी जाना जाता है। यह समस्या तब होती है, जब नसें बढ़ जाती हैं, पतली हो जाती हैं और रक्त से भर जाती हैं, यानी नसें ब्लॉक हो जाती हैं। वेरिकोज वेंस, आमतौर पर त्वचा पर सूजी हुई या उभरी हुई दिखाई देती हैं। यह टेढ़ी-मेढ़ी होने के साथ ही लाल, नीली व बैंगनी रंग की होती हैं। जो काफी दर्दनाक हो सकती हैं।

कौन हो सकता है शिकार ?

सबसे ज़यादा इसके शिकार दुकानदार व महिलाएं होती हैं। कंप्यूटर के सामने और ऑफिस में घंटों बैठने, लंबे समय तक लगातार खड़े होकर काम करने वाले लोग, ट्रैफिक पुलिसकर्मी व तकनीकी प्रयोगशालाओं में कार्यरत वैज्ञानिक, न्याय पालिका के सदस्य व वकील भी इसमें शामिल हैं। यह समस्या

शिक्षकों में तेज़ी से बढ़ रही है। कहने का मतलब है कि जिन लोगों ने नियमित चलने की आदत छोड़ दी है और ज़्यादा देर तक लगातार बैठने की आदत को गले लगाया है या खड़े रहते हैं, उनके पैरों में वैरिकोज़ वेन्स होना निश्चित है।

अध्ययनों के अनुमान के मुताबिक पांच वयस्कों में से एक वयस्क को वैरिकोज़ वेन्स की शिकायत होती है और वैरिकोज़ वेन्स से पीड़ित 16 प्रतिशत वयस्क 60 वर्ष या उससे ज़्यादा आयु के होते हैं। इस आयु वर्ग के 65 फीसदी लोगों में जिनमें वैरिकोज़ वेन्स का निदान किया गया है उनमें कम से कम एक पैर में वैरिकोज़ वेन्स संबंधी लक्षण पाए गए हैं।

उपचार से पहले लें सलाह

पैरों में वैरिकोज़ वेन्स की शुरुआत हो चुकी है तो वैस्कुलर सर्जन से परामर्श लें। अक्सर देखा गया है कि वैरिकोज़ वेन्स के मरीज़ कभी चर्म रोग विशेषज्ञ या कभी हड्डी रोग विशेषज्ञ के पास परामर्श लेने पहुंच जाते हैं। कुछ मालिश पर निर्भर रहते हैं। होश उन्हें तब आता है जब अल्सर जैसी समस्या से ग्रसित होने लगते हैं। वैरिकोज वेन्स का सही इलाज, एक अनुभवी वैस्कुलर सर्जन ही बता सकता है।

कौन सा उपचार सही है ?

वैरिकोज़ वेन्स की शुरुआत होने पर, सर्जरी या लेसर की ज़रूरत नहीं पड़ती है। रोज़ सुबह व शाम एक-एक घंटे टहलें। उछल-कूद बिल्कुल न करें। पैरों को कुर्सी से एक घंटे से ज़्यादा लटकाकर नहीं बैठें और न ही लगातार खड़े रहें। वज़न नियंत्रित रखें। दिन में चलते वक़्त एक विशेष क़िस्म की क्रमित दबाव वाली जुराबों को पहनना पड़ता है। साथ ही, हर दो महीने में वैस्क्युलर सर्जन से परामर्श भी करें।

आरएफए आधुनिक तकनीक है। इसमें कोई सर्जरी नहीं करनी होती है और न ही पैरों की खाल में कोई काटा-पीटी करनी पड़ती है। मात्र चौबीस घंटे में अस्पताल से छुट्टी मिल जाती है। इससे उपचार के बाद, मरीज़ अगले दिन से काम पर जाना शुरू कर देता है या सामान्य जीवन जीने लगता है। यह तकनीक लेसर की तुलना में, थोड़ी बेहतर साबित हो रही है। वैरिकोज़ वेंस की समस्या से बचने और काफी हद तक इससे निपटने के लिए यहां कुछ एक्सरसाइज के बारे में बताया गया है, जिसे आप कर सकते हैं।

वॉकिंग

वॉकिंग या चलना बेहद फायदेमंद है और आमतौर पर सभी उम्र और फिटनेस स्तर के लोगों के लिए सुरक्षित है। नियमित सैर आपको वजन कम करने, स्वस्थ रक्तचाप बनाए रखने और आपकी हड्डियों और मांसपेशियों को मजबूत करने में मदद कर सकती है। साथ ही यह नसों के ब्लड सर्कुलेशन को विनियमित करता है।

साइकिल चलाना

साइकिल चलाना एक कम प्रभाव वाला व्यायाम है। यह आपके जोड़ों की रक्षा करते हुए भी परिसंचरण को बढ़ा सकता है। नियमित रूप से साइकिल चलाना आपके कॉफ (घुटनों के नीचे के पीछे का हिस्सा) मांसपेशियों को मजबूत कर सकता है और स्वस्थ रक्त प्रवाह को बढ़ावा देता है। आप चाहें तो पारंपरिक तौर पर साइकिल चला सकते हैं। इसके अलावा बिना साइकिल के साइकिल एक्सरसाइज कर सकते हैं। इसे करने के लिए आप अपनी पीठ के बल लेटकर, अपने घुटनों को अपनी छाती की ओर खींचकर, और अपने पैरों से एक पेडलिंग गति बनाकर अपने पैरों की मांसपेशियों को फैला सकते हैं।

लंजेज

आपके पैरों और कॉफ में कई अलग-अलग मांसपेशी समूहों का काम करते हैं। जब ये मांसपेशियां मजबूत और स्वस्थ होती हैं, तो वे रक्त को सही दिशा में बहने में मदद कर सकती हैं। अपने पैरों के साथ थोड़ा अलग खड़े होकर शुरू करें। आगे बढ़ें और अपने घुटने मोड़ें। अपने घुटने को सीधे अपने टखने से ऊपर रखना सुनिश्चित करें। कुछ सेकंड के लिए खुद को बैठने की मुद्रा में रखें, फिर खड़े हो जाएं।

कोरोना से पीड़ित महिलाओं में सेक्स को लेकर रुचि हुई कम! अध्ययन

एक अध्ययन में सामने आया है कि कोरोना से पीड़ित होने के बाद अधिकांश महिलाओं में सेक्स के प्रति रूचि कम हो चुकी है। जर्नल ऑफ सेक्सुअल मेडिसिन में प्रकाशित 2,000 से अधिक सिजेंडर महिलाओं के अध्ययन में पाया गया कि कोरोनोवायरस रोग यौन क्रिया को ख़राब कर सकता है। इसमें लंबे समय तक रहने वाला कोविड उल्लेखनीय रूप से हानिकारक प्रभाव डालता है।

अमेरिका स्थित बोस्टन विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर अमेलिया एम. स्टैंटन ने कहा, यदि आप कोविड से बीमार हैं, तो संभवतः आपकी सेक्स में रुचि कम है और हो सकता है कि आपका शरीर सेक्स करने के लिए कम तैयार हो।

उन्होंने कहा, कुछ लोगों के लिए यह आश्चर्य की बात हो सकती है कि लंबे समय तक रहने वाले कोविड लक्षण वास्तव में महिलाओं के यौन स्वास्थ्य पर शारीरिक और मनोवैज्ञानिक प्रभाव डाल सकते हैं।

कोविड के प्रभाव का पता लगाने के लिए

शोधकर्ताओं ने एक ऑनलाइन सर्वेक्षण किया, इसमें भाग लेने वाली लगभग आधी महिलाओं ने बताया कि उन्हें कभी भी कोविड नहीं हुआ था और बाकी ने कहा कि उनका परीक्षण सकारात्मक था।

उन्होंने पाया कि जिन लोगों को कोविड था, उनमें इच्छा, उत्तेजना, स्नेह और संतुष्टि का स्तर उन लोगों की तुलना में कम था, जिन्हें कोविड नहीं था। दोनों समूहों के बीच कामोत्तेजना और दर्द का स्कोर बहुत अलग नहीं था।

शोधकर्ताओं के अनुसार, जबकि कोविड समूह में महिलाओं को अभी भी सूचकांक की कार्यात्मक सीमा के भीतर वर्गीकृत किया गया था। लंबे समय तक कोविड वाले प्रतिभागियों के पास डिसफंक्शनल रेंज में औसत एफएसएफआई पूर्ण-पैमाना स्कोर था।

स्टैंटन ने कहा,सेक्स, कामुकता और यौन क्रियाएं अभी भी अपेक्षाकृत वर्जित विषय हैं। लेकिन, यह कुछ ऐसी पेशकश करता है, जिसे मरीज अपने प्रदाताओं के पास ला सकते हैं और कह सकते हैं, 'यह मेरे लिए चल रहा है', और शायद सेक्स के आसपास एक खुली बातचीत पैदा कर सकता है। अध्ययन में, स्टैंटन और उनकी टीम ने कहा कि परिणामों से पता चलता है कि कोविड -19 संक्रमण यौन क्रिया के संज्ञानात्मक और शारीरिक पहलुओं की हानि से जुड़ा हो सकता है।

क्या आप भी पीठ दर्द से परेशान रहते हैं?

प्रश्न. मेरी उम्र 40 वर्ष है। पिछले दो माह से पीठ के दर्द से पीड़ित हूं। कृपा कर आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

–प्रभाकर शर्मा, सिकंदराबाद

उत्तर. पीठ का दर्द कई कारणों से हो सकता है। जन्मजात विकृतियां, उठने बैठने के ढंग में खराबी, कमजोर मांस पेशिया , कंडराओ में अकड़न या सूजन, व्यायाम का अभाव, भोजन में पोषक तत्वों की कमी, बचपन में पीठ पर चोट लगना, वात वृद्धि आदि कारणों से पीठ में दर्द हो सकता है।

आप जिस स्कूटर या मोटरसाइकिल का प्रयोग करते हैं यदि उसके शाक अब्जॉर्बर खराब हो गए हो तभी भी कंधे व पीठ में दर्द संभव है। ज्यादा झुक कर कार्य करना,एक हाथ से वजन उठाना घंटों एक ही आसन में बैठे रहना भी पीठ के दर्द को बढ़ा सकता है।

पीठ पर रूमाटाइज तेल या उंझा महानारायण तेल की मालिश करें। रूमाटाइज टीकिया, उंझा महायोगराज गुग्गुलु व उंझा वातगजांकुश रस की टिकिया दिन में तीन बार भोजन के बाद लेवे। उंझा अश्वगंधारिष्ट,उंझा दशमूलारिष्ट 10– 10 मिलीलीटर दवा को दुगने पानी में मिलाकर भोजन के बाद लेवे। नित्य हल्का व्यायाम करें, टहले व सदा प्रसन्नचित्त रहें। गरिष्ठ भोजन, वातकारक आहार,कंदमूल (आलू, रतालू,अरबी,मूली आदि) का सेवन एवम् रात्रिजागरण ना करें। बासी खाद्याअन्न व ठंडा पेय,आइसक्रीम आदि के सेवन से बचें।

मेरी उम्र 39 वर्ष है। भौहों के ऊपर वाले हिस्से में दर्द होता है और नाक में थक्केजम जाते हैं। आयुर्वेदिक उपचार बताएं ।

– बी मुरलीधर, मेदक

उत्तरः आपको पीनस रोग हो गया है । इसे ही साइनोसाइटिस के नाम से जाना जाता है। इस रोग की प्रारंभिक अवस्था में सिर में भारीपन , भूख कम हो जाना, नाक से स्राव, स्वर भेद (आवाज बदल जाना) भौंहों के ऊपर तेज दर्द आदि लक्षण दिखाई पड़ते हैं। बाद में नासिका में स्राव गाढ़ा होकर नाक में थक्के जमने लगते हैं । नासा - विवर में कफ जमने लगता है। इसमें संक्रमण होने से गंध और स्वाद का ज्ञान होना बंद हो जाता है।

घरेलू उपचार में पांच ग्राम घी में भुनी अदरक दिन में दो बार देवे। पांच ग्राम अदरक को 250 ग्राम दूध में उबाल ने और इसे नथुनों में डाले । औषधि में ऊंझा महालक्ष्मी विलास रस एक से दो गोली पीसकर मधु से या फिर चित्रक हरितकी अवलेह में मिलाकर सेवन कराएं। ऊंझा तालीसादी चूर्ण या तालीस्यूल का सेवन भी पीनस में एक हितकारी औषध सिद्ध हुई है। नाक में षडबिंदु तेल डालने से बहुत आराम मिलता है। भौंहों के ऊपर का दर्द और पिनस से उत्पन्न शिरशूल कम होने लगता है।

लघु आहार, गरम पानी, पुराने चावल, कुलथी शिग्रु याने सहिजन की फली, मूली, लहसुन , त्रिकटु हितकारी है । अभिष्यंदीकारक जैसे दही व गुरु द्रव्य, असात्म्य भोजन, स्नान, अधारणीय वेगों का धारण, दिन में सोना, जमीन पर सोना, क्रोध करना आदि का परित्याग करें।

प्रश्न : 18 वर्ष से 26 वर्ष तक मेरा मासिक धर्म बंद था । तब स्त्री रोग विशेषज्ञ की सलाह से मैंने गर्भनिरोधक टिकिया लेनी शुरू की इससे मासिक धर्म प्रारंभ हो गया । मैंने सुना है मासिक धर्म का समय से नहीं आना ऑस्टियोपोरोसिस की संभावना बढ़ाता है । क्या यह सही है ?कृपा कर सुझाव देवें।

- श्रीमती कुमुदिनी गुप्ता,हैदराबाद

उत्तर : मासिक धर्म का सीधा संबंध अंडाशय से स्रवित होने वाले हार्मोन एस्ट्रोजन से है। यदि इस्ट्रोजन कम बनता है तो वह सीधे मासिक धर्म को प्रभावित करता है। एस्ट्रोजन हार्मोन की कमी अस्थिसुषिरता याने ऑस्टियोपोरोसिस का कारण बनती है । ऐसे में हड्डियां कमजोर हो जाती है और फ्रेजिल होने से अस्थिभंग का खतरा बना रहता है। सोयाबीन, आलिया ,(चंद्रशूर) अशोक ,आदि में प्राकृतिक फाइटोएस्ट्रोजन मौजूद रहते हैं। गेहूं के आटे में सोयाबीन या चंद्रशूर मिलाकर उसकी बनी रोटी खाना लाभ करती है । प्राकृतिक कैल्शियम के लिए आप दूध, दही, छांच व ऋतु फल जैसे सेव,अनार, व सदाफल जैसे केला और नारियल का प्रयोग कर सकती हैं । ऊंझा नवरत्न कल्पामृत रस टिकिया सुबह शाम गाय के दूध से लेने पर अस्थिसुषिरता का खतरा समाप्त हो जाता है ।

इसके संग हर रोज कसरत करना ,व सुबह टहलना, संतुलित भोजन लेना आपको अनार्तव, कष्टार्तव, अत्यार्तव आदि के खतरों से बचाता है । औरा फेमिब्लेज़ सैरप या ऊंझा सुन्दरी संगिनी सैरप का प्रयोग मासिक धर्म को सामान्य बनाए रखने में अति उपयोगी सिद्ध हुआ है।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada
@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

मधुमेह की कुछ दवाएं गुर्दे की पथरी के खतरे को कम कर सकती हैं !

मधुमेह की कुछ दवाएं गुर्दे की पथरी के खतरे को कम कर सकती हैं। एक अध्ययन के मुताबिक, टाइप 2 मधुमेह गुर्दे की पथरी के बढ़ते जोखिम से जुड़ा है, इस स्थिति के लिए कुछ प्रकार के उपचार से गुर्दे की पथरी के जोखिम को कम करने में भी लाभ हो सकता है।

अमेरिका में ब्रिघम और महिला अस्पताल एवं मैसाचुसेट्स जनरल अस्पताल के रिसर्चर्स ने पाया कि सोडियम-ग्लूकोज कॉन्ट्राट्रांसपोर्टर 2 (एसजीएलटी2) अवरोधकों के उपयोग और गुर्दे की पथरी के विकास के कम जोखिम के बीच एक संबंध था।जेएएमए इंटरनल मेडिसिन में रिपोर्ट किए गए अध्ययन में टाइप 2 मधुमेह वाले मरीजों के अमेरिका के तीन राष्ट्रव्यापी डेटाबेस से डेटा शामिल था, जिन्हेंरू दैन क्लिनिकल प्रैक्टिस में देखा गया था। टीम ने टाइप 2 मधुमेह वाले 7,16,406 वयस्कों की जानकारी का विश्लेषण किया। जिन्होंने एसजीएलटी2 अवरोधक या मधुमेह दवाओं के दो अन्य वर्ग जिन्हें जीएलपी1 रिसेप्टर एगोनिस्ट या डाइपेप्टिडाइल पेप्टिडेज़ 4 (डीपीपी4) अवरोधक के रूप में जाना जाता है, लेना शुरू कर दिया था।जिन मरीजों ने एसजीएलटी2 अवरोधक लेना शुरू किया, उनमें जीएलपी1 एगोनिस्ट लेने वालों की तुलना में गुर्दे की पथरी विकसित होने का जोखिम 30 प्रतिशत कम था, और डीपीपी4 अवरोधक लेने वालों की तुलना में लगभग 25 प्रतिशत कम था। ये निष्कर्ष लिंग, नस्ल/जातीयता, क्रोनिक किडनी रोग के इतिहास और मोटापे के आधार पर एक जैसे थे। ब्रिघम और महिला अस्पताल में फार्माकोएपिडेमियोलॉजी और फार्माकोइकॉनॉमिक्स विभाग की संबंधित लेखिका जूली पाइक ने कहा, हमारे निष्कर्ष मधुमेह के उन मरीजों के लिए रूटीन निर्णय लेने में मदद कर सकते हैं जिन्हें गुर्दे की पथरी होने का खतरा है।

शरीर का उच्च तापमान अवसाद का कारण बन सकता है ! अध्ययन

एक अध्ययन में सामने आया है कि अवसादग्रस्त लोगों के शरीर का तापमान उच्च रहता है। वहीं, अगर तनावग्रस्त व्यक्ति अपने शरीर के तापमान को कम रखे, तो यह उनके मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद साबित हो सकता है। बता दें कि यह अध्ययन जर्नल साइंटिफिक रिपोर्ट्स में प्रकाशित हुआ है, लेकिन इसमें यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि तनाव शरीर के तापमान को बढ़ाता है या उच्च तापमान तनाव को बढ़ाता है।

यह भी अज्ञात है कि क्या अवसाद से ग्रस्त लोगों में उच्च शरीर का तापमान स्वयं को ठंडा करने की क्षमता में कमी, चयापचय प्रक्रियाओं से गर्मी की बढ़ी हुई पीढ़ी या दोनों के संयोजन को दर्शाता है। वहीं, अमेरिका में यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, सैन फ्रांसिस्को में मनोचिकित्सा के एसोसिएट प्रोफेसर और मुख्य लेखक एशले मेसन ने कहा कि निष्कर्ष इस बात पर प्रकाश डालते हैं कि एक नई अवसाद उपचार पद्धति कैसे काम कर सकती है। यूसीएसएफ में क्लिनिकल मनोवैज्ञानिक मेसन ने कहा, विडंबना यह है कि वास्तव में लोगों को गर्म करने से शरीर का तापमान फिर से कम हो सकता है, जो लोगों को सीधे बर्फ स्नान के माध्यम से ठंडा करने की तुलना में लंबे समय तक रहता है।

शोधकर्ताओं ने 106 देशों के 20,000 से अधिक प्रतिभागियों के डेटा का विश्लेषण किया, जिन्होंने शरीर के तापमान को मापने वाला उपकरण पहना था और प्रतिदिन अपने शरीर के तापमान और अवसाद के लक्षणों की स्वयं रिपोर्ट भी की थी। परिणामों से पता चला कि अवसाद के लक्षणों की गंभीरता के प्रत्येक बढ़ते स्तर के साथ, प्रतिभागियों के शरीर का तापमान अधिक था। शरीर के तापमान के आंकड़ों ने उन लोगों में उच्च अवसाद स्कोर की प्रवृत्ति भी दिखाई, जिनके तापमान में 24 घंटे की अवधि के दौरान कम उतार-चढ़ाव था, लेकिन यह खोज महत्व तक नहीं पहुंची।

श्रीलंका और मॉरिशस में यूपीआई लॉन्च

भारतीय टूरिस्ट यहां कर सकेंगे यूपीआई पेमेंट, 2 फरवरी को फ्रांस में सर्विस शुरू हुई थी

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्रीलंका और मॉरीशस में यूपीआई यानी 'यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस' सर्विस लॉन्च कर दिया है। श्रीलंका और मॉरीशस जाने वाले भारतीय नागरिकों के साथ-साथ भारत की यात्रा करने वाले मॉरीशस के नागरिक इसका इस्तेमाल कर सकेंगे। हाल ही फ्रांस में भी यूपीआई सर्विस की शुरुआत हुई थी।

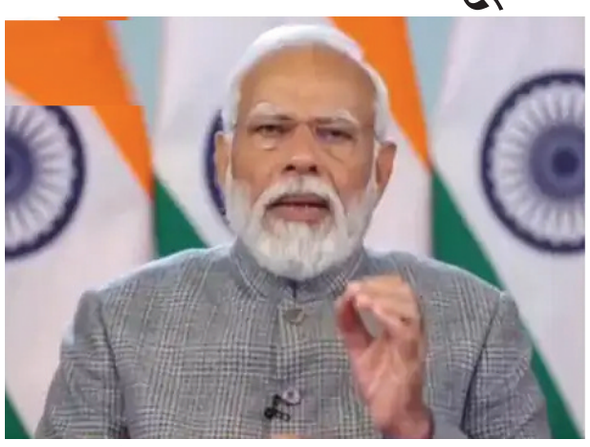

श्रीलंका के राष्ट्रपति और मॉरीशस के प्रधानमंत्री मौजूद

लॉन्च के मौके पर पीएम मोदी ने कहा, 'भारत का UPI अब एक नई जिम्मेदारी निभा रहा है - यूनाइटिंग पार्टनर्स विद इंडिया।' वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुए कार्यक्रम में मोदी के साथ श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे और मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद जुगनौथ के साथ तीनों देशों के सेंट्रल बैंक के गवर्नर भी मौजूद थे। पीएम मोदी ने मॉरिशस में यूपीआई सर्विस के साथ रुपे कार्ड सर्विस भी लॉन्च की है। अब मॉरिशस के बैंक अपने यहां रुपे मैकेनिज्म पर बेस्ड कार्ड जारी कर पाएंगे। इससे दोनों देशों के लोग अपने देश के साथ-साथ एक-दूसरे के यहां भी इन कार्ड्स के जरिए मिलने वाली सेवाओं का इस्तेमाल कर पाएंगे।

2 फरवरी को फ्रांस में लॉन्च किया था

फ्रांस में भारतीय दूतावास ने 2 फरवरी को पेरिस के एफिल टावर पर यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस को औपचारिक रूप से लॉन्च किया था। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा था- यह देखकर बहुत अच्छा लगा। खुशी हुई। यह यूपीआई को ग्लोबल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा मिलेगा।

मैक्रों की भारत यात्रा के बाद हुई लॉन्चिंग

यह लॉन्चिंग फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की भारत यात्रा के बाद हुई थी। 25 जनवरी को मैक्रों जयपुर पहुंचे थे। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें यूपीआई पेमेंट डिजिटल सिस्टम के बारे में जानकारी दी थी। उन्हें पेमेंट करना सिखाया था। इसके अलावा दोनों लीडर्स ने चाय पी थी। इसका पेमेंट राष्ट्रपति मैक्रों ने किया था।

यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस यानी यूपीआई को 2016 में लॉन्च किया गया। इसे नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने बनाया है। इसने आसान तरीके से सीधे बैंक खाते में पैसे ट्रांसफर करने की सुविधा दी। इससे पहले डिजिटल वॉलेट का चलन था। वॉलेट में केवायसी जैसी झंझट है, जबकि यूपीआई में ऐसा कुछ नहीं करना पड़ता।

दिसंबर 2023 में 1200 करोड़ से ज्यादा ट्रांजैक्शंस हुए

हाल ही में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने युगांडा और नाइजीरिया के दौरे पर कहा कि भारत में सिर्फ एक महीने में इतने कैशलेस ट्रांजैक्शन हुए, जितने अमेरिका 3 साल में करता है। दिसंबर 2023 में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यूपीआई के जरिए 1200 करोड़ से ज्यादा ट्रांजैक्शंस हुए। यह लेन-देन 18.23 लाख करोड़ रुपए का था। नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने ये आंकड़े जारी करते हुए बताया कि इससे पहले नवंबर में 17.40 लाख करोड़ रुपए का लेन-देन हुआ था।

शेयर बाजार में हाहाकार
मिडकैप - स्मॉलकैप स्टॉक्स के लिए रहा ब्लैक मंडे!

मुंबई, 12 फरवरी (एजेंसियां)। सेंसेक्स में 523 अंक से ज्यादा की गिरावट:निफ्टी भी 166 अंक गिरा, लिस्टिंग-डे पर एपीजे सुरेंद्र पार्क होटल्स का शेयर 31% चढ़ा मुंबई शेयर बाजार में आज यानी सोमवार (12 फरवरी) को गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स 523 अंक से ज्यादा की गिरावट के साथ 71,072.49 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 166 अंक की गिरावट रही, ये 21,616 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 21 में गिरावट और 9 में तेजी देखने को मिली।

एपीजे सुरेंद्र पार्क होटल्स का शेयर पहले दिन 31% बढ़ा

एपीजे सुरेंद्र पार्क होटल्स का शेयर आज 20% प्रीमियम के साथ लिस्ट हुआ। BSE पर शेयर 187 रुपए के भाव पर खुला, जबकि आईपीओ का अपर प्राइस बैंड 155 रुपए था। हालांकि, मार्केट बंद होने पर एपीजे सुरेंद्र पार्क होटल्स का शेयर 31.32% बढ़कर 203.55 रुपए पर बंद हुआ। एपीजे सुरेंद्र पार्क होटल्स का आईपीओ 5 से 7 फरवरी तक खुला था। इससे पहले शुक्रवार (9 जनवरी) को शेयर बाजार में बढ़त देखने को मिली थी। सेंसेक्स 167 अंक की बढ़त के साथ 71,595 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी में 64 अंक की बढ़त रही, ये 21,782 के स्तर पर बंद हुआ था। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 16 में तेजी और 14 में गिरावट देखने को मिली थी।

सोने की कीमत में गिरावट

चांदी महंगी हुई:साढ़े 62 हजार के नीचे आया सोना, चांदी 71 हजार के करीब पहुंची

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। सोने के दामों में आज यानी, 12 फरवरी को गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम सोना 244 रुपए सस्ता होकर 62,380 रुपए पर आ गया है। वहीं 18 कैरेट सोने का भाव 46785 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है।वहीं चांदी की कीमत में आज तेजी देखने को मिली है। ये 217 रुपए महंगी होकर 70,855 रुपए प्रति किलो ग्राम पर पहुंच गई है। इससे पहले ये 70,638 रुपए पर थी।

जनवरी में सोने-चांदी के दामों में गिरावट देखने को मिली थी। महीने की शुरुआत यानी 1 जनवरी को सोना 63,302 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो 31 जनवरी को 62,685 रुपए पर आ गया है। यानी इस महीने अब तक इसकी कीमत में 617 रुपए प्रति 10 ग्राम की गिरावट आई है। वहीं चांदी भी 73,624 रुपए प्रति किलोग्राम से गिरकर 71,668 रुपए पर आ गई थी।

आज से सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड का निवेश का मौका सरकार आपको एक बार फिर सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश करने का मौका दे रही है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम 2023-24 के तहत 12 से 16 फरवरी तक सोने में निवेश का मौका मिलेगा। RBI ने सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड का दाम 6,263 रुपए प्रति एक ग्राम तय किया है। भारत सरकार ने रिजर्व बैंक की एडवाइस पर ऑनलाइन आवेदन करने वाले और डिजिटल मोड में पेमेंट करने वाले निवेशकों को निर्धारित कीमत में 50 रुपए प्रति ग्राम की छूट देने का भी फैसला किया है। RBI ने कहा कि ऐसे निवेशकों के लिए गोल्ड बॉन्ड की कीमत 6,213 रुपए होगी।

हादसों को कम करने के लिए नियामक ने जारी किया सर्कुलर

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। डीजीसीए ने हवाईअड्डों पर रनवे से जुड़े नियमों के उल्लंघन की घटनाओं को रोकने के लिए सभी हवाईअड्डों पर रनवे सुरक्षा टीम बनाने और ऐसे मामलों से बचाव के लिए प्रौद्योगिकी अपनाने को कहा है।पिछले महीने जापान के हनेडा हवाई अड्डे पर रनवे से जुड़े दिशा-निर्देशों के उल्लंघन के कारण विमानों के आपस में टकराने के मद्देनजर नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एक परिपत्र जारी किया है। सभी हवाई अड्डों पर रनवे सुरक्षा टीम गठित करने और उनके प्रभावी कामकाज को सुनिश्चित करने के अलावा, नियामक ने पायलटों, हवाई यातायात नियंत्रकों, विमान रखरखाव इंजीनियरों और हवाई अड्डे के अंदर काम करने वाले ड्राइवरों के लिए व्यापक प्रशिक्षण पर जोर दिया है। हवाई यातायात नियंत्रकों (एटीसी) को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि स्टॉप बार को स्टॉप सिग्नल करने के लिए स्विच ऑन किया जाए ।

पेटीएम-पेमेंट बैंक की इंडिपेंडेंट डायरेक्टर मंजू अग्रवाल ने दिया इस्तीफा

एक और डायरेक्टर शिंजिनी कुमार के बोर्ड छोड़ने की खबर, अब केवल तीन डायरेक्टर बचे

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। पिछले हफ्ते मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि पीपीबीएल की बोर्ड मेंबर शिंजिनी कुमार और मंजू अग्रवाल बोर्ड से हट गई हैं। हालांकि कंपनी ने अभी शिंजिनी कुमार के इस्तीफे के बारे कुछ नहीं कहा है।

कंपनी ने कहा- काम या बिजनेस पर कोई असर नहीं होगा

वन97 कम्यूनिकेशंस ने फाइलिंग में कहा कि मंजू अग्रवाल ने व्यक्तिगत कारणों से 1 फरवरी को बोर्ड से इस्तीफा दे दिया है। इससे कंपनी के ऑपरेशन या बिजनेस पर कोई असर नहीं होगा।'

पीपीबीएल के बोर्ड में अब चार इंडिपेंडेंट डायरेक्टर मंजू के इस्तीफे के बाद पीपीबीएल के बोर्ड में अब चार इंडिपेंडेंट डायरेक्टर रह गए हैं। अगर शिंजिनी कुमार के बोर्ड छोड़ने की जानकारी सही होती है तो बोर्ड में 3 मेंबर ही रह जाएंगे।

इनमें पंजाब एंड सिंध बैंक के पूर्व एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अरविंद कुमार जैन, एक्सेंचर के पूर्व एमडी पंकज वैश्य और डीपीआईआईटी के पूर्व सेक्रेटरी रमेश अभिषेक शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, अग्रवाल कंपनी के बोर्ड में मई 2021 से थीं।

मंजू अग्रवाल ने 34 साल तक एसबीआई में कई पदों पर काम किया। वे डिप्टी एमडी पद से रिटायर हुईं थीं।

वहीं, शिंजिनी कुमार पेटीएम पेमेंट्स बैंक से पहले सिटीबैंक, पीडब्ल्यूसी इंडिया और बैंक ऑफ अमेरिका मेरिल लिंच में काम कर चुकी हैं।

क्या स्पाइसजेट में होने वाली है 1,400 कर्मचारियों की छंटनी ?

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। नकदी संकट से जूझ रही बजट एयरलाइन स्पाइसजेट लागत में कटौती और निवेशकों की रुचि बनाए रखने के लिए 1,400 कर्मचारियों की छंटनी करने जा रही है। एयरलाइन में वर्तमान में 9,000 कर्मचारी हैं और यह लगभग 30 विमानों का संचालन करता है। इनमें से आठ विदेशी वाहकों से वेट-लीज पर लिए गए हैं, साथ ही चालक दल और पायलट भी इसके साथ हैं। स्पाइसजेट ने नौकरी में कटौती की पुष्टि की है। एयरलाइन के एक प्रवक्ता ने कहा, यह फैसला परिचालन आवश्यकताओं को देखते हुए कंपनी की लागत कम करने के लिए लिया गया है।

मामले की जानकारी रखने वाले एक शख्स ने कहा कि 60 करोड़ रुपये के सैलरी बिल को देखते हुए कर्मचारियों की संख्या में कटौती का जरूरी हो गया था।

एक अन्य शख्स ने छंटनी का जिक्र करते हुए बताया, लोगों को पहले से ही कॉल आना शुरू हो गया है। स्पाइसजेट कई महीनों से वेतन भुगतान में देरी कर रही है। कई लोगों को अभी तक जनवरी का वेतन नहीं मिला है। स्पाइसजेट ने कहा है कि वह 2,200 करोड़ रुपये का फंड हासिल करने की प्रक्रिया में है। लेकिन जानकारों का मानना है कि कुछ निवेशकों ने इसमे दिलचस्पी नहीं दिखाई है। हालांकि, एयरलाइन के प्रवक्ता ने कहा, फंडिंग में कोई देरी नहीं हो रही है और हम अपने फंड इकट्ठा करने के मामले में अच्छी तरह से प्रगति कर रहे हैं और पहले ही अपनी सार्वजनिक घोषणाएं कर चुके हैं। हम अगली किस्त के लिए अतिरिक्त घोषणाएं करेंगे। अधिकांश निवेशकों ने इसमें दिलचस्पी दिखाई है।

2019 में जब स्पाइसजेट अपने चरम पर था, एयरलाइन के पास 118 विमानों का बेड़ा था और 16,000 कर्मचारी थे। बाजार हिस्सेदारी के मामले में इसका निकटतम प्रतिद्वंद्वी अकासा एयर है, जिसमें 23 विमानों का बेड़ा और 3,500 कर्मचारी हैं। घरेलू बाजार में उनकी लगभग 4% हिस्सेदारी है।

सरकार ने 18.38 लाख करोड़ डायरेक्ट टैक्स वसूला

एलआईसी का मार्केट कैप 86,146 करोड़ बढ़ा, जेफ बेजोस ने अमेजन के 1.2 करोड़ शेयर बेचे

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। कल की बड़ी खबर डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन से जुड़ी रही। सरकार ने मौजूदा वित्तीय वर्ष (2023-24) में 10 फरवरी तक 18.38 लाख करोड़ डायरेक्ट टैक्स वसूला है। दूसरी बड़ी खबर देश की टॉप कंपनियों की वैल्यूएशन से जुड़ी रही थी।

मार्केट कैपिटलाइजेशन के लिहाज से देश की टॉप-10 कंपनियों में से 4 का मार्केट कैप पिछले हफ्ते 2.18 लाख करोड़ रुपए बढ़ा है। इस दौरान LIC का मार्केट कैप सबसे ज्यादा 86,146 करोड़ बढ़ा है। वहीं, अमेजन के फाउंडर जेफ बेजोस ने कंपनी के 1.2 करोड़ शेयर करीब 16 हजार करोड़ रुपए में बेच दिए हैं।

सरकार ने 10 फरवरी तक 18.38 लाख करोड़ डायरेक्ट-टैक्स वसूलाः पिछले साल से 2.71 लाख करोड़ ज्यादा; 2.77 लाख करोड़ रिफंड भी जारी किया सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेस ने डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन के प्रोविजनल आंकडे जारी किए हैं। आंकड़ों के मुताबिक सरकार ने मौजूदा वित्तीय वर्ष (2023-24) में 10 फरवरी तक 18.38 लाख करोड़ डायरेक्ट टैक्स वसूला है। 10 फरवरी 2024 तक का यह कलेक्शन पिछले वित्त वर्ष के इसी अवधि के मुकाबले 2.71 लाख करोड़ रुपए ज्यादा है।

टॉप-10 कंपनियों में 4 का मार्केट-कैप 2.18 लाख करोड़ बढ़ाः पिछले हफ्ते एलआईसी की वैल्यू सबसे ज्यादा 86,146 करोड़ बढ़ी, एचडीएफसी बैंक टॉप लूजर रही

मार्केट कैपिटलाइजेशन के लिहाज से देश की टॉप-10 कंपनियों में से 4 का मार्केट कैप पिछले हफ्ते 2.18 लाख करोड़ रुपए बढ़ा है। इस दौरान सबसे ज्यादा कैपिटल जुटाने वाली कंपनी लाइफ इंश्योरेशन कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया रही। इसके मार्केट कैप में 86,146 करोड़ की बढ़ोतरी हुई है। पिछले हफ्ते कंपनी के शेयर में 6% की तेजी रही थी।

फैंसी नंबर प्लेट लगवाने पर 10,000 तक का जुर्माना

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। गाड़ी की नंबर प्लेट या व्हीकल रजिस्ट्रेशन प्लेट पर- 8055 बन जाता है बॉस, 4141 बन जाता है पापा या दादा, 3715 बन जाता है आई और 4137 हो जाता है भाऊ। ऐसे कई उदाहरण हैं, जो गाड़ियों की नंबर प्लेट पर आम तौर पर देखे जा सकते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं ये गैरकानूनी है और ऐसा करने पर आप पर 5 से 10 हजार रुपए तक का जुर्माना लग सकता है। केंद्र सरकार हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगवाने के लिए 31 दिसंबर 2022 को डेडलाइन जारी कर चुकी है। इसमें मोटर व्हीकल एक्ट के तहत 1 अप्रैल 2019 से पहले रजिस्टर्ड हुए सभी टू-व्हीलर्स पर हाई लगा होना जरूरी है। वहीं, फोर-व्हीलर्स में और कलर कोडेड स्टीकर लगा होना अनिवार्य है।

बावजूद इसके अब भी कई गाड़ियों पर अलग-अलग डिजाइन वाली फैंसी नंबर प्लेट देखी जा सकती हैं। अगर आपकी गाड़ी पर HSRP नंबर प्लेट नहीं है तो इसे तुरंत लगवा लें। हम यहां हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट के फायदे और इसे लगवाने के तरीके के बारे में विस्तार से जानकारी दे रहे हैं... हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट एल्यूमीनियम से बनी एक नंबर प्लेट होती है। इन्हें कम से कम वन टाइम यूज्ड स्नैप-ऑन लॉक के जरिए गाड़ी के फ्रंट और बैक में लगाया जाता है। स्नैप-ऑन लॉक का फायदा यह है कि इन्हें न तो आसानी से गाड़ी से हटाया जा सकता है और न ही एक बार हटाने के बाद दूसरी नंबर प्लेट लगाई जा सकती है। नियम के अनुसार, अलग-अलग कैटेगरी की गाड़ी में अलग-अलग साइज की नंबर प्लेट होती है। गाड़ी के हिसाब से प्लेट का साइज 280x45, 200x100, 340x200 और 500x120 होता है। गाड़ी के फ्रंट और रियर प्लेट का साइज अलग हो सकता है। इसकी मोटाई 1 मिमी होती है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मकर में	मकर..	04-57 बजे
चंद्र-	मीन में	कुंभ...	06-48 बजे
मंगल	मकर में	मीन ..	08-25 बजे
बुध-	मकर में	मेष--	10-01 बजे
गुरु-	मेष में	वृष--	11-46 बजे
शुक्र-	मकर में	मिथुन..	13-46 बजे
शनि-	कुंभ में	कर्क...	15-59 बजे
राहु-	मीन में	सिंह...	18-10 बजे
केतु-	कन्या में	कन्या..	20-17 बजे
		तुला.....	22-22 बजे
		वृश्चिक	23-33 बजे
		धनु.....	02-54 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945**, सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् **-2550**,हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय - **06-47**
भोग्य कलि वर्ष-**426876** सूर्यास्त. **-18-13**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्थी - **14 -42** - तक उपरान्त पंचमी
मास - माघ शुक्ल पक्ष , मंगलवार **13 February**
नक्षत्र - उ.भाद्रपद - **12 - 35** - तक उपरान्त रेवती
योग - साध्य - **23 - 04** - तक उप शुभ
करण- विष्टि - **14 - 42** - तक उप- बव
विशेष:- कुंभ मे सूर्य-**15-45** से
व्रत -त्योहार - भद्रा काल-**14-42** तक

विशेष:- राशिफल "हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 09:38 से 11:04 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	06:47 - 08:12 अशुभ	लाभ	18:13 - 19:48 शुभ
शुभ	08:12 - 09:38 शुभ	उत्पात	19:48 - 21:22 अशुभ
रोग	09:38 - 11:04 अशुभ	शुभ	21:22 - 22:56 शुभ
उत्पात	11:04 - 12:30 अशुभ	अमृत	22:56 - 24:30 शुभ
चंचल	12:30 - 13:56 शुभ	चंचल	24:30 - 02:04 शुभ
लाभ	13:56 - 15:22 शुभ	रोग	02:04 - 03:38 अशुभ
अमृत	15:22 - 16:48 शुभ	काल	03:38 - 05:12 अशुभ
काल	16:48 - 18:13 अशुभ	लाभ	05:12 - 06:47 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

बदलाव आपके कैरियर में संकेत दे रहे है, लेकिन ये परिवर्तन आपको आनंद देगा । आपको नयी नौकरी की पेशकश मिल सकती है , या एक नए विभाग में आपको स्थानांतरित किया जा सकता है । पदोन्नति का भी संकेत मिल रहा है । आप अपनी नई जिम्मेदारियों से प्यार करेंगे और अपने आप को साबित करने के लिए उत्साह से भर जाएंगे । आप अपनी कार्य क्षमताओं से हर किसी को प्रभावित करेंगे ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

ये समय महान प्रभाव के लोगों के साथ वार्तालाप करने के लिए अति उत्तम है। आप इन लोगो से जितना संवाद बढ़ा पाये बढ़ाये , क्यों की एक बेहतर जगह तक पहुँचने के लिए या अपने वर्तमान स्थिति का उन्नयन करने के लिए ये बहुत जरुरी है । आप अभी काफी दुविधा में है की ये अवसर आपकी धन वृद्धि कर सकते है की नहीं या आप उन्हें पकड़ पाएँगे की नहीं , लेकिन आप उम्मीद का दामन न छोड़े ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आज आप एक दार्शनिक मुद्रा में रहेंगे और गहरी सोच वाली ऐसी किसी भी नौकरी में आज आप सफलता को छुएंगे । शिक्षकों, वकीलों, दार्शनिकों, प्रचारकों और राजनेताओ के लिए आज का दिन बहुत अच्छा रहेगा । लेकिन आपको सांसारिक एवं जीवन के गहरे सवालों के बीच ध्यान देने की जरूरत है।व्यावहारिक स्थिति से अपना मुख मोड़ना आज आपकी सबसे बड़ी समस्या है।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आपको काफी समय से अपने सहकर्मियों की मदद मिल रही थी परन्तु अब समय ये मदद लौटने का है । अब आप अपने किसी सहकर्मी की मदद कर सकते है जिससे आपकी स्थिति आपके कार्यालय में और दृढ़ता से मजबूत होगी और आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी । हो सकता है आज आपको देर तक कार्य करना पड़े पर ये आपके लिए सहायक ही सिद्ध होगा ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आप आभूषण या कुछ बहुमूल्य रत्नो या मॉडलिंग या उस तरह के समान पेशे से जुड़े हुए है । आपको अपने व्यापारिक गतिविधियों या किसी समारोह के लिए विदेश यात्रा करनी पड़ सकती है । आपके सफल होने के आसार हैं, इसलिए चिंता छोड़ो और आगे बढ़ो । आपको अपनी उम्मीदों से कहीं अधिक पैसे की प्राप्ति होगी।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

आप अपने कार्यों को पूरा करने के लिए थोड़ा रुकने की जरुरत है एवं आपको कुछ समय निकालने की जरुरत है , ताकि आप अपने अतीत के अनुभवों पर विचार कर सके । आप अपने अतीत का मूल्यांकन करें की किस चीज को आपको बदलने की जरुरत है और किस चीज को ग्रहण करने की जरुरत है ताकि आप अपनी क्षमता का पूरा इस्तेमाल कर सके ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आपको दोस्तों का प्यार पाने के लिए थोडा नम्र बनना पड़ेगा । आप यह नही जानते लेकिन आपको घमंडी समझा जाता है इसीलिए यह सबसे अच्छा समय है कि आप दूसरों की आलोचना करने के स्थान पर अपनी भूतकाल की गतिविधियों का विश्लेष्ण करें । यह आपके लिए अपने अंतर्मन में झाँकने का बहुत अच्छा समय है ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

अगर आप इसे बारे में सतर्क और जागरूक रहे की दूसरे क्या कर रहे है , तो आप अपने व्यक्तिगत काम में बेहतर तरीके से सुधार कर सकते हैं। उनकी चिंताओं को समझने की कोशिश करे और एक तारतम्य स्थापित करे की आप क्या चाहते है और उन्हें क्या चाहिए । अतीत में की गई निवेश की गलतियाँ का भुगतान अब आपको करना पड़ सकता है , लेकिन आप अपनी समझदारी से स्थिति को संभाल सकते है ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

अनुशासन और कड़ी मेहनत आपके विशिष्ट गुण हैं । आज अपने कार्य क्षेत्र से आपका मोहभंग हो सकता है , क्योंकि आपको लगेगा की आपका करियर रुक सा गया है । हालांकि, कड़ी मेहनत हमेशा साथ देती है । आप सही रास्ते पर हैं ।अब महत्वपूर्ण है की इस पथ के साथ आप रहे । चमकती हुई परियोजनाओं में निवेश न करे या ज्यादा उत्साह में न आए,क्यों की आपका निर्णय गलत साबित हो सकता है ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आज कार्य क्षेत्र में आप किसी गलतफहमी का शिकार हो सकते है , लेकिन अपने सहकर्मियों की आलोचना न करे ।आप ग्रहों के प्रभाव की वजह से तनाव और गुस्से में आ सकते है और आप इसकी भड़ास अपने सहयोगियों पर निकाल सकते है । इसकी वजह से आपके कार्यस्थल में अनावश्यक और अतिरिक्त तनाव पैदा होगा और यहां तक कि वह आपके स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर सकता है ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आज आपको अपनी आय और व्यय का संतुलन करना मुश्किल होगा । आज अपनी आय की वृद्धि के लिए एक दूसरी नौकरी की तलाश शुरू करने के लिए भी ये सबसे अच्छा दिन है। आपको अपनी पसंद के हिसाब से कुछ कार्य मिल सकता है और यह अगले कुछ वर्षों में आपके प्राथमिक कार्य बनने की क्षमता रखता है ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आपकी आय और कैरियर को प्रभावित करने वाले ग्रहों के बीच का गठबंधन अब अपनी मजबूत केंद्र बिंदु पर आ रहा हैं। इसका मतलब यह है की अगर आप अपने कैरियर के लिए अपने समय और ऊर्जा से कार्य करते है, तो आपकी जमा राशि को बढ़ावा मिलेगा । आप में ऐसी ऊर्जा और क्षमता है की आप और अधिक कार्य करके अपनी आय में और सुधार ला सकते है ।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

टाइगर नट्स शेर जैसी ताकत दे

हाजमा दुरुस्त रखे, वजन घटाए छरहरा बनाए, शुगर-बीपी-मोटापा कंट्रोल करे, ज्यादा खाने से बढ़ेगी दिल की धड़कन

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। टाइगर नट्स के बारे में सुना है? यह मूंगफली की तरह जमीन के अंदर पैदा होता है। यह अमेरिका, अफ्रीकी देश घाना में उगता है। टाइगर नट्स की पैदावार भारत में भी होती है। इसका वैज्ञानिक नाम साइप्रस एस्कुलेंटम एल है। इसे नट्सएडज, अर्थ नट्स, नट्स आलमंड नाम से भी जानते हैं। इसकी दो किस्में होती हैं, एक हल्का भूरा या पीला और दूसरा काला या गहरा भूरा।

टाइगर मेवा कई तरह के पौष्टिक तत्वों से भरपूर होता है। यह काजू, बादाम की तरह फायदेमंद है जो कई बीमारियों से बचाता है। 'जान जहान' में टाइगर नट्स के फायदे और नुकसान के बारे में डायटीशियन डॉ. अनु अग्रवाल से जानते हैं।

टाइगर नट्स वजन घटाए स्लीम बनाए

एनसीबीआई ने रिसर्च में पाया कि टाइगर नट्स में जरूरी फाइटोन्यूट्रिएंट्स और फाइटोकेमिकल्स होते हैं, जो मोटापे को कम करने में मदद करते हैं। टाइगर नट्स फाइबर से भरपूर होता है, जो पेट को भरा-भरा हुआ महसूस करता है। इससे व्यक्ति जरूरत से ज्यादा खाने से बचता है जिससे वजन कंट्रोल रहता है।

हाजमा बनाए दुरुस्त

टाइगर नट्स हाजमा दुरूस्त रखता है। इसमें मात्रा में फाइबर होता है। रिसर्च के मुताबिक, यह मेटाबॉलिज्म को धीमा होने से रोकता और डाइजेशन सुधारता है। सालों से टाइगर नट्स का इस्तेमाल खराब पेट और डाइजेशन की परेशानी को दूर करने के लिए देसी नुस्खे की तरह होता रहा है। यह पेट फूलने की समस्या और डायरिया में भी राहत देता है।

टाइगर नट्स ब्लड शुगर कंट्रोल करे, दिल बनाए हेल्दी

टाइगर नट्स ब्लड शुगर कंट्रोल करने में भी मददगार है। इसकी वजह इसमें मौजूद फाइबर है। एंटीऑक्सीडेंट्स से लैस यह डायबिटीज को काबू में रखता है।

टाइगर नट्स खाना दिल के लिए भी सेफ है। यह मैग्नीशियम का भी अच्छा प्राकृतिक स्रोत है, जो दिल की धड़कन और ब्लड प्रेशर कंट्रोल रखता है, और हार्ट अटैक के खतरे से बचाता है।

शुक्राणुओं की संख्या बढ़ाए

टाइगर नट्स खाने से यौन क्षमता बेहतर होती है। इसका मेथेनॉलिक अर्क शुक्राणुओं की संख्या और उनकी मोबिलिटी में सुधार करता है। टाइगर नट में मौजूद क्वेरसेटिन, विटामिन और जिंक टेस्टोस्टेरोन लेवल बढ़ाते हैं।

बीमारियों से बचाने में कामयाब

टाइगर नट्स इम्यून सिस्टम मजबूत बनाता है। इसमें मौजूद इम्यूनो रेगुलेटरी प्रभाव मददगार साबित होता है। इस इफेक्ट की वजह से इम्यूनिटी शरीर की जरूरत के हिसाब से काम करती है। टाइगर नट में मौजूद मैग्नीशियम भी शरीर को बीमारियों से लड़ने में मददगार साबित होती है।

इंफेक्शन दूर रखे

इंफेक्शन से बचाने में भी टाइगर नट्स मददगार हैं। टाइगर नट्स एंटी बैक्टीरियल होते हैं। इंफेक्शन को दूर रखने के साथ साथ पनपने से रोकते हैं। यह इम्यूनटी बूस्टिंग डाइट है।

टाइगर नट्स में एंटी कैंसर गुण

टाइगर नट्स के अर्क में एंटी-कैंसर गुण होता है। इसमें क्वेरसेटिन, बीटा-सिटोस्टेरोल, फैटी हाइड्रो कॉमिक एसिड, ओलिक एसिड जैसे तत्व भी मिलते हैं जो एंटी-कैंसर हैं। टाइगर नट में मौजूद विटामिन, फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट, मोनोअनसैचुरेटेड फैटी एसिड और अमीनो एसिड इसे एंटी कैंसर डाइट बनाते हैं।

टाइगर नट्स के नुकसान

टाइगर नट्स जमीन के अंदर उगता है। इसलिए, ठीक से साफ किए बिना इसका इस्तेमाल न करें।

इसे ज्यादा खाने से पेट में गैस, ऐंठन और पेट फूलने की समस्या हो सकती है।

पोटैशियम भरपूर होने की वजह से यह ज्यादा खाने से हार्ट बीट तेज करता है और किडनी पर गलत असर डालता है। इसे सीमित मात्रा में खाना ही सही है।

उत्कल एक्सप्रेस के पैंट्री कार में छापा

रेल नीर की जगह दूसरी ब्रांड का बेचा जा रहा था पानी, खाने का रेट लिस्ट भी तय नहीं

बिलासपुर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। एक्सप्रेस ट्रेनों की पैंट्री कार में दूसरी ब्रांड की पानी की बोतल बेची जा रही है। इसका खुलासा रविवार को योगनगरी ऋषिकेश से पुरी जाने वाली उत्कल एक्सप्रेस में छापेमारी के दौरान हुआ। रेलवे की टीम ने ट्रेन से 9 कैरेट दूसरी ब्रांड का पानी जब्त किया है। जांच के दौरान पैंट्री कार के भोजन का रेस्ट लिस्ट भी तय नहीं था। लिहाजा, टीम ने सुपरवाइजर को कड़ी फटकार लगाई। पैंट्री कार में रेलनीर के साथ दूसरी ब्रांड की इन पानी की बोतलों को कर्मचारी ने छिपाकर रखा था। टीम ने कर्मचारी को पकड़कर आरपीएफ के हवाले कर दिया है। दरअसल, ट्रेन हो या रेलवे स्टेशन सभी जगह रेलनीर ही बेचना है। दूसरे ब्रांड का पानी बेचने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है। रेलवे स्टेशन और पैंट्रीकार में कर्मचारी चोरी-छिपे प्रतिबंधित पानी बोतल की बिक्री कर रहे हैं। इस पर रोक लगाने के लिए रेलवे की टीम लगातार रेलवे स्टेशन और ट्रेनों की जांच कर रही है। इसके बावजूद कर्मचारी मनमानी कर रहे हैं। रविवार को उत्कल एक्सप्रेस

की जांच में इसी तरह की लापरवाही सामने आई। रेलवे और आरपीएफ की टीम ने जब औचक जांच की, तो उन्हें पैंट्री कार के एक किनारे में रेलनीर की बोतलें नजर आईं। टीम यही समझ रही थी कि सभी बोतलें रेलनीर की हैं, लेकिन जैसे ही ऊपर के कैरेट को हटाकर देखा गया, तो नीचे दूसरे ब्रांड का पानी था। इस पर जांच टीम ने पहले तो पैंट्री कार सुपरवाइजर को जमकर फटकार लगाई। उसके बाद 9 कैरेट पानी की बोतल को जब्त कर लिया गया। इसके साथ ही पैंट्री कार के एक कर्मचारी को भी उतारा गया। उसके खिलाफ अपराध दर्ज कर आरपीएफ पोस्ट के हवाले कर दिया गया है। दरअसल पैंट्री कार के कर्मचारी इस तरह की मनमानी इसलिए करते हैं, क्योंकि रेलनीर से ज्यादा दूसरे ब्रांड का पानी बेचने में फायदा है। उन्हें दूसरी ब्रांड का पानी बेचने में ज्यादा कमीशन मिलता है।

टीम ने जांच रिपोर्ट बनाकर सीनियर डीसीएम को दिया है। वह इस मामले में आगे की कार्रवाई तय करेंगे। जुर्माना होना तय है। मालूम हो कि यह ट्रेन ईस्ट कोस्ट रेलवे की है। वर्तमान में पैंट्री कार का ठेका रूप कैटरर्स के पास है।

जांच के दौरान यह बात भी सामने आई कि एक भी खाने के पैकेट पर रेट लिस्ट नहीं है। नियमानुसार रेट लिस्ट लगाना अनिवार्य है, ताकि यात्रियों को निर्धारित कीमत पर भोजन के पैकेट बेचे जा सकें। उनसे ओवरचार्जिंग न लिया जाए। रिपोर्ट में इसका भी जिक्र किया गया है।

नेता को धमकी देने लगे हैं प्रिंस खान के गुर्गे

एसएसपी से मिले कांग्रेस पार्टी के नेता कांग्रेस नेता से मांगी दस लाख की रंगदारी

धनबाद, 12 फरवरी (एजेंसियां)। धनबाद जिले में कई दिनों से गैंगस्टर प्रिंस खान धमकी मामले को लेकर व्यवसाय के साथ-साथ अब नेता लोग को भी धमकी देने से बाज नहीं आ रहे हैं ताजा मामला कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मनोज सिंह को प्रिंस खान ने लगभग 10 लाख रुपए की रंगदारी की मांग की है और नहीं देने पर खोपड़ी खोल देने की बात कही है। इस मामले को लेकर मनोज सिंह ने स्थानीय थाना को लिखित शिकायत दर्ज किया है। आज कांग्रेस जिला अध्यक्ष संतोष सिंह एवं पूर्व मंत्री मनन मलिक तथा मनोज सिंह जिला वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय मिलने पहुंचे है। कांग्रेस जिला अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने मीडिया को बताया कि हमारे कांग्रेस के नेता मनोज सिंह 4-5 दिन पूर्व अपराधियों के द्वारा रंगदारी की मांग की गई है इस मामले को लेकर आज एसएससी महोदय से मिलने पहुंचे हैं उन्होंने आश्वासन दिया है की बहुत जल्द अपराधियों तक पुलिस पहुचेंगे और उसको सलाखों के पीछे भेजने का कार्य करेंगे। पूर्व मंत्री मन्नान मलिक ने मीडिया को बताया कि प्रिंस खान के द्वारा मनोज सिंह को धमकी दिया गया था इस मामले को लेकर आज वरीय पुलिस अधीक्षक से मिलकर करवाई की मांग की है। कांग्रेस नेता मनोज सिंह ने मीडिया को बताया कि 4- 5 दिन पूर्व गैंगस्टर प्रिंस खान मेरे व्हाट्सएप पर मैसेज और ऑडियो कॉलिंग कर 10 लाख रूपये रंगदारी की मांग किया है। जबकि मैं जनता के बीच रहने वाला सामाजित कार्यकर्त्ता के साथ कांग्रेस का नेता हूँ ऐसे में भला 10 लाख रंगदारी कैसे दे सकता हूँ।

हेमंत सोरेन की याचिका पर अब 27 फरवरी को सुनवाई

हाईकोर्ट ने ईडी को एक बार में बात रखने को कहा, 12 फरवरी को रिमांड भी खत्म

रांची, 12 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की याचिका पर रांची हाईकोर्ट में आज सुनवाई हुई। कोर्ट ने ईडी को एक बार में अपनी बात रखने को कहा है। इस मामले में अगली सुनवाई अब 27 फरवरी को होगी।

हेमंत सोरेन की ओर से सुप्रीम कोर्ट के सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल, झारखंड के महाधिवक्ता राजीव रंजन और अधिवक्ता पियूष चित्रेश ने पक्ष रखा। वहीं ईडी की ओर से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू, अधिवक्ता एके दास ने पैरवी की।

जस्टिस चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में मामले की सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद हेमंत सोरेन की ओर से दाखिल क्रिमिनल रिट याचिका और संशोधन पिटीशन पर जवाब दाखिल करने के लिए अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय को दो हफ्ते का समय दिया।

पूर्व सीएम ने ईडी की गिरफ्तारी के खिलाफ क्रिमिनल और हस्तक्षेप याचिका दायर की है। आज ही हेमंत सोरेन की ईडी रिमांड भी खत्म हो रही है। इससे पहले 5 फरवरी को पूर्व सीएम की याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई थी, जहां अदालत ने ईडी को अपना जवाब दाखिल करने को कहा था।

इसके लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को 9 फरवरी तक का वक्त मिला था। हेमंत सोरेन की ओर से सुप्रीम कोर्ट के सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल पक्ष रखेंगे। जबकि, ईडी की ओर से सीनियर एडवोकेट अमित कुमार दास पेश होंगे। याचिका की सुनवाई जस्टिस एस चंद्रशेखर और जस्टिस अरुण कुमार राय की खंडपीठ में होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट जाने के लिए कहा था

हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के दिन ही सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी ने मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अगुआई वाली पीठ के समक्ष इस मामले की तत्काल सुनवाई करने की अपील की।

सीजेआई ने 2 फरवरी को मामले की सुनवाई करने की बात कही। इस दिन जस्टिस खन्ना, जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस बेला त्रिवेदी की पीठ में मामले की सुनवाई हुई। जब सुप्रीम कोर्ट में याचिका दी गई तब सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि हेमंत सोरेन की ओर से झारखंड हाईकोर्ट में भी ऐसी ही याचिका दाखिल की गई है।

इस पर सिब्बल ने कहा कि हाईकोर्ट से याचिका वापस ली जा रही है। उन्होंने कहा कि अदालत को प्रीवेंशन ऑफ मनी लांड्रिंग एक्ट की धारा 19 की समीक्षा करनी होगी। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने हेमंत सोरेन की याचिका को सुनने से मना करते हुए उन्हें हाईकोर्ट जाने को कहा। इससे पहले एक फरवरी को झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। जहां हेमंत सोरेन की ओर से याचिका वापस लेने की बात कही गई। जिस पर हाईकोर्ट ने मना कर दिया। 5 फरवरी को अगली सुनवाई निर्धारित की।

पांच फरवरी को एक्टिंग चीफ जस्टिस एस चंद्रशेखर और जस्टिस अरुण कुमार राय की खंडपीठ ने सुना। इस दौरान ईडी की ओर से अधिवक्ता अमित कुमार दास ने कहा कि प्रार्थी की हस्तक्षेप याचिका के माध्यम से नए तथ्य आने के बाद उन्हें जवाब दायर करने के लिए समय दिया जाए। जिसे खंडपीठ ने स्वीकार करते हुए 9 फरवरी तक का समय दिया। वहीं सुनवाई के लिए 12 फरवरी की तारीख रखी है। हेमंत सोरेन की ओर से हाईकोर्ट में दायर याचिका में कहा गया कि ईडी के अधिकारी उन शक्तियों का इस्तेमाल कर रहे हैं, जो पीएमएलए-2002 में इन्हें नहीं दी गई हैं। उन्होंने कहा है कि आम चुनाव नजदीक होने की वजह से उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने उनके पिता के खिलाफ लोकपाल की अदालत में शिकायत की है। इस मामले में सीबीआई ने गलत जांच की। सीबीआई ने जांच कर लोकपाल की अदालत में तीन रिपोर्ट पेश की। इसमें उन संपत्तियों को हम लोगों की पारिवारिक संपत्ति बताया गया है, जो हमारी है ही नहीं।

दायर याचिका में कहा गया कि ईडी ने हेमंत सोरेन को पहले अवैध खनन को लेकर समन भेजा। जिस पर उन्होंने अपना बयान दर्ज करा दिया है। इसके बाद सदर थाने में दर्ज प्राथमिकी संख्या 272/23 में उन्हें समन भेजा जाने लगा। ईडी की ओर से उन्हें जिस संपत्ति के मामले में पूछताछ के लिए समन जारी किया गया, वह संपत्ति उनकी है ही नहीं। पूर्व सीएम हेमंत सोरेन 12 फरवरी तक ईडी की रिमांड पर हैं। आज उनकी रिमांड खत्म हो रही है। कोर्ट में ईडी उन्हें पेश करेगी। कोर्ट ने अब तक दो बार उन्हें 5-5 दिन की रिमांड ईडी को दी है।

पत्नी से झगड़े के बाद पति ने घर में लगाई आग, दो बच्चे झुलसे

जगदलपुर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। परपा थाना क्षेत्र के करंजी गांव में पति और पत्नी का आपस में विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि पति ने घर में आग लगा दी। इस दौरान दो बच्चे झुलस गए, जिन्हें घर की छत को तोड़कर बाहर निकाला गया। वहीं, दोनों बच्चों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पुलिस के मुताबिक, करंजी गांव के एक घर में आग लगने की सूचना डायल 112 पुलिस को मिली थी। इसके बाद टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने आग बुझाने की कोशिश की। घर में मौजूद दो लोगों के घायल होने की सूचना मिली। इसके बाद घर की छत तोड़कर सोहन कश्यप (18) और महादेव कश्यप (13) पुत्र सुखदेव कश्यप को बाहर निकाला गया। दोनों आग से झुलस गए थे, जिन्हें एंबुलेंस की मदद से अस्पताल भेजा गया। सुखदेव कश्यप ने बताया कि किसी बात को लेकर अपनी पत्नी से उसका झगड़ा हो रहा था। दोनों लड़ते हुए घर से बाहर निकले। जिस दौरान यह लड़ाई हो रही था, उस समय दोनों बच्चे घर में सो रहे थे। लड़ाई करते हुए आरोपी ने कपड़ा जलाकर घर में आग लगा दी, जिससे घर जलने लगा। घर में आग लगती देखकर पत्नी ने आसपास के लोगों को बुलाया।

छत्तीसगढ़ से राजा देवेंद्र प्रताप सिंह भाजपा के राज्यसभा उम्मीदवार

राज परिवार के सदस्य और संघ में हैं सक्रिय, 27 फरवरी को वोटिंग

रायपुर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। भाजपा ने छत्तीसगढ़ से राजा देवेंद्र प्रताप सिंह को राज्यसभा का उम्मीदवार बनाया है। इसके साथ ही 14 राज्यसभा सीटों के लिए भी उम्मीदवार की घोषणा कर दी है। छत्तीसगढ़ से राज्यसभा सांसद सरोज पांडेय का कार्यकाल अप्रैल में खत्म होने वाला है। राजा देवेंद्र प्रताप सिंह रायगढ़ के राज परिवार से हैं। चुनाव आयोग ने राज्यसभा चुनाव की तारीख का ऐलान कर दिया है। छत्तीसगढ़ के साथ ही 15 राज्यों के लिए चुनाव 27 फरवरी को होगा। इसके लिए सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक मतदान होगा। नामांकन की आखिरी तारीख 15 फरवरी है।

देवेंद्र प्रताप सिंह, दिलीप सिंह जूदेव और मौजूदा मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से भी पुराने संबंध रखते हैं। रायगढ़ इलाके के

राजनीतिक अभियानों में सभी ने साथ में काम किया है। पिछले लोकसभा चुनाव में देवेंद्र प्रताप सिंह को लोकसभा का टिकट दिए जाने की चर्चा थी, वह स्वयं दावेदारी भी कर रहे थे।

वहीं पिछले विधानसभा में लैलूंगा से उन्होंने टिकट मांगी मगर नहीं मिली। देवेंद्र प्रताप सक्रियता से बीजेपी के लिए काम करते रहे कोई विवादित छवि ना होने और नया चेहरा होने की वजह से भाजपा ने इन्हें राज्यसभा में उन्हें भारतीय जनता पार्टी ने उम्मीदवार बनाया है।

राज परिवार से हैं देवेंद्र प्रताप

रायगढ़ जिले के रहने वाले देवेंद्र प्रताप का ताल्लुक रायगढ़ के राज परिवार से है। जिन राजा चक्रधर की याद में चक्रधर समारोह प्रदेश में आयोजित किया जाता है ये उन्हीं के परपोते हैं। देवेंद्र प्रताप सिंह इस वक्त लैलूंगा की जिला पंचायत के सदस्य हैं।

लैलूंगा विधानसभा क्षेत्र में राजनीतिक रूप से सक्रिय हैं। पूर्व में रायगढ़ जिले के संघ चालक रह चुके हैं। रेलवे समिति के सदस्य रह चुके हैं। संगठन सूत्रों की माने तो राज्यसभा में देवेंद्र प्रताप सिंह को उम्मीदवार बनाए जाने के पीछे संघ का हाथ है क्योंकि देवेंद्र संघ के पसंदीदा रहे हैं। लैलूंगा के ग्रामीण क्षेत्रों में सक्रिय ढंग से आदिवासियों के बीच संघ के कार्यक्रमों पर काम करते रहे हैं। सन 1990 तक लैलूंगा विधानसभा की सीट कांग्रेस की परंपरागत सीट मानी जाती थी। देवेंद्र प्रताप सिंह के पिता स्वर्गीय सुरेंद्र कुमार सिंह ने बतौर विधायक दो दशक से भी अधिक समय तक लैलूंगा में कब्जा जमाए रखा, सुरेंद्र सिंह कांग्रेस का प्रतिनिधित्व करते थे। शुरुआती दिनों में देवेंद्र का झुकाव भी कांग्रेस की ओर रहा मगर बाद में वो भाजपा में शामिल हो गए थे और संघ से भी जुड़े रहे। छत्तीसगढ़ की एक राज्यसभा सीट पर 27 फरवरी को वोटिंग होगी और इसी दिन नतीजे आएंगे। चुनाव के लिए आयोग 8 फरवरी को अधिसूचना जारी करेगा। नामांकन पत्रों की जांच की तारीख 16 फरवरी है। उम्मीदवार 20 फरवरी तक नाम वापस ले सकेंगे। सरोज पांडेय छत्तीसगढ़ की पहली निर्वाचित राज्यसभा सांसद थीं। तब 49 विधायकों वाली भाजपा की प्रत्याशी सरोज पांडेय को 51 वोट मिले थे। राज्य के इतिहास में यह पहला मौका था, जब राज्यसभा के लिए मतदान किया गया। पिछली बार कांग्रेस ने लेखराम साहू को उतरा, लेकिन उनको पार्टी के ही पूरे वोट नहीं मिले थे। राज्यसभा सदस्यों के लिए चुनाव की प्रक्रिया अन्य चुनावों के काफी अलग है।

राज्यसभा के सदस्य अप्रत्यक्ष रूप से चुने जाते हैं। यानी कि राज्यसभा सदस्यों का चुनाव सीधे जनता नहीं करती, बल्कि जनता के द्वारा चुने गए प्रतिनिधि राज्यसभा सदस्यों को चुनते हैं।

प्राचीन भंवर गणेश मंदिर में फिर चोरी

काले ग्रेनाइट से बनी है गरूण भगवान की मूर्ति, पुरातात्विक महत्व के मंदिर की सुरक्षा नहीं इसलिए बार-बार चोरी

बिलासपुर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में ऐतिहासिक और पुरातात्विक महत्व वाले भंवर गणेश मंदिर में स्थापित गरुड़ भगवान की काले ग्रेनाइट की मूर्ति को एक बार फिर से चोरों ने पार कर दिया है। सोमवार की सुबह जब लोग मंदिर पहुंचे, तब दरवाजे का ताला टूटा हुआ मिला और गर्भ गृह से प्राचीन मूर्ति गायब मिली।

घटना मस्तूरी थाना क्षेत्र की है। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। लोगों का कहना है कि पुरातात्विक महत्व की इस मूर्ति की सुरक्षा पर जिला प्रशासन

का कोई ध्यान नहीं है। यहां सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं किए गए हैं। यही वजह है कि बेशकीमती मूर्ति पांचवीं बार चोरी हुई है। पिछले साल भी चोरों ने मंदिर में धावा बोलकर सेवादार को बंधक बनाकर मूर्ति लूट ली थी।

पुरातात्विक महत्व की नगरी मल्हार के पास इटवा पाली गांव है। यहां भंवर गणेश के मंदिर में 10वीं सदी की प्राचीन गरुड़ भगवान की ग्रेनाइट की मूर्ति है। मंदिर की देखरेख करने वाला सेवक महेश केंवट सोमवार की सुबह करीब 5.30 बजे मंदिर पहुंचा, तब दरवाजे का ताला टूटा मिला।

युवक ने फेसबुक पोस्ट लिखने के बाद की आत्महत्या

पड़ोसी को ठहराया जिम्मेदार

सूरजपुर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। जिले के जरही गांव निवासी एक युवक ने सोमवार की को डुमरिया बांध में कूदककर आत्महत्या कर ली। घटना से पूर्व सुबह ही युवक ने अपना फेसबुक स्टेटस डाला और उसमें उसने पड़ोसी दुकानदार एवं उसके परिवार को अपनी आत्महत्या के लिए जिम्मेदार बताया है। घटना से आक्रोशित परिजनों ने जरही चौक में शव को रखकर अंबिकापुर-बनारस मुख्यमार्ग में चक्काजाम कर दिया है। युवक के पड़ोस में स्थित दुकान हिमांशु क्लॉथ स्टोर में तीन दिन पहले आग लग गई थी। इसके बाद युवक एवं परिजनों पर आशंका व्यक्त करते हुए पड़ोसियों के द्वारा उन पर एफआईआर करने का दबाव बनाया जा रहा था, जिससे युवक काफी क्षुब्ध था। जानकारी के अनुसार, भटगांव थाना क्षेत्र के जरही गांव में अंबिकापुर मुख्यमार्ग में संचालित विक्की क्लॉथ स्टोर्स के संचालक बिट्टू गुप्ता (24) सुबह अपनी बुलेट बाइक से डुमरिया डेम पहुंचा और अपनी जैकेट व मोबाइल को बांध किनारे रखकर डेम में कूद गया।

सफाई के बहाने गहनों की चोरी

बिलासपुर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। बिलासपुर में सफाई के बहाने गहनों को गलाने वाले बिहार के गिरोह को पुलिस ने पकड़ा है। गिरोह के 2 सदस्य वॉशिंग पाउडर का प्रचार करने के बहाने महिला के घर पहुंचे थे। इसके बाद आरोपियों ने गहनों पर केमिकल डालकर उसे गला दिया।

वजन कम होने पर महिला शोर मचाने लगी, तब बाइक सवार युवक भाग निकले। जिसके बाद पुलिस ने उनकी तलाश कर उन्हें दबोच लिया। मामला सकरी थाना क्षेत्र का है। सकरी थाना प्रभारी ने बताया कि ग्राम कोड़ापुरी में रहने वाली बमलेश्वरी साहू (20) गृहिणी हैं। शनिवार की सुबह वे अपने बच्चे को लेकर मकान के सामने टहल रही थी। इसी दौरान दो युवक वॉशिंग पाउडर का प्रचार करने के बहाने उनके पास पहुंचे।

हथियार के साथ तीन अपराधी गिरफ्तार

पालकोर्ट के बांदोडीह जंगल से पुलिस ने दबोचा, बड़ी घटना को अंजाम देने की थी तैयारी, जेल भेजे गए

गुमला, 12 फरवरी (एजेंसियां)। पालकोट थाना क्षेत्र के उत्तरी पंचायत स्थित बांदोडीह जंगल से पुलिस ने 3 लोगों को हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। सभी को गुमला जेल भेज दिया। पुलिस ने जिन अपराधियों को गिरफ्तार किया है उनमें विरेंन्द्र खड़िया (23 वर्ष), संदीप कुजूर (40 वर्ष), बुधेश्वर नगेसिया (23 वर्ष) शामिल है। सभी गुमला जिला के ही रहने वाले हैं। पुलिस ने उक्त तीनों अभियुक्तों के पास से 2 देशी कट्टा,12 बोर का तीन जिंदा गोली,एक जिंदा गोली,हरा एवं काला रंग का ऑटो बरामद किया है।

शनिवार की शाम किया गया था गिरफ्तार

बसिया एसडीपीओ नाजीर अख्तर ने बताया कि 10 फरवरी की शाम करीब 7:30 बजे पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह को गुप्त सूचना प्राप्त हुआ कि पालकोट थाना क्षेत्र के अंतर्गत बांदोडीह के जंगल पर तीन व्यक्ति को हथियार से लैस होकर किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के लिए योजना बनाते हुए देखा गया है। जिसके बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एसआईटी बनाई गई। एसआईटी जब बांदोडीह पहुंचा तो देखा कि बांदोडीह गांव की तरफ से एक गाड़ी आ रही है। उसका लाइट जल रहा है। मगर पुलिस को अपनी ओर आते देख गाड़ी की लाईट को बंद कर दिया। पुलिस पदाधिकारी एवं सशस्त्र बल जंगल में पेड़ की ओट में छुप गये।

इस बीच जैसे ही बांदोडीह की तरफ से आ रही गाड़ी बांदोडीह जंगल के समीप पहुंची टीम ने गाड़ी को घेर लिया गया।

चीन की दादागिरी होगी खत्म

अमेरिका के हाथ लगा 2 अरब टन 'सफेद सोना', भारत को भी हो सकता है बड़ा फायदा

वॉशिंगटन, 12 फरवरी (एजेंसियां)। चीन के साथ चल रही तनातनी के बीच अमेरिका के हाथ अरबों डॉलर का खजाना लगा है। अमेरिका को वयोमिंग में 2.34 अरब मिट्रिक टन रेयर अर्थ खनजि मिले हैं। वश्लिेषकों का कहना है कि इस खोज के बाद अमेरिका जल्द ही चीन को रेअर अर्थ खनिजों के मामले में पीछे छोड़ सकता है। अमेरिकी रेअर अर्थ इंक ने ऐलान किया है कि यह नया भंडार चीन के 44 मिलयिन मीट्रिक टन के भंडार को पीछे कर देगा। उसने कहा कि यह भंडार इतना ज्यादा बड़ा है जितना उन्होंने अपने सपने तक में नहीं देखा था। वह भी तब जब उन्होंने अभी केवल 25 फीसदी हिस्से की ही ड्रिलिंग की है।

इस कंपनी के पास हाल्लेक क्रीक प्रॉजेक्ट में 367 जगहों पर खनन का अधिकार है। इसके अलावा वयोमिंग में 1844 एकड़ इलाके में 4 जगहों पर खनन का अधिकार है। यह 2 अरब टन रेअर अर्थ खनिज अमेरिका को इन अनमोल होते खनिजों के मामले में बादशाह बना सकता है। रेयर अर्थ खनिजों का इस्तेमाल स्मार्टफोन से लेकर हाइब्रिड कार और एयरक्राफ्ट तथा लाइट बल्ब और लैंप में इस्तेमाल किया जाता है। यह धरती पर बहुत कम देशों में मिलती हैं और वर्तमान समय में दुनिया में 95 फीसदी रेयर अर्थ मटीरियल चीन से निकलता है और इसी वजह से उसका इस पर पूरी तरह से दबदबा है। इससे हथियार भी बनाए जाते हैं।

अमेरिकी खोज से भारत को भी फायदा

इसी वजह से अक्सर चीन अपनी बात मनवाने के लिए दुनिया में रेयर अर्थ की सप्लाई को रोक देने की धमकी देता रहता है। अब अमेरिका की रेयर अर्थ कंपनी चीन के रेकॉर्ड को तोड़ने में जुट गई है। इस अमेरिकी कंपनी ने मार्च 2023 में अपनी पहली खुदाई शुरू की थी और उसका अनुमान है कि 12 लाख मीट्रिक टन रेयर अर्थ वयोमिंग में मिला है। हालांकि अभी और ज्यादा खुदाई चल रही है जिसमें काफी खोज सामने आ सकती है। अमेरिकी कंपनी ने कहा कि उसके रेयर अर्थ की खुदाई काफी ज्यादा बढ़ गई है।

कंपनी ने कहा कि अभी केवल 25 प्रतिशत प्रॉजेक्ट की ही खुदाई हो पाई है। अमेरिकी रेयर अर्थ का खजाना अकेली खोज नहीं है। रामाको कंपनी ने खुलासा किया है कि वयोमिंग में शेरिडान के पास दुर्लभ खनिज मिले हैं। इसकी कुल कीमत 37 अरब डॉलर है। कंपनी ने कहा कि हमने अभी केवल 100 से 200 फुट तक ही टेस्ट किया है। यह खोज ऐसे समय पर हुई है जब अमेरिका और चीन के बीच दुर्लभ धातुओं को लेकर तनाव चल रहा है। इस खोज से भारत को भी बड़ा फायदा हो सकता है जो इस समय रेयर अर्थ और लिथियम जैसे खनिजों के लिए अमेरिका के साथ जुगलबंदी कर रहा है। भारत लोकतांत्रिक देशों के साथ मिलकर चीन की मोनोपोली से निपटने में जुटा हुआ है।

क्या पाकिस्तान के चुनावी नतीजों में हुई धांधली?

तीन दिन बाद परिणाम जारी कर पाया ईसीपी

इस्लामाबाद, 12 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान में आठ फरवरी को हुए आम चुनाव के नतीजों में देशभर की राजनीतिक दलों को हैरत में डाल दिया। कोई भी पार्टी इन आम चुनाव में बहुमत के आंकड़ों को छू नहीं पाई। सोमवार को पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने तीन दिनों के बाद पूरे नतीजे जारी किए। जिसमें राष्ट्रीय और प्रांतीय विधानसभाओं में सभी राजनीतिक दलों की स्थिति की जानकारी दी गई। गौरतलब है कि पाकिस्तान में नतीजों की घोषणा में असामान्य देरी के कारण मत गणना में धांधली के आरोप लगे हैं। 854 राष्ट्रीय और प्रांतीय विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान हुआ। शुरूआती नतीजों के मुताबिक इन सीटों में से 348 निर्दलीय उम्मीदवार ने जीत दर्ज की। खास बात है कि सभी स्वतंत्र उम्मीदवारों को इमरान खान की पार्टी पीटीआई का समर्थन था। राजनीतिक दलों में पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज 227 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। उसके बाद पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी 160 सीटों के साथ दूसरे स्थान स्थान पर रही। मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट-पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) 45 सीटों के साथ तीसरे स्थान पर रही है। नेशनल असेंबली में निर्दलीय उम्मीदवारों ने 101 सीटें जीतीं। पूर्व पीएम नवाज शरीफ के नेतृत्व वाली पीएमएल-एन को 75 सीटें मिलीं और पीपीपी ने 54, एमक्यूएम-पी ने 17 सीटें हासिल कीं। अन्य पार्टियों में जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम ने चार सीटें। पीएमएल-कायद ने तीन और इस्तेहकाम-ए-पाकिस्तान पार्टी और बलूचिस्तान नेशनल पार्टी ने दो-दो सीटें जीतीं। गौरतलब है कि पाकिस्तान में सरकार बनाने के लिए किसी भी पार्टी को नेशनल असेंबली में 265 सीटों में से 133 सीटें जीतनी होंगी। नेशनल असेंबली की 265 सीटों पर हुए 2024 के आम चुनावों में देशभर से करीब 6,05,08,212 वोट पड़े। खैबर पख्तूनख्वा में 44 नेशनल असेंबली सीटों के लिए 87,23,226 लोगों ने वोट डाले और 81 फीसदी मतदान हुआ। इस्लामाबाद में तीन नेशनल असेंबली सीटों के लिए 5,87,170 वोट पड़े और 54.2 प्रतिशत मतदान हुआ। पंजाब में 139 नेशनल असेंबली सीटों के लिए 3,71,04,469 वोट पड़े और मतदान प्रतिशत 51.6 फीसदी रहा। वहीं बलूचिस्तान में नेशनल असेंबली की 16 सीटों के लिए 23,02,522 वोट पड़े। मतदान प्रतिशत 42.9 फीसदी रहा।

एक और निर्दलीय सदस्य ने थामा नवाज शरीफ की पार्टी का दामन

इस्लामाबाद, 12 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान में आठ फरवरी को आम चुनाव के लिए हुए मतदान के पूरे नतीजे सामने आ चुके हैं। किसी एक दल को पूर्ण बहुमत नहीं मिला है। जबकि, देश के इतिहास में पहली बार सबसे ज्यादा निर्दलीय उम्मीदवार नेशनल असेंबली के लिए चुने गए हैं। त्रिशंकु चुनाव परिणाम के बाद पीएमएल-एन और पीपीपी गठबंधन सरकार बनाने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं, चुनाव परिणाम के बाद कुछ निर्दलीय सदस्य पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पार्टी में शामिल हो रहे हैं। इसी कड़ी में सोमवार को एक और नवनिर्वाचित निर्दलीय सदस्य ने पीएमएल-एन का दामन थाम लिया है।

हिंदू मंदिर के उद्घाटन में शामिल होने वाले मेहमानों को मिलेगा अनोखा उपहार

बच्चों ने बनाया 'छोटा खजाना'

अबु धाबी, 12 फरवरी (एजेंसियां)। संयुक्त अरब अमीरात के अबु धाबी में बनने वाले पहले हिंदू मंदिर के उद्घाटन में शामिल होने वाले मेहमानों के लिए भारतीय स्कूल के बच्चे खास उपहार बना रहे हैं। दरअसल, ये बच्चे छोटे-छोटे पत्थरों पर रंग भरकर उसपर चित्रण कर रहे हैं और इन्हीं चित्रित पत्थरों को डिब्बों में भरकर मेहमानों को उपहार के तौर पर दिया जाएगा।

बच्चे तीन महीने से हर रविवार को मंदिर स्थल पर पत्थर सेवा कर रहे हैं। वे अब उपहारों को अंतिम रूप दे रहे हैं। इन चित्रित पत्थरों को 'छोटा खजाना' नाम दिया गया है। 12 वर्षीय तिथि पटेल के लिए यह मनोरंजन का एक स्रोत है, जिसे वह अपने दोस्तों के साथ मिलकर कर रही है। तिथि ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'हम बचे हुए पत्थरों को उठाते हैं और उसे साफ करते हैं। फिर इसे पॉलिश करते हैं और इस पर प्राइमर की परत चढ़ाते हैं। इसके बाद इसमें रंग डाला जाता है।' वहीं आठ वर्षीय रेवा करिया ने बताया कि वह इस रविवार को पत्थरों को उपहार के तौर पर गिफ्ट बॉक्स में भरकर रखी है। उन्होंने इन उपहार के डिब्बों को 'छोटा खजाना' नाम दिया है, क्योंकि इसे छोटे-छोटे बच्चों ने अपने हाथों से बनाया है।

उन्होंने आगे कहा, 'यह पत्थर मोहमानों को इस भव्य मंदिर की उनकी पहली यात्रा को याद दिलाएगा। मेरे लिए यह टीमवर्क का अनुभव है। मैं अपने माता-पिता के साथ यहां आती हूं और वे भी मंदिर की सेवा में अपना योगदान दे रहे हैं।' 11 वर्षीय अविनाश ठाकुर ने बताया कि पत्थरों में की गई कलाकारी और पेंटिंग प्रेम, शांति और सद्भाव को दर्शाता है। बीएपीएस हिंदू मंदिर की स्थापना अबु मुरीखाह, दुबई-अबु धाबी शेख जायद राजमार्ग पर अल रहबा के पास हुई है। यह मंदिर कुल 27 एकड़ में जमीन पर बना है।

इस मंदिर का निर्माण 2019 में शुरू हुआ था और मंदिर के लिए जमीन यूएई सरकार ने दी थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 फरवरी को आबू धाबी के बोचासनवासी श्री अक्षर पुरूषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) हिंदू मंदिर का उद्घाटन करेंगे। बता दें कि यह गल्फ देश में सबसे बड़ा बीएपीएस मंदिर है।

म्यांमार में युवाओं के लिए सैन्य सेवा अनिवार्य

रंगून, 12 फरवरी (एजेंसियां)। म्यांमार में जुंटा ने सभी युवा पुरुषों और महिलाओं के लिए सैन्य सेवा अनिवार्य कर दी है। इसके बाद से अब युवाओं को किसी भी नौकरी से पहले सैन्य सेवा करना अनिवार्य होगा। म्यांमार की सेना वर्तमान में देश के विभिन्न हिस्सों में अधिक स्वायत्तता के लिए लड़ रहे सशस्त्र विद्रोही बलों को रोकने के लिए संघर्ष कर रही है। सेना ने अपने आदेश में कहा है कि 18 से 35 वर्ष की आयु के सभी पुरुषों और 18 से 27 वर्ष की आयु की महिलाओं को दो साल तक सेवा देनी होगी, जबकि 45 वर्ष तक की आयु के डॉक्टरों जैसे विशेषज्ञों को तीन साल तक सेवा देनी होगी। राज्य मीडिया ने शनिवार को कहा कि आपातकाल की स्थिति में सेवा को कुल पांच साल तक बढ़ाया जा सकता है।

जुंटा के प्रवक्ता जॉ मिन तुन ने राज्य मीडिया को बताया, देश की सुरक्षा और रक्षा करने का कर्तव्य सिर्फ सैनिकों से परे बल्कि सभी नागरिकों तक फैला हुआ है।

कर्ज में डूबा है मालदीव

मुइज्जू का भारत विरोधी रवैया तोड़ सकता है अर्थव्यवस्था की कमर

माले, 12 फरवरी (एजेंसियां)। मालदीव और भारत के संबंधों में तनाव देखने को मिल रहा है। इस बीच खबर आ रही है कि अगर राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू इसी तरह के भारत विरोधी रुख को अपनाते हैं तो मालदीव की पहले से कमजोर अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अगर मालदीव के लिए भारत का लंबे समय से चला आ रहा सहायता कार्यक्रम कमजोर हो जाता है और चीन के कर्ज का अनुपात बढ़ता है तो यह मालदीव की अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। भारत दशकों से मालदीव के डेवलपमेंट में सबसे बड़ा भागीदार रहा है।

भारत ने मालदीव के बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए पिछले पांच वर्षों में प्रमुख परियोजनाओं की शुरुआत की है। इसकी तुलना में चीन के कर्ज में दबा मालदीव का 'ऋण संकट' अब उच्च जोखिम पर पहुंच गया है। आईएमएफ ने पिछले सप्ताह इसे लेकर चेतावनी दी थी। आईएमएफ के मुताबिक मालदीव में बाहरी और समग्र ऋण संकट का जोखिम उच्च बना हुआ है। मालदीव में ज्याजातर ऋण चीन का है। मामूली शुरुआत से बढ़ते हुए भारत मालदीव का द्विपक्षीय व्यापार 2022-23 में 128 मिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 937 मिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया।

इस कारण से बढ़ा व्यापार

पिछले दो वित्ती वर्षों 2021-22 और 2022-23 के दौरान व्यापार में उछाल आया। यह उछाल सितंबर 2020 में दोनों देशों के बीच मालवाहक जहाज की शुरुआत और फरवरी 20211 से तीन लाइन ऑफ क्रेडिट परियोजनाओं पर काम शुरू होने का प्रत्यक्ष परिणाम है। व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए मालदीव पहुंचने वाले भारतीयों के लिए फरवरी 2022 में वीजा मुक्त प्रवेश ने बढ़ती साझेदारी को और मजबूत किया। भारतीय पर्यटन ने भी मालदीव की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

मालदीव को मदद देता रहा है भारत

अगस्त 2022 में भारत ने मालदीव के लिए 250 मिलियन डॉलर से ज्यादा की वित्तीय सहायता दी। मालदीव भारत की 'पड़ोसी पहले' नीति का बड़ा लाभार्थी है। नवंबर 2022 में भारत ने 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर की अतिरिक्त वित्तीय सहायता दी। भारत इतिहास में भी मालदीव की मदद करता रहा है। 1995 में भारतीय मदद के जरिए इंदिरा गांधी मेमोरियल अस्पाताल बनाया गया।

मादलीव का पॉलीटेक्निक भी 1996 में बनाया गया। 2014 में भारत-मालदीव आतिथ्य और पर्यटन अध्ययन संकाय का निर्माण 2014 में 64.5 करोड़ रुपए की भारतीय अनुदान से बना। आर्थिक के साथ मालदीव को भारत मानवीय सहायता देता रहा है। मालदीव के कई छात्र भारत से मिली स्कॉलरशिप के जरिए पढ़ते हैं।

अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन अस्पताल में भर्ती

अब कौन संभाल रहा उनकी जिम्मेदारियां

वॉशिंगटन, 12 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड जे ऑस्टिन को ब्लैडर की समस्या होने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल में भर्ती होने के बाद उनकी जिम्मेदारियों को उप रक्षा मंत्री को सौंपा गया है। पेंटागन के प्रेस सचिव मेजर जनरल पैट राइडर ने सोमवार को इसकी जानकारी दी।

उप रक्षा सचिव संभालेंगी रक्षा सचिव की जिम्मेदारियां

ऑस्टिन को रविवार की दोपहर 2:30 बजे वॉल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर में स्थानांतरित किया गया था। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पेंटागन के प्रेस सचिव मेजर जनरल पैट राइडर ने कहा, रक्षा मंत्री लॉयड जे ऑस्टिन को उनके सुरक्षा बलों के साथ वॉल्टर रीड नेशनल मिलिट्री अस्पताल ले जाया गया है। वह अभी भी अस्पताल में ही है और अपना इलाज करा रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा, 11 फरवरी को लगभग 4:55 बजे उन्होंने कार्यालय के कार्यों को उप रक्षा मंत्री कैथलीन हिक्स को स्थानांतरित कर दिया। फिलहाल रक्षा मंत्री के कार्यालय की जिम्मेदारियां कैथलीन हिक्स संभाल रहीं है। इसकी सूचना ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष को दी गई है। पेंटागन ने बताया कि मौजूदा स्थिति के बारे में उप रक्षा मंत्री और ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ दोनों को बताया गया है। उनके अलावा सभी सांसदों को इसके बारे में सूचित किया गया है।

ऑस्टिन के स्वास्थ्य के बारे में जल्द मिलेगा अपडेट

मेजर जनरल पैट राइडर ने कहा कि ऑस्टिन के स्वास्थ्य से संबंधित अपडेट उचित समय पर बताया जाएगा। बता दें कि पिछले साल दिसंबर में ऑस्टिन को प्रोस्टेट कैंसर के लिए एक मिनिमम इनवेसिव सर्जिकल प्रक्रिया से गुजरना पड़ा था। इसके कारण उनके ब्लैडर में समस्या उत्पन्न हुई थी। एक जनवरी को उनके अस्पताल में भर्ती होने के बाद जनता को देर से इसकी सूचना देने पर लोगों ने प्रदर्शन किया। ऑस्टिन ने इसके लिए राष्ट्रपति जो बाइडन से माफी मांगी और जनता के सामने अपने कैंसर का खुलासा करने में अपनी विफलता स्वीकार की।

अविमुक्तेश्वरानंद बोले- जातिगत जनगणना ठीक नहीं

रायपुर में शंकराचार्य ने कहा–धर्म का राजनीति में हो रहा प्रयोग, गाय को मिले राज्य माता का दर्जा

रायपुर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। जगद्गुरु शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि राजनेताओं को जातिगत जनगणना कराना ही क्यों हैं? एक धर्म की राजनीति कर रहे हैं और एक को जाति की राजनीति करनी है। शंकराचार्य सोमवार को रायपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से बात कर रहे थे। छत्तीसगढ़ प्रवास पर पहुंचे शंकराचार्य ने कहा कि, प्रदेश की भाजपा सरकार गौ-माता को राज्य माता घोषित करे। उन्होंने कहा कि, सारा देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है और अमृत जैसा दूध देने वाली हमारी गौ माता को काटा जा रहा है। यह बड़ी विडंबना है। राजनीतिक लोग धर्म का प्रयोग राजनीति के लिए कर रहे हैं इस समय। इसका मतलब है, जो भारत की जनता है, उसके मन में धर्म प्रमुखता से छाया हुआ है। धार्मिक मामले दिमाग में घुसते रहते हैं, इसीलिए राजनीतिक लोग इसका फायदा उठाते हैं। उन्होंने कहा कि, जहां वैमनस्य फैले, कटुता, विद्वेष फैले, अलगाव जारी हो, इसका मतलब है वहां धर्म नहीं है। धर्म में तो सीमेंट है, जो दो ईंटों को आपस में जोड़कर के एक बनाने का काम करता है। अगर ऐसा नहीं हो रहा है तो देश में विद्वेष फेल रहा है। वह धर्म के नाम पर अधर्म है। ज्ञान व्यापी में पूजा शुरू होने पर शंकराचार्य ने कहा कि इसी तरह की जितनी भी व्यापियां हैं। जहां-जहां हमारे साथ अत्याचार हुआ है, वहां-वहां हम फिर से जाएंगे। अपनी पूजा अर्चना आरंभ करेंगे। यह हिंदुओं का अधिकार है। हम अपने पुराने स्थान को वापस लें इसमें खराबी क्या है। शंरकाचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि, गाय को राज्य माता का दर्जा देने के लिए छत्तीसगढ़ पहल करे।

इजराइली सेना ने राफा में चलाया अभियान गाजा में हमास के चंगुल से छुड़ाए दो बंधक

यरुशलम, 12 फरवरी (एजेंसियां)। इजराइली सेना ने गाजा पट्टी के राफा में ऑपरेशन शुरू कर दिया है। सेना ने सोमवार तड़के एलान किया की सात अक्तूबर के हमलों के दौरान हमास द्वारा बंधक बनाए गए दो लोगों को बचा लिया गया है।

सेना ने बयान में कहा, 'एक संयुक्त आईडीएफ (सेना), आईएसए (शिन बेट सुरक्षा एजेंसी) और राफा में इजराइल पुलिस के अभियान के दौरान रात में दो इजराइली बंधकों को बचा लिया गया। इनकी पहचान 60 वर्षीय फर्नांडो साइमन मार्मन और 70 साल के लुई हर के रूप में हुई है। इन लोगों का हमास ने किबुतज नीर यित्जाक से अपहरण कर लिया था।' बताया गया है कि दोनों बंधकों की हालत ठीक है। उन्हें शेबा तेल हाशोमर अस्पताल में चिकित्सा परीक्षण के लिए भेज दिया गया है। इजराइल और हमास के बीच पिछले साल सात अक्तूबर को युद्ध शुरू हुआ था। हमास के हमलों में करीब 1,200 इजराइली नागरिक मारे गए थे। जबकि, 250 इजराइलियों को बंधक बना लिया गया था। इनमें से अब भी 130 बंधक हैं, जिनमें से 29 लोगों के मारे जाने की आशंका है। इसके बाद इजराइल ने युद्ध का एलान किया और हमास पर पलटवार किया। इस युद्ध में 26 हजार से ज्यादा फलस्तीनी मारे जा चुके हैं। इजराइल ने गाजा में लगातार हमलों का जवाब दिया, जिसके बारे में क्षेत्र के स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि कम से कम 28,176 लोग मारे गए हैं, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं। राफा दक्षिण गाजा पट्टी का शहर है। जहां अभी गाजा के तेरह लाख लोग रह रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के मुताबिक, इस शहर में ज्यादातर वे लोग रह रहे हैं, जो गाजा के अन्य हिस्सों से निकाले गए हैं। नेतन्याहू ने पहले इस शहर को हमास के आतंकवादियों का आखिरी गढ़ बताया था।

इससे पहले, इजराइली सुरक्षा बलों ने सैकड़ों मीटर लंबे व आंशिक रूप से यूएनआरडब्ल्यूए के गाजा मुख्यालय के नीचे से गुजर रहे एक सुरंग नेटवर्क का पता लगाने का दावा किया है। सुरक्षा बलों ने आरोप लगाया कि हमास फलस्तीनियों की मदद के लिए गठित संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी का दुरुपयोग कर रहा है।

श्रीलंका में अडानी का सिक्का!

तीन हवाई अड्डों का मिल सकता है कॉन्ट्रैक्ट, भारत की बल्ले-बल्ले

कोलंबो, 12 फरवरी (एजेंसियां)। भारत के अडानी समूह को श्रीलंका में तीन हवाई अड्डों के मैनेजमेंट का कॉन्ट्रैक्ट मिल सकता है। इसके लिए अडानी समूह श्रीलंकाई अधिकारियों के साथ बातचीत कर रहा है। अडानी समूह जिन प्रमुख अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों के मैनेजमेंट का कॉन्ट्रैक्ट लेने की कोशिश कर रहा है, उनमें कोलंबो में भंडारनायके अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डा भी शामिल है। श्रीलंका के पर्यटन, भूमि, खेल और युवा मामलों के मंत्री हरिन फर्नांडो ने शुक्रवार को कहा कि दोनों पक्षों के बीच तौर-तरीकों पर चर्चा की जा रही है और इसमें मैनेजमेंट कॉन्ट्रैक्ट्स भी शामिल हो सकते हैं। प्रस्तावित किए जा रहे अन्य हवाई अड्डों में कोलंबो का रतमलाना हवाई अड्डा और हंबनटोटा का मटाला हवाई अड्डा शामिल है। मटाला को दुनिया का सबसे खाली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा भी कहा जाता है। इसे चीन से कर्ज लेकर बनाया गया था, लेकिन आज के समय यहां एक भी फ्लाइट नहीं उतरती है। श्रीलंकाई सरकार ने इसे लंबे समय तक पार्किंग की फैसिलिटी वाला हवाई अड्डा बनाने की कोशिश की थी, लेकिन उनका यह प्लान भी फेल रहा था। सिर्फ कोविड महामारी के दौरान यहां फ्लाइट्स उतरीं और लोगों को एयरपोर्ट के अलग-अलग इलाकों में क्वारंटीन किया गया था।

बिजनेसलाइन की रिपोर्ट के अनुसार, श्रीलंकाई मंत्री हरिन फर्नांडो ने बताया, हवाई अड्डों के प्रबंधन के लिए अडानी समूह के साथ काम करने की योजना है।

वे सेना की इज्जत नहीं करते

वॉशिंगटन, 12 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में कुछ ही महीनों में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में सभी उम्मीदवार जीतने के लिए अपनी-अपनी पूरी ताकत लगा रहे हैं। आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। इस बीच, पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा निक्की हेली के पति का मजाक बनाए जाने वाला मामला बढ़ता जा रहा है। अब राष्ट्रपति जो बाइडन ने ट्रंप पर हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि वे सेना की इज्जत नहीं करते हैं।

दरअसल, साउथ कैरोलाइना में एक रैली के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने निक्की हेली पर सवाल उठाया था, जिसमें उन्होंने पूछा था कि 'उनके (निक्की हेली) पति कहां हैं? उनके पति को क्या हुआ? क्या वह भाग गए हैं?' डोनाल्ड ट्रंप को शायद पता नहीं था कि निक्की हेली के पति सेना में हैं।'

इस पर बाइडन ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा, 'इस आरोप का जवाब यह है कि मेजर माइकल हेली अपने देश की सेवा कर रहे हैं, इसके लिए वो विदेश में हैं। हम जानते हैं कि वह (ट्रंप) सोचता है कि हमारे सैनिक बेकार हैं। अगर ये ऐसे बोल सकता है, तो इसका मतलब वह अपने देश की सेवा करना नहीं जानता है।'

निक्की हेली के पति मेजर माइकल हेली अमेरिकी सेना में अधिकारी हैं। फिलहाल वह 218 मैनुवर एनहेंसमेंट ब्रिज का हिस्सा हैं, जो हॉर्न ऑफ अफ्रीका को मदद देती है। माइकल हेली जून में मिशन पर गए थे।

इससे पहले निक्की हेली ने भी ट्रंप पर उनके पति के बारे में की गई टिप्पणी के लिए हमला किया था। निक्की हेली ने साउथ कैरोलाइना में ही एक जनसभा को संबोधित करते हुए ट्रंप पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था, 'डोनाल्ड, अगर आपको कुछ कहना है तो मेरी पीठ के पीछे मत कहिए। डिबेट करते हैं और मेरे मुंह पर बोलिए।'

कनिष्ठ सहायक के 3,552 पदों पर होगी भर्ती

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दिए आदेश

जयपुर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। उल्लेखनीय है कि लेखानुदान (बजट) 2024-25 में राज्य सरकार ने 70 हजार सरकारी नौकरियों पर भर्ती की घोषणा की थी, जिसकी क्रियान्विति पर राज्य सरकार ने काम भी शुरू कर दिया है। बजट में प्रत्येक संभाग में रोजगार मेलों और उच्च शिक्षण संस्थानों में कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन करने जैसी महत्वपूर्ण घोषणाएं भी की गई हैं।

कनिष्ठ सहायक के 3,552 पदों पर होगी भर्ती

साथ ही, भर्ती प्रक्रियाओं में होने वाले अकारण विलंब को समाप्त करने के लिए राजस्थान लोक सेवा आयोग एवं राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा वार्षिक भर्ती कलेण्डर जारी करने का भी फैसला लिया गया है।

'इंडिया' में अभी भी दम, कुछ नेताओं के पाला बदलने से नहीं पड़ेगा असर, ममता बनर्जी हमारे साथ- सचिन पायलट

जयपुर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस के कुछ घटक दलों के पाला बदलकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल होने के बीच कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा कि विपक्षी गठबंधन अभी मजबूत है। सचिन पायलट ने पीटीआई में दिए गए एक इंटरव्यू में कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी 'इंडिया' गठबंधन का हिस्सा हैं और उन्होंने विश्वास जताया कि उनके साथ सीट-बंटवारे को लेकर बातचीत के दौरान आगे का कोई रास्ता निकलेगा।

सचिन पायलट ने कहा कि भाजपा स्वयं को 370 सीट और राजग को 400 से अधिक सीट मिलने का दावा कर रही है, जो जमीनी स्तर पर केवल आकलन के बजाय डींग हांकने वाला बयान और है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व वाली 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' छत्तीसगढ़ से गुजर रही है। ऐसे में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की छत्तीसगढ़ इकाई के प्रभारी महासचिव ने इन बातों को खारिज कर दिया कि यह यात्रा पार्टी की चुनावी तैयारियों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही है।

पायलट ने कहा ने कहा कि यात्रा जारी है और अन्य चीजें एआईसीसी नेतृत्व और राज्य प्रभारी संभाल रहे हैं। इन सभी बैठकों और बातचीत पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे खुद नजर रख रहे हैं। इतना ही नहीं सचिन पायलट ने कहा कि

इंडिया' गठबंधन मजबूत है और ममता बनर्जी इस गठबंधन का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि हम तृणमूल कांग्रेस के साथ बातचीत कर रहे हैं। सचिन पायलट नीतीश कुमार के एनडीए में जाने से उनकी विश्वसनीयता पर भी सवाल उठता है और जब वह चुनाव लड़ेंगे तो उन्हें बिहार के लोगों को जवाब देना होगा। पायलट ने दावा किया कि 'इंडिया' और एनडीए के बीच आमने-सामने के मुकाबले में विपक्षी गठबंधन का पलड़ा भारी होगा। उन्होंने कहा कि 'इंडिया' गठबंधन मजबूत है और बहुत जल्द विभिन्न राज्यों में सीट-बंटवारे की व्यवस्था की घोषणा की जाएगी। उन्होंने दावा किया कि विपक्षी दलों का यह गठबंधन लोकसभा चुनावों में भाजपा के लिए कड़ी चुनौती पेश करेगा। पायलट ने कहा कि अंकगणितीय गणना से पता चलेगा कि 2019 के चुनावों में 'इंडिया' का मत प्रतिशत 60 प्रतिशत से अधिक और एनडीए का लगभग 35 प्रतिशत था, इसलिए सत्तारूढ़ दल केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल करके, दुष्प्रचार करके या दबाव बनाने जैसे तरीके अपनाकर यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहा है कि 'इंडिया' गठबंधन एकजुट नहीं हो।

भारत रत्न का चुनावीकरण कर कम की गई गरिमा

एनडीए को नहीं मिलेगा इसका फायदा- पूर्व सीएम अशोक गहलोत

जयपुर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भारत रत्न पुरस्कार देने को राजनीतिकरण करने का आरोप लगाते हुए लिखा है कि भारत सरकार द्वारा 5 विभूतियों को भारत रत्न दिए जाने का स्वागत करते हैं। इन विभूतियों के लिए हमारे दिल में अथाह सम्मान है एवं देश के लिए इनका योगदान अतुलनीय है।

चुनावी साल में देश की पांच विभूतियों को भारत रत्न देने के मोदी सरकार के फैसले पर राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सवाल खड़े किए हैं। साथ ही उन्होंने भारत रत्न सम्मान का चुनावीकरण और राजनीतिकरण करने का भी आरोप लगाया है।

गहलोत ने कहा कि हालांकि ऐसा लगता है कि एक वर्ष में अधिकतम 3 भारत रत्न देने के नियम को तोड़कर आनन-फानन में भारत रत्न देकर इस सम्मान का चुनावीकरण एवं राजनीतिकरण किया गया है एवं सम्मान की गरिमा कम की गयी है। मुझे नहीं लगता है कि इन निर्णयों से एन.डी.ए.को बहुत बड़ा लाभ मिल सकेगा।

अघोषित आपातकाल जैसी आशंका

यदि एनडीए सरकार सच में इनके योगदान को सम्मानित करना चाहती है तो श्री कर्पूरी ठाकुर द्वारा पिछड़ों के उत्थान के लिए किए गए प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए जातिगत जनगणना करवाए, चौधरी चरण सिंह एवं एम एस स्वामीनाथन की मांग अनुसार न्यूनतम समर्थन मूल्य का कानून बनाए एवं पीवी नरसिम्हा राव द्वारा बनाए गए प्लेस ऑफ वर्शिप एक्ट की पालना सुनिश्चित करवाए, जिसकी आजकल रोज अवहेलना की जा रही है एवं एनडीए सरकार के दौरान लालकृष्ण अडवाणी द्वारा जताई गई अघोषित आपातकाल जैसी आशंका के माहौल को सामान्य करने का प्रयास करे। अन्यथा सब यही मानेंगे कि ये सम्मान सिर्फ चुनावी लाभ के लिए हैं।

किसान आंदोलन : अराई से किशनगढ़ तक किसानों का ट्रैक्टर मार्च, आज बारां में बुलाई बैठक

अजमेर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। किसान आंदोलन को लेकर राजस्थान से भी दिल्ली कूच की तैयारियां की जा रही हैं। सोमवार को किसान महापंचायत ने अजमेर की अराई तहसील से किशनगढ़ तक ट्रैक्टर मार्च निकालने का ऐलान किया है, जिसकी तैयारियां की जा रही हैं।

लोकसभा चुनावों से पहले केंद्र सरकार के लिए किसान आंदोलन एक बार फिर से बड़ी चुनौती बनता नजर आ रहा है। आंदोलन की आंच राजस्थान तक भी पहुंच चुकी है। सोमवार को राजस्थान में किसान महापंचात ने MSP समेत अन्य मांगों को लेकर ट्रैक्टर मार्च

निकालने का ऐलान किया है। यह मार्च अजमेर की अराई तहसील से किशनगढ़ तक निकाला जाएगा।

किसान महापंचायत के प्रमुख रामपाल जाट का कहना है कि अपनी मांगों को लेकर राजस्थान का किसान भी सड़कों पर उतर चुका है और अब लगातार इसे लेकर बैठकें भी की जाएंगी। उन्होंने कहा कि सोमवार को करीब 200 ट्रैक्टर्स का मार्च किशनगढ़ तक निकाला जाएगा। इसके बाद मंगलवार को बारां में बैठक बुलाई गई है। दिल्ली कूच को लेकर महापंचायत का अभी कोई फैसला नहीं आया है।

गौरतलब है कि 16 फरवरी को किसान संगठनों की ओर से भारत बंद का आह्वान किया गया है। इसके मद्देनजर पंजाब से सटे राजस्थान के जिले श्रीगंगानगर में धारा 144 लगाई गई है। इसके चलते किसी भी सार्वजनिक स्थान पर 20 या 20 से अधिक व्यक्ति एकत्रित नहीं होंगे। किसी भी संगठन द्वारा सार्वजनिक स्थान पर सभा, जलसा-जुलूस या रोड मार्च का आयोजन करने से पहले उपखंड मजिस्ट्रेट से इजाजत लेनी होगी।

जयपुर में रहस्यमयी खांसी ने बढ़ाई चिंता

उल्टियां भी हो रहीं; रोज आ रहे 700 मरीज, डॉक्टर बोले- केस और बढ़ेंगे

जयपुर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में लोग मौसमी बीमारियों के साथ रहस्यमयी खांसी की चपेट में आने शुरू हो गए। बुखार, जुकाम, गले में खराश की चपेट में आए मरीजों को बुखार-जुकाम ठीक होने के बाद भी तेज खांसी हो रही है। ये खांसी 15 से 20 दिनों के अंतराल में मुश्किल से ठीक हो रही है। तेज खांसी के कारण मरीजों को सीने-पसलियों में दर्द शुरू हो गया है। वहीं, कुछ को खांसने के दौरान उल्टियां भी होने लगी है। ये खांसी किस वायरस के कारण हो रही है, इसकी अभी तक पहचान नहीं हुई है। जयपुर एसएमएस मेडिकल कॉलेज में जनरल मेडिसिन डिपार्टमेंट के सीनियर प्रोफेसर डॉ. पुनीत सक्सेना ने बताया कि इन दिनों ओपीडी में उनके पास जितने भी बुखार-गले में खराश की शिकायत लेकर मरीज पहुंच रहे हैं, उनमें 10 में से 3 में ऐसा देखने को मिल रहा है। उन्होंने बताया कि ऐसे मरीजों में बुखार, जुकाम तो 4-5 दिन में ठीक हो जाता है। उसके बाद सूखी खांसी चलनी शुरू हो रही है। जो दो या उससे ज्यादा हफ्तों तक ठीक नहीं हो रही।

डॉक्टर सक्सेना ने बताया- आमतौर पर सर्दी से गर्मी या गर्मी से सर्दी का सीजन आने पर मौसमी बीमारियों से ग्रसित मरीजों में ज्यादातर मामले एच3एन2 और उससे मिलते अपर रेस्पिरेटरी इंफेक्शन, एडिनोवायरस, पैरा इन्फ्लूएंजा वायरस के होते हैं। अब जो मरीज मिल रहे हैं, उनमें इस तरह के वायरस डिटेक्ट नहीं हो रहे हैं। इन मरीजों की कोविड समेत दूसरे कॉमन वायरस की जांच रिपोर्ट नेगेटिव आ रही है। उन्होंने बताया कि आमतौर पर इन कॉमन वायरस के केस में मरीज को एक से डेढ़ हफ्ते का समय ठीक होने में लगता है। अब जो केस आ रहे हैं, उसमें खांसी इतनी जबरदस्त है कि मरीजों की पसलियां और छाती में दर्द शुरू होने के साथ खांसते-खांसते उल्टियां आने लगती है।

आगे और बढ़ सकते हैं केस

डॉ. सक्सेना ने बताया कि जैसे-जैसे अब दिन गर्म होने लगेंगे। वैसे-वैसे खांसी, बुखार के मरीजों की संख्या में इजाफा होगा। इस बीच ऐसे खांसी वाले मरीजों की संख्या में और बढ़ोतरी हो सकती है। उन्होंने बताया कि अभी इन मरीजों को एडमिट करने की जरूरत नहीं पड़ रही, क्योंकि उनके लंग्स में भी ज्यादा बड़ा कोई इंफेक्शन डिटेक्ट नहीं हो रहा है।

1 करोड़ 27 लाख का दूध पाउडर बरामद

भीलवाड़ा, 12 फरवरी (एजेंसियां)। मुंबई से 1.27 करोड़ रुपए का मिल्क पाउडर लेकर दिल्ली जा रहा ट्रक राजस्थान में अचानक गायब हो गया। 7 दिन पहले ट्रक लावारिस मिला लेकिन उसमें मिल्क पाउडर नहीं था। सोमवार को पुलिस ने मिल्क पाउडर बरामद कर लिया है। मामला भीलवाड़ा के मांडल थाना इलाके का है।

थाना प्रभारी दातार सिंह ने बताया- सोमवार को दूध पाउडर सादी और मनोहरपुर ग्राम के बीच जंगल में मिला। पुलिस ने जंगल से दूध पाउडर के पैकेट बरामद कर लिए। इसमें से कुछ कट्टे गायब हैं। पुलिस फरार ट्रक चालक का पता लगा रही है। पुलिस इस जांच में भी लगी है कि इस वारदात में कौन-कौन लोग शामिल थे।

मुंबई के पनवेल से 31 जनवरी को 15 टन मिल्क पाउडर लेकर ड्राइवर सागर पांडे दिल्ली के लिए निकला था। ट्रक का जीपीएस रुकने और ड्राइवर का फोन बंद आने पर मुंबई की बेस्ट ट्रांसपोर्ट कंपनी के मैनेजर सुनील ने 6 फरवरी को भीलवाड़ा की मांडल थाना पुलिस को शिकायत दी।

शिकायत में बताया कि ट्रक में लगे जीपीएस सिस्टम के अनुसार ट्रक मंगलवाड चौराहे तक पहुंचा उसके बाद ड्राइवर फोन नहीं उठा रहा। जीपीएस सिस्टम ने ट्रक को मांडल थाना क्षेत्र के धुलखेड़ा पुलिया के पास बता रहा है।

मांडल पुलिस ने जांच की तो धुलखेड़ा पुलिया के पास ट्रक लावारिस मिला। लेकिन दूध पाउडर और ड्राइवर गायब थे। पुलिस ट्रक जब्त कर ले आई। पाउडर और ड्राइवर की तलाश थी।

पुलिस ने एक आरोपी भैरु को हिरासत में लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। सामने आया है कि ड्राइवर ने दो-तीन साथियों की मदद से चित्तौड़ क्षेत्र में ट्रक का जीपीएस खोल दिया और माल इसी क्षेत्र में उतार कर खाली ट्रक धूलखेड़ा के पास ले जाकर खड़ा कर दिया।

सीएमओ में 11 अधिकारियों में बांटे विभाग

संदेश नायक ईआरसीपी सहित अन्य महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट सिद्धार्थ सिहाग फाइनेंस और होम की करेंगे मॉनिटरिंग

जयपुर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। सरकार बनने के बाद से अभी तक प्रदेश में प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों के फेरबदल का सिलसिला ही चल रहा था। इसे अब लगभग पूरा कर लिया गया हैं। पीएमओ की तर्ज पर सीएमओ में भी अधिकारियों की फौज तैनात की गई है। इन अधिकारियों को काम का आवंटन भी कर दिया गया है। आईएएस संदेश नायक पीएचईडी, जल संसाधन, आईजीएनपी, खान एवं पैट्रोलियम के साथ-साथ ईआरसीपी सहित अन्य महत्वपूर्ण विभागों की मॉनिटरिंग करेंगे।

वहीं, आईएएस सिद्धार्थ सिहाग को फाइनेंस, टैक्सेशन, एक्साइज, उद्योग, एमएसएमई, खादी, बीआईपी, रीको सहित होम व पुलिस विभाग की मॉनिटरिंग का जिम्मा दिया गया है। इसके साथ ही सीएमओ में तैनात आईएफएस टीजे कविथा को वन एवं पर्यावरण, स्टेट पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड, परिवहन, सिविल एविएशन सहित पर्यटन एवं कला संस्कृति विभाग से समन्वय

और मॉनिटरिंग का जिम्मा सौंपा गया हैं।

सीएमओ में इस समय 11 आरएएस अधिकारी तैनात हैं। इसमें से 9 अधिकारियों को अलग-अलग विभागों की मॉनिटरिंग और उनके साथ समन्वय की जिम्मेदारी दी गई हैं। सीएमओ में संयुक्त सचिव जसवंत सिंह को कृषि, कृषि विपणन, हॉर्टिकल्चर, पशुपालन, गोपालन सहित सीएमओ में सामान्य प्रशासन की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं, संयुक्त सचिव के पद पर ही तैनात आरएएस विवेक कुमार को ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज, प्रशासनिक सुधार, लेबर, आईटी और अंजू राजपाल को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, आयुर्वेद, परिवार कल्याण सहित महिला एवं बाल विकास विभाग से समन्वय स्थापित करने और मॉनिटरिंग करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इसके अलावा सीएमओ में तैनात आरएएस ओपी बुनकर को यूडीएच, एलएसजी, संसदीय कार्य, विधानसभा, डिजास्टर मैनेजमेंट, आरएएस जयप्रकाश नारायण को रेवेन्यू, सैनिक कल्याण, देवस्थान और शिक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं, आरएएस हमेन्द्र नागर को आर्थिक एवं सांख्यिकी, वीआईपी रेफरेंस, अल्पसंख्यक और वक्फ की जिम्मेदारी दी गई है। इसके साथ ही सीएमओ में उप सचिव के पद पर तैनात मनोज कुमार को रेडरसल ऑफ पब्लिक ग्रिवेंसेस की जिम्मेदारी सौंपी गई हैं।

सीएमओ में इस समय 16 अधिकारी तैनात है। इनमें 4 आईएएस, 11 आरएएस और 1 आईएफएस अधिकारी शामिल हैं। इनमें पहली बार एसीएस स्तर के अधिकारी को सीएमओ में लगाया गया हैं।

रेप के 8 आरोपी समेत 22 लड़के सुधार गृह से भागे

जयपुर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। जयपुर के बाल सुधार गृह से सोमवार की सुबह 22 नाबालिग खिड़की तोड़कर फरार हो गए। इनमें 8 लड़कों पर रेप और 13 लड़कों पर हत्या के प्रयास का केस चल रहा हैं। जबकि एक पर हत्या का मुकदमा दर्ज है। गार्ड से जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और नाबालिगों की तलाश शुरू की गई। घटना सेठी कॉलोनी स्थित बाल सुधार गृह की है। ट्रांसपोर्ट नगर थाना पुलिस ने बताया- सुबह 4 से 5 बजे के बीच बाल अपचारी जाली काटकर भाग निकले। इसकी जानकारी गार्ड ने पुलिस कंट्रोल रूम को दी। जानकारी के बाद थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल देखा। नाबालिग बच्चों का रिकॉर्ड पुलिस ने बाल सुधार गृह से ले लिया है।

साथ ही नाबालिग के घरों के पास वाले थाने को भी सूचना दी गई है। पुलिस को बाल सुधार गृह की ओर से अभी तक कोई शिकायत नहीं मिली है। पुलिस के अनुसार, ऐसा पहली बार हुआ है जब इतनी बड़ी संख्या में नाबालिग बाल सुधार गृह से एक साथ फरार हुए हो। सभी बाल अपचारी करीब 2 साल से बाल सुधार गृह में रह रहे थे।

पुलिस ने बताया- अब तक की जांच में सामने आया है कि किसी बाहरी व्यक्ति ने नाबालिगों को भगाने की प्लानिंग की है। पहले नाबालिगों ने गैस कटर से खिड़की के एंगल को काटा। फिर जाली काटने के बाद सुबह पागल खाने के रास्ते होते हुए फरार हो गए। सिक्योरिटी गार्ड ने एक बाल अपचारी को भागने के दौरान पकड़ लिया था।

4 जिलों में बारिश का अलर्ट : माउंट आबू में पेड़-पौधों पर ओस की बूंदें जमीं; चार दिन बाद प्रदेश का बदलेगा मौसम

जयपुर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में आज हल्के प्रभाव का वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव हुआ है। इसके असर से जैसलमेर, बीकानेर, श्रीगंगानगर और चूरू के आसपास बादल छाए हुए हैं। इन जिलों में आज बारिश होने की संभावना है। श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ में आज सुबह घना कोहरा रहा। सूरज चढ़ने के साथ आसमान साफ होने लगा। माउंट आबू में आज तापमान जमाव बिंदु पर दर्ज हुआ। ओस की बूंदें बर्फ में बदल गईं।

मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि राज्य में अगले कुछ दिनों तक कोई वेदर एक्टिविटी नहीं होगी। आसमान साफ रहेगा और सुबह-शाम सर्दी बरकरार रहेगी।

जयपुर मौसम केंद्र से जारी फोरकास्ट के मुताबिक, राज्य में अगले तीन-चार दिन मौसम साफ रहेगा। जयपुर, अजमेर, जोधपुर, उदयपुर और कोटा में आसमान साफ रहेगा और तेज धूप निकलेगी। इन शहरों में अब धीरे-धीरे दिन का तापमान बढ़ने लगेगा और सर्दी कम होने लगेगी। सुबह-शाम मिनिमम टेम्प्रेचर 14 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहेगा और सर्दी रहेगी। 16-17 फरवरी से प्रदेश के मौसम में बदलाव होने की संभावना है।

राजधानी जयपुर में आज आसमान साफ रहा। न्यूनतम तापमान 10.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। यहां सुबह हल्की सर्द हवा चली। उदयपुर, कोटा, श्रीगंगानगर और चूरू में आज न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज हुआ। बीकानेर और जैसलमेर में आज बादलों के कारण तापमान में मामूली बढ़ोतरी हुई। जैसलमेर में न्यूनतम तापमान 2 डिग्री बढ़कर 12.6, जबकि बीकानेर में 12.2 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। श्रीगंगानगर में न्यूनतम तापमान 8.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

हिल स्टेशन माउंट आबू में आज पांचवें दिन भी तापमान जमाव बिंदु पर दर्ज हुआ। यहां सुबह पेड़-पौधों के पत्तों और फूलों पर ओस की बूंदें जम गईं।

रेप पीड़िता टंकी पर चढ़ी, पति बोला- धमकियां मिल रही

आरोप- कहते हैं, 50 हजार ले और भाग जा; जांच अधिकारी बदला तब 4 घंटे बाद उतरी

दौसा, 12 फरवरी (एजेंसियां)। रेप पीड़िता आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर टंकी पर चढ़ गई। पुलिस प्रशासन को इसकी सूचना लगी तो उनके हाथ-पांव फूल गए। मौके पर पहुंचकर सुरक्षा की दृष्टि से नीचे जाल लगाया और 4 घंटे चली समझाइश के बाद रेप पीड़िता टंकी से उतारा गया। जैसे ही आसपास इस मामले की जानकारी लगी तो ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। इधर, पति ने कहा कि रोजाना आरोपी आकर उसे धमकाते हैं और कहते हैं हमारा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता, तू रुपए ले और यहां से भाग जा। मामला सोमवार सुबह 7 बजे दौसा के खान भांकरी रोड का है।

एएसपी कालूराम मीणा ने बताया कि साढ़े 7 बजे हमें सूचना मिली कि रेप पीड़िता टंकी पर चढ़ गई है। ऐसे में सदर थाना इंचार्ज गौरव प्रधान, तहसीलदार राजेंद्र प्रसाद मीणा, जलदाय विभाग जेईएन देशराज बैरवा और सिविल डिफेंस की टीम के साथ पहुंचे थे। यहां सुरक्षा की दृष्टि से जाल बिछाया गया था। रेप पीड़िता की मांग थी कि रेप के आरोपी की 1 माह बाद भी गिरफ्तारी नहीं की गई है। उसे गिरफ्तार किया जाए और निष्पक्ष जांच की जाए। रेप पीड़िता और उसके पति से समझाइश कर सिकंदरा थाने दर्ज दुष्कर्म के मामले की जांच एएसपी महिला सेल शंकर लाल मीणा को सौंपी गई है। इसके आश्वासन के बाद पीड़िता को 11 बजे टंकी से नीचे उतार लिया गया।

रेप पीड़िता के पति ने बताया रोजाना राधेश्याम अपने साथियों के साथ मेरी चाय की टपरी पर आकर धमकाता है कि 2-3 लाख दे दिए तो मेरा वो (पुलिस) मेरा कुछ नहीं बिगाड़ पाएगी। यहां से भाग जा और 40-50 हजार रुपए ले जा। पीड़िता के पति ने कहा- मेरे गांव में आकर मेरे बारे में पता कर लो मैंने कभी बदमाशी नहीं की। मेरे परिवार के साथ ऐसा हो गया। न्याय चाहते हैं हम इसके अलावा हमें कुछ नहीं चाहिए। हमारी सुनवाई नहीं हो रही है। शिकायत जयपुर में दी, दौसा में दी, सिकंदरा में दी और बांदीकुई में भी देकर आए। लेकिन 1 माह बीत गया कोई सुनवाई नहीं हुई।

रहमत नगर में अधूरे काम पूरे किये जायेंगे : रोनाल्ड रोज

आयुक्त ने अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया

हैदराबाद, 12 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर रोनाल्ड रोज़ ने अधिकारियों को रहमत नगर में जीएचएमसी के तत्वावधान में किए गए विभिन्न विकास कार्यों को पूरा करने का निर्देश दिया है। सोमवार सुबह कमिश्नर ने मंडलायुक्त और अधिकारियों के साथ विभिन्न कार्यों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर आयुक्त रोनाल्ड रोज़ ने रहमत नगर जंक्शन, कर्मिका नगर नाला कार्य, वाईपीआर हिल्स में दलित अध्ययन केंद्र, सुन्नम चेरुवु और 100 फीट सड़क कार्यों के विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस मौके पर कमिश्नर ने कहा कि जंक्शन के विकास के लिए 4.50 करोड़ रुपये स्वीकृत करने के साथ ही उक्त योजना भी स्वीकृत हो जाने के कारण उन्होंने अधिकारियों को टाउन प्लानिंग व पुलिस विभाग से सलाह लेने का आदेश दिया। उनके सुझाव के अनुरूप कार्य करें। कर्मक नगर में एनएमएसएमई में नाला को अपने फंड से काम शुरू करने की सलाह दी गई। जोनल कमिश्नर को चूना तालाब में कचरा डंपिंग रोकने के लिए फेंसिंग की व्यवस्था करने का आदेश दिया गया. नगरसेवक सीएस रेड्डी ने आयुक्त से वाईपीआर हिल्स दलित केंद्र भवन का उद्घाटन करने के लिए कहा क्योंकि निर्माण पूरा हो गया था और उपायुक्त को आर एंड बी अधिकारियों से बात करने और उचित कदम उठाने का निर्देश दिया गया था। कमिश्नर के साथ जोनल कमिश्नर स्नेहा सबरीश, पार्षद सीएन रेड्डी, ईई नागराजू और अन्य मौजूद थे।

सीएम ने पुलिस भर्ती पर हाई पावर कमेटी के साथ बैठक की

हैदराबाद , 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने आज (सोमवार) अपने जुबली हिल्स आवास पर पुलिस विभाग में भर्ती पर हाई पावर कमेटी के साथ बैठक की। मुख्यमंत्री और आला अधिकारियों ने पुलिस भर्ती में जीओ नंबर 46 को रद्द करने के विकल्प पर चर्चा की। मंत्री डी श्रीधर बाबू, महाधिवक्ता सुदर्शन रेड्डी, अतिरिक्त महाधिवक्ता रंजिनीकांत रेड्डी, मुख्य सचिव शांति कुमारी, प्रमुख सचिव शेषाद्री, खुफिया प्रमुख शिवधर रेड्डी, टीएसएलपीआरबी के अध्यक्ष श्रीनिवास राव, विधायक-जयवीर रेड्डी, माकन सिंह टैगोर और एमएलसी वेंकट मौजूद हैं। सीएम ने कुछ नौकरियों के भर्ती पत्र जल्द जारी होने के मद्देनजर उठाए जा रहे उपायों पर भी चर्चा की। सीएम रेवंत ने भर्ती प्रक्रिया पर महाधिवक्ता से सलाह और सुझाव मांगे।

श्री आई माताजी मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा वर्षगांठ एवं माही बीज महोत्सव

हैदराबाद, 12 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी श्री आई माता मंदिर (बडेर) का द्वितीय प्राण प्रतिष्ठा वर्षगांठ एवं माही बीज महोत्सव सीरवी समाज बंधुओं के सानिध्य में मनाया गया।

प्रेम प्रजापति द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष रूगाराम परिहारिया, सचिव घीसाराम काग ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा का द्वितीय वर्षगांठ पर दो दिवसीय का कार्यक्रम आयोजन किया गया। जिसमे 9 फरवरी को एक शाम माताजी के नाम का भव्य विशाल जागरण का आयोजन किया गया। रविवार प्रातः वेला में लाभार्थी परिवार द्वारा पटद्वार का पूजन कर पटद्वार खोला गया और माताजी का भव्य रुप से श्रृंगार किया गया। श्री आई माताजी के ध्वजा, श्री सोनाणा खेतलाजी की ध्वजा, श्री राधाकृष्णाजी की ध्वजा, शीतला माताजी की ध्वजा व ज्योत लाभार्थी परिवार द्वारा आईमाताजी मंदिर में लाई गई। कार्यक्रम के सफल आयोजन मे अध्यक्ष रूगाराम परिहारिया, घीसाराम काग, केसाराम परिहार, मोहन लाल चोयल, लिखमाराम सानपुरा, मल्लाराम बर्फा, जयमल परिहारिया, अमराराम राठौर, मोहनलाल सेंणचा, कुन्नाराम परिहार, हंसाराम काग, चेन्नाराम काग, भूराराम हम्बाड, ओमप्रकाश हम्बाड, मोतीलाल सोलंकी, चंदाराम परिहारिया एवं अन्य उपस्थित रहे।

लोगों की शिकायतों के समाधान को प्राथतिकता दें : पटनायक

वारंगल , 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हनुमाकोंडा जिला कलेक्टर सिक्ता पटनायक ने सार्वजनिक संबोधन कार्यक्रम के दौरान लोगों से प्राप्त शिकायतों के समाधान के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को कदम उठाने के निर्देश दिए। सार्वजनिक संबोधन कार्यक्रम में कलेक्टर सिक्ता पटनायक और अपर कलेक्टर राधिका गुप्ता ने जिले के विभिन्न हिस्सों से आये लोगों से शिकायतें प्राप्त कीं। पटनायक ने सुझाव दिया कि संबंधित विभागों के अधिकारियों को लोगों से प्राप्त शिकायतों के समाधान के लिए तत्काल कदम उठाने चाहिए। विभिन्न मुद्दों पर जनता से 89 याचिकाएँ प्राप्त हुईं। इस कार्यक्रम में डी.आर.ओ. वाई वी गणेश, डीआरडीओ श्रीनिवास कुमार एवं जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया।

भावसार विजन इंडिया हैदराबाद क्षेत्र 104 की साधारण सभा तथा शपथ ग्रहण समारोह काचीगुडा में संपन्न हुआ। इसमें राष्ट्रीय मंत्री मनीष सुत्रावे, तेलंगाना अध्यक्ष उमेश जैतने, बीवीआई गवर्नर विनोद फुटाने, उप राज्यपाल बाबू राव गडाले, मोहनराव देवथराज, राज्यपाल मंत्राणी ज्योति चुटके उपस्थिति रही। समारोह में निर्देशक मंडल के पदाधिकारियों ने शपथ ग्रहण किया।

अवध चेतना मंच सोसाइटी की बैठक में नवप्रवेशी सदस्यों को प्राथमिक सदस्यता प्रदान की गई और आगामी होली मिलन कार्यक्रम की रूपरेखा बनाई गई। बैठक में जगदीश प्रसाद तिवारी, अमित शर्मा, महेश तिवारी, दया शंकर तिवारी, एसएम पाण्डेय, एमआर तिवारी, धर्मेंद्र शुक्ला, ओएन त्रिपाठी, केएन मिश्रा, प्रदीप त्रिपाठी, जय प्रकाश शुक्ला, राम सुंदर तिवारी, मुकेश तिवारी, अवनीश तिवारी, अजय कुमार पाण्डेय एवं अन्य सदस्यों ने हिस्सा लिया।

मदनूर में मनाई गई भगवान मार्कंडेश्वर जयंती

मदनूर, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। स्थानिक मार्कंडेश्वर मंदिर में मार्कंडेश्वर जयंती के अवसर पर सुबह भगवान के प्रतिमा को मंत्र उपचार के साथ पंचामृत से महाअभिषेक किया गया। मंदिर में संगायप्पा महाराज कंठालिकर के नेतृत्व में भजन कीर्तन का आयोजन किया गया। महिला मंडल ने झूला डालकर भगवान का जन्म दिन मनाया।

किसान तुवर खरीद केंद्र का लाभ उठाएं : एमपीपी

आसिफाबाद, 12 फ़रवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एमपीपी अरिगेला मल्लिकार्जुन ने कहा कि किसानों को सरकार द्वारा बनाए गए तुवर क्रय केंद्रों का लाभ उठाना चाहिए। सोमवार को उन्होंने मंडल के रौतासंकेपेल्ली गांव में तुवर क्रय केंद्र का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि किसानों को धोखा नहीं देना चाहिए बिचौलियों को तुवर बेचने पर वे जमाखोरी करते हैं। इस कार्यक्रम में अग्रमा की पूर्व सरपंच विमला, आईकेपी के अधिकारी श्रीनिवास, सुरेंद्र समेत अन्य मौजूद थे।

अलियाबाद स्थित सीरवी शिक्षा समिति प्लॉट पर सीरवी समाज पारसीगुटा, सीरवी शिक्षा समिति व महिला मंडल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित माघ सुदी बीज महोत्सव के पावन अवसर पर क्रिकेट ग्राउंड का शुभारम्भ, भामाशाहों का सम्मान समारोह, भोजन-प्रसादी व श्री आईमाता बडेर पारसीगुटा में जागरण कार्यक्रम में भजन प्रस्तुत करते हुए नैनाराम परिहार। अवसर पर उपस्थित अध्यक्ष जे.सी.चोलाराम हाम्बड़, सचिव किशनसिंह राठौड़, शिक्षा समिति अध्यक्ष परसराम बर्फा, सचिव सजनराज सोलंकी, महिला मंडल अध्यक्षा सीतादेवी सोलंकी, निर्मला देवड़, तेजाराम सोलंकी, अगराराम चोयल, जसवन्त देवड़ा, पूर्व अध्यक्ष भूराराम चोयल, जसराज सोलंकी, ओंकारलाल हाम्बड़, भंवरलाल मुलैवा, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

रंगनाथ स्वामी मंदिर में ब्रम्होत्सव का आयोजन

हैदराबाद,12 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। नानकरामगुडा के रंगबाग में स्थित 370 साल पुराने श्री रंगनाथ स्वामी मंदिर में 16 से 23 फरवरी के बिच ब्रम्होत्सव का आयोजन किया गया है। मंदिर द्वारा जारी विज्ञप्ती में बताया गया की 8 दिन चलने वाले इस उत्सव के 5 वें और 7 वें दिन कल्याणोत्सव और रथोत्सव होगा। 35 फीट उंचे पाच मंजिला रथ को भक्तों द्वारा लगभग आधा किलोमीटर तक खींचा जाता है और बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक के रूप में रावण दहन किया जाता है।

8 दिन चलने वाले इस उत्सव में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। जिसमें 16 तारीख को अंकुरपाना, 17 को ध्वजारोहन, भेहरी पूजा और देवता आव्हान किया जाएगा। 18 फरवरी को लक्ष्मी देवी को अभिषेक किया जाएगा। 20 को रंगनाथ स्वामी का अभिषेक कल्याणोत्सव और उंजलोत्सव, 21 फरवरी को कुंकुमार्चन, 22 फरवरी को अभिषेक और रथोत्सव होगा। 23 फरवरी के अंतिम दिन पुर्नाहुती, चक्रतिर्थम्, वसंतोत्सव, देवदासा आराधना, देवता विसर्जन, ध्वज अवरोहन, भेरी पूजा, मुका बली, सप्तवर्ण पूजा इस कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। इन कार्यक्रमों में बडी संख्या में भक्तगण सहभागी हो ऐसा आवाहन अध्यक्ष शरद पित्ती और कार्यकारी अधिकारी के अंजैया ने किया है।

दूसरों के लिए उदाहरण बनें युवा : जिला एसपी

निर्मल, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला एसपी डॉ. जी. जानकी शर्मिला ने सुझाव दिया कि खासकर युवाओं को अन्य वाहन चालकों के लिए रोल मॉडल बनना चाहिए। सामुदायिक पुलिसिंग के तहत सोमवार को जिला पुलिस कार्यालय में सुदूरवर्ती इलाकों के 27 आदिवासी युवाओं को पुलिस विभाग द्वारा ड्राइविंग लाइसेंस दिया गया।

इस अवसर पर वाहन चालकों को लाइसेंस की आवश्यकता को स्पष्ट रूप से समझाया गया। उन्होंने कहा कि बिना लाइसेंस के वाहन चलाने पर बीमा कंपनियों की ओर से कोई मुआवजा नहीं दिया जाएगा और वाहन मालिक को प्रभावित परिवारों को मुआवजा स्वयं ही देना होगा। उन्होंने यह इच्छा भी व्यक्त की कि जब पुलिस निरीक्षण कर रही हो तो उन्हें जुर्माना देकर आर्थिक नुकसान नहीं उठाना पड़ेगा।

इस कार्यक्रम में निर्मल डीएसपी गंगारेड्डी, ग्रामीण सीआई श्रीनिवास और पुलिस कर्मियों ने भाग लिया।

सार्वजनिक जनसमस्याओं में 45 आवेदन

निर्मल, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला प्रशासक आशीष सांगवान ने अतिरिक्त कलेक्टर फैजान अहमद और किशोर कुमार के साथ सोमवार को सार्वजनिक संबोधन समारोह में आवेदकों से आवेदन प्राप्त किए। इस अवसर पर विभिन्न मंडलों से आवेदकों के 45 आवेदन प्राप्त हुए तथा संबंधित अधिकारियों को आवेदकों की समस्याओं का शीघ्र समाधान करने का आदेश दिया गया।

जिला कलक्टर ने अधिकारियों से कहा कि जनता से प्राप्त आवेदनों का समय-समय पर निस्तारण किया जाए तथा लंबित नहीं रखा जाए। विशेष स्वच्छता कार्यक्रम दैनिक समय सारिणी के अनुसार संचालित किया जाए तथा मिशन भागीरथ जलापूर्ति सुचारू रखी जाए। यदि आपूर्ति में कोई समस्या हो तो समय-समय पर उसका समाधान कर जलापूर्ति करें। जनसंबोधन में विभिन्न विभागों के जिला पदाधिकारी एवं अन्य लोग शामिल हुए।

नौकरियों के लिए आयु सीमा 2 साल बढ़ी

हैदराबाद,12 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता): राज्य सरकार ने आगामी नौकरी भर्तियों के लिए ऊपरी आयु सीमा दो साल बढ़ाकर 44 वर्ष से 46 वर्ष कर दी है। सोमवार को आदेश जारी कर दिए गए हैं। जिसमें कहा गया है कि सरकार ने दो साल की अवधि के लिए समान सेवाओं के अलावा अन्य सेवाओं के लिए अधिकतम आयु सीमा 44 वर्ष से बढ़ाकर 46 वर्ष करने का निर्णय लिया है।

बेगमपेट टूरिज्म प्लाजा में आयोजित कार्यक्रम में न्यायमूर्ति ईवी वेणु गोपाल के हाथों मोमिदी रामकृष्ण को विश्व गुरू उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

एनएमडीसी मे हिंदी प्रतियोगिता का आयोजन

हैदराबाद, 12 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। एनएमडीसी मुख्यालय, हैदराबाद में राजभाषा हिंदी के प्रचार एवं प्रसार के लिए मासिक हिंदी प्रतियोगिता योजना के अंतर्गत आज "सरल वाक्य लेखन प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में कार्मिकों ने भाग लिया।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित एके पाढी, अधिशासी निदेशक , उप महाप्रबंधक रुद्रनाथ मिश्र के हाथों पिछले माह के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। संचालन डॉ. रजिंदर कौर ने किया। आयोजन में राजेश कुमार गोंड, देवाशीष घोष का विशेष योगदान रहा।

'प्रजावाणी' से समस्याओं के समाधान का प्रयास : जिला कलेक्टर

आसिफाबाद, फ़रवरी 12 (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर बोरकड़े हेमन्त सहदेव राव ने कहा कि प्रजावाणी कार्यक्रम में लोगों की समस्याओं का समाधान करने का प्रयास किया जा रहा है।

सोमवार को जिला केन्द्र स्थित कलक्ट्रेट भवन सभाकक्ष में अतिरिक्त जिला कलेक्टर दीपक तिवारी सहित आवेदकों से आवेदन प्राप्त किये गये। आसिफाबाद मंडल के लोगों ने अलग-अलग आवेदन देकर अपनी अपनी मांगे रखी।

इस अवसर पर जिला कलक्टर ने कहा कि प्रजावाणी कार्यक्रम के लिए प्राप्त प्रत्येक आवेदन की गहनता से जांच की जायेगी तथा संबंधित विभाग के अधिकारियों से समन्वय कर समाधान हेतु कदम उठाये जायेंगे। इस कार्यक्रम में संबंधित विभागों के अधिकारी व अन्य लोग शामिल हुए।

लक्ष्य फाउंडेशन द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण

हैदराबाद, 12 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। लक्ष्य फाउंडेशन के संस्थापक सुनील कुमार द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मंडल परिषद प्राइमरी, इंदिरा नगर, लिंगमपल्ली, सेरिलिंगमपल्ली मंडल में इंग्लिश, तेलुगु सुलेख, कला, सामाजिक ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जिसके विजेताओं को पुरस्कार वितरण किया गया। केवी चारी ने कहा कि प्रतियोगिता से प्रतिभा में निखार आता है। कार्यक्रम के सअयोजन में प्रधानाध्यापक एम. पी. मलिकार्जुन एवम अध्यापिका एस सपना कायोगदान रहा।

कोरेमुला स्थित श्री आईमाता मंदिर में माही बीज महोत्सव अवसर पर पुजा-अर्चना, भजनों, महाप्रसादी व शीतला माता मंदिर के नीव की मुहूर्त में लाभार्थी परिवार संरक्षक प्रभुराम परिहारिया, व सम्मानित अतिथि बद्री रेड्डी का सम्मानकर उपस्थित अध्यक्ष कालुराम काग, उपाध्यक्ष-2 राजाराम पंवार, सहसचिव राजाराम गेहलोत, ओगड़राम सैंणचा व समाज बन्धु।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

नीतीश सरकार ...

एनडीए के फ्लोर टेस्ट पर बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा, कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न मिला, बहुत खुशी की बात है। कर्पूरी ठाकुर और मेरे पिता (लालू यादव) के साथ आप (नीतीश कुमार) काम कर चुके हैं। आपको तो ये पता था कि जब कर्पूरी ठाकुर ने आरक्षण बढ़ा दिया तो जनसंघ वालों ने ही कर्पूरी ठाकुर को मुख्यमंत्री पद से हटाया। आप कर्पूरी ठाकुर का नाम लेते हैं, फिर भी आप कहां बैठ गए, वही भाजपा और जनसंघ वाले कहते थे कि आरक्षण कहां से आएगा?

कट्टर हिंदू हूं,...

उद्धव ने कहा, पहले नियम थे कि भारत रत्न कब, किसे और कितने दिए जा सकते हैं। अब पीएम नरेंद्र मोदी के मन में जो आ रहा है, उसे भारत रत्न दे रहे हैं। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि जिसे भी भारत रत्न दिया गया है, वह गलत है। मुझे खुशी है कि इतने सालों बाद कर्पूरी ठाकुर को पहचान मिल रही है।

एक हफ्ते पहले उद्धव बोले, मोदी ने हमें खुद से दूर किया :

इससे एक हफ्ते पहले 4 फरवरी को उद्धव ठाकरे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना दोस्त बताया था। उद्धव ने कहा, हम कभी मोदी जी के दुश्मन नहीं थे, हम हमेशा उनके साथ थे, आज भी शिवसेना उनके साथ है। हम उनके दूर नहीं हुए। उन्होंने हमें खुद से दूर कर दिया।

उद्धव ने कहा, पीएम लगातार महाराष्ट्र के दौरे कर रहे हैं। वे जब भी यहां आते हैं, कुछ न कुछ गुजरात ले जाते हैं। हम उनसे यह कहना चाहते हैं हमारी बात मन की बात नहीं, दिल की बात है। हमारे मन में अंधेरा हो सकता है पर दिल में नहीं। मैं केवल तानाशाहों और झूठों के खिलाफ हूं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

राजकोट टेस्ट में डेब्यू कर सकते हैं ध्रुव जुरेल

विकेटकीपर केएस भरत की जगह लेंगे; बुमराह को चौथे टेस्ट से आराम संभव

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। विकेटकीपर बैटर ध्रुव जुरेल इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट में डेब्यू कर सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वह राजकोट में केएस भरत की जगह लेंगे। सिलेक्शन कमेटी भरत के प्रदर्शन के खुश नहीं है, इसलिए उन्हें प्लेइंग-11 से बाहर बैठाया जा सकता है।

शुरुआती 2 टेस्ट में 15 विकेट लेने वाले जसप्रीत बुमराह तीसरा टेस्ट खेलेंगे, लेकिन उन्हें चौथे टेस्ट से आराम दिया जा सकता है, ताकि वह 5वें टेस्ट के लिए फिट रह सकें।

भारत और इंग्लैंड के बीच 5 टेस्ट की सीरीज का तीसरा टेस्ट राजकोट में 15 फरवरी से खेला जाएगा। सीरीज फिलहाल 1-1 की बराबरी पर है।

भरत की बैटिंग से नाखुश सिलेक्टर्स

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट अनुसार, सिलेक्टर्स भरत की बैटिंग और विकेटकीपिंग से खुश नहीं हैं। उनका कहना है, 'भरत अपने मौकों को भुना नहीं पा रहे हैं। दूसरी ओर, जुरेल युवा हैं, वह नेट्स में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और भविष्य में उनसे बहुत उम्मीदें हैं। जुरेल ने उत्तर प्रदेश के लिए अच्छा प्रदर्शन किया है। इंडिया-ए और IPL में राजस्थान रॉयल्स से खेलते हुए भी उन्होंने प्रभावित किया है। जुरेल को राजकोट में टेस्ट डेब्यू मिल भी सकता है।'

7 टेस्ट में 221 रन ही बना सके भरत

केएस भरत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछले साल टेस्ट डेब्यू किया था। वह अब तक खेले 7 टेस्ट में एक भी फिफ्टी नहीं लगा सके। उन्होंने 20.09 की औसत से 221 रन बनाए हैं, इनमें भी 44 रन उनका बेस्ट स्कोर रहा। इंग्लैंड के खिलाफ भी शुरुआती 2 टेस्ट में वह 92 रन ही बना सके।

दूसरी ओर 23 साल के ध्रुव जुरेल ने अब तक इंटरनेशनल डेब्यू नहीं किया है। 15 फर्स्ट क्लास मैचों में उनके नाम 46.47 की औसत से 790 रन हैं। उन्होंने एक सेंचुरी और 5 फिफ्टी लगाई हैं। उन्होंने 13 आईपीएल मैचों में 172.73 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं।

चौथे टेस्ट से बुमराह को मिल सकता है आराम

जसप्रीत बुमराह का वर्कलोड मैनेज करने के लिए उन्हें रांची में चौथे टेस्ट से आराम दिया जा सकता है। सिलेक्टर्स ने कन्फर्म किया कि वह राजकोट में तीसरा टेस्ट खेलेंगे। वह धर्मशाला में पांचवें टेस्ट के लिए फिट महसूस कर सकें, इसलिए उन्हें चौथे टेस्ट से आराम दिया जा सकता है।

आवेश खान को बाहर नहीं किया गया

आखिरी 3 टेस्ट के स्क्वॉड में तेज गेंदबाज आवेश खान की जगह आकाश दीप को जगह मिली। सिलेक्टर्स ने कहा कि आवेश रणजी ट्रॉफी मैच खेल सकें, इसलिए उन्हें ब्रेक दिया गया है। उन्हें गेम टाइम की जरूरत है।

दूसरी ओर आकाश दीप रणजी ट्रॉफी में बंगाल और इंडिया-ए के लिए लगातार खेल रहे हैं, इसीलिए उनके ग्रोथ के लिए उन्हें स्क्वॉड में जगह दी गई। वैसे भी अगर टीम में पेसर्स की जरूरत रही तो बुमराह और सिराज के साथ मुकेश कुमार भी रहेंगे।

जैक लीच भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर

घुटने की चोट की वजह से इंग्लैंड लौटेंगे; पहले मैच में इंजर्ड हुए थे

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। इंग्लैंड के स्पिनर जैक लीच भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बाकी बचे तीन मैचों से बाहर हो गए हैं। लीच को सीरीज के पहले मैच में घुटने में चोट लग गई थी, इस वजह से वह दूसरा मैच भी नहीं खेल सके थे।

लीच घुटने की चोट के इलाज के लिए वापस इंग्लैंड लौट रहे हैं। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने यह जानकारी सोशल मीडिया पर दी है। भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा मैच 15 फरवरी से राजकोट में खेला जाएगा।

लीच ने सीरीज में लिए 2 विकेट

सीरीज में लीच ने 1 ही मैच खेला, इसमें उन्होंने 2 विकेट लिए। लीच ने करियर में भारत के खिलाफ कुल 6 मैच खेले, जिसमें उन्होंने 21 विकेट लिए है। लीच लगातार दूसरी सीरीज में इंजर्ड हुए है। इससे पहले जुलाई 2023 में भी वे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ऐशेज सीरीज नहीं खेल सके थे।

टेस्ट सीरीज में 1-1 की बराबरी पर है टीम

5 मैचों की टेस्ट सीरीज 1-1 की बराबरी पर है। इंग्लैंड ने हैदराबाद में पहला मुकाबला 28 रन से जीता था। जबकि विशाखापट्टनम में दूसरा मुकाबला भारत ने 106 रन से जीता। 15 फरवरी से तीसरा टेस्ट राजकोट में खेला जाएगा। चौथा टेस्ट 23 फरवरी से रांची और 7 मार्च से 5वां टेस्ट धर्मशाला में होगा।

भारत ने घर में आखिरी सीरीज 3-1 से जीती थी

भारत और इंग्लैंड के बीच आखिरी टेस्ट सीरीज अगस्त 2021 के दौरान इंग्लैंड में हुई थी। 5 टेस्ट की सीरीज 2-2 से ड्रॉ रही थी। वहीं, भारत में दोनों के बीच आखिरी सीरीज फरवरी 2021 में हुई, 4 टेस्ट की इस सीरीज को भारत ने 3-1 से जीता था।

मांजरेकर बोले- श्रेयस को अपना फॉर्मेट डिसाइड करना होगा

टेस्ट खेलना है तो डिफेंस मजबूत करें; टीम से बाहर हैं आउट ऑफ फॉर्म अय्यर

मुंबई, 12 फरवरी (एजेंसियां)। संजय मांजरेकर का कहना है कि श्रेयस अय्यर को अपना फॉर्मेट डिसाइड करना होगा। अगर वह टेस्ट खेलना चाहते हैं तो उन्हें अपना डिफेंसिव गेम मजबूत करना होगा। इसके बिना वह इस फॉर्मेट में लम्बा नहीं टिक सकेंगे। श्रेयस इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआती 2 टेस्ट में फ्लॉप रहे। वह पिछली 13 पारियों से फिफ्टी नहीं लगा सके। जिसके बाद उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी 3 टेस्ट की टीम से बाहर कर दिया गया।

टेस्ट के लिए डिफेंस मजबूत होना जरूरी

पूर्व भारतीय क्रिकेटर मांजरेकर ने बताया, 'अय्यर को अपना फॉर्मेट डिसाइड करना पड़ेगा कि उन्हें किसमें आगे बढ़ना है। अगर वह टेस्ट पर फोकस कर रहे हैं तो उन्हें अपने डिफेंसिव गेम पर काम करना होगा। ऐसा करने से वह पिच पर डिफेंस से कॉन्फिडेंस बढ़ाएंगे और फिर अटैकिंग शॉट्स खेलेंगे। जबकि अभी वह प्रेशर दूर करने के लिए अटैकिंग शॉट्स खेलकर अपना विकेट गंवा रहे हैं।'

श्रेयस 13 पारियों से फिफ्टी नहीं लगा सके

श्रेयस अय्यर ने टेस्ट में आखिरी बार बांग्लादेश के खिलाफ दिसंबर 2022 में फिफ्टी लगाई थी। उन्होंने तब 87 रन की पारी खेली थी, इसके बाद उन्होंने 13 पारियां खेलीं लेकिन एक में 50 रन का स्कोर नहीं पार कर सके। उनका बेस्ट स्कोर भी 35 रन ही रहा।

इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआती 2 टेस्ट में खराब परफॉर्मेंस के बाद उन्हें आखिरी 3 टेस्ट के स्क्वॉड में जगह नहीं मिली। वह अब रणजी ट्रॉफी खेलकर टेस्ट टीम में वापसी कर सकेंगे।

चैपल ने भी की अय्यर की आलोचना

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ईयन चैपल ने श्रेयस को बाहर करने के फैसले का समर्थन किया। उन्होंने कहा, 'उम्मीद है कि अब सिलेक्टर्स श्रेयस अय्यर की बैटिंग को समझ गए होंगे और उन्हें ज्यादा आंकना बंद कर देंगे। अब टाइम आ गया है कि मैनेजमेंट कुलदीप यादव की विकेट लेने की क्षमता पर ज्यादा ध्यान दे।'

श्रेयस की जगह लेंगे राहुल

भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला राजकोट में 15 फरवरी को शुरू होगा। मैच से पहले केएल राहुल फिट हो चुके हैं। वह इंजरी के कारण दूसरा टेस्ट नहीं खेल सके थे, ऐसे में वह ही तीसरे टेस्ट में श्रेयस की जगह नंबर-4 पर बैटिंग करेंगे। रजत पाटीदार ने दूसरे टेस्ट में डेब्यू किया था। अगर मैनेजमेंट ने उन पर भरोसा जताया तो उन्हें लगातार दूसरा मैच खेलने को मिल सकता है। अगर ऐसा नहीं हुआ तो रणजी ट्रॉफी में लगातार रन बना रहे सरफराज खान भी डेब्यू कर सकते हैं।

'मुरु, याद रखना, हारेंगे पर सीख के जाएंगे'

अंडर-19 वर्ल्ड कप फाइनल में पेसर नमन तिवारी ने किया साथी खिलाड़ी को इंस्पायर

अंडर-19 वर्ल्ड कप फाइनल में टीम इंडिया की हार के बाद तेज गेंदबाज नमन तिवारी की वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया। 8 विकेट गिर जाने के बावजूद नमन साथी खिलाड़ी मुरुगन अभिषेक को इंस्पायर करते नजर आए।

मैच में बैटिंग के दौरान नमन ने कहा, 'मुरु (मुरुगन), याद रखना, हारेंगे पर सीख के जाएंगे।' इतना कहते ही मुरुगन अभिषेक ने अगली बॉल पर सामने की ओर में चौका लगा दिया।

नमन भारतीय पारी के 38वें ओवर में मुरुगन के साथ बैटिंग कर रहे थे। इस समय टीम का स्कोर 151/8 था। नमन 17 बॉल में 3 और मुरुगन 39 बॉल में 34 रन के स्कोर पर थे। टॉम स्ट्रैकर के ओवर की चौथी बॉल से पहले नमन ने कहा, 'मुरु (मुरुगन), याद रखना, हारेंगे पर सीख के जाएंगे।'

मुरुगन ने अगली बॉल पर चौका लगाया और फिर वह 41वें ओवर में आउट हुए। उनके विकेट के बाद टीम इंडिया 6 ही रन बना सकी और 254 रन के टारगेट के सामने 174 रन पर सिमट गई।

साउथ अफ्रीका में अंडर-19 वर्ल्ड कप का फाइनल खेला गया। बेनोनी के विलोमूर पार्क में ऑस्ट्रेलिया ने 7 विकेट पर 253 रन बनाए।

जवाब में टीम इंडिया 43.5 ओवर में 174 रन बनाकर सिमट गई। भारत के लिए आदर्श सिंह ने सबसे ज्यादा 47 रन बनाए, वहीं नंबर-8 पर उतरे मुरुगन अभिषेक ने आखिर में 42 रन का योगदान दिया। उन्होंने पारी में 5 चौके लगाए।

नमन 35 बॉल में 14 रन बनाकर नॉटआउट रहे। दोनों मिलकर टीम को जीत तो नहीं दिला सके लेकिन 122/8 के स्कोर से दोनों ने 46 रन की पार्टनरशिप की और टीम को लड़ते हुए जीत के करीब पहुंचाने की कोशिश की।

लेफ्ट आर्म पेसर नमन तिवारी ने पहली पारी में 63 रन देकर 2 विकेट झटके। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ह्यूज वीबजेन (48 रन) और ओपनर हैरी डिक्सन (42 रन) को पवेलियन भेजा। दूसरी ओर मुरुगन ने 10 ओवर में 37 रन देकर कोई विकेट नहीं लिया।

2024 के अंडर-19 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया ने फाइनल से पहले तक एक भी मैच नहीं गंवाया था। टीम ने ग्रुप स्टेज में 3, सुपर-6 स्टेज में 2 और एक सेमीफाइनल जीता था। टीम को फाइनल में ही हार का सामना करना पड़ा और उसी ने खिताब भारत से छीन लिया।

अपील नहीं होने के कारण नॉटआउट रहे अल्जारी जोसेफ

रन आउट के बाद ऑस्ट्रेलिया ने सेलिब्रेशन शुरू किया; अंपायर बोले- अपील नहीं तो आउट नही

खेल डेस्क, 12 फरवरी (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज अल्जारी जोसेफ के रन आउट होने के बाद उन्हें नॉटआउट करार दिए जाने पर विवाद खड़ा हो गया। दरअसल, अंपायर ने जोसेफ को इसलिए आउट नहीं दिया, क्योंकि उनके रन आउट के बाद ऑस्ट्रेलियाई फील्डर्स ने अपील ही नहीं की थी।

ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बीच एडिलेड में दूसरा टी-20 खेला गया। दूसरी पारी के 19वें ओवर में ऑस्ट्रेलिया से स्पेंसर जॉनसन बॉलिंग कर रहे थे। उनके ओवर की दूसरी गेंद पर अल्जारी जोसेफ ने कवर्स की दिशा में शॉट खेला और एक रन के लिए दौड़ पड़े। उनके दूसरे एंड पर पहुंचने से पहले ही जॉनसन ने गिल्लियां बिखेर दीं।

रीप्ले में नजर आया कि जोसेफ क्रीज से दूर थे। ये देख ऑस्ट्रेलियाई प्लेयर्स ने सेलिब्रेशन करना शुरू कर दिया, लेकिन अंपायर ने बैटर को नॉटआउट करार दे दिया। उन्होंने बताया कि ऑस्ट्रेलियाई प्लेयर्स ने विकेट के लिए अपील नहीं की है, इसलिए बैटर आउट नहीं हो सकते।

अंपायर के फैसले पर भड़के प्लेयर्स

ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी अंपायर के फैसले पर भड़क गए। एक प्लेयर स्टंप माइक में यह कहते रिकॉर्ड हो गया कि ये बकवास है। हालांकि, इस फैसले का मैच के नतीजा पर कोई असर नहीं पड़ा और ऑस्ट्रेलिया ने 34 रन से मैच जीत लिया। ग्लेन मैक्सवेल ने इस मैच में 55 गेंद में 120 रन की पारी खेली।

ऑस्ट्रेलिया सीरीज में 2-0 से आगे

वनडे के बाद ऑस्ट्रेलिया ने टी-20 सीरीज पर भी अपना कब्जा जमा लिया है। तीन टी-20 मैचों की सीरीज में ऑस्ट्रेलिया ने शुरुआती दोनों टी-20 मैच जीत कर 2-0 की बढ़त ले ली है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने 3 वनडे मैचों की सीरीज में क्लीन स्वीप किया था। वहीं दो टेस्ट की सीरीज 1-1 से बराबर रही थी।

मैक्सवेल ने रोहित की बराबरी की

इस मैच में ग्लेन मैक्सवेल ने अपना 5वां टी-20 इंटरनेशनल शतक लगाया। इसके साथ ही उन्होंने भारत के कप्तान रोहित शर्मा की बराबरी कर ली।

टी-20 इंटरनेशनल में दोनों खिलाड़ियों के नाम अब 5-5 शतक हो गए हैं। मैक्सवेल ने सबसे तेज 5 टी-20 इंटरनेशनल शतक जड़ने का रिकॉर्ड अपने नाम किया है। मैक्सवेल ने यह कारनामा अपने 102वें मैच में किया जबकि रोहित ने 151 मैचों में ऐसा किया है।

श्रीलंका ने अफगानिस्तान को हराया

155 रन से जीता दूसरा वनडे, असलंका शतक चूके

पल्लेकेले, 12 फरवरी (एजेंसियां)। श्रीलंका ने अफगानिस्तान को 3 वनडे की सीरीज के दूसरे मुकाबले में 155 रन से हराया। पल्लेकेले के मैदान पर श्रीलंका ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी। टीम ने 50 ओवर में 6 विकेट पर 308 रन बनाए। जवाब में अफगानिस्तान 33.5 ओवर में 155 रन पर ऑलआउट हो गया। चरिथ असलंका शतक चूक गए। उन्होंने नाबाद 97 रन की पारी खेली। उनके अलावा कुसल मेंडिस, सदीरा समरविक्रमा और जनिथ लीयनागे ने अर्धशतक लगाए। वहीं, बॉलिंग में वानिंदु हसरंगा ने 4 विकेट लिए।

सीरीज में श्रीलंका ने 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। सीरीज का आखिरी मुकाबला 14 फरवरी को पल्लेकेले में ही खेला जाएगा।

श्रीलंका के लिए मैच की शुरुआत खराब रही। ओपनिंग करने उतरे पथुम निसांका 18 रन और अविष्का फर्नांडो 5 रन बना करआउट हो गए। यहां से कुसल मेंडिस और सदीरा समरविक्रमा ने पारी संभाली।

36 रन पर 2 विकेट गिर जाने के बाद कुसल मेंडिस और सदीरा समरविक्रमा ने पारी संभाली। दोनों ने साथ 113 बॉल पर 103 रन की साझेदारी की। समरविक्रमा ने 52 रन और मेंडिस ने 61 रन की अर्धशतकीय पारी खेली।

समरविक्रमा के विकेट के बाद ही मेंडिस भी आउट हो गए। यहां से चरिथ असलंका का साथ जनिथ लीयनागे ने दिया। दोनों के बीच 111 रन की सेंचुरी पार्टनरशिप हुए। नूर अहमद ने लीयनागे को 50 रन पर चलता किया।

इसके बाद असलंका और वानिंदु हसरंगा ने 50 रन की साझेदारी की। हसरंगा 14 रन बना कर आउट हुए। वहीं, असलंका 97 रन बना कर नाबाद रहे।

बिजली गिरने से फुटबॉलर की मौत

इंडोनेशिया में लाइव मैच के दौरान हुआ हादसा; देश में 12 महीने में दूसरा मामला

खेल डेस्क, 12 फरवरी (एजेंसियां)। इंडोनेशिया में एक फुटबॉल मैच के दौरान खिलाड़ी के ऊपर आसमानी बिजली गिरने से अस्पताल ले जाने के दौरान उसकी मौत हो गई। यह घटना शनिवार की बताई जा रही है। जिसका वीडियो अब सामने आया है। इंडोनेशिया के वेस्ट जावा के सिलिवांगी स्टेडियम में बीते शनिवार को खराब मौसम के बीच एफसी बैनडुंग और एफबीआई शुबैंग के बीच फ्रेंडली मैच खेला जा रहा था। इसी दौरान मैदान के एक हिस्से में खड़े एक खिलाड़ी पर अचानक तेज रोशनी के साथ आसमानी बिजली गिरी। इस दौरान आग भी निकली। जिस खिलाड़ी पर बिजली गिरी, वो फौरन जमीन पर गिर गया, जबकि धमाके की वजह से दूर खड़ा दूसरा खिलाड़ी भी गिर गया। बाकी खिलाड़ी खुद को बचाने के लिए जमीन पर लेट गए, जबकि कुछ बाहर की तरफ भागने लगे।

कुछ देर बाद घायल खिलाड़ी के पास के अन्य खिलाड़ी पहुंचे। उस समय खिलाड़ी की सांसें चल रही थीं। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पिछले 12 महीनों में ये दूसरा मौका है, जब किसी इंडोनेशियाई फुटबॉलर पर बिजली गिरी है।

2023 में सोराटिन अंडर-13 कप के दौरान ईस्ट जावा के बोजोनगोरो में एक फुटबॉलर पर बिजली गिर गई।

मैराथन में इतिहास रचने वाले केल्विन की 24 साल की उम्र में मौत

केल्विन एल्डोरेट, 12 फरवरी (एजेंसियां)। केल्विन के अलावा उनके रवांडा के कोच गेरवाइस हकीजिमाना की मौत हो गई। कार में तीन लोग सवार थे, दो की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक को अस्पताल ले जाया गया।

मैराथन के विश्व रिकॉर्ड धारक और पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण के प्रबल दावेदार केल्विन किपटुम की पश्चिमी केन्या में एक कार दुर्घटना में मौत हो गई। यह 24 वर्षीय खिलाड़ी स्थानीय समयानुसार रात करीब 11 बजे कप्टागाट से एल्डोरेट जा रहा था, तभी कार लुढ़क गई। इसमें केल्विन के अलावा उनके रवांडा के कोच गेरवाइस हकीजिमाना की मौत हो गई। कार में तीन लोग सवार थे, दो की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक को अस्पताल ले जाया गया। पश्चिमी केन्या के एल्गियो माराकवेट काउंटी के पुलिस कमांडर पीटर मुलिंगे ने इसकी पुष्टि की है।

पुलिस ने कहा- केल्विन एल्डोरेट की ओर जा रहे थे और वाहन ने नियंत्रण खो दिया और खाई में गिर गई, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। एक महिला यात्री घायल हो गईं और उन्हें अस्पताल ले जाया गया है। केल्विन ने मैराथन में तब तहलका मचाया था जब उन्होंने पिछले साल अक्तूबर में शिकागो में विश्व रिकॉर्ड 2:00:35 का समय लेकर स्वर्ण जीता था। उन्होंने साथी केन्याई एलियुड किपचोगे के पिछले रिकॉर्ड को 34 सेकंड से तोड़ा था। केल्विन उस समय सिर्फ 23 वर्ष के थे और केवल अपने तीसरे मैराथन में प्रतिस्पर्धा कर रहे थे।

किपटुम ने अपने अन्य दो प्रयासों में भी जीत हासिल की थी। 2022 में वेलेंसिया और फिर अगले साल लंदन में भी विजयी अभियान जारी रखा। केन्या के इस एथलीट ने घोषणा की थी कि वह 14 अप्रैल को रोटरडम में दो घंटे से कम में रेस पूरा करने और ऐसा करने वाले पहले व्यक्ति बनने की कोशिश करेंगे। हालांकि, इससे पहले ही उनका निधन हो गया। वह पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए प्रबल दावेदार थे। विश्व एथलेटिक्स ने किपटुम को हाल के समय के सबसे प्रभावशाली एथलीट के रूप में श्रद्धांजलि दी है।

विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन को ने एक बयान में कहा, हम केल्विनऔर उनके कोच गेरवाइस हकीजिमाना के निधन के बारे में जानकर हैरान और गहरे दुख में हैं।

पानी की लूट रोकने के लिए ईमानदारी से किया जाएगा प्रयास : उत्तम कुमार

हैदराबाद, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा की बैठकों के हिस्से के रूप में, राज्य सरकार ने कृष्णा नदी परियोजनाओं और केआरएमबी से संबंधित मुद्दों पर एक प्रस्ताव पेश किया है। इससे पहले, उसने 'कृष्णा परियोजनाओं पर तथ्य भारत सरकार की गलतियां' शीर्षक से एक नोट जारी किया था। इसमें सरकार पर राज्य के हितों की रक्षा करने में विफल रहने का आरोप लगाया गया। कहा गया है कि केसीआर के शासनकाल की गलत नीतियों ने अब तेलंगाना को अभिशाप कर दिया है। यह स्पष्ट है कि कृष्णा नदी पर परियोजनाओं को केआरएमबी को सौंपने का कोई इरादा नहीं है।

बाद में, राज्य के सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी, जिन्होंने सदन में प्रस्ताव पेश किया, उन्होंने एक पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन (पीपीटी) दिया। उन्होंने कहा कि वे पिछली सरकार के फैसलों से हुए जल दोहन को रोकने के लिए ईमानदारी से काम करेंगे। चुनाव के दिन, एपी सरकार ने नागार्जुन सागर में पुलिस भेजी। प्रति दिन 3 टीएमसी पानी अवैध रूप से बहाया जाता है। ऐसा लगता है कि जगन ने सागर में पुलिस भेज दी है कि केसीआर हारने वाले हैं। शर्तों से सहमत हुए बिना किसी भी परिस्थिति में परियोजनाएं केआरएमबी को नहीं सौंपी जाएंगी। कुछ लोग राज्य की जनता को गुमराह करने की बात कर रहे हैं।

बछावत ट्रिब्यूनल ने पानी का कोई आवंटन नहीं किया। पिछली सरकार राज्य के जल अधिकारों को हासिल करने में विफल रही। यह समझ में नहीं आता कि भारत के शासक अयोग्य हैं या उनमें समझ की कमी है। पिछली सरकार आंध्र प्रदेश के लिए 512 टीएमसी और तेलंगाना के लिए 299 टीएमसी पर सहमत हुई थी। दिल्ली गए और 512:299 टीएमसी पर सहमति जताई। एपी सरकार उस आवंटन को स्थायी कर रही है। कृष्णा जल क्षेत्र में तेलंगाना का 70 प्रतिशत अधिकार है। पिछले 10 साल के शासनकाल में जो भ्रष्टाचार हुआ, वैसा स्वतंत्र भारत में कभी नहीं देखा गया।

जगन ने एपी विधानसभा में केसीआर की तारीफ करते हुए कहा कि वह बहुत महान हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना का पानी भी दिया जा रहा है। 5 मई, 2020 को एपी सरकार ने जीईओ नंबर 203 जारी किया है। प्रतिदिन 3 टीएमसी पानी ले जाने का निर्णय लिया गया है। 797 फीट पर पानी की हलचल ने जीवन दिया। इस मौके पर एपी विधानसभा में केसीआर को धन्यवाद देते हुए सीएम जगन के भाषण की एक वीडियो क्लिपिंग दिखाई।

इसके बाद उत्तम ने अपना भाषण जारी रखा। यदि रायलसीमा लिफ्ट पूरी हो जाती है तो एपी प्रतिदिन 8 टीएमसी पानी ले जाएगा। लिफ्ट के टेंडर पूरे होने के बाद केसीआर ने केंद्र को पत्र लिखा। अप्रत्यक्ष रूप से योगदान दिया। वह एपेक्स काउंसिल की बैठक में शामिल नहीं हुए। अगर वह बैठक में जाते और आपत्ति जताते तो रायलसीमा लिफ्ट बंद हो जाती। पलामुरु-रंगारेड्डी लिफ्ट योजना को भारत सरकार द्वारा उपेक्षित किया गया है। हालांकि यह प्रोजेक्ट 2013 में शुरू हुआ था, लेकिन अब तक काम पूरा नहीं हुआ है। कांग्रेस सरकार ने परियोजनाओं के हैंडओवर पर कोई निर्णय नहीं लिया है। उन्होंने मांग की कि भारास को कृष्णा जल के मुद्दे पर तेलंगाना के लोगों को धोखा देने के लिए माफी मांगनी चाहिए।

जंगली जानवरों का शिकार करने वालों के खिलाफ सख्त कारवाई का निर्देश

वन मंत्री कोंडा सुरेखा ने कांस्टेबल की मौत पर गहरा दुःख व्यक्त किया

हैदराबाद 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जयशंकर भूपालपल्ली जिले के कटाराम मंडल के महादेवपुर वन क्षेत्र में शिकारियों द्वारा जंगली जानवरों के शिकार के लिए लगाए गए बिजली के तारों की चपेट में आने से ग्रेहाउंड कांस्टेबल ए प्रवीण कुमार की मौत पर वन एवं पर्यावरण मंत्री कोंडा सुरेखा ने गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जब तलाशी अभियान चलाया जा रहा था तभी यह घटना घटी। मंत्री ने प्रवीण के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। मंत्री सुरेखा ने स्पष्ट किया कि सरकार प्रवीण के परिवार को हर तरह से सहयोग करेगी। मंत्री ने मुख्य वन्यजीव वार्डन एम.सी.परगैन को इस घटना के संबंध में पूरी जानकारी देने का निर्देश दिया। मंत्री ने सुझाव दिया कि उन क्षेत्रों का विवरण जहां शिकारियों द्वारा

जंगली जानवरों का शिकार करने के लिए बिजली के तार लगाने की संभावना है और उन्हें ग्रेहाउंड के साथ स्थानीय पुलिस अधिकारियों को प्रदान किया जाए। जिससे उन्हें दुर्घटनाओं से बचने के लिए एहतियाती कदम उठाने का अवसर मिलेगा। मंत्री ने वन अधिकारियों को जंगली जानवरों के शिकार की अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

लखनऊ नगर निगम की टीम ने जीएचएमसी के स्वच्छता व्यवस्था का अध्ययन किया

लखनऊ नगर निगम की महापौर सुषमा कर्कवाला के नेतृत्व में आईं थीं टीम

हैदराबाद, 12 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। लखनऊ नगर निगम के मेयर के नेतृत्व में निगम (निगम) के कार्यकारी सदस्य स्वच्छता सर्वोत्तम प्रथाओं का अध्ययन करने के लिए हैदराबाद आए। इस मौके पर उन्होंने जवाहर नगर में डंपिंग यार्ड और सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। आखिरी दिन सोमवार को मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी शिष्टाचार के नाते आईं और उन्होंने मेयर से जीएचएमसी में स्वच्छता, सीएंडडी सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, क्रियान्वयन की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के पहले चरण में स्वच्छ ऑटो द्वारा घर-घर से सामान एकत्र किया जाएगा और पास के वाईसीटीपी में ले जाया जाएगा और वहां से डंपिंग यार्ड में ले जाया जाएगा। मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी ने बताया कि केंद्र सरकार के स्वच्छता सर्वेक्षण में पूरे जीएचएमसी को विभिन्न श्रेणियों में 5 पुरस्कार मिले। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन 7500 मीट्रिक टन कूड़ा

एकत्र कर जवाहर नगर डंप यार्ड में ले जाया जाता है और प्यारा नगर में एक और डंप यार्ड चिन्हित किया गया है। मेयर ने उन्हें समझाया कि दो निर्माण अपशिष्ट (सी एंड डी) संयंत्रों के लिए, दो और संयंत्र स्थापित किए गए हैं, और समय-समय पर शहर भर में उत्पन्न सी एंड डी कचरे को रीसाइक्लिंग करने के लिए शहर के चारों तरफ दो और संयंत्र स्थापित किए गए हैं। समय पर उन्होंने बताया कि शहर के विकास के लिए राज्य सरकार के सहयोग से फ्लाईओवर, सड़कें, अन्य बुनियादी ढांचे और सामाजिक सुरक्षा योजनाएं लागू की गई हैं। इस अवसर पर लखनऊ नगर निगम की महापौर सुषमा कर्कवाला, पार्षद (कार्यकारी सदस्य अर्थात स्थायी समिति सदस्य) सुशील कुमार, सौरव सिंह, शैलेन्द्र वर्मा, मुखे सिंह, सुरेंद्र, वाल्मिकी, कमल सक्सेना, हरिश्चंद्र, लाडी रानी, कन्ना जिया, उमेश सनवाल, लेग आगा, कामरान बेग, एएमसी पंकजा श्रीवास्तव, मेयर पीए प्रकाश उपाध्याय, जीएचएमसी मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी, वाईएसडब्ल्यूएमई कोटेश्वर राव आदि उपस्थित रहे।

शिकायतकर्ता को पुलिस ने खोया हुआ कैश बैग सौंपा

राचकोंडा सीपी ने पुलिसकर्मियों की सराहना की

हैदराबाद 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पंजागुट्टा क्षेत्र के सतीश नाम के एक व्यक्ति ने अपनी बहन की शादी के लिए एक बैग में साढ़े तीन तोला सोना और लगभग पचास हजार रुपये की रेशम की साड़ी ली। पंजागुट्टा से बालापुर के लिए एक रैपिड कार बुक की। इसी बीच बैग कार में छूट गया। इस मामले की सूचना तुरंत शिवाजी चौक पर गश्ती मोबाइल कर्मियों एचसी सुरेंद्र और एचजी रविंदर को दी गई, जिन्होंने बालापुर के एसएचओ को सूचित किया, जिन्होंने तुरंत प्रतिक्रिया दी और तुरंत गश्ती मोबाइल कर्मियों और ब्लू कोल्ट कर्मियों, पीसी रविंदर और एचजी प्रवीण को सतर्क कर दिया। सूचना पाते ही पुलिसकर्मी सक्रिय हो गए। सोना के आभूषण व रेशम की साड़ियों वाला बैग कैब ड्राइवर से बरामद कर लिया गया और शिकायतकर्ता को सौंप दिया।

आयुक्त सुधीर बाबू ने आज राचकोंडा सीपी कार्यालय नेरडमेट में बालापुर स्टेशन इंस्पेक्टर वेंकट रेड्डी, स्टाफ हेड कांस्टेबल सुरेंद्र कुमार, कांस्टेबल रविंदर, होम गार्ड रविंदर और प्रवीण की सराहना की।

विधानसभा ना आने वाले केसीआर नलगोंडा कैसे जाएंगे ?

हैदराबाद, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने बीआरएस नेता केसीआर को संबोधित करते हुए कहा कि जो व्यक्ति विधानसभा नहीं आया, क्या वह मंगलवार को नलगोंडा कैसे जाएगा। भट्टी विक्रमार्क ने सोमवार को विधानसभा में कृष्णा जल पर बहस के दौरान यह बात कही। उन्होंने विधानसभा में कृष्णा जल पर चर्चा करने और केंद्र सरकार को एक प्रस्ताव भेजने की मांग करने पर विधानसभा में नहीं आने के लिए मुख्य विपक्षी नेता केसीआर की आलोचना की। जो व्यक्ति सभा में नहीं आते हैं क्या वह कल सार्वजनिक सभा में जायेंगे। उन्होंने गुस्सा जताया कि हरीश राव ने कृष्णा जल पर बहस के दौरान सदन को गुमराह किया। उन्होंने चेतावनी दी कि सरकार में कई बीआरएस एजेंट हैं उनके खिलाफ जल्द ही कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि श्रीशैलम में फ्लड लाइट लगाकर काफी काम किया गया है। यह कहना बेमानी है कि हमने गोदावरी और श्रीशैलम के पानी के लिए समझौता किया है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना का जन्म पानी के लिए हुआ था और हमने इसके लिए लड़कर राज्य हासिल किया। कम से कम अब यदि कांग्रेस सरकार उस पानी का कुशलतापूर्वक उपयोग करने का प्रयास करने को कह रही है, तो उन्हें अतीत में जो हुआ उसे याद करके राज्य के साथ अन्याय नहीं करना चाहिए।

जिला कलेक्टर ने प्रजावाणी में लोगों की समस्यायों का निस्तारण किया

हैदराबाद, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले में प्रजावाणी कार्यक्रम के दौरान 149 शिकायतें मिली। जिला कलेक्टर शशांक ने कहा कि सार्वजनिक प्रसारण कार्यक्रम को प्राथमिकता देकर शिकायतों का तुरंत निपटारा किया जाता है। उन्होंने अधिकारियों को इसका समाधान करने का सुझाव दिया। सोमवार को एकीकृत जिला कार्यालय परिसर सभाकक्ष में आयोजित किए गए प्रजावाणी कार्यक्रम में 149 शिकायतें प्राप्त हुई। जिले में विभिन्न क्षेत्र से आए फरियादी अपनी समस्याएं लेकर जिला कलक्टर शशांक के पास पहुंचे। अतिरिक्त कलेक्टर भूपाल रेड्डी को भी याचिकाएं सौंपीं।इस बीच समय-समय पर आवेदनों को लंबित न रखते हुए कलेक्टर अधिकारी जांच कर समस्याओं का निराकरण करेंर्व सार्वजनिक मुद्दों के त्वरित समाधान के लिए राज्य स्तर पर हैदराबाद में आयोजित लोक रेडियो कार्यक्रम के दौरान जिले के संबंध में लोगों द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्रों को संबंधित विभाग के जिला अधिकारियों को प्रेषित करना है। अधिकारियों ने तुरंत प्रतिक्रिया दी। जिला कलेक्टर ने अनुरोधों पर की गई कार्रवाई समझाते हुए इसे ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड करने का सुझाव दिया गया है। यदि अनुरोध यदि समाधान न हो तो कारण स्पष्ट रूप से बताया जाये। प्रजावाणी रजिस्टर संधारित किया जाये। रजिस्टर में कितनी शिकायतें दर्ज की गईं और उनमें से कितनी का समाधान किया गया। उन्होंने कहा कि पता चल जायेगा कि कितने लंबित हैं। उन्होंने कहा कि प्रजावाणी आते समय रजिस्टर लेकर आएं। इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया।

केआरएमबी मुद्दे पर कांग्रेस और बीआरएस के बीच जुबानी जंग

हैदराबाद, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा में सोमवार को कृष्णा नदी पर तेलंगाना परियोजनाओं का नियंत्रण कृष्णा नदी प्रबंधन बोर्ड (केआरएमबी) को सौंपने के मुद्दे पर सत्तारूढ़ कांग्रेस और विपक्षी बीआरएस के साथ तीखी बहस हुई। सत्ता में रहते हुए दोनों पार्टियों के ट्रैक रिकॉर्ड को लेकर जुबानी जंग छिड़ गई है। सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी द्वारा कृष्णा नदी पर पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन देने के बाद, बीआरएस विधायक हरीश राव को इस विषय पर बोलने का मौका दिया गया। हालांकि, हरीश राव ने राज्य सरकार पर कृष्णा नदी पर गलत प्रस्तुति देने और जानबूझकर पिछली बीआरएस सरकार को दोषी ठहराने का आरोप लगाया है। हरीश राव के भाषण को बाधित करते हुए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि कृष्णा जल महबूबनगर और नलगोंडा जिलों के लिए जीवन रेखा है, लेकिन पानी न मिलने के लिए दस वर्षों में किए गए पापों का कारण बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव हैं। जब कृष्णा नदी के पानी पर इतनी महत्वपूर्ण चर्चा चल रही थी तब मुख्यमंत्री ने विधानसभा में उपस्थित नहीं होने के लिए केसीआर को दोषी ठहराया। रेवंत रेड्डी ने कहा, "केसीआर को सदन में आने दीजिए। इस मुद्दे पर आपको जो भी चाहिए, हम बहस करने के लिए तैयार हैं। अन्य बीआरएस विधायकों के शब्दों का विधानसभा में कोई मूल्य नहीं है।" मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सदन में एक प्रस्ताव पारित कर रही है। विधानसभा में कृष्णा जल का 68 प्रतिशत हिस्सा तेलंगाना को देने और कृष्णा परियोजनाओं को केंद्र को नहीं सौंपने की मांग की गई। उन्होंने बीआरएस विधायकों से यह भी पूछा कि उन्हें यह स्पष्ट करना चाहिए कि वे कृष्णा नदी पर तेलंगाना परियोजनाओं के नियंत्रण को कृष्णा नदी प्रबंधन बोर्ड (केआरएमबी) को सौंपने के प्रस्ताव के पक्ष में हैं या खिलाफ। विधानसभा में पूरे दिन तीखी बहस हुई और हरीश राव और उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क सहित मंत्रियों के बीच इस मुद्दे पर एक-दूसरे पर आरोप लगाते हुए तीखी बहस हुई।

साइबराबाद सीपीओ में आईआरएडी ऐप संवेदीकरण बैठक आयोजित

हैदराबाद , 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद कमिश्नरेट के कार्यालय के मिनी कॉन्फ्रेंस हॉल में आईआरएडी (एकीकृत सड़क दुर्घटना डेटा बेस) और ई-डीएआर (ई-विस्तृत दुर्घटना रिपोर्ट) एप्लिकेशन पर एक ऑनलाइन ज़ूम मीटिंग आयोजित की गई।

इस संबंध में, डीसीपी, सड़क सुरक्षा, पुलिस निरीक्षक - सड़क सुरक्षा, पुलिस के एसआई, मंडल समन्वयक और सड़क सुरक्षा के अन्य कर्मचारी मिनी कॉन्फ्रेंस हॉल में ज़ूम मीटिंग में शामिल हुए। साथ ही, सभी कानून एवं व्यवस्था पीएसएस प्रशासक एसआई और सड़क सुरक्षा समन्वयक (आरएससी) भी ऑनलाइन (वर्चुअली) माध्यम से बैठक में भाग ले रहे हैं। डीसीपी, सड़क सुरक्षा ने पुष्टि की है कि आईआरएडी एप्लिकेशन का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं के साथ-साथ इससे होने वाली मौतों को 50% तक रोकना है। जिला रोलआउट प्रबंधक अर्थात आमेर अली और सतीश ने आईआरएडी एप्लिकेशन के बारे में प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया। आईआरएडी एप्लिकेशन को आईआईटी मद्रास और एनआईसीएसआई (राष्ट्रीय सूचना केंद्र सेवा इंक) द्वारा एमओआरटीएच (सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय) की निगरानी में विकसित किया गया है। इस एप्लिकेशन में कुल 7 विभाग मिलकर काम करेंगे। इनमें पुलिस, परिवहन, राजमार्ग, स्वास्थ्य, एमएसीटी (मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण), बीमा और कानूनी सेवाएं शामिल हैं। वीसी में भाग लेने वालों में एलसी नाइक, डीसीपी, सड़क सुरक्षा, जी. गुरुवैया, पुलिस निरीक्षक यातायात, के. श्वेता, पुलिस यातायात एसआई, जिला रोलआउट प्रबंधक मेडचल-मल्काजगिरी और आरआर जिले आमेर अली, सतीश और साइबराबाद सड़क सुरक्षा ब्यूरो के अन्य कर्मचारी रहे।

डॉक्टरों ने चूहे के काटने की घटना पर निलंबन का विरोध किया

हैदराबाद, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई में एक मरीज को चूहे द्वारा काटे जाने की घटना पर कामारेड्डी सरकारी मेडिकल कॉलेज और जनरल अस्पताल के दो वरिष्ठ डॉक्टरों को निलंबित करने के राज्य सरकार के फैसले के खिलाफ सरकारी डॉक्टरों ने सोमवार को पूरे तेलंगाना में बड़ा विरोध प्रदर्शन शुरू किया।

आउट पेशेंट घंटों के दौरान कुछ मिनटों के लिए अपने नियमित कर्तव्यों का बहिष्कार करते हुए, तेलंगाना टीचिंग गवर्नमेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (टीटीजीडीए) के सदस्यों ने भी अपनी मांग दोहराई कि राज्य सरकार को अगले 24 घंटों के भीतर वरिष्ठ डॉक्टरों को निलंबित करने के अपने फैसले को वापस लेना चाहिए। विरोध स्वरूप वरिष्ठ डॉक्टरों ने काले बिल्ले लगाए और राज्य सरकार के खिलाफ नारे लगाए।

टीटीजीडीए के सदस्यों ने कहा कि अगर राज्य सरकार अपने फैसले से पीछे नहीं हटती है तो वे 'चलो डीएमई' कार्यक्रम शुरू करेंगे और अगर जरूरत पड़ी तो राज्यव्यापी आंदोलन भी करेंगे। टीटीजीडीए के अध्यक्ष डॉ. अनवर और महासचिव डॉ. जे. और अन्य वरिष्ठ डॉक्टरों ने कहा कि डॉ. वसंत कुमार, जिन्हें रविवार को राज्य सरकार ने निलंबित कर दिया था, आईसीयू में एक मरीज को चूहे द्वारा काटने की घटना के समय कामारेड्डी में मौजूद नहीं थे। उन्होंने बताया कि डॉ. वसंत 9 फरवरी से गांधी मेडिकल कॉलेज में परीक्षा ड्यूटी पर हैं। आप एक डॉक्टर को कैसे निलंबित कर सकते हैं जब उसे घटना के समय कामारेड्डी में नहीं बल्कि राज्य सरकार द्वारा कहीं और प्रतिनियुक्त किया गया था? यह स्पष्ट रूप से एक प्रशासनिक मुद्दा है। राज्य सरकार बेवजह सीनियर डॉक्टरों को बलि का बकरा बना रही है। अस्पताल का प्रशासन और स्वच्छता एजेंसी अस्पताल के रखरखाव और रख-रखाव के लिए जिम्मेदार हैं।

आशा कार्यकर्ता विभाग की रीढ़ हैं

हैदराबाद 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी स्वास्थ्य कर्मचारियों की भलाई में में रूचि रखते हैं। उनका कहना है कि वे विभाग की रीढ़ हैं। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य, चिकित्सा मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा आशा कार्यकर्ताओं के लंबित वेतन का तुरंत भुगतान करने के लिए निर्देश दिए। परिवार कल्याण, विभाग तेलंगाना सरकार सभी जिलों को धनराशि जारी करेगी। तदनुसार, तेलंगाना सरकार ने आवश्यक बजट जारी कर दिया है। सभी जिलों में आशा कार्यकर्ताओं के दो महीने के लंबित वेतन का भुगतान हो चुका है। सभी 28,160 आशा कार्यकर्ताओं को भुगतान जारी कर दिया गया।

राज्यसभा चुनाव के लिए वाईएसआरसीपी की ओर से तीन नामांकन दाखिल

विजयवाड़ा, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सत्तारूढ़ वाईएसआरसीपी की ओर से तीन उम्मीदवारों ने आगामी राज्यसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल किया है। वाईवी सुब्बा रेड्डी, मेदा रघुनाथ रेड्डी, गोला बाबू राव ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है। उन्होंने विधानसभा के संयुक्त सचिव और राज्यसभा चुनाव के लिए रिटर्निंग ऑफिसर को अपने कागजात सौंपे। इससे पहले दिन में, तीनों ने ताडेपल्ली में सीएम वाईएस जगन के कैंप कार्यालय में उनसे मुलाकात की। इस अवसर पर बोलते हुए, वाईवी सुब्बा रेड्डी ने कहा कि जगन एससी, एसटी और बीसी समुदायों को संसद की सीढ़ियाँ चढ़ने का अवसर दे रहे हैं जैसा इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि ये तीनों उन्हें मिले मौके का फायदा उठाकर चुनाव में जीत हासिल करेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि वाईएसआरसीपी आगामी विधानसभा चुनाव में भी जीत हासिल करेगी। उन्होंने कहा कि सभी लोग चाहते हैं कि जगन सरकार दोबारा सत्ता में आये। हमने मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी के आशीर्वाद से अपना नामांकन दाखिल किया है। जगन के लिए यह संभव है कि वह एक समान समाज के लिए कितनी दूर तक जा सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि समाज के कमजोर वर्गों को बड़ा धक्का दिया गया है और उनके जैसे सामान्य लोगों को राज्यसभा में भेजने का श्रेय केवल जगन को दिया जाता है। हमें आगामी विधानसभा चुनावों में 175 विधानसभा सीटें जीतने का भरोसा है। चंद्रबाबू नायडू और सीएम जगन मोहन रेड्डी के बीच बहुत अंतर है। अतीत में, चंद्रबाबू ने अनुसूचित जाति को अवसर नहीं दिया। चंद्रबाबू के अपने आदमी कनकमेदला को राज्यसभा भेजा। लेकिन जगन एससी, एसटी और बीसी को सर्वोच्च प्राथमिकता वह आगामी चुनावों में भी वाईएसआरसीपी की जीत सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे।

आबकारी विभाग में बडे पैमाने पर तबादला

हैदराबाद, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सरकार ने तेलंगाना के उत्पाद शुल्क विभाग में 14 उत्पाद शुल्क अधीक्षकों, दो उपायुक्तों और 9 सहायक आयुक्तों के तबादले के आदेश जारी किए हैं। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर तबादलों की सूची में अब पहले की तरह आबकारी विभाग भी शामिल हो गया है। परिणामस्वरूप, जो लोग पिछले चार वर्षों में एक ही राजस्व जिले में तीन वर्षों से काम कर रहे हैं, उन्हें स्थानांतरण किया गया है। मालूम हो कि प्रदेश में 395 एमपीडीओ, 132 तहसीलदार और 33 नायब तहसीलदारों का तबादला हो चुका है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.